

भारत की आकांक्षाओं को  
 नई उड़ान देते हुए  
**Giving Wings to  
 Aspirational India**



वार्षिक रिपोर्ट  
 ANNUAL REPORT

2013-14



# विषय-सूची

भारतीय स्टेट बैंक के बारे में	
सूचना	01
भारतीय आकांक्षाओं को नई उड़ान देते हुए	02
भारतीय स्टेट बैंक की उपलब्धिपूर्ण यात्रा	04
निष्पादन संकेतक	06
पिछले 10 वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन	08
केंद्रीय निदेशक बोर्ड	10
स्थानीय बोर्डों के सदस्य, केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य और बैंक के लेखा-परीक्षक	14
अध्यक्ष की कलम से	18

सांविधिक रिपोर्टें	
<b>निदेशकों की रिपोर्ट</b>	
आर्थिक पृष्ठभूमि एवं बैंकिंग परिवेश	28
वित्तीय निष्पादन	32
I. 1 प्रमुख व्यवसाय	34
व्यवसाय समूह	34
क) राष्ट्रीय बैंकिंग समूह	34
ख) कारपोरेट बैंकिंग समूह	46
ग) मध्य कारपोरेट समूह	50
घ) अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह	50
ड) वैश्विक मार्केट परिचालन	54
2 नव व्यवसाय	56
3 अनर्जक आस्ति प्रबंधन	58
II. सहायक एवं नियंत्रण परिचालन	
1 सूचना प्रौद्योगिकी	62
2 जोखिम प्रबंधन और आंतरिक नियंत्रण	64
3 सतर्कता	70
4 मानव संसाधन	70
5 कार्यनीतिक प्रशिक्षण इकाई (एसटीयू)	74
6 राजभाषा	74
7 कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)	76
III. सहयोगी एवं अनुषंगी	78
उत्तरदायित्व वक्तव्य और आभार	82
कारपोरेट अभिशासन	84
अनुलग्नक I से V	100

वित्तीय विवरण	
भारतीय स्टेट बैंक	117
स्टेट बैंक समूह (समेकित)	128

# CONTENTS

ABOUT SBI	
Notice	01
Giving Wings to an Aspirational India	03
SBI's Journey through Numbers	04
Performance Indicators	07
Financial Highlights for the Last 10 years	09
Central Board Of Directors	10
Members of Local Boards, Members of Central Management Committee and Bank's Auditors	14
From the Desk of the Chairman	19

STATUTORY REPORTS	
<b>Directors' Report</b>	
Economic Backdrop and Banking Environment	29
Financial Performance	33
I. 1 Core Operations	35
Business Groups	35
A) National Banking Group	35
B) Corporate Banking Group	47
C) Mid Corporate Group	51
D) International Banking Group	51
E) Global Markets Operations	55
2 New Businesses	57
3 NPA Management	59
II. Support & Control Operations	
1 Information Technology	63
2 Risk Management & Internal Controls	65
3 Vigilance	71
4 Human Resources	71
5 Strategic Training Unit (STU)	75
6 Official Language	75
7 Corporate Social Responsibility (CSR)	77
III. Associates & Subsidiaries	79
Responsibility Statement and Acknowledgement	83
<b>Corporate Governance</b>	85
Annexures I to V	101

FINANCIAL STATEMENTS	
State Bank of India	117
State Bank Group (Consolidated)	128



## सूचना



### भारतीय स्टेट बैंक

( भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के अंतर्गत गठित )

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की 59वीं वार्षिक महासभा “वाई. बी. चव्हाण ऑडिटोरियम”, वाई. बी. चव्हाण केंद्र, जनरल जगन्नाथ भोसले मार्ग, नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400021 (महाराष्ट्र) में गुरुवार, 3 जुलाई 2014 को अपराह्न 3.00 बजे निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु आयोजित की जाएगी:

“स्टेट बैंक का 31 मार्च 2014 तक का तुलन-पत्र और लाभ एवं हानि खाता तथा इस लेखा अवधि की स्टेट बैंक की कार्य-प्रणाली और कार्यकलाप पर केन्द्रीय बोर्ड की रिपोर्ट एवं तुलन-पत्र और लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना, चर्चा करना और उसे स्वीकार करना।”

कारपोरेट केन्द्र,  
स्टेट बैंक भवन,  
मादाम कामा रोड  
मुंबई - 400 021

*अ. भट्टाचार्य*

(अरुंधती भट्टाचार्य)  
अध्यक्ष

दिनांक : 19 मई, 2014

### महत्वपूर्ण सूचना

घोषित लाभांश	₹30.00 प्रति शेयर
अंतरिम लाभांश	₹15.00 प्रति शेयर
लाभांश भुगतान की तारीख	02.04.2014
लाभांश का अंतिम भुगतान	₹15.00 प्रति शेयर
भुगतान की तारीख	19.06.2014
बहीबंदी की अवधि	31.05.2014 से 04.06.2014
रेकार्ड की तारीख	30.05.2014

## NOTICE



### STATE BANK OF INDIA

(Constituted under the State Bank of India Act, 1955)

The 59th Annual General Meeting of shareholders of State Bank of India will be held at the “Y. B. Chavan Auditorium”, Y. B. Chavan Centre, General Jagannath Bhosale Marg, Nariman Point, Mumbai - 400021 (Maharashtra) on Thursday, the 3rd July, 2014 at 03.00 P.M. for transacting the following business:-

“to receive, discuss and adopt the Balance Sheet and the Profit and Loss Account of the State Bank made upto the 31st day of March 2014, the report of the Central Board on the working and activities of the State Bank for the period covered by the Accounts and the Auditor’s Report on the Balance Sheet and Accounts”.

Corporate Centre,  
State Bank Bhavan,  
Madame Cama Road,  
Mumbai - 400 021

*A. Bhattacharya*  
(ARUNDHATI BHATTACHARYA)  
CHAIRMAN

Date: 19th May, 2014

### Important Information

Dividend Declared	₹30.00 per share
Interim Dividend	₹15.00 per share
Payment Date	02.04.2014
Final payment of Dividend	₹15 per share
Payment date	19.06.2014
Period of Book Closure	31.05.2014 to 04.06.2014
Record Date	30.05.2014



# भारत की आकांक्षाओं को नई उड़ान देते हुए

भारत के स्वतंत्र होने के बाद इसकी पहचान उच्च आकांक्षाओं वाले देश के रूप में बनी है। ये आकांक्षाएँ बढ़ते भारत की जान हैं। हम क्रय शक्ति की समानता में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। भारत की अतुल्य जनशक्ति में अच्छे भविष्य का विश्वास है। एक राष्ट्र के रूप में हर दिल में विकास और बेहतर जीवन है।

भारत की 125 करोड़ की विशाल जनसंख्या में आधी 25 वर्ष से कम आयु की है। विभिन्न मत मतांतर वाले असंख्य लोगों और सांस्कृतिक विविधता के बीच इनकी उच्च आकांक्षाओं की पूर्ति समर्पित प्रयासों से ही संभव है।

भारतीय स्टेट बैंक भारत और इसके विकास के हर प्रयास में भागीदार रहा है। आज जब एक नया भारत मजबूत अर्थव्यवस्था, बेहतर अवसरों, वित्तीय सेवाओं की बढ़ती अपेक्षाओं के साथ उभर रहा है तब भी भारतीय स्टेट बैंक इस परिवर्तन में सहभाग करने में सबसे आगे है।

भारतीय स्टेट बैंक भारत की अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र चाहे प्राथमिक, माध्यमिक या कोई अन्य क्षेत्र हो, सभी को समान रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। यह छोटे से छोटे गांव से लेकर विश्व के प्रमुख वित्तीय केंद्रों पर भारत की सबसे विश्वसनीय संस्था है।

हम अपने ग्राहकों और अपने कार्य-परिवेश की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर अपनी संस्था और इसकी भूमिका का पुनर्विन्यास करते रहते हैं। हमने प्रौद्योगिकी और इस पर आधारित बैंकिंग को अपनी नई पहचान बना लिया है। हमने ग्राहक संपर्क को और सुदृढ़ करने के लिए सोशल मीडिया पर भी दस्तक दी है। हम अपनी शाखाओं और अपने

विशाल नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं और बैंकिंग के क्षेत्र में हर दिल की पसंद बनने के लिए निरंतर नए-नए उत्पाद और सेवाएँ विकसित कर रहे हैं।

सरकार के समावेशी विकास के प्रयासों के अनुरूप वित्तीय समावेशन के प्रति हम भी प्रतिबद्ध हैं। हम राष्ट्र की आकांक्षाओं को हकीकत में बदलने के लिए जन-जन को हरसंभव सहयोग कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि बैंक सेवाओं से वंचित रहे लोगों के लिए एक बेहतर जीवन सुनिश्चित करें।

कुछ सौ शाखाओं और कुछ सौ करोड़ के कारोबार के साथ शुरुआत कर आज आपके बैंक का कारोबार ₹26 ट्रिलियन के पार पहुंच चुका है। भारतीय स्टेट बैंक के 100,000 से अधिक संपर्क परिसर (शाखाएँ, एटीएम, ग्राहक सेवा केंद्र) हैं जिनके द्वारा हमारे ग्राहकों को देश-विदेश में सीधे सेवाएं दी जा रही हैं। यह केवल एक वाणिज्यिक बैंक की ही कहानी नहीं है। यह कहानी है उस आकांक्षाशील भारत की जिसने विगत वर्षों में विकास की एक नई गाथा लिखी है और जो निरंतर विश्वास के साथ आगे बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक आकांक्षाशील भारत राष्ट्र का पर्याय बन चुका है। हम इस उच्चाकांक्षी देश को नई उड़ान देने पर गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं।

तब  
01.07.1955 को  
(एसबीआई की स्थापना)

477
8
14,388
₹327 करोड़
₹1 करोड़

अब  
31.03.2014 को

शाखाओं की संख्या	15,869
विदेश स्थित कार्यालय	190
कर्मचारी संख्या	2,22,033
कुल व्यवसाय	₹26,39,531 करोड़
निवल लाभ	₹10,891 करोड़



# Giving wings to an Aspirational India

India is a country defined by soaring aspirations, especially of the post-Independence generation. These aspirations are propelling India forward. We are already the world's 3rd largest economy in purchasing power parity (PPP) terms. India's unparalleled demographic dividend augurs well for the future too, with growth and a better life being at the heart of all we do as a nation.

The sheer size of India – 1.25 billion people, with half of them below 25 years of age – coupled with the diversity of its populace and plurality of cultural moorings, makes realising these aspirations a daunting task.

State Bank of India (SBI)'s relationship with India and its growth is umbilical. Which is why, as a new, aspirational India emerges, backed by a strengthening economy, more opportunities and increasing penetration of financial services, SBI is at the forefront of this transformation.

SBI makes a profound contribution in driving all sectors of the Indian economy – primary, secondary and tertiary, in equal measure. It is one of India's most familiar institutions of trust stretching from the remotest villages to the global financial hubs.

And we are constantly re-engineering ourselves and our role to keep step with the changing dynamics of the needs of our customers and our operating environment. We have recognised technology-driven, on-the-go banking as the new normal. We are leveraging customer-connect platforms on social media to further our reach. We are

expanding our physical branch and network presence, and constantly evolving our products and services portfolio to remain a preferred contemporary choice in banking.

At the same time, our commitment to financial inclusion continues unabated, in line with the national agenda of inclusive growth. We focus on helping translate national aspirations into on-ground realities, and ensuring value creation for all and ensuring a better quality of life for large parts of our yet unbanked population.

What started off with a few hundred branches and a few hundred crores of business, is today a Bank that has surpassed ₹26 trillion in business size. SBI has over 100,000 touch points (branches, ATMs, CSPs) that directly serve our customers everywhere. But this is not just the story of a commercial Bank. It is the story of how an aspirational India has embraced growth over the years, and how it continues to look ahead with confidence. SBI is a proxy for the aspirational nation of India. And we are proud of our ability to give wings to those aspirations.

**THEN**  
As on 01.07.1955  
(Formation of SBI)

**NOW**  
As on 31.03.2014

477	Number of branches	15,869
8	Foreign Offices	190
14,388	Employee Strength	2,22,033
₹327 crores	Total Business	₹26,39,531 crores
₹1 crore	Net Profit	₹10,891 crores



# भारतीय स्टेट बैंक की उपलब्धिपूर्ण यात्रा

# SBI'S JOURNEY THROUGH NUMBERS

नं. No. 1	देश का सबसे बड़ा बैंक (जमाराशियां, अग्रिम, लाभ, शाखाएं और कर्मचारी)	Largest Bank in India (Deposits, Advances, Profits, Branches, Employees)
21.92 करोड़+ crores+	सक्रिय ग्राहक आधार	Active customer base
26 लाख करोड़+ lakhs crores+	व्यवसाय आकार	Business size
1 लाख+ lakh+	संपर्क स्थल	Touch points
43,515	देश भर में एटीएम (देश के कुल एटीएमों में 26% स्टेट बैंक के एटीएम)	Pan-India ATMs (26% of market share in ATM population in India)
45,487	व्यवसाय प्रतिनिधि और ग्राहक सेवा केन्द्र	Business correspondent and Customer Service Points
5.63 करोड़+ crores+	कोर बैंकिंग लेनदेन (दैनिक औसत लेनदेन)	Core Banking Transactions (daily average transactions)
70 लाख+ lakhs+	प्रति दिन एटीएम लेनदेन (देश के कुल एटीएम लेनदेन का 38%)	ATM transactions per day (38% of the country's total ATM transactions)
17 करोड़+ crores+	स्टेट बैंक ग्रुप डेबिट कार्ड धारक (43% से अधिक बाजार अंश)	State Bank Group debit card holders (43%+ market share)
1.77 करोड़+ crore+	इंटरनेट बैंकिंग प्रयोक्ता	Internet banking users
95 लाख lakhs	मोबाइल बैंकिंग प्रयोक्ता	Mobile Banking users
1,35,853	पीओएस मशीनें	POS machines
48 लाख+ lakhs+	ग्रीन रेमिट कार्ड	Green Remit Cards
52,260	समस्त भारत में गांवों को सेवा	Pan-India village coverage
61.60 लाख lakhs	किसान क्रेडिट कार्ड	Kisan Credit Cards



## भारतीय स्टेट बैंक – आकांक्षाशील भारत के विकास में साथ

वर्ष 1806 में अपने प्रादुर्भाव के साथ बैंक ऑफ कलकत्ता के रूप में स्थापित भारत का सबसे पहला बैंक भारतीय स्टेट बैंक निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। 200 वर्षों से अधिक की समृद्ध परंपरा वाला यह भारतीय उप-महाद्वीप का पहला वाणिज्यिक बैंक राष्ट्र की हजार खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण और इसकी विशाल जनसंख्या की आकांक्षाओं की पूर्ति में निरंतर सेवारत है।

भारतीय स्टेट बैंक परिसंपत्तियों, जमा राशियों, लाभ, शाखा, ग्राहक और कर्मचारी संख्या में देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है। यह करोड़ों ग्राहकों के निरंतर विश्वास के साथ आज हर भारतीय का बैंक है।

### विज़न

- मेरा भारतीय स्टेट बैंक।
- मेरा ग्राहक सर्वोपरि।
- मेरा एसबीआई: ग्राहक संतुष्टि में प्रथम।

### मिशन

- हम अपने ग्राहकों के प्रति तत्पर, विनम्र एवं संवेदनशील रहेंगे।
- हम युवा भारत की भाषा बोलेंगे।
- हम ऐसी सेवाएं बनाएंगे जो हमारे ग्राहकों के सपनों को पूरा कर सकें।
- हम कर्तव्य से आगे जाकर अपने ग्राहकों को यह एहसास कराएंगे कि वे महत्वपूर्ण हैं।
- हम देश के सुदूर भागों में भी सेवाएं प्रदान करेंगे।
- विदेश-स्थित लोगों को भी हम वैसी ही सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान करेंगे, जैसी भारतवासियों को प्रदान करते हैं।
- उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाएंगे।

### मूल्य

- हम सदा ईमानदार, निश्छल और नीतिप्रिय रहेंगे।
- हम अपने ग्राहकों एवं सहकर्मियों का सम्मान करेंगे।
- ज्ञान हमारा मार्गदर्शक होगा।
- हम सीखने की प्रक्रिया जारी रखेंगे और प्राप्त ज्ञान का प्रसार करेंगे।
- हम कभी सुविधावादी मार्ग नहीं अपनाएंगे।
- जिस समाज में हम कार्य करते हैं उसके उत्थान हेतु हम हर संभव प्रयास करेंगे।
- हम भारत में गर्व का विकास करेंगे।

## SBI – DRIVING ASPIRATIONAL INDIA

Founded in 1806, Bank of Calcutta was the first Bank established in India and over a period of time evolved into SBI. SBI represents a sterling legacy of over 200 years. It is the oldest commercial Bank in the Indian subcontinent, strengthening the nation's trillion-dollar economy and serving the aspirations of its vast population.

The Bank is India's largest commercial Bank in terms of assets, deposits, profits, branches, number of customers and employees, enjoying the continuing faith of millions of customers across the social spectrum.

### VISION

- My SBI.
- My Customer first.
- My SBI: First in customer satisfaction.

### MISSION

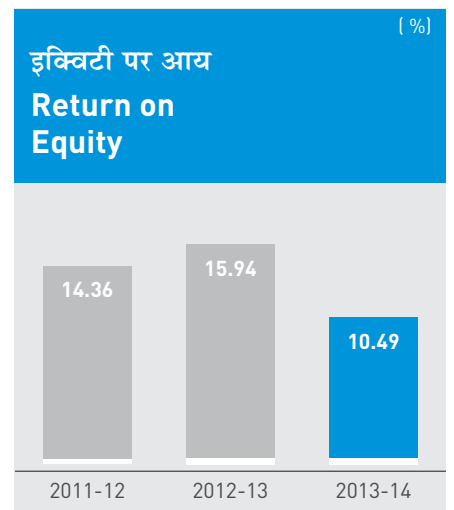
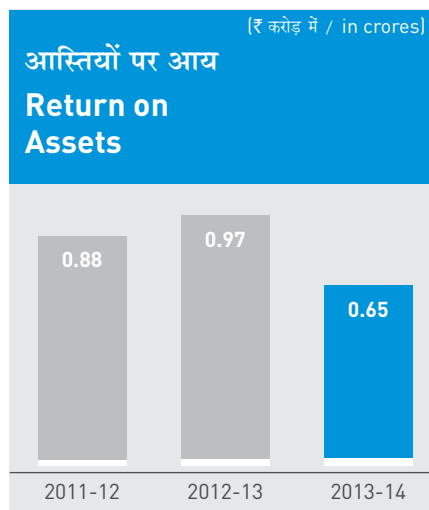
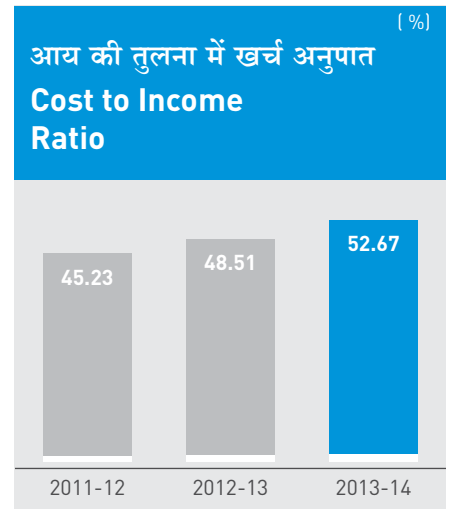
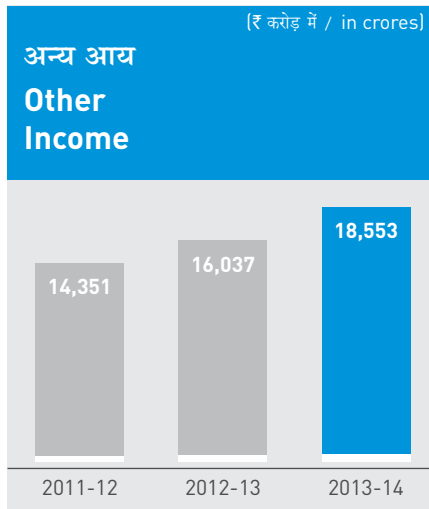
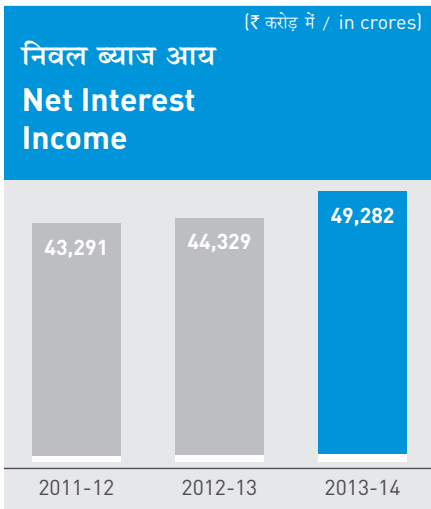
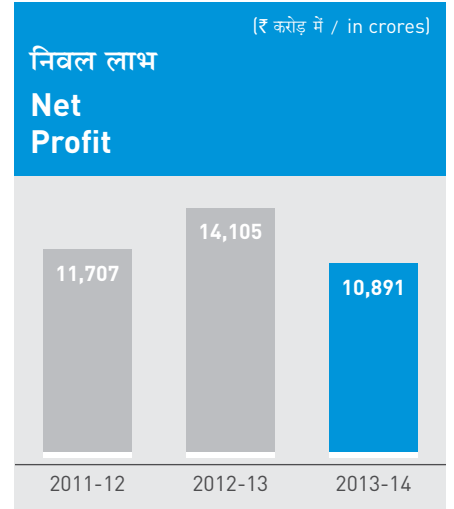
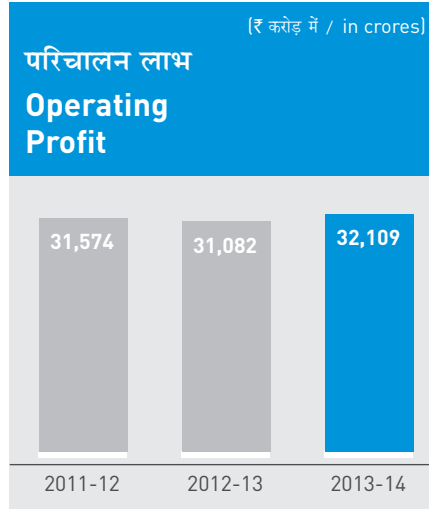
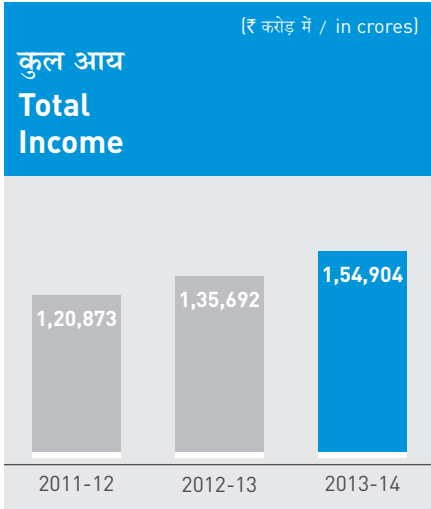
- We will be prompt, polite and proactive with our customers.
- We will speak the language of young India.
- We will create products and services that help our customers achieve their goals.
- We will go beyond the call of duty to make our customers feel valued.
- We will be of service even in the remotest part of our country.
- We will offer excellence in services to those abroad as much as we do to those in India.
- We will imbibe state-of-the-art technology to drive excellence.

### VALUES

- We will always be honest, transparent and ethical.
- We will respect our customers and fellow associates.
- We will be knowledge driven.
- We will learn and we will share our learning.
- We will never take the easy way out.
- We will do everything we can to contribute to the community we work in.
- We will nurture pride in India.



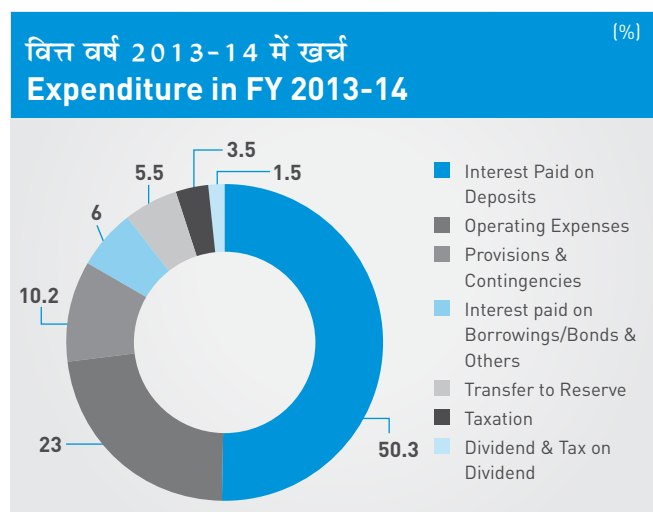
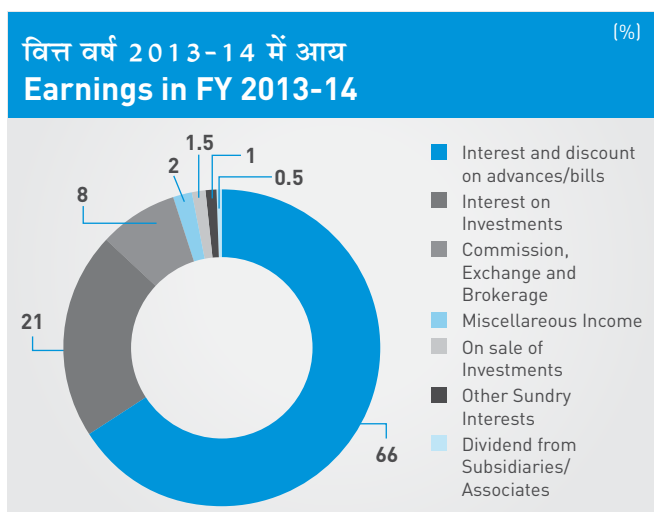
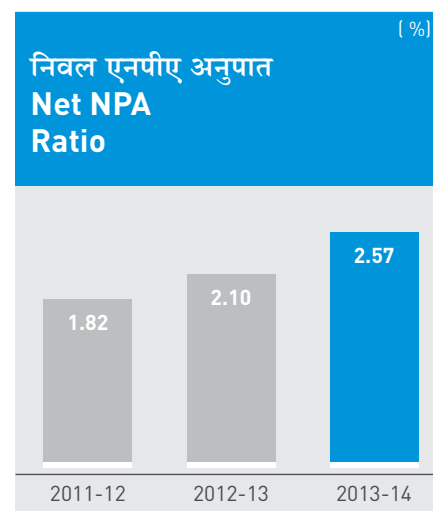
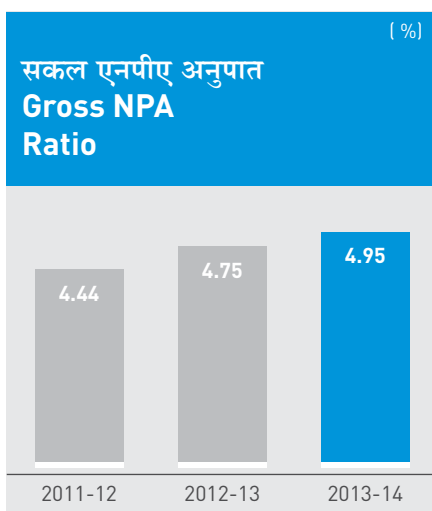
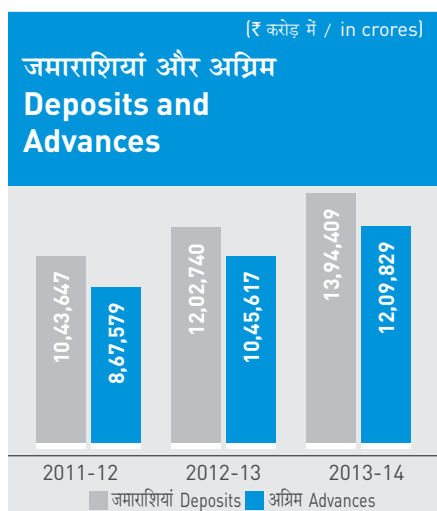
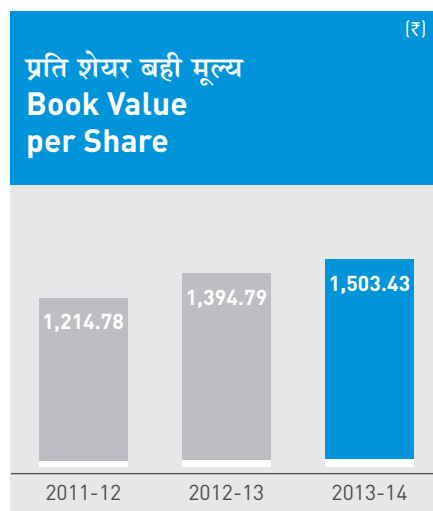
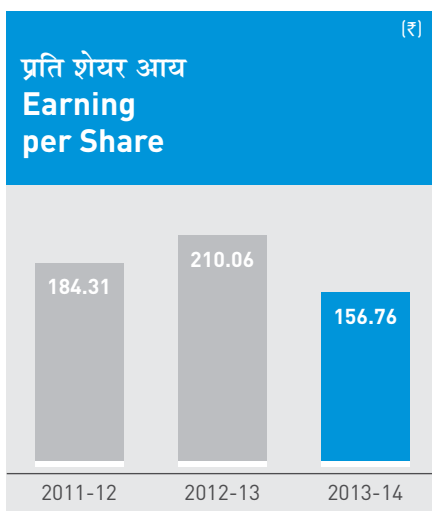
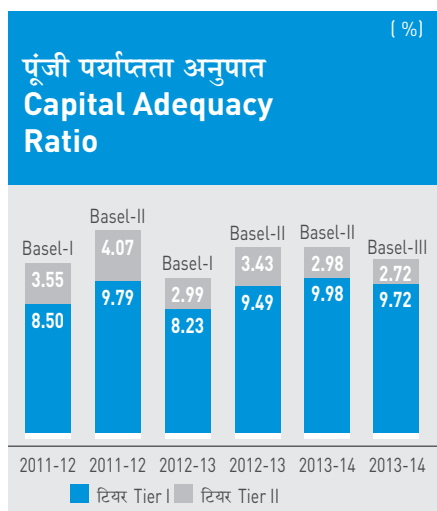
# निष्पादन संकेतक







# PERFORMANCE INDICATORS





# पिछले 10 वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
<b>देयताएं</b>										
पूंजी (करोड़ रुपए में)	526	526	526	631	635	635	635	671	684	747
अपेक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ रुपए)	23,546	27,118	30,772	48,401	57,313	65,314	64,351	83,280	98,200	1,17,536
जमा राशियां (करोड़ रुपए)	3,67,048	3,80,046	4,35,521	5,37,404	7,42,073	8,04,116	9,33,933	10,43,647	12,02,740	13,94,409
उधारियां (करोड़ रुपए)	19,184	30,642	39,704	51,728	53,713	1,03,012	1,19,569	1,27,006	1,69,183	1,83,131
अन्य (करोड़ रुपए)	49,579	55,538	60,042	83,362	1,10,698	80,337	1,05,248	80,915	95,404	96,412
<b>कुल (करोड़ रुपए)</b>	<b>4,59,883</b>	<b>4,93,870</b>	<b>5,66,565</b>	<b>7,21,526</b>	<b>9,64,432</b>	<b>10,53,414</b>	<b>12,23,736</b>	<b>13,35,519</b>	<b>15,66,211</b>	<b>17,92,235</b>
<b>आस्तियां</b>										
निवेश (करोड़ रुपए)	1,97,098	1,62,534	1,49,149	1,89,501	2,75,954	2,85,790	2,95,601	3,12,198	3,50,878	3,98,308
अग्रिम (करोड़ रुपए)	2,02,374	2,61,642	3,37,337	4,16,768	5,42,503	6,31,914	7,56,719	8,67,579	10,45,617	12,09,829
अन्य आस्तियां (करोड़ रुपए)	60,411	69,694	80,079	1,15,257	1,45,975	1,35,710	1,71,416	1,55,742	1,69,716	1,84,098
<b>कुल (करोड़ रुपए)</b>	<b>4,59,883</b>	<b>4,93,870</b>	<b>5,66,565</b>	<b>7,21,526</b>	<b>9,64,432</b>	<b>10,53,414</b>	<b>12,23,736</b>	<b>13,35,519</b>	<b>15,66,211</b>	<b>17,92,235</b>
निवल ब्याज आय (करोड़ रुपए)	13,945	15,589	15,058	17,021	20,873	23,671	32,526	43,291	44,329	49,282
एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ रुपए)	1,204	148	1,429	2,001	2,475	5,148	8,792	11,546	11,368	14,224
परिचालन परिणाम (करोड़ रुपए)	10,990	11,299	10,000	13,108	17,915	18,321	25,336	31,574	31,082	32,109
कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ रुपए)	6,522	6,906	7,625	10,439	14,181	13,926	14,954	18,483	19,951	16,174
निवल लाभ (करोड़ रुपए)	4,305	4,407	4,541	6,729	9,121	9,166	8,265	11,707	14,105	10,891
औसत आस्तियों से आय (%)	0.99	0.89	0.84	1.01	1.04	0.88	0.71	0.88	0.97	0.65
इक्विटी से आय (%)	18.10	15.47	14.24	17.82	15.07	14.04	12.84	14.36	15.94	10.49
आय की तुलना में व्यय (%)	47.83	58.70	54.18	49.03	46.62	52.59	47.60	45.23	48.51	52.67
(निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)										
प्रति कर्मचारी लाभ (हजार रुपए में)	207	217	237	373	474	446	385	531	645	485
प्रति शेयर आय (रुपए)	81.79	83.73	86.10	126.62	143.77	144.37	130.16	184.31	210.06	156.76
प्रति शेयर लाभ (रुपए)	12.50	14.00	14.00	21.50	29.00	30.00	30.00	35.00	41.50	30.00
एसबीआई शेयर (एनएससी में मूल्य) (रुपए)	654.80	968.50	994.45	1,600.25	1,067.10	2,078.20	2,765.30	2,096.35	2,072.75	1,917.70
लाभांश भुगतान अनुपात (%) (रुपए)	15.28	16.72	16.22	20.18	20.19	20.78	23.05	20.06	20.12	20.56
<b>पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)</b>										
(₹ करोड़ में)										
बासले-II (%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	85.393	90.975	98.530	1,16,325	1,29,362	1,45,845
टिप्पर I (%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	14.25	13.39	11.98	13.86	12.92	12.96
टिप्पर II (%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	56.257	64.177	63.901	82.125	94.947	1,12,333
टिप्पर III (%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	29,136	26,798	34,629	34,200	34,415	33,512
(₹ करोड़ में)										
बासले-III (%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
टिप्पर I (%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
टिप्पर II (%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(₹ करोड़ में)										
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए (%)	2.65	1.88	1.56	1.78	1.79	1.72	1.63	1.82	2.10	2.57
देश में शाखाओं की संख्या	9,102	9,177	9,231	10,186	11,448	12,496	13,542	14,097	14,816	15,869
विदेश-स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या	54	70	83	84	92	142	156	173	186	190



# FINANCIAL HIGHLIGHTS FOR THE LAST 10 YEARS

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
<b>Liabilities</b>										
Capital (₹ in crores)	526	526	526	631	635	635	635	671	684	747
Reserves & Surplus (₹ in crores)	23,546	27,118	30,772	48,401	57,313	65,314	64,351	83,280	98,200	1,17,536
Deposits (₹ in crores)	3,67,048	3,80,046	4,35,521	5,37,404	7,42,073	8,04,116	9,33,933	10,43,647	12,02,740	13,94,409
Borrowings (₹ in crores)	19,184	30,642	39,704	51,728	53,713	1,03,012	1,19,569	1,27,006	1,69,183	1,83,131
Others (₹ in crores)	49,579	55,538	60,042	83,362	1,10,698	80,337	1,05,248	80,915	95,404	96,412
<b>Total (₹ in crores)</b>	<b>4,59,883</b>	<b>4,93,870</b>	<b>5,66,565</b>	<b>7,21,526</b>	<b>9,64,432</b>	<b>10,53,414</b>	<b>12,23,736</b>	<b>13,35,519</b>	<b>15,66,211</b>	<b>17,92,235</b>
<b>Assets</b>										
Investments (₹ in crores)	1,97,098	1,62,534	1,49,149	1,89,501	2,75,954	2,85,790	2,95,601	3,12,198	3,50,878	3,98,308
Advances (₹ in crores)	2,02,374	2,61,642	3,37,337	4,16,768	5,42,503	6,31,914	7,56,719	8,67,579	10,45,617	12,09,829
Other Assets (₹ in crores)	60,411	69,694	80,079	1,15,257	1,45,975	1,35,710	1,71,416	1,55,742	1,69,716	1,84,098
<b>Total (₹ in crores)</b>	<b>4,59,883</b>	<b>4,93,870</b>	<b>5,66,565</b>	<b>7,21,526</b>	<b>9,64,432</b>	<b>10,53,414</b>	<b>12,23,736</b>	<b>13,35,519</b>	<b>15,66,211</b>	<b>17,92,235</b>
Net Interest income (₹ in crores)	13,945	15,589	15,058	17,021	20,873	23,671	32,526	43,291	44,329	49,282
Provisions for NPA (₹ in crores)	1,204	148	1,429	2,001	2,475	5,148	8,792	11,546	11,368	14,224
Operating Result (₹ in crores)	10,990	11,299	10,000	13,108	17,915	18,321	25,336	31,574	31,082	32,109
Net Profit Before Taxes (₹ in crores)	6,522	6,906	7,625	10,439	14,181	13,926	14,954	18,483	19,951	16,174
Net Profit (₹ in crores)	4,305	4,407	4,541	6,729	9,121	9,166	8,265	11,707	14,105	10,891
Return on Average Assets (%)	0.99	0.89	0.84	1.01	1.04	0.88	0.71	0.88	0.97	0.65
Return on equity (%)	18.10	15.47	14.24	17.82	15.07	14.04	12.84	14.36	15.94	10.49
Expenses to Income (%) (Operating expenses to total Net Income)	47.83	58.70	54.18	49.03	46.62	52.59	47.60	45.23	48.51	52.67
Profit Per employee (₹ in 000)	207	217	237	373	474	446	385	531	645	485
Earnings Per Share (₹)	81.79	83.73	86.10	126.62	143.77	144.37	130.16	184.31	210.06	156.76
Dividend Per Share (₹)	12.50	14.00	14.00	21.50	29.00	30.00	30.00	35.00	41.50	30.00
SBI Share (Price on NSE) (₹)	654.80	968.50	994.45	1,600.25	1,067.10	2,078.20	2,765.30	2,096.35	2,072.75	1,917.70
Dividend Pay out Ratio % (₹)	15.28	16.72	16.22	20.18	20.19	20.78	23.05	20.06	20.12	20.56
<b>Capital Adequacy Ratio (%)</b> (₹ in crores)										
Basel-II (%)	N.A	N.A	N.A	N.A	85.393	90,975	98,530	1,16,325	1,29,362	1,45,845
Tier I (%)	N.A	N.A	N.A	N.A	14.25	13.39	11.98	13.86	12.92	12.96
Tier II (%)	N.A	N.A	N.A	N.A	56.257	64,177	63,901	82,125	94,947	1,12,333
Basel-III (%)	N.A	N.A	N.A	N.A	29,136	26,798	34,629	34,200	34,415	33,512
Tier I (%)	N.A	N.A	N.A	N.A	4.87	3.94	4.21	4.07	3.43	2.98
Tier II (%)	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	1,40,151
Net NPA to Net Advances (%)	2.65	1.88	1.56	1.78	1.79	1.72	1.63	1.82	2.10	2.57
Number of Domestic Branches	9,102	9,177	9,231	10,186	11,448	12,496	13,542	14,097	14,816	15,869
Number of Foreign Branches/offices	54	70	83	84	92	142	156	173	186	190



# केंद्रीय निदेशक बोर्ड

(23.05.2014 को)



श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य  
अध्यक्ष

**Smt. Arundhati Bhattacharya**  
Chairman



श्री ए. कृष्ण कुमार  
प्रबंध निदेशक

**Shri A. Krishna Kumar**  
Managing Director



श्री पी. प्रदीप कुमार  
प्रबंध निदेशक

**Shri P. Pradeep Kumar**  
Managing Director



श्री एस. वेंकटाचलम  
स्वतंत्र निदेशक

**Shri S. Venkatachalam**  
Independent Director



श्री डी. सुंदरम  
स्वतंत्र निदेशक

**Shri D. Sundaram**  
Independent Director



श्री पार्थसारथी अय्यंगार  
स्वतंत्र निदेशक

**Shri Parthasarathy Iyengar**  
Independent Director



श्री थॉमस मैथ्यू  
स्वतंत्र निदेशक

**Shri Thomas Mathew**  
Independent Director



श्री ज्योति भूषण महापात्रा  
वर्कमेन कर्मचारी निदेशक

**Shri Jyoti Bhushan Mohapatra**  
Workmen Employee Director



श्री एस. के. मुखर्जी  
अधिकारी कर्मचारी निदेशक

**Shri S.K. Mukherjee**  
Officer Employee Director



डॉ. राजीव कुमार  
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**Dr. Rajiv Kumar**  
Director Nominated by GOI



श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह  
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**Shri Harichandra Bahadur Singh**  
Director Nominated by GOI



श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी  
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**Shri Tribhuvan Nath Chaturvedi**  
Director Nominated by GOI



श्री गुरदयाल सिंह संधु  
सचिव, डीएफएस, भारत सरकार  
द्वारा नामित निदेशक

**Shri Gurdial Singh Sandhu**  
Secretary, DFS  
Director Nominated by GOI



डॉ. ऊर्जित आर. पटेल  
डीजी, आरबीआई  
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

**Dr. Urjit R. Patel**  
DG, RBI  
Director Nominated by GOI



# CENTRAL BOARD OF DIRECTORS

(As on 23.05.2014)

## अध्यक्ष

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

## प्रबंध निदेशक

श्री ए. कृष्ण कुमार  
श्री पी. प्रदीप कुमार

## भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक

श्री एस. वेंकटाचलम  
श्री डी. सुंदरम  
श्री पार्थसारथी अय्यंगार  
श्री थॉमस मैथ्यू  
कार्यकाल : 3 वर्ष तथा और 3 वर्ष की अवधि के लिए पुनर्निर्वाचन हेतु पात्र  
अधिकतम कार्यकाल : लगातार 6 वर्ष

## भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(गक) के अंतर्गत निदेशक

श्री ज्योति भूषण महापात्रा  
भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(गख) के अंतर्गत निदेशक

श्री एस. के. मुखर्जी  
भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत निदेशक

डॉ. राजीव कुमार  
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह  
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी  
कार्यकाल : 3 वर्ष और पुनर्नियुक्ति/पुनर्नामांकन हेतु पात्र, परंतु अधिकतम कार्यकाल 6 वर्ष

## भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ङ) के अंतर्गत निदेशक

श्री गुरदयाल सिंह संधु  
भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत निदेशक

डॉ. ऊर्जित आर. पटेल

## Chairman

Smt. Arundhati Bhattacharya

## Managing Directors

Shri A. Krishna Kumar  
Shri P. Pradeep Kumar

## Directors elected under Section 19(c) of SBI Act

Shri S. Venkatachalam  
Shri D. Sundaram  
Shri Parthasarathy Iyengar  
Shri Thomas Mathew  
Term: 3 years and eligible for re-election for further period of 3 years  
Maximum tenure: 6 years continuously

## Director under Section 19(ca) of SBI Act

Shri Jyoti Bhushan Mohapatra

## Director under Section 19(cb) of SBI Act

Shri S.K. Mukherjee

## Directors under Section 19(d) of SBI Act

Dr. Rajiv Kumar  
Shri Harichandra Bahadur Singh  
Shri Tribhuvan Nath Chaturvedi  
Term: 3 years and eligible for re-appointment/re-nomination, subject to a maximum tenure of 6 years

## Director under Section 19(e) of SBI Act

Shri Gurdial Singh Sandhu

## Director under Section 19(f) of SBI Act

Dr. Urjit R. Patel



## बोर्ड की समितियां (दिनांक 23 मई, 2014 की स्थिति के अनुसार)

### केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति ( ईसीसीबी )

#### अध्यक्ष

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

#### प्रबंध निदेशक

श्री ए. कृष्ण कुमार और श्री पी. प्रदीप कुमार

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत नामित निदेशक (भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती), अर्थात डॉ. ऊर्जित आर. पटेल और भारत में हो रही बैठक-स्थल के निवासी या बैठक के समय उस स्थान पर उपस्थित सभी या अन्य कोई निदेशक।

### बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति ( एसीबी )

श्री एस. वैकटाचलम, निदेशक – समिति के अध्यक्ष

श्री डी. सुंदरम, निदेशक – सदस्य

श्री थॉमस मैथ्यू, निदेशक – सदस्य

डॉ. राजीव कुमार, निदेशक – सदस्य

श्री गुरदयाल सिंह संधु, भारत सरकार के नामिती – सदस्य

डॉ. ऊर्जित आर. पटेल, भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती – सदस्य

श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग) – सदस्य (पदेन)

श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) – सदस्य (पदेन)

### बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति ( आरएमसीबी )

श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग) – सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष

श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) – सदस्य (पदेन)

श्री एस. वैकटाचलम, निदेशक – सदस्य

श्री डी. सुंदरम, निदेशक – सदस्य

श्री थॉमस मैथ्यू, निदेशक – सदस्य

डॉ. राजीव कुमार, निदेशक – सदस्य

श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, निदेशक – सदस्य

### बोर्ड की शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति ( एसआईजीसीबी )

श्री एस. वैकटाचलम, निदेशक – समिति के अध्यक्ष

श्री थॉमस मैथ्यू, निदेशक – सदस्य

डॉ. राजीव कुमार, निदेशक – सदस्य

श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक – सदस्य

श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग) – सदस्य (पदेन)

श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) – सदस्य (पदेन)

## COMMITTEES OF THE BOARD (AS ON 23rd May, 2014)

### Executive Committee of the Central Board (ECCB)

#### Chairman

Smt. Arundhati Bhattacharya

#### Managing Directors

Shri A. Krishna Kumar and Shri P. Pradeep Kumar

Director nominated under Section 19(f) of the SBI Act (Reserve Bank of India nominee), viz. Dr. Urjit R. Patel, and all or any of the other Directors who are normally residents or may for the time being be present at any place within India where the meeting is held.

### Audit Committee of the Board (ACB)

#### Shri S.Venkatachalam,

Director – Chairman of the Committee

Shri D. Sundaram, Director – Member

Shri Thomas Mathew, Director – Member

Dr. Rajiv Kumar, Director – Member

Shri Gurdial Singh Sandhu, GOI Nominee – Member

Dr. Urjit R. Patel, RBI Nominee – Member

Shri A. Krishna Kumar,  
MD&GE (IB) – Member (Ex-Officio)

Shri P. Pradeep Kumar,  
MD&GE (CB) – Member (Ex-Officio)

### Risk Management Committee of the Board (RMCB)

Shri A. Krishna Kumar, MD&GE (IB) - Member  
(Ex-Officio) – Chairman of the Committee

Shri P. Pradeep Kumar,  
MD&GE (CB) – Member (Ex-Officio)

Shri S.Venkatachalam, Director – Member

Shri D. Sundaram, Director – Member

Shri Thomas Mathew, Director – Member

Dr. Rajiv Kumar, Director – Member

Shri Tribhuvan Nath Chaturvedi, Director – Member

### Shareholders'/Investors' Grievance Committee of the Board (SIGCB)

Shri S. Venkatachalam,  
Director – Chairman of the Committee

Shri Thomas Mathew, Director – Member

Dr. Rajiv Kumar, Director – Member

Shri Harichandra Bahadur Singh, Director – Member

Shri A. Krishna Kumar, MD&GE (IB) - Member (Ex-Officio)

Shri P. Pradeep Kumar,  
MD&GE (CB) – Member (Ex-Officio)



### बड़ी राशि की धोखाधड़ी की निगरानी करने के लिए बोर्ड की विशेष समिति ( एससीबीएमएफ )

श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग) – सदस्य (पदेन) - समिति के अध्यक्ष

श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) – सदस्य (पदेन)

श्री एस. वैकटाचलम, निदेशक – सदस्य

श्री पार्थसारथी अय्यंगार, निदेशक – सदस्य

श्री थॉमस मैथ्यू, निदेशक – सदस्य

डॉ. राजीव कुमार, निदेशक - सदस्य

श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक – सदस्य

### बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति ( सीएससीबी )

श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग) – सदस्य (पदेन) - समिति के अध्यक्ष

श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) – सदस्य (पदेन)

श्री एस. वैकटाचलम, निदेशक – सदस्य

श्री थॉमस मैथ्यू, निदेशक – सदस्य

श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक – सदस्य

श्री ज्योति भूषण महापात्रा, निदेशक – सदस्य

श्री एस. के. मुखर्जी, निदेशक - सदस्य

श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, निदेशक – सदस्य

### बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति ( आईटीएससी )

श्री डी. सुंदरम – निदेशक – समिति के अध्यक्ष

श्री एस. वैकटाचलम – निदेशक – सदस्य

श्री पार्थसारथी अय्यंगार – निदेशक – सदस्य

श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग) – सदस्य (पदेन)

श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) – सदस्य (पदेन)

### बोर्ड की पारिश्रमिक समिति ( आरसीबी )

श्री गुरदयाल सिंह संधु, भारत सरकार के नामिती – सदस्य (पदेन)

डॉ. ऊर्जित आर. पटेल, भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती – सदस्य (पदेन)

श्री एस. वैकटाचलम, निदेशक – सदस्य

श्री डी. सुंदरम, निदेशक - सदस्य

### बोर्ड की वसूली निगरानी समिति ( बीसीएमआर )

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य – अध्यक्ष

श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग) – सदस्य

श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) – सदस्य

श्री गुरदयाल सिंह संधु, भारत सरकार के नामिती – सदस्य (पदेन)

### Special Committee of the Board for Monitoring of Large Value Frauds (SCBMF)

Shri A. Krishna Kumar, MD&GE (IB) - Member (Ex-Officio) – Chairman of the Committee

Shri P. Pradeep Kumar, MD&GE (CB) – Member (Ex-Officio)

Shri S. Venkatachalam, Director – Member

Shri Parthasarathy Iyengar, Director – Member

Shri Thomas Mathew, Director – Member

Dr. Rajiv Kumar, Director – Member

Shri Harichandra Bahadur Singh, Director - Member

### Customer Service Committee of the Board (CSCB)

Shri A. Krishna Kumar, MD&GE (IB) - Member (Ex-Officio) – Chairman of the Committee

Shri P. Pradeep Kumar, MD&GE (CB) – Member (Ex-Officio)

Shri S. Venkatachalam, Director – Member

Shri Thomas Mathew, Director – Member

Shri Harichandra Bahadur Singh, Director – Member

Shri Jyoti Bhushan Mohapatra, Director - Member

Shri S.K. Mukherjee, Director - Member

Shri Tribhuvan Nath Chaturvedi, Director – Member

### IT Strategy Committee of the Board (ITSC)

Shri D. Sundaram, Director - Chairman of the Committee

Shri S. Venkatachalam, Director – Member

Shri Parthasarathy Iyengar, Director – Member

Shri A. Krishna Kumar, MD&GE (IB) - Member (Ex-Officio)

Shri P. Pradeep Kumar, MD&GE (CB) – Member (Ex-Officio)

### Remuneration Committee of the Board (RCB)

Shri Gurdial Singh Sandhu, GOI Nominee – Member (Ex-Officio)

Dr. Urjit R. Patel, RBI Nominee – Member (Ex-Officio)

Shri S. Venkatachalam, Director – Member

Shri D. Sundaram, Director – Member

### Board Committee to Monitor Recovery (BCMR)

Smt. Arundhati Bhattacharya - Chairman

Shri A. Krishna Kumar, MD&GE (IB) - Member

Shri P. Pradeep Kumar, MD&GE (CB) - Member

Shri Gurdial Singh Sandhu, GOI Nominee – Member (Ex-Officio)



स्थानीय बोर्डों के सदस्य प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग) को छोड़कर- भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21(1) (क) के अंतर्गत अध्यक्ष द्वारा नामित (23 मई 2014 की स्थिति के अनुसार)

#### अहमदाबाद

श्री ए. एन. अप्पय्या  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

#### बंगलूर

श्री अश्विनी मेहरा  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

#### भोपाल

श्री रीतेन घोष  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्री रमेश वर्लयाणी  
श्री जी. पी. गुप्ता  
श्री मनोहर बोथरा  
श्री अनिल गर्ग

#### भुवनेश्वर

श्री कृष्ण मोहन त्रिवेदी  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्री शरत चंद्र भद्रा

#### चंडीगढ़

श्री लिंगराज महापात्रा,  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्री विनोद बिहारी शर्मा  
श्रीमती रविन्दर कौर  
श्री अनिल अरोड़ा

#### चेन्नई

श्री पी. एस. प्रकाश राव  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्री टी. आर. लोगनाथन

#### हैदराबाद

श्री सी. आर. शशिकुमार  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्री एम. वी. रंगनाथ

#### कोलकाता

श्री सुनील श्रीवास्तव  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**Members of Local Boards, other than Managing Director & Group Executive (National Banking) - Nominated by Chairman in terms of Section 21(1)(a) of SBI Act, 1955**  
(As on 23rd May 2014)

#### Ahmedabad

Shri A. N. Appaiah  
Chief General Manager (Ex-Officio)

#### Bangalore

Shri Ashwini Mehra  
Chief General Manager (Ex-Officio)

#### Bhopal

Shri Riten Ghose  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Shri Ramesh Warlyani  
Shri G.P. Gupta  
Shri Manohar Bothra  
Shri Anil Garg

#### Bhubaneswar

Shri Krishna Mohan Trivedi  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Shri Sarat Chandra Bhadra

#### Chandigarh

Shri Lingaraj Mohapatra  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Shri Vinod Bihari Sharma  
Smt. Ravinder Kaur  
Shri Anil Arora

#### Chennai

Shri P.S. Prakasha Rao  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Shri T.R. Loganathan

#### Hyderabad

Shri C. R. Sasikumar  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Shri M.V. Ranganath

#### Kolkata

Shri Sunil Srivastava  
Chief General Manager (Ex-Officio)





### लखनऊ

श्री सुधीर दुबे  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्री मदन मोहन शुक्ला  
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह\*  
श्री मुनीष कुमार जैन

### मुंबई

श्रीमती अंशुला कांत  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्री एस. वैकटाचलम\*  
श्री डी. सुंदरम\*  
श्री पार्थसारथी अय्यंगार\*  
श्री थॉमस मैथ्यू\*  
श्री एस. एम. लोढ़ा

### दिल्ली

श्री अरिजित बसु  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
डॉ. राजीव कुमार\*  
श्री टी. एन. चतुर्वेदी\*  
श्री दिनेश कुमार

### उत्तर पूर्वी

श्री संजय कुमार मगू  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

### पटना

श्री सुब्रत साहू  
मुख्य महाप्रबंधक-स्थानापन्न (पदेन)  
श्री तनवीर अख्तर  
श्री संजय मंडल

### केरल

डॉ. एम. श्रीनाथ शास्त्री  
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)  
श्रीमती अल्फोन्सा जॉन  
श्री सुधीर इब्राहिम  
श्री फिलिप मैथ्यू  
श्री ए. गोपालकृष्णन

### Lucknow

Shri Sudhir Dubey  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Shri Madan Mohan Shukla  
Shri Harichandra Bahadur Singh\*  
Shri Munish Kumar Jain

### Mumbai

Smt. Anshula Kant  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Shri S. Venkatachalam\*  
Shri D. Sundaram\*  
Shri Parthasarathy Iyengar\*  
Shri Thomas Mathew\*  
Shri S.M. Lodha

### Delhi

Shri Arijit Basu  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Dr. Rajiv Kumar\*  
Shri T.N. Chaturvedi\*  
Shri Dinesh Kumar

### North Eastern

Shri Sanjay Kumar Magoo  
Chief General Manager (Ex-Officio)

### Patna

Shri Subrat Sahu  
Chief General Manager - Offg. (Ex-Officio)  
Shri Tanvir Akhtar  
Shri Sanjay Mandal

### Kerala

Dr. M. Sreenatha Sastry  
Chief General Manager (Ex-Officio)  
Smt. Alphonsa John  
Shri Sudhir Abraham  
Shri Philip Mathew  
Shri A. Gopalakrishnan

\*भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 21(1)(ख) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक

\*Directors on the Central Board nominated on the Local Boards as per Section 21(1)(b) of SBI Act.



**केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य**  
(दिनांक 23 मई, 2014 की स्थिति के अनुसार)

**श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य**, अध्यक्ष

**श्री ए. कृष्ण कुमार**,  
प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक  
(अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग)

**श्री पी. प्रदीप कुमार**,  
प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक  
(कारपोरेट बैंकिंग)

**श्रीमती सौंदरा कुमार**,  
उप प्रबंध निदेशक और समूह कार्यपालक  
(तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन)

**श्री आर. के. सराफ**,  
उप प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्त अधिकारी

**श्री बी. वी. चौबल**,  
उप प्रबंध निदेशक और समूह कार्यपालक  
(विश्व बाजार)

**श्री एस. के. मिश्रा**,  
उप प्रबंध निदेशक  
(कारपोरेट कार्यनीति एवं नव व्यवसाय)

**श्री वी. मुरली**,  
उप प्रबंध निदेशक  
(निरीक्षण एवं प्रबंधन लेखा-परीक्षा)

**श्री एन. जम्बुनाथन**,  
उप प्रबंध निदेशक और मुख्य सूचना अधिकारी

**श्री एन. के. चारी**,  
उप प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक  
(मध्य-कारपोरेट)

**श्री प्रवीण कुमार मल्होत्रा**,  
उप प्रबंध निदेशक (परिचालन)-  
राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

**डॉ. जे. एन. मिश्र**,  
उप प्रबंध निदेशक एवं कारपोरेट विकास अधिकारी

**श्रीमती वर्षा वी. पुरंदरे**,  
उप प्रबंध निदेशक और मुख्य ऋण एवं जोखिम अधिकारी

**श्री. एम. जी. वैद्यन**,  
उप प्रबंध निदेशक  
(खुदरा कार्यनीति)- राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

**MEMBERS OF CENTRAL MANAGEMENT COMMITTEE**  
(AS ON 23rd May, 2014)

**Smt. Arundhati Bhattacharya**, Chairman

**Shri A. Krishna Kumar**,  
Managing Director & Group Executive  
(International Banking)

**Shri P. Pradeep Kumar**,  
Managing Director & Group Executive  
(Corporate Banking)

**Smt. Soundara Kumar**,  
Deputy Managing Director & Group Executive  
(Stressed Assets Management)

**Shri R.K. Saraf**,  
Deputy Managing Director & Chief Financial Officer

**Shri B. V. Choubal**,  
Deputy Managing Director & Group Executive  
(Global Markets)

**Shri S. K. Mishra**,  
Deputy Managing Director  
(Corporate Strategy & New Businesses)

**Shri V. Murali**,  
Deputy Managing Director  
(Inspection & Management Audit)

**Shri N. Jambunathan**,  
Deputy Managing Director & Chief Information Officer

**Shri N.K. Chari**,  
Deputy Managing Director & Group Executive  
(Mid-Corporate)

**Shri Praveen Kumar Malhotra**,  
Deputy Managing Director  
(Operations) - National Banking Group

**Dr. J. N. Misra**,  
Deputy Managing Director & Corporate Development Officer

**Smt. Varsha V. Purandare**,  
Deputy Managing Director & Chief Credit & Risk Officer

**Shri M.G. Vaidyan**,  
Deputy Managing Director  
(Retail Strategy) - National Banking Group



## बैंक के लेखा-परीक्षक

1. मेसर्स एस एन नंदा एंड कं.,  
नई दिल्ली, एससीए-पटना मंडल
2. मेसर्स एससीएम एसोसिएट्स,  
भुवनेश्वर, एससीए- भुवनेश्वर मंडल
3. मेसर्स सिंघी एंड कं.  
कोलकाता, एससीए- उत्तर पूर्वी मंडल
4. मेसर्स एस आर आर के शर्मा एसोसिएट्स,  
बंगलूर, एससीए- केरल मंडल
5. मेसर्स टी आर चड्ढा एंड कं.,  
नई दिल्ली, एससीए- मुंबई मंडल
6. मेसर्स एस वेंकटराम एंड कं.,  
चेन्नई, एससीए- चेन्नई मंडल
7. मेसर्स प्रकाश एंड संतोष,  
कानपुर, एससीए- भोपाल मंडल
8. मेसर्स के बी शर्मा एंड कं.,  
जम्मू, एससीए- चंडीगढ़ मंडल
9. मेसर्स ऐड एंड एसोसिएट्स,  
कोलकाता, एससीए- अहमदाबाद मंडल
10. मेसर्स वी पी आदित्य एंड कं.,  
कानपुर, एससीए- लखनऊ मंडल
11. मेसर्स एस जयकिशन,  
कोलकाता, एससीए- बंगाल मंडल
12. मेसर्स धमीजा सुखीजा एंड कं.,  
श्रीनगर, एससीए- दिल्ली मंडल
13. मेसर्स श्रीराममूर्ति एंड कं.  
विशाखापटनम, एससीए- हैदराबाद मंडल
14. मेसर्स मेहरा गोयल एंड कं.,  
नई दिल्ली, एससीए- बंगलूर मंडल

## BANK'S AUDITORS

1. **M/s. S N Nanda & Co.,**  
New Delhi, SCAs of Patna Circle
2. **M/s. SCM Associates,**  
Bhubaneshwar, SCAs of Bhubaneshwar Circle
3. **M/s. Singhi & Co.,**  
Kolkata, SCAs of North Eastern Circle
4. **M/s. S R R K Sharma Associates,**  
Bangalore, SCAs of Kerala Circle
5. **M/s. T R Chadha & Co.,**  
New Delhi, SCAs of Mumbai Circle
6. **M/s. S Venkatram & Co.,**  
Chennai, SCAs of Chennai Circle
7. **M/s. Prakash & Santosh,**  
Kanpur, SCAs of Bhopal Circle
8. **M/s. K B Sharma & Co.,**  
Jammu, SCAs of Chandigarh Circle
9. **M/s. Add & Associates,**  
Kolkata, SCAs of Ahmedabad Circle
10. **M/s. V P Aditya & Co.,**  
Kanpur, SCAs of Lucknow Circle
11. **M/s. S Jaykishan,**  
Kolkata, SCAs of Bengal Circle
12. **M/s. Dhamija Sukhija & Co.,**  
Srinagar, SCAs of Delhi Circle
13. **M/s. Sriramamurthy & Co.,**  
Visakhapatnam, SCAs of Hyderabad Circle
14. **M/s. Mehra Goel & Co.,**  
New Delhi, SCAs of Bangalore Circle



## अध्यक्ष की कलम से

अब एक नई और स्थायी सरकार है, हमें निवेश फिर से बढ़ने की उम्मीद स्पष्ट दिखाई दे रही है।

अरुंधती भट्टाचार्य  
अध्यक्ष



### प्रिय शेयरधारको,

मुझे आपके बैंक के वित्त वर्ष 2013-14 के प्रदर्शन को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। आपके बैंक की उपलब्धियों और नए प्रयासों की विस्तृत जानकारी वर्ष 2013-14 की संलग्न वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है।

### आर्थिक परिदृश्य

विश्व का आर्थिक परिवेश कुल मिलाकर पहले से बेहतर हुआ है और इसमें और सुधार होने की संभावना है। विकास की गति को बल ज्यादातर विकसित अर्थव्यवस्थाओं से मिल रहा है। विश्व स्तर पर आर्थिक परिदृश्य आशाजनक है और 2014 में विकास दर के 3.5% रहने का अनुमान है।

सीएसओ के अनुसार भारत की जीडीपी दर वित्त वर्ष 2014 में थोड़ी सी बढ़कर 4.7% रहने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष 4.5% रही थी। यह सुधार कृषि और विदेश क्षेत्र के कारण हुआ है। कृषि और इससे जुड़ी अन्य गतिविधियों की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 2013-14 में 4.7% रह सकती है जो पिछले वर्ष की 1.4% की तुलना में तीन गुना से अधिक है। विदेश क्षेत्र में रुपये में स्थिरता और चालू खाता घाटे के वित्त वर्ष 13 में जीडीपी के 4.8% की तुलना में वित्त वर्ष 14 में 1.7% रहने का अनुमान अच्छी खबर है। चालू खाता घाटे में इस संकुचन से व्यापार घाटा भी पहले की तुलना में नीचा रह सकता है। ऐसा निर्यातों की पहले से ऊंची दर और आयातों में नरमी के चलते हुआ है।

नवनिर्वाचित केंद्र सरकार द्वारा नई नीतिगत पहल किए जाने की उम्मीद के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव दस्तक देने लगे हैं। देश की अर्थव्यवस्था नए प्रयासों से सुधरने को है। आशाजनक कारोबारी संकेतों, उपभोक्ताओं के बढ़े विश्वास और मुद्रास्फीति के नियंत्रण में होने में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है। अर्थव्यवस्था में गिरावट और संकट की स्थिति के कारण जिन क्षेत्रों पर बहुत ज्यादा बुरा असर पड़ा था अब उनमें निश्चित ही सुधार

के संकेत दिखाई दे रहे हैं। मध्यावधि में मुद्रास्फीति पर नियंत्रण रखने की चुनौती अब भी बरकरार है। वित्त वर्ष 2015 में इसमें कुछ सुधार होने की संभावना है, जैसा कि अनुमान है, जीडीपी इस दौरान 5.3% से 5.5% की दर से बढ़ सकती है।

### आपके बैंक का प्रदर्शन

#### जमाराशियाँ

आपके बैंक की जमाराशियाँ 15.94% बढ़कर ₹13,94,409 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई हैं, जो पिछले वर्ष ₹12,02,740 करोड़ थीं। उद्योग के औसत की तुलना में पहले से अधिक वृद्धि होने के कारण बैंक का बाजार-अंश सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमाराशियों में मार्च 2014 में 11 आधार अंक बढ़कर 16.57% हो गया है। बैंक की उच्च लागत वाली थोक जमाराशियों को छोड़ खुदरा जमाराशियों पर अधिक निर्भर रहने की नीति के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। इस कारण वित्त वर्ष 2014 के दौरान खुदरा मीयादी जमाराशियों का अनुपात 41.87% से बढ़कर 45.47% हो गया है। खुदरा जमाराशियों पर अधिक निर्भरता और कासा जमाराशियों की 44.43% की अच्छी स्थिति के चलते देशीय जमाराशियों में कासा जमाराशियों + खुदरा मीयादी जमाराशियों का अनुपात मार्च 2014 में 89.89% के शानदार स्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष 88.37% पर था। बचत बैंक जमाराशियों में 13.1% की वृद्धि हुई और ये ₹4,69,262 करोड़ हो गईं जबकि मार्च 2013 में ये ₹4,14,907 करोड़ थीं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वर्ष के दौरान 421 लाख नए बचत बैंक खाते खोले गए जो पिछले वर्ष के 287 लाख खातों की तुलना में 46.7% अधिक हैं। आपके बैंक ने 269 लाख नए चालू खाते खोलकर इनमें भी 22.2% की वृद्धि दर्ज की है।



## FROM THE DESK OF THE CHAIRMAN

With a new and stable Government in place now, we expect a clear revival in investment climate.

Arundhati Bhattacharya  
Chairman



### Dear Shareholders,

It gives me great pleasure to place before you the highlights of your Bank's performance during the financial year 2013-14. Details of the achievements and initiatives taken by your Bank are provided in the enclosed Annual Report for the year 2013-14.

### ECONOMIC OVERVIEW

The global economic environment has broadly strengthened, and is likely to improve further, with much of the growth impetus emanating from advanced economies. The outlook for world economy is positive with 3.5% growth forecast for 2014.

India's GDP, according to the CSO, is expected to improve moderately to 4.7% in FY 2014 against 4.5% growth in the previous year. The recovery is led by agriculture and external sector. Agricultural GDP, including allied sector, is poised to grow by 4.7% in FY 2013-14, over three times higher than 1.4% in the previous year. On the external front, stable rupee and improvement in the Current Account Deficit (CAD) from 4.8% of GDP in FY 2013 to 1.7% estimated for FY 2014 is good news. The narrowing of CAD followed a lower trade deficit due to higher exports as well as moderation in imports.

The Indian economy is now on the threshold of a major transformation, with expectations of policy initiatives by the newly elected Central Government. The economy is on the road to smart recovery due to positive business sentiments, improved consumer confidence and more

controlled inflation. The sectors which were significantly impacted by the crisis and slowdown in the economy are now showing definite signs of improvement. The challenge for maintaining disinflationary momentum over the medium term, however, remains on the horizon. A moderate recovery is likely to be seen in FY 2015 when real GDP may grow by 5.3%-5.5%.

### YOUR BANK'S PERFORMANCE

#### Deposits

The deposits of your Bank rose by 15.94% to ₹13,94,409 crores over the previous year's level of ₹12,02,740 crores. Due to higher growth as compared to the industry average, the market share of the Bank, in all scheduled commercial Bank deposits (ASCB), increased by 11 bps to 16.57% in March 2014. The Bank's policy to shed high cost bulk deposits and more reliance on retail deposits has paid dividends, which has resulted in increase in retail TD ratio from 41.87% to 45.47% during FY 2014. Due to higher reliance on retail deposits, coupled with healthy CASA of 44.43%, the ratio of CASA + retail TD to domestic deposits increased smartly to 89.89% in Mar 2014 from 88.37% in the previous year. Savings Bank Deposits increased by 13.1% to ₹4,69,262 crores from ₹4,14,907 crores in March 2013. I am glad to state that under Savings Bank, 421 lakhs new accounts were opened during the year which were 46.7% higher than 287 lakhs accounts opened during the previous year. In current account also, your Bank logged in a growth of 22.2% with new account accretion of 269 lakhs.



## अग्रिम

आपके बैंक के अग्रिम विगत वर्ष ₹10,00,000 करोड़ के स्तर को पार करने के बाद लगातार 15.44% की अच्छी दर से बढ़ रहे हैं। ये वित्त वर्ष 2014 में ₹12,45,122 करोड़ पर पहुंच गए हैं जो पिछले वर्ष में ₹10,78,557 करोड़ थे। आपके बैंक के अग्रिमों का सभी खंडों में अच्छा विविधीकरण हुआ है और इनका बाजार-अंश 16.65% है। बड़े कारपोरेट अग्रिम मार्च 2013 में ₹1,75,831 करोड़ थे जो मार्च 2014 में ₹2,42,719 करोड़ के हो गए हैं। इस प्रकार इनमें 38.0% की अच्छी खासी वृद्धि हुई है। बैंक के मध्य-कारपोरेट ऋण ₹2,04,853 करोड़ से 11.5% वृद्धि के साथ ₹2,28,384 करोड़ हैं।

वित्त वर्ष 2014 में आशानुकूल मानसून और कृषि अग्रिम जीडीपी में 4.7% संवृद्धि के कारण आपके बैंक के कृषि अग्रिम (प्रत्यक्ष+अप्रत्यक्ष) 23.9% की शानदार वृद्धि से ₹1,54,715 करोड़ के स्तर पर पहुंच गए। हब-एंड-स्पोक मॉडल और बीसी नेटवर्क के माध्यम से आपके बैंक ने दूरदराज के बैंकिंग सुविधा रहित क्षेत्रों में रह रहे ग्राहकों से आवेदन लेने के लिए 69,000 गांवों के साथ संपर्क स्थापित किया और उन्हें बैंकिंग सुविधा प्रदान की। समस्त कृषि ऋण ग्राहक वर्ग से कारोबार जुटाने और जोखिम न्यूनीकरण द्वारा मानक ऋणों के नीचे की श्रेणी में खिसकने के मामलों में कमी लाने के लिए कृषि उत्पादों की समीक्षा की गई और उनमें आवश्यक सुधार किए गए।

एसएमई अग्रिमों में वित्त वर्ष 2014 में 2.37% की ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई। ऐसा मुख्यतया उच्च आय वाले अग्रिमों में गिरावट और एनपीए के निरंतर बने रहने के कारण हुआ। एसएमई क्षेत्र को ऋण मुहैया कराने के वर्तमान मॉडल में व्याप्त खामियों को दूर करने के लिए एक प्रायोगिक परीक्षण किया गया। यह परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर शीघ्र ही शुरू कर दिया जाएगा। इस नए मॉडल में एसएमई उद्यमों को विशेषीकृत सेवाएँ प्रदान करने के लिए और इस खंड को समय पर और पर्याप्त ऋण देने के लिए एसएमई अग्रिमों की बहुलता वाली 579 शाखाओं को 'एसएमई शाखाएँ' नाम दिया गया। इसका उद्देश्य इन शाखाओं की एकसमान नाम से पहचान बनाना और इन्हें एसएमई ऋण वितरण में उत्कृष्ट शाखा के रूप में विकसित करना है।

घर, वाहन और शिक्षा ऋणों में बाजार में सबसे आगे रहते हुए आपके बैंक ने खुदरा ऋणों की वृद्धि के मामले में उपलब्धियों की एक शानदार गाथा रची है। खुदरा अग्रिमों में 13.34% की वृद्धि दर्ज की गई और ये मार्च 2013 के स्तर ₹2,09,694 करोड़ से बढ़कर मार्च 2014 में ₹2,37,667 करोड़ पर पहुंच गए। वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने आवास ऋणों में अब तक की सर्वोच्च ₹21,271 करोड़ की वृद्धि दर्ज की है। देश के सबसे बड़े ऋण प्रदाता के तौर पर यह शीर्ष स्थान पर बरकरार है और इसे 26.02% बाजार-अंश हासिल है। आपका बैंक खुदरा बाजार में वाहन ऋण वित्तपोषण में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है। मार्च 2014 में इसका बाजार-अंश 21.41% है।

### शाखा विस्तार में नया कीर्तिमान

वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान आपके बैंक ने 1,053 नई शाखाएँ खोलीं, जिनमें 57% ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं। इसके साथ बैंक की शाखाओं की कुल संख्या अब 15,869 हो गई है। हमने ध्यान रखा है कि ये शाखाएँ महानगरों, शहरों और ग्रामीण सभी क्षेत्रों में हों। वर्ष के दौरान अनेक विशेषीकृत शाखाएँ खोली गईं। इनमें चार केवल उच्च मालियत व्यक्ति शाखाएँ, पांच नई अनिवासी भारतीय शाखाएँ, दो नई मध्य कारपोरेट समूह शाखाएँ लुधियाना और विजयवाड़ा में भी हैं। इन विशेषीकृत शाखाओं

की साज-सज्जा तो उत्कृष्ट है ही, इनमें सु-दक्ष अधिकारियों की एक पूरी टीम ग्राहकों की सेवा करने के लिए उपलब्ध कराई गई है।

आपके बैंक का अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग नेटवर्क 36 देशों में फैला है और इसमें 190 कार्यालय हैं। इन कार्यालयों में 52 शाखाएँ, 8 प्रतिनिधि कार्यालय, विदेश स्थित सात बैंकिंग सहायक कंपनियों के 110 कार्यालय और 20 अन्य कार्यालय हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान, आपके बैंक ने दो नए देशों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। बोत्सवाना में एक सहायक कंपनी और दक्षिण कोरिया में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोला है।

### प्रौद्योगिकी

आपका बैंक प्लैटफॉर्म, समाधान, कारोबारी जानकारी और सेवा के तौर तरीकों के मामले में सामान्य प्रौद्योगिकी से बढ़कर कम लागत पर वंचित आम नागरिक को सेवा प्रदान करने के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है। बैंक के कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) की व्यवस्था इस प्रकार से की गई है कि इसकी सहायता से एक बिलियन खातों में एक दिन में 250 मिलियन से अधिक लेनदेन और प्रति सेकंड 17,000 से अधिक लेनदेन प्रविष्टियों की जा सकती हैं।

एटीएम की व्यापक उपलब्धता के लिए ब्राउन लेबल एटीएम और कैपेक्स मॉडल एटीएमों के माध्यम से बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है। ये एटीएम वित्त मंत्रालय के मार्गदर्शन में पूर्णतया बाहरी एजेंसियों के जरिये लगाए जा रहे हैं। वैविध्यपूर्ण 51,491 एटीएम (एसबीआई समूह) लगाए गए हैं। विभिन्न प्रकार के कार्ड दिए जा रहे हैं और 1,565 नई कैश डिपॉजिट मशीनें स्थापित की गई हैं, ताकि ग्राहकों को नकदी जमा करने में सुविधा हो।

आपके बैंक के इंटरनेट बैंकिंग पोर्टल पर खुदरा और कारपोरेट ग्राहकों को कहीं भी और कभी भी विभिन्न प्रकार की सेवाएँ मुहैया कराई जाती हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान हमारे इंटरनेट बैंकिंग प्लैटफॉर्म में नई-नई सुविधाएँ जोड़ी जा रही हैं जिनका उपयोग 39 लाख नए प्रयोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है। मार्च 2014 में इंटरनेट बैंकिंग के प्रयोक्ताओं की कुल संख्या 169 लाख पर पहुंच गई है।

मोबाइल फोनों पर बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराने में आपका बैंक बाजार में सबसे आगे है। इसका बाजार-अंश लेनदेनों की संख्या में 57% और राशि में 17% है। वर्ष 2013-14 के दौरान ₹3,763 करोड़ की राशि के वित्तीय लेनदेन मोबाइल बैंकिंग सेवा के जरिये संपन्न हुए। कुल मिलाकर 95 लाख प्रयोक्ताओं से बैंक को ₹6.43 करोड़ की आमदनी हुई।

### लाभ और लाभप्रदता

बीते तीन वर्षों में सामान्य बृहद आर्थिक स्थितियों में लंबी गिरावट के दौर के चलते बैंक का कारोबार और लाभप्रदता प्रभावित हुई है। परंतु, गिरावट का असर सभी व्यवसाय समूहों पर समान रूप से नहीं हुआ है। कुल मिलाकर, आपके बैंक के कुल व्यवसाय में ₹3,58,234 करोड़ की वृद्धि हुई है। यह वित्त वर्ष 2013 में ₹22,81,297 करोड़ था जो वित्त वर्ष 2014 में बढ़कर ₹26,39,531 करोड़ पर पहुंच गया। इस प्रकार 15.7% की अच्छी वृद्धि हुई। आपके बैंक की निवल ब्याज आय व्यवसाय वृद्धि के अनुरूप 11.17% वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2013 के स्तर ₹44,329 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2014 में ₹49,282 करोड़ हो गई है। ब्याज आय में वृद्धि बैंक द्वारा निवल ब्याज मार्जिन निरंतर अच्छा बनाए रखने के कारण हुई है। देशीय निवल ब्याज मार्जिन में पिछले वित्त वर्ष के स्तर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और यह वित्त वर्ष 2014 में 3.49% पर



## Advances

Advances of your Bank, after crossing the ₹10,00,000 crores mark last year, continued to grow at a healthy rate of 15.44% and reached ₹12,45,122 crores in FY 2014 against ₹10,78,557 crores in the previous year. Your Bank's advances remain well diversified across all verticals with the market share at 16.65%. Large Corporate advances rose from ₹1,75,831 crores in Mar 2013 to ₹2,42,719 crores in Mar 2014, registering a robust growth of 38.0%. Bank's loan to Mid-Corporate increased by 11.5% from ₹2,04,853 crores to ₹2,28,384 crores.

Taking advantage of favourable monsoons and increase in agricultural GDP growth of 4.7% in FY 2014, agriculture advances (direct + indirect) of your Bank grew by a healthy 23.9% to ₹1,54,715 crores. Through a Hub-and-Spoke Model with BC networks your Bank has established linkage with 69,000 villages for greater contact with customers residing in remote unbanked areas and bringing them into the banking fold. To capture the entire value chain and to reduce the slippages through risk mitigation, Agri products were reviewed and revamped critically.

SME advances, on the other hand, registered a negative growth of 2.37% in FY 2014 mainly due to decline in high yielding advances and continuing NPAs. A pilot was run to correct the flaws in the current model of SME delivery. The pilot has since been successfully concluded and a national roll out is commencing shortly. Under the new model, in order to provide specialised services to SME entrepreneurs as well as timely and adequate credit to this segment, 579 branches with a predominant portfolio of SME advances are being branded as 'SME Branches'. The objective is to identify these branches with a common nomenclature and develop them as centres of excellence for SME loan delivery.

Being the market leader in Home, Auto and Education loans, your Bank's retail growth story is impressive. Retail advances grew by 13.34% from ₹2,09,694 crores in Mar 2013 to ₹2,37,667 crores in Mar 2014. During the year, your Bank has recorded an all-time high growth of ₹21,271 crores in home loans and maintained its position as the country's largest home loan provider with a market share of 26.02%. Your Bank also maintains its retail market leadership in Auto loan financing and enjoys a market share of 21.41% as on Mar 2014.

## Branch Expansion at Record High

During the financial year 2013-14, your Bank opened 1,053 branches, 57% of which were in rural and semi-urban areas taking the total number of branches of the Bank to 15,869. Our branches are well distributed among Metro, Urban and Rural areas. Myriad specialised branches have been opened during the year like four exclusive HNI branches, five new NRI branches, two new MCG branches

at Ludhiana and Vijayawada, etc. These dedicated branches have an excellent ambience, along with a well-skilled team of officials to serve customers.

The International banking network of your Bank spans across 190 offices in 36 countries. The offices include 52 branches, 8 Representative Offices, 110 offices of the seven foreign banking subsidiaries and 20 other offices. During 2013-14, your Bank forayed into two new countries – in Botswana by establishing a subsidiary and in South Korea by opening a representative office.

## Technology

Your Bank has gone beyond the usual domains of technology in terms of platform, solution, operational details and service content in a very aggressive manner to serve the excluded common citizen at minimal costs. The Bank's Core Banking Solutions (CBS) environment is benchmarked to establish the capability to support one billion accounts, over 250 million transactions in a day, and delivering a throughput of over 17,000 transactions per second.

The ATM footprint is being enlarged substantially through Brown Label ATMs, (which are being rolled out as totally outsourced initiative under guidance of the Ministry of Finance) as well as the CAPEX model ATMs. A wide variety of 51,491 ATMs (SBI group) and various types of cards have been deployed including 1,565 new cash Deposit Machines to facilitate cash deposit by customers.

Your Bank's internet banking portal provides a wide variety services to its retail and corporate customers anywhere, anytime. During 2013-14, myriad of new features have been added to our internet banking platform which attracted 39 lakh new users. The total internet banking users has now reached 169 lakhs as of Mar 2014.

In providing banking through Mobile Phones, your Bank is the market leader with a market share of 57% in transaction volume and 17% share in terms of value. During 2013-14, financial transactions worth ₹3,763 crores were executed through the Mobile Banking Service, resulting in an income of ₹ 6.43 crores from an aggregate of 95 lakh users.

## Profit & Profitability

Prolonged slowdown in general macroeconomic conditions over the last three years has impacted business and profit of your Bank. However, the impact of slowdown was not symmetric across all the business verticals. On a consolidated basis, total business of your Bank increased by ₹3,58,234 crores from ₹22,81,297 crores in FY 2013 to ₹ 26,39,531 crores in FY 2014 - a robust growth of 15.7%. In line with the business growth, net interest income of your Bank increased by 11.17% from ₹44,329 crores in FY 2013 to ₹ 49,282 crores in FY 2014. Increase in interest income was on account of healthy NIM maintained by the Bank. The domestic NIM stands at 3.49% for FY14, unchanged



यथावत है। परंतु, सारे समूह का निवल ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष 2014 में मामूली-सा गिरकर 3.17% पर आ गया है, जो वित्त वर्ष 2013 में 3.34% था। विदेश स्थित कार्यालयों का निवल ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष 2014 में 1.42% है।

पहले की तुलना में अधिक प्रावधान करने के कारण बैंक की ब्याज और ब्याज इतर आय में हुई वृद्धि के बावजूद इस वर्ष के लाभ के आंकड़ों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। बैंक का परिचालन लाभ इस वित्त वर्ष में 3.31% बढ़कर ₹32,109 करोड़ हो गया जबकि निवल लाभ ₹10,891 करोड़ के स्तर पर 22.78% नीचा रहा। निवल लाभ की यह न्यूनता एनपीए के लिए अधिक प्रावधान करने के कारण रही। इनमें ₹2,855.78 करोड़ की बढ़ोतरी हुई और ये वित्त वर्ष 2013 के स्तर ₹11,367.79 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2014 में ₹14,223.57 करोड़ के हो गए। एनपीए पर प्रावधान में वृद्धि के अलावा आपके बैंक को वेतन संशोधन के खर्च के लिए अतिरिक्त प्रावधान, मोर्टगिटी टेबल में परिवर्तन के कारण पेन्शन के लिए एकबारगी प्रावधान और पेन्शन तथा ग्रेज्युटी के भुगतान के लिए भी अतिरिक्त प्रावधान करने पड़े। 'अतिरिक्त प्रावधान' के तहत इन तीन शीर्षों में प्रावधान राशि में कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2014 में 13.29% या ₹35,726 करोड़ के कुल परिचालन खर्च में ₹4,751 करोड़ की वृद्धि हुई।

भारत में सहयोगी बैंकों/अनुषंगियों और संयुक्त उद्यमों से वित्त वर्ष 2013 में ₹715.51 करोड़ की तुलना में ₹496.86 करोड़ का कम लाभ प्राप्त होने के बावजूद आपके बैंक की ब्याज इतर आय में 15.69% की बढ़िया बढ़ोतरी हुई और यह वित्त वर्ष 2014 में ₹18,552.92 करोड़ रही जबकि वित्त वर्ष 2013 में यह ₹16,036.84 करोड़ रही थी।

## आस्ति गुणवत्ता

अर्थव्यवस्था में गिरावट के कारण ऋणियों की ऋण चुकाने की क्षमता प्रभावित हुई। इससे बैंकों की आस्ति गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा। गिरावट के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना को देखते हुए आस्ति गुणवत्ता और प्रभावित हो सकती है, इसलिए आपके बैंक ने आस्ति निगरानी और वसूली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इस मोर्चे पर लगातार प्रयास करने से वित्त वर्ष 2014 की आखिरी तिमाही में कुछ सफलता मिली। सकल अनर्जक आस्तियों और निवल अनर्जक आस्तियों में क्रमशः 78 आधार अंकों और 67 आधार अंकों की कमी आई। वित्त वर्ष 2014 के दौरान वसूलियों में 62.3% का उछाल देखा गया और ये ₹7,738 करोड़ की हुई जो वित्त वर्ष 2013 में ₹4,766 करोड़ की हुई थीं। बड़े खाते डाले गए ऋणों की वसूलियों में भी पिछले वर्ष की तुलना में 44.7% की जबरदस्त वृद्धि हुई और बैंक मार्च 2014 तक ₹1,543 करोड़ की वसूली कर पाया। वित्त वर्ष 2014 के लिए प्रावधान सुरक्षा अनुपात 62.86% पर अच्छा खासा रहा। सारे वित्त वर्ष 2014 के लिए सकल एनपीए और निवल एनपीए घटाकर क्रमशः 4.95% और 2.57% पर लाए गए जो वित्त वर्ष 2013 में 4.75% और 2.10% थे।

## पूंजी संरचना

वित्त वर्ष 2013-14 से आपका बैंक बेसल-III मानदंडों का अनुपालन कर रहा है। आपके बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात पहले से अधिक 12.44% है जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशानुसार यह 9% होना चाहिए। बैंक की टियर-I पूंजी 9.72% और टियर-II पूंजी 2.72% है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात अच्छा है। ऐसा तीन कारणों से है : i) भारत सरकार द्वारा ₹2,000 करोड़ की पूंजी लगाने, ii) व्यूआईपी के जरिये ₹8,032 करोड़ की राशि जुटाने और iii) टियर-II बांडों के माध्यम से ₹2,000 करोड़ की पूंजी जुटाने के कारण। आपके बैंक का बाजार मूल्य लगातार बहुत अच्छा बना हुआ है और यह शीर्ष 10 मार्केट कैप कंपनियों में शामिल है।

## लाभांश

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक बोर्ड ने 31 मार्च 2014 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए ₹30 प्रति शेयर (300%) लाभांश घोषित किया है।

## नए प्रयास

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान अनेक नई व्यवसाय पहल कीं जिसका फल मिलना प्रारंभ हो गया है। हमने चार प्रमुख विषय विशेष ध्यान देने के लिए चुने हैं। ये हैं – एनपीए में कमी लाना, जोखिम न्यूनीकरण, खर्च को नियंत्रित रखना और बेहतर ग्राहक सेवा के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी माध्यमों की शुरुआत करना।

- वित्त वर्ष 2015 के लिए 46% की अच्छी कासा जमाराशियाँ जुटाने की योजना बनाई है, आपके बैंक ने बचत बैंक खाताधारकों के लिए चिकित्सा बीमा की सुविधा भी दी है। खाते में औसत तिमाही जमाशेष के अनुरूप निःशुल्क मल्टीसिटी चेक।
- बाजार की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप किसान की नई आवश्यकताओं को देखते हुए बैंक ने एक नया उत्पाद 'बहु-उद्देश्यीय कृषि स्वर्ण ऋण' नाम से शुरू किया है। यह एक परेशानी-मुक्त और सभी निवेश ऋण आवश्यकताओं जैसे लघु सिंचाई, बागवानी और कृषि उपकरण आदि को ध्यान में रखकर विशेष रूप से तैयार किया गया है।
- आपके बैंक ने "SBI HER घर" नामक नया उत्पाद आरंभ किया है। इसमें महिला ऋणियों के लिए वर्तमान आवास ऋण ब्याज दर में 5 आधार बिन्दुओं की रियायत दी जाती है। इस योजना को मार्केट में अच्छा प्रतिसाद मिला है और अब गृह ऋणों की संस्वीकृति में इस उत्पाद का अंश 24% है।
- एसएमई में जोखिम कम करने हेतु आपके बैंक ने नए उत्पाद तैयार किए हैं, जैसे : एसबीआई आस्ति समर्थित ऋण, एसबीआई फ्लोट फाइनेंस स्कीम एवं ओवरड्राफ्ट योजना के साथ पीओएस लिंकड चालू खाता।
- तेजी से ऑनलाइन भुगतान/समाधान करने के लिए बैंक ने 'SBIePay' की शुरुआत की है जिससे मर्चेटों, ग्राहकों और विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के बीच हर प्रकार के ई-कॉमर्स भुगतान करने में ई-कॉमर्स का उपयोग करने/एम-कॉमर्स लेनदेन करने में आसानी होगी।
- खुदरा खंड में आपके बैंक ने ऑनलाइन कार लोन ऐप्लिकेशन पोर्टल शुरू किया है।
- इंटरनेट बैंकिंग के क्षेत्र में आपके बैंक ने ऑनलाइन एसबीआई पोर्टल में अनेक प्रमुख नई विशेषताएँ जोड़ी हैं, जैसे – इंटरनेट बैंकिंग प्रयोक्ताओं के लिए मल्टी ऑप्शन मीयादी जमा खाता, ई-एन्नुइटी डिपॉजिट खाता, पीपीएफ खाता ऑनलाइन खोलना, खोए हुए एटीएम कार्डों को स्वयं ब्लॉक कराना और स्मार्ट फोन ऐप्लिकेशन। यह ऐप्लिकेशन एंडरॉयड और आई-फोन दोनों पर उपलब्ध है। कारपोरेटों के लिए अतिरिक्त नए फीचर जोड़े गए हैं। इनमें ऑनलाइन मीयादी जमा खाते, डिजिटल सिग्नेचर और सर्टिफिकेट के आधार पर दूसरे प्रयोक्ता का प्रयोग के लिए प्रमाणित करना आदि।
- ग्राहक सेवा में सुधार करने और बैंकिंग हॉल में भीड़भाड़ कम करने के लिए आपके बैंक ने एटीएम कैश रीसाइकलर्स, बार-कोड





from its levels in the last financial year. However, for the Group as a whole, the NIM declined marginally to 3.17% in FY 2014 from 3.34% in FY 2013. The NIM for foreign offices for FY 2014 stands at 1.42%.

Due to higher provisioning requirement, the growth in Bank's interest and non-interest income did not translate into higher profit figures for this year. The operating profit of the Bank grew by 3.31% during this financial to ₹32,109 crores while, the net profits contracted by 22.78% to ₹10,891 crores. Contraction in net profit was on account of higher provisioning on NPAs which rose by ₹2,855.78 crores from ₹11,367.79 crores in FY 2013 to ₹14,223.57 crores in FY 2014. Apart from increase in provision on NPAs, your Bank also made additional provision to cover expenses towards wage revision, one time provision for pension due to change in mortality table and payment for pension and gratuity. The three heads combined under the 'additional provisioning' accounted for 13.29% or ₹4,751 crores of the total operating expenses of ₹35,726 crores for FY 2014.

Despite lower dividend of ₹496.86 crores in FY 2014 against ₹715.51 in FY 2013 from Associate Banks/subsidiaries and joint ventures in India and abroad, non-interest income of your Bank grew handsomely by 15.69% to ₹18,552.92 crores in FY 2014 as against ₹16,036.84 crores in FY 2013.

### Asset Quality

The slowdown in the economy has impacted the ability of borrowers to service debt which in turn affected asset quality of banks. Anticipating that a prolonged slowdown may further impact asset quality, your Bank has taken a number of steps to strengthen asset monitoring and recovery mechanism. Sustained efforts on this front yielded some success in the last quarter of FY 2014 with gross non-performing assets (NPA) and net NPA dropping by 78 bps and 67 bps respectively. The recoveries during the FY 2014 jumped by 62.3% to ₹7,738 crores from ₹4,766 crores in FY 2013. The recoveries under the write-off accounts also registered impressive growth of 44.7% over last year as the Bank was able to recover ₹1,543 crores by March 2014. The provisioning coverage ratio for FY 2014 was at a healthy 62.86%. For the FY 2014 as a whole the gross NPA and net NPA were contained to 4.95% and 2.57% respectively vis-à-vis 4.75% and 2.10% in FY 2013.

### Capital Structure

Your Bank is now Basel-III compliant from FY 2013-14. The capital adequacy ratio of your Bank remained higher at 12.44%, against RBI's stipulation of 9%, with Tier I capital at 9.72% and Tier II at 2.72%. The CAR remains strong and the strength comes from three factors: i) Capital infusion of ₹2,000 crores by the GOI, ii) Fund raising through QIP ₹8,032 crores; and iii) Funds raising through Tier II Bonds ₹2000 crores. Your Bank continues to enjoy very good market valuations and is amongst the top ten Market cap companies.

### Dividend

I am happy to announce that the Board of Directors of your Bank has declared a dividend of ₹30 per share (300%) for the year ended 31st March, 2014.

### New Initiatives

Your Bank embarked on several new business initiatives during the year which have started bearing fruit. We have identified four key areas of focus: NPA reduction, risk and mitigants, cost control and technology for better customer service.

- For healthy CASA of 46% planned for the FY 2015, your Bank has linked medical insurance to Savings Bank account holders. Number of free multicurrency cheques was linked to the Average Quarterly Balance (AQB) of the account.
- Considering emerging needs of the farmers in tune with market dynamics, the Bank has rolled out a new loan product, namely 'Multi- Purpose Agri Gold Loan', which is a hassle-free and tailor-made product for all investment credit needs, such as minor irrigation, horticulture and farm machinery, among others.
- Your Bank has launched a new product named 'SBI HER Ghar', which offers a concession of 5 bps on the prevailing Home Loan interest rates for women borrowers. The Scheme has been well accepted in the market and now accounts for 24% of the incremental sanction of home loans.
- For SME, your Bank has developed new risk-mitigated products, such as SBI Asset Backed Loan, SBI Fleet Finance Scheme and POS Linked Current Account with Overdraft Scheme.
- For speedy on line payment/settlement, the Bank has launched 'SBlePay', to facilitate e-Commerce/m-Commerce transactions among merchants, customers and various financial institutions for all kinds of e-Commerce payments.
- In retail segment, your Bank has introduced online car loan application portal.
- In the area of Internet Banking, your Bank has added several major new features to the Online SBI portal. For instance, online opening of Multi Option Fixed Deposit A/c, e-Annuity Deposit A/c, PPF A/c, self-blocking of lost ATM cards and a Smart phone application for internet banking users. This application is available on both Android and i-phone. For Corporates, the new added features include online Term Deposit Accounts, Digital Signature and Certificate based second factor authentication, etc.
- For improving customer service and reduce crowd in banking hall your Bank has introduced: ATM



वाली पासबुक, चेक जमा मशीनें, ई-किओस्क, टैब बैंकिंग, सोशल नेटवर्किंग आदि की शुरुआत की है।

- बैंक द्वारा श्रीलंका से भारत को धनप्रेषण करने के लिए 'श्रीलंका टू इंडिया - एसबीआई फ्लैश' नाम से एक नया ऑनलाइन त्वरित धनप्रेषण उत्पाद बाजार में उतारा गया है।

### सहयोगी एवं अनुबंधियाँ

आपके बैंक के सहयोगियों और अनुबंधियों का प्रदर्शन लगभग अच्छा रहा है, जबकि वर्तमान बृहद आर्थिक परिदृश्य बहुत अच्छा नहीं है, देश कठिन समय से गुजर रहा है, व्यवसाय-संवृद्धि की दर विगत वर्षों से कम है और एनपीए तथा रीस्ट्रक्चर्ड असेट्स में बढ़ोतरी के कारण लाभप्रदता दबाव में है। वर्ष के दौरान, 5 सहयोगी बैंकों का कुल मिलाकर निवल लाभ ₹2,777 करोड़ रहा जो पिछले वर्ष ₹3,678 करोड़ रहा था। इन सभी बैंकों का पूंजीकरण अच्छा है जिसमें पूंजी पर्याप्तता अनुपात 11.20% और ऋण जमा अनुपात 83.91% है। सहयोगी बैंकों का बाजार-अंश मार्च 2014 के अंतिम शुक्रवार को जमाराशियों में 5.48% और अग्रिम राशियों में 5.88% पर पहुंच गया।

गैर-बैंकिंग अनुबंधियों में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी प्रा. लि. ने ₹740 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया जो पिछले वर्ष के ₹622 करोड़ से 19% अधिक है। एसबीआई लाइफ वित्त वर्ष 2013-14 में नव व्यवसाय प्रीमियम में निजी क्षेत्र में निरंतर सबसे आगे बनी हुई है। इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा इसे वर्ष 2013 का सबसे विश्वसनीय निजी जीवन बीमा ब्रांड माना गया। एसबीआई कैपिटल मार्केट लि. ने ₹262 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया जो पिछले वर्ष के ₹314 करोड़ से थोड़ा सा नीचे है। आपके बैंक की एकमात्र कार्ड जारी करने वाली कंपनी एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज (प्रा.) लि. ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ₹293 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है जो पिछले वर्ष के ₹136 करोड़ से 115% ऊपर है। वित्त वर्ष 2014 में एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने ₹156 करोड़ का उत्कृष्ट निवल लाभ अर्जित किया। यह उल्लेखनीय प्रदर्शन बीते वर्ष के ₹86 करोड़ से 81% अधिक है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का बाजार अंश भी मार्च 2014 में 52 आधार अंकों की वृद्धि के साथ 7.24% पर पहुंच गया।

### सम्मान और पुरस्कार

आपके बैंक के प्रयासों और पहलों को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सम्मान और सराहना मिली। आपके बैंक को वर्ष 2013-14 के दौरान अनेक सम्मान/पुरस्कार पाने का गौरव प्राप्त हुआ है। इनमें उल्लेखनीय हैं - ग्लोबल फिनेंस मैगजीन द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ ट्रेड फिनेंस बैंक 2014', द बैंकर द्वारा 'ग्राहक जानकारी प्रबंधन में नवोन्मेषिता' द माई एफएम स्टार्स आफ दि इंडस्ट्री द्वारा 'गृह ऋण बैंकिंग में उत्कृष्टता के लिए इंडस्ट्री अवार्ड', एशियन बीएफएसआई अवार्ड्स में 'विभिन्न स्थानों पर सर्वाधिक एटीएम अवार्ड'। बैंक को एशियाई प्रशिक्षण एवं विकास उत्कृष्टता पुरस्कार 2013 में 'सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदाता पुरस्कार' भी दिया गया।

इसके अलावा, बैंक को देश-विदेश में कई सम्मान मिले। इनमें कुछ प्रमुख हैं :

- आपके बैंक ने नौ आईबीए बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्डों में से सात जीते: (i) वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी बैंक, (ii) सर्वश्रेष्ठ इंटरनेट

बैंक, (iii) मोबाइल टेक्नोलॉजी का सर्वोत्कृष्ट उपयोग, (iv) वित्तीय समावेशन में टेक्नोलॉजी का सर्वश्रेष्ठ उपयोग, (v) सर्वश्रेष्ठ ग्राहक प्रबंधन पहल, (vi) प्रशिक्षण और ई-लर्निंग में टेक्नोलॉजी का सर्वश्रेष्ठ उपयोग और (vii) व्यवसाय आसूचना में टेक्नोलॉजी का सर्वश्रेष्ठ उपयोग।

- बैंक ने वर्ष 2013-14 में सीएसआर के क्षेत्र में सबसे ज्यादा अवार्ड हासिल किए : (i) सीएमओ एशिया द्वारा एशिया का सर्वश्रेष्ठ सीएसआर कार्यकलाप पुरस्कार। यह पुरस्कार बैंक को सिंगापुर में दिया गया; (ii) एशियन बीएफएसआई अवार्ड्स 2013 में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर व्यवहार पुरस्कार बैंक को दुबई में मिला; (iii) आईपीई बीएफएसआई अवार्ड्स 2013 - सर्वोत्कृष्ट सीएसआर पुरस्कार; (iv) भारत की सर्वाधिक कर्तव्यनिष्ठ कंपनी अवार्ड 2013 - बैंकिंग में कर्तव्यनिष्ठा में सर्वश्रेष्ठ कंपनी; (v) एबीपी न्यूज द्वारा बीएफएसआई सर्वश्रेष्ठ सीएसआर व्यवहार पुरस्कार 2013 और ग्लोबल सीएसआर एक्सिलेंस एंड लीडरशिप अवार्ड; (vi) ब्लू डार्ट - ग्लोबल सीएसआर एक्सिलेंस एंड लीडरशिप अवार्ड। (बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र में सीएसआर कार्यकलापों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग) और विश्व में सीएसआर के क्षेत्र में उत्कृष्टता और कुशलतम नेतृत्व पुरस्कार 2013।

- आपके बैंक की अनुबंधियों को भी बहुत से अवार्ड मिले हैं, जैसे (i) एसबीआई कार्ड्स को रीडर्स डाइजेस्ट का 'सबसे विश्वसनीय क्रेडिट कार्ड ब्रांड', (ii) एसबीआई लाइफ को आउटलुक मनी द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ जीवन बीमा प्रदाता 2013' (उप विजेता), इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा 'सबसे विश्वसनीय निजी जीवन बीमा ब्रांड 2013', निजी बीमा क्षेत्र में वर्ष 2014 के काम के लिए सर्वश्रेष्ठ कंपनी का अवार्ड वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस में ब्रांड इक्विटी एंड नीलसन सर्वे अवार्ड, वर्ष 2014 के सर्वोत्तम नियोक्ता पुरस्कार में चौथा स्थान और प्रतिभा प्रबंधन के लिए इम्पलॉयर ब्रांडिंग अवार्ड 2014 मिला।

### भविष्य के लिए कदम

अक्तूबर 2013 में अध्यक्ष पद ग्रहण करने के बाद, मैंने छह विषय चुने हैं जिन पर मैं खास तौर से ध्यान दूंगी: एनपीए में कमी लाना, जोखिम को नियंत्रित रखना, खर्च को नियंत्रित रखना, सेवा का स्तर सुधारना, ब्याज इतर आय में वृद्धि करना और नवीनतम प्रौद्योगिकी माध्यमों का विकास करना। इन क्षेत्रों में सुधार करने के लिए बैंक ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं :

**एनपीए में कमी लाना:** (i) एलओएस के जरिये सभी छोटे ऋणों की, एलएलएमएस के जरिये बड़ी राशि वाले ऋणों की समय रहते समीक्षा करना (ii) क्रेडिट स्कोरिंग, मॉडलों के लिए प्रोडक्ट वार डाटा विश्लेषण करना (iii) एसएमए समितियों की 1092 बैठकें हुईं, 4667 खातों की समीक्षा की गई और उनकी श्रेणी बढ़ाई गई, प्रत्येक खाते के लिए बहुआयामी अलग अलग कार्यनीति बनाने के तहत 2783 खातों के लिए नीति-निर्माण किया गया और एसएआरबी को एसएमएजी के दायरे में लाया गया (iv) एसएमई कलेक्शन टीमों बनाई गईं जिसके लिए 68 अधिकारी विशेष रूप से प्रशिक्षित किए गए ताकि वे एसएमई खातों की रीस्ट्रक्चरिंग के कार्य की बेहतर ढंग से देखरेख कर सकें - इसके लिए पायलट परियोजनाएं शुरू की गईं। (v) एनपीए का पता लगाने के लिए जोखिम आकलन मॉडल विकसित करने हेतु पेशेवर परामर्शदाताओं की सेवाएँ ली गईं।

**जोखिम प्रबंधन :** (i) जोखिम आकलन की देखरेख करने वाले अधिकारी सभी ऋण समितियों के सदस्य बनाए गए (ii) कृषि उत्पादों की समीक्षा की गई और कुछ को नया रूप दिया गया ताकि कृषि से जुड़ा हर प्रकार का



cash recyclers, Bar-coded passbooks, cheque deposit machines, e-kiosk, Tab Banking, Social Networking, etc.

- Your Bank has launched a new online instant remittance product 'Sri Lanka to India - SBI Flash' for remittances from Sri Lanka to India.

### Associates and Subsidiaries

Associates and Subsidiaries of your Bank have performed reasonably well considering the current macro-economic scenario where the country is passing through tough times, business growth is below trend and profitability under pressure due to increase in NPAs and restructured assets. During the year, the 5 Associate banks saw their consolidated net profit at ₹2,777 crores as against ₹3,678 crores in the previous year. All these banks are well capitalised with Capital Adequacy Ratio of 11.20% and Credit Deposit ratio of 83.91%. Market share of associate banks reached 5.48% in deposits and 5.88% in advances as on last Friday of March 2014.

Of the non-banking subsidiaries, SBI Life Insurance Company Ltd. posted a net profit of ₹740 crores, 19% higher over ₹622 crores in the previous year. SBILIFE continues to be the leader in the private sector in terms of New Business Premium in FY 2013-14 and is recognised as the most trusted private life insurance brand 2013 by Economic Times. SBI Capital Market Ltd. posted a net profit of ₹262 crores which was slightly lower than ₹314 crores in the previous year, while SBI Cards and Payment Services (Pvt.) Ltd. the only stand-alone card issuing Company of your Bank continues to excel with a net profit of ₹293 crores 115% higher than ₹136 crores in the previous year. In FY 2014, SBI funds management recorded an excellent net profit of ₹156 crores, 81% higher than ₹86 crores in the previous year. Also, the market share of SBI Funds Management increased by 52 bps to 7.24% in Mar 2014.

### Recognition & Awards

Efforts and initiatives undertaken by your Bank has received wide attention and appreciation in various fields. Your Bank was the proud recipient of many recognitions/awards during the year 2013-14, the notable among them being '**Best Trade Finance Bank 2014**' by Global Finance Magazine, '**Innovation in Customer Data Management**' award by The Banker, 'Industry Award for Excellence in Home Loan Banking' by The MY FM Stars of the Industry, 'Maximum ATMs in Different Locations' by Asian BFSI Awards. The Bank also awarded 'Training Provider of the Year' by Asia's Training & Development Excellence Awards 2013.

Additionally, the Bank has also received several national and international recognitions. Some of these are:

- Your Bank won seven out of nine awards in the "IBA Banking Technology Awards" namely: (i) The Best

Technology Bank of the Year, (ii) Best Internet Bank, (iii) Best use of Mobile Technology, (iv) Best use of Technology in Financial Inclusion, (v) Best Customer Management Initiative, (vi) Best use of Technology in Training and E-learning and (vii) Best use of Technology in Business Intelligence.

- The Bank has garnered highest number of awards in CSR achievements during the year 2013-14, namely: (i) Asia's Best CSR Practice Award, 2013 instituted by CMO Asia and awarded to the Bank in Singapore; (ii) Asian BFSI Awards 2013-Best CSR Practices has been conferred to the Bank in Dubai; (iii) IPE BFSI Award 2013 - Best CSR Award, (iv) India's Most Ethical Companies Awards 2013 - Ethical Company in Banking; (v) ABP News 'BFSI-Best CSR Practices Award 2013 & Global CSR Excellence & Leadership, (vi) Blue Dart - Global CSR Excellence & Leadership Award. (Best use of CSR Practices in Banking Financial Sector) and Global CSR Excellence & Leadership Award 2013.

- The subsidiaries of your Bank has also received a number of awards like, (i) SBI Cards has been awarded with Readers Digest Award for 'Most Trusted Credit Card Brand', (ii) SBI Life awarded the 'Best Life Insurance Provider 2013 (Runner Up) by Outlook Money, 'Most Trusted Private Life Insurance Brand 2013' by The Economic Times, Brand Equity and Nielsen Survey, Awards at the World HRD Congress - Dream Company to Work for 2014 in Private Insurance, Dream Employer of the Year-2014 - Ranked 4th and Employer Branding Award 2014' for Talent Management.

### Looking Ahead

After assuming office in October 2013, I have identified six areas of focus: NPA reduction, risk management, cost control, improving delivery standards, non-interest income and leveraging technology. In order to improve in these areas the Bank has initiated number of steps as under:

**NPA Reduction:** (i) Early review of all small loans through LOS and high-value loans through LLMS (ii) Product wise data analysis for evolving credit-Scoring Models (iii) SMA committees met in 1092 meetings, 4667 accounts reviewed and upgraded, 2783 accounts, through Multi-tiered differentiated strategies for individual accounts and SARB brought under SAMG (iv) SME collection teams with 68 officials exclusively trained to restructure SME accounts -pilots rolled out (v) Consultant hired for developing predictive risk models to detect NPAs.

**Risk Management:** (i) Risk official to be member of all credit committees (ii) Agri-products reviewed and some revamped to capture entire value chain and reduce



व्यवसाय ज्यादा से ज्यादा बैंक में लाया जा सके और जोखिम न्यूनीकरण द्वारा मानक ऋणों के नीचे की श्रेणी में खिसकने पर अंकुश लगाया जा सके (iii) जोखिम का पहले से पता लगाने, इसके न्यूनीकरण और उसमें कमी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जोखिम के प्रति जागरूकता विकसित करने के लिए सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जोखिम को एक विषय के तौर पर शामिल किया गया (iv) परिचालन जोखिमों पर फोकस करने और इस संबंध में सर्वश्रेष्ठ व्यवहारों के अंगीकरण के लिए परियोजना अध्ययन किए गए।

**खर्च को नियंत्रित रखना और ब्याज इतर आय बढ़ाना :** (i) खर्च में कटौती करने के उपायों में बीमा का केंद्रीकरण/विदेश स्थित कार्यालयों के लिए बैंक आफिस (ii) कारोबार की लागत कम करने के लिए बहुत से लागत कटौती उपाय किए गए (iii) उत्पादकता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नए उपाय – चार केंद्रों पर डैशबोर्ड प्रायोगिक आधार पर शुरू किए गए (iv) संगामी लेखा-परीक्षक (कनकरेंट आडिटर) ऑनलाइन कार्य करेंगे जिससे निरीक्षण विभाग द्वारा साथ-साथ निगरानी रखने में सुविधा हो (v) नियंत्रकों के दौरों के लिए ऑनलाइन टूल उपलब्ध कराए गए।

**नवीनतम प्रौद्योगिकी माध्यमों का विकास करना और सेवा के स्तर में सुधार लाना:** (i) नए वैकल्पिक चैनल - टैब बैंकिंग, सोशल नेटवर्किंग-फेस बुक, ट्विटर आदि विकसित किए गए (ii) शिकायत प्रबंधन व्यवस्था को नया रूप दिया गया (iii) बार कोड वाली पासबुक की शुरुआत – 3125 मशीन – ई-किओस्क (iv) 4300 एटीएम कैश रीसाइकलर्स (v) ऑटोमेटिक कंप्लायंस सिस्टम तैयार किया जा रहा है (vi) समान सेवा स्तर सुनिश्चित करने के लिए – 40,000 कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई है जिसमें 25% कर्मचारी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके

हैं (vii) एचआर-करियर पाथ/पीओ-टीओ की मेंटरिंग, उनकी शंकाओं को कम करने के लिए ट्रेकिंग सिस्टम लागू किए गए हैं, ई-लर्निंग/सेल्फ लर्निंग अनिवार्य करके उन्हें अपने कार्य में दक्ष बनाया जा रहा है (viii) एक और सामूहिक संवाद कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

भारत की विकास दर वित्त वर्ष 2013 में नीचे आ गई थी वित्त वर्ष 2014 में इसके बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। बीमा, कृषि, निर्यातों में वृद्धि, चालू खाता घाटे में कमी, रुपये में स्थिरता और वित्तीय बाजारों में रौनक लौट आई है। अर्थव्यवस्था में गिरावट से बैंकों की व्यवसाय वृद्धि प्रभावित हुई, ऋण-वसूली पर भी इसका बुरा असर पड़ा और आस्तियों की गुणवत्ता भी क्षीण हुई थी।

हमें विश्वास है कि आर्थिक परिवेश में सुधार और विकास-दर के फिर से बढ़ने की उम्मीद से जोखिमों में कमी आएगी और आस्ति गुणवत्ता की समस्याएँ भी दूर हो जाएँगी। नई और स्थायी सरकार बनने से हम आशा करते हैं कि निवेश की स्थिति में निश्चित ही सुधार होगा। इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पहले की तुलना में ज्यादा खर्च होगा, परियोजनाएँ लागू करने के कार्य में तेजी आएगी और सुधार की प्रक्रिया के निरंतर चलते रहने से विकास को बल मिलेगा।

हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ,

आपकी शुभचिंतक,

(अरुंधती भट्टाचार्य)



slippages through risk mitigation (iii) Focus on recognising, mitigating and reducing risk-awareness creation by ensuring that all training programmes to contain one module on risk (iv) Project studies to focus on operational risks and best practices in this regard.

**Cost Control and non-interest income:** (i) Under cost cutting- centralisation of insurance/back office of foreign offices (ii) to economise operation, a number of cost cutting measures introduced (iii) Productivity and efficiency parameters –Dashboards are piloted in four centres (iv) Concurrent Auditors to work online facilitating on-going monitoring by Inspection Department (v) Online tool for controllers visits.

#### **Leveraging Technology and improving delivery Standards**

(i). Alternate Channel development – presence through Tab Banking, social networking - Facebook, Twitter, etc. (ii) revamped the complaint management system (iii) Bar-coded passbooks -3125 machine –e-kiosk (iv) 4300 ATM Cash Recyclers (v) Automatic Compliance System being evolved (vi) To ensure uniform delivery standards – training of 40,000 employees of which 25% already undertaken (vii) HR-Career path/mentoring of PO/TOs, Tracking systems have been developed to mitigate their pain points skill development through mandatory e-learning/self- learning

(viii) Another mass communication programme being developed.

India's growth which bottomed out in FY 2013, witnessed encouraging trends during financial year 2014 in certain areas for instance, agriculture, exports, CAD, stable rupee and financial markets. The slowdown in the economy has not only impacted business growth of banks but also affected recovery and assets quality of banks.

We believe improvement in macroeconomic environment and expected revival in economic growth will help to mitigate risks and resolve problems of asset quality. With a new and stable Government in place now, we expect a clear revival in the investment climate. Higher spending on infrastructure, speedy implementation of projects and continuation of reforms will provide further impetus to growth.

With warm regards,

Yours sincerely,

*A. Bhattacharya*

(Arundhati Bhattacharya)



## निदेशकों की रिपोर्ट

### आर्थिक पृष्ठभूमि एवं बैंकिंग परिवेश

#### वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

वैश्विक आर्थिक परिवेश व्यापक रूप से सशक्त हुआ है और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के विकासपरक उपायों से इसमें और सुधार होने की संभावना है। तथापि, यूएस अर्थव्यवस्था के सशक्त होने, यूरो क्षेत्र और जापान में मंद संवृद्धि और उभरते बाजारों तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीसी) में गिरावट के कारण वैश्विक संवृद्धि अभी भी असंतुलित है। यद्यपि वैश्विक परिवेश में पूर्णरूपेण सुधार अभी दूर की बात है किन्तु वित्तीय नीतियों को सामान्य बनाने की चिंता विश्व की सभी सरकारों को है।

वर्ष 2013 में कम मांग के कारण विश्व की ऊर्जा मंदों और गैर-ईंधन जिसों (कोमोडिटी) में क्रमशः 1% और 1.2% की कमी आई है। किन्तु जिसों के मूल्य में कमी का प्रभाव उपभोक्ता मुद्रा-स्फीति पर समानुपात में नहीं हुआ है। विकसित देशों में 2013 में उपभोक्ता मुद्रास्फीति 0.6% से 1.4% तक कम हुई है जबकि ईएमडीसी में यह अधोमुखी रहते हुए 0.2% से 5.8% मामूली सी नीचे आई है।

प्रमुख केन्द्रीय बैंकों (यूएस, ईसीबी और जापान) की नीतिगत प्रतिक्रिया विगत वर्षों के समन्वय से मेल नहीं खाती है। यूएस फेडरल रिज़र्व के मात्रात्मक सुलभता कार्यक्रम में 2014 की समाप्ति से पूर्व और लचीला होने की संभावना है। तथापि, यूरो ज़ोन और जापान की परिस्थितियों से यूरोपियन सेंट्रल बैंक और बैंक ऑफ जापान मौद्रिक विस्तार कार्यक्रम को कम करने के लिए बाध्य हो सकते हैं। इस परिदृश्य में, हम विषम नीतिगत प्रतिक्रियाओं की नई अवस्था में प्रवेश कर सकते हैं जिसमें ईसीबी और बैंक ऑफ जापान विस्तार कर रहे होंगे जबकि यूएस कुछ सीमा तक संकुचन कर रहा होगा। ये नीतिगत रुख वैश्विक संवृद्धि की गतिशीलता से जुड़ी अस्थिरता को और बढ़ा सकते हैं। फलतः आस्ति-मूल्यों और जिस की कीमतों पर प्रभाव अस्थिर रहेगा।

#### भारत का आर्थिक परिदृश्य

भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। तथापि, देश की संवृद्धि की गति लगातार दो वर्षों तक मंद रही है जिसका कारण कमजोर और दुर्बल वैश्विक संवृद्धि तथा देशीय आपूर्ति की बाध्यताएं रही हैं। वित्तीय वर्ष 2013-14 में भारत की जीडीपी 4.7% रही है जो विगत वर्ष की 4.5% की तुलना में कुछ बेहतर है तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में बढ़कर इसके 5.3% से 5.5% होने का अनुमान है (भारतीय स्टेट बैंक का अनुमान)।

चालू वित्त वर्ष में मानसून के सामान्य से कम रहने का अनुमान कृषि उत्पादन के लिए शुभ संकेत नहीं है। देश के कई भागों में मार्च 2014 के पूर्वार्ध में अनपेक्षित वर्षा, ओलावृष्टि तथा पाला पड़ने से रबी की फसल को बहुत

नुकसान हुआ है। तथापि, फसल-उत्पादन बेहतर होने से वित्त वर्ष 2013-14 में सहायक क्षेत्र सहित कृषि जीडीपी में 4.7% वृद्धि होने की संभावना है। विगत वर्ष की 1.4% से तीन गुना अधिक होगी। नरम निवेश परिवेश, रुकी परियोजनाओं और कम उपभोक्ता मांग के चलते औद्योगिक संवृद्धि मंद रही है। विनियामक एवं परिवेशगत बाधाओं के कारण खनन क्षेत्र में निरंतर कमी से भी समग्रतः औद्योगिक गतिविधियां मंद हुई हैं।

तथापि, विद्युत उप-क्षेत्र में वर्ष 2013-14 में 5.9% की शानदार संवृद्धि हुई है जो विगत वर्ष में 2.3% थी। मंद औद्योगिक परिदृश्य में इससे आशा की किरण झलकती है किन्तु इससे जुड़े हुए अन्य क्षेत्रों में कमजोरी के कारण यह संवृद्धि कहीं नहीं ठहरती है। सुधारों पर नए फोकस के साथ केन्द्र में स्थिर सरकार के गठन के उपरांत सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में गतिशीलता आने की संभावना है।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), दोनों में मुद्रास्फीति चिंता का कारण बनी हुई है। अप्रैल-नवंबर 2013 के दौरान मुद्रास्फीति में वृद्धि और उसके बाद दिसंबर-फरवरी 2013-14 में इसमें कमी दोनों खाद्यान्न-मूल्यों से प्रभावित हुई है। जून-दिसंबर 2013 में खाद्यान्न-मुद्रास्फीति दहाई में रही, जबकि विनिर्मित उत्पादों में पूरे वर्ष यह 3% के आसपास स्थिर रही। ईंधन और विद्युत क्षेत्र में मुद्रास्फीति अप्रैल 2013 में 8.3% से बढ़कर अप्रैल 2014 में 8.9% हो गई। कोर मुद्रास्फीति अप्रैल-नवंबर 2013 में 3% से कम रही किन्तु उसके बाद धीरे-धीरे मार्च 2014 के अंत में यह 3.50% हो गई। परंतु अप्रैल 2014 में फिर से गिरकर 3.40% रह गई।

### भारतीय अर्थव्यवस्था में अब बड़े परिवर्तन प्रारंभ होने वाले हैं जैसा कि नवनिर्वाचित केंद्र सरकार द्वारा नीतिगत उपायों से उम्मीद है।

विदेशी मोर्चे पर, वित्तीय वर्ष 2012-13 में चालू खाता घाटा 4.7% से घटकर वित्तीय वर्ष 2013-14 में 1.7% होना एक सुखद समाचार है। अधिक निर्यात होने और आयात में नियंत्रण के कारण चालू खाता घाटा कम होने से व्यापार घाटा कम हुआ है। प्रमुख सहयोगी अर्थव्यवस्थाओं में धीरे-धीरे सुधार होने से जुलाई 2013 में भारत के निर्यात में सुधार होना आरंभ हुआ; इसमें रुपये का मूल्यहास भी सहायक हुआ। वित्तीय वर्ष 2013-14 में निर्यात में 3.98% की संवृद्धि हुई जबकि आयात में 8.1% की कमी आई। फलतः व्यापार घाटा मार्च 2013 में 190.3 बिलियन यूएस डॉलर से घटकर मार्च 2014 में 138.6 बिलियन यूएस डॉलर हो गया जो मुख्यतः सोने के आयात में 40% की कमी से हुआ। भविष्य में,



# DIRECTORS' REPORT

## ECONOMIC BACKDROP AND BANKING ENVIRONMENT

### Global Economic Scenario

The global economic environment has broadly strengthened, and is likely to improve further, with much of the growth impetus emanating from advanced economies. However, global growth still remains uneven with strengthening of the US economy, subdued growth in the Euro Area and Japan and slowdown in Emerging Markets and Developing Economies (EMDC). Although full global recovery is a distant prospect, normalisation of fiscal policies is now on the agenda of governments across the world.

The prices of global energy items and non-fuel commodities reduced by 1% and 1.2%, respectively, due to lower demand in 2013. However, the decline in commodity prices reflected disproportionately on consumer inflation. For the advanced countries, consumer inflation declined by 0.6% to 1.4% in 2013, while in the EMDC it exhibited downward rigidity and declined marginally by 0.2% to 5.8%.

The policy responses of major central banks (the US, ECB and Japan) no more resemble the coordination of the earlier years. The US Federal Reserve's Quantitative Easing programme is expected to witness major unwinding before the end of 2014. However, conditions in Euro Zone and Japan may constrain the European Central Bank (ECB) and Bank of Japan to scale down monetary expansion programmes. In such a scenario, we may enter into a new phase of asymmetric policy responses, where both ECB and Bank of Japan will be expanding, while the US will, in part, contracting. These policy stances may heighten the uncertainty associated with global growth momentum. The impact on asset prices and commodity prices thus will remain uncertain.

### India's Economic Scenario

India remains one of the fastest growing economies of the world. However, the country's growth momentum has remained subdued for two consecutive years, reflecting weak and fragile global growth and domestic supply constraints. India's GDP growth improved moderately to 4.7% in FY 2013-14 against 4.5% in the previous year, and is estimated to increase further to 5.3%-5.5% in the current financial year (SBI estimates).

The forecast for below normal rainfall in current fiscal does not augur well for agricultural production. There were also unseasonal rains, accompanied by hailstorm and frost during early part of March 2014 in various parts of the country, adversely impacting Rabi crops. However,

the good thing is that, led by higher crop production, agricultural GDP including allied sector is poised to grow by 4.7% in FY 2013-14, over three times higher than 1.4% in the previous year. Industrial growth continues to remain sluggish due to lackluster investment climate, stalled projects and subdued consumption demand. Persistent contraction in the mining sector, owing to regulatory and environmental hurdles also contributed to the overall decline in industrial activity.

However, the electricity sub-sector grew smartly by 5.9% in FY 2013-14 against 2.3% in the previous year. It continued to generate some optimism amidst a bleak industrial scenario, but its buoyancy was clearly inadequate to counter the weakness of other constituent sectors. With the formation of a stable Government at the Centre with renewed focus on reforms, economic activity across all sectors is likely to pick up pace.

Inflation, both Wholesale Price Index (WPI) and Consumer Price Index (CPI), remains a matter of concern. Both the build-up of inflation during April - November 2013 and the subsequent fall in inflation during December - February 2013-14 was driven by food prices. During the period June - December 2013, inflation in food articles remained in double digits, while in manufactured products it was stable at around 3% throughout the year. In fuel and power sector, inflation rose to 8.9% in April 2014 from 8.3% in April 2013. The core inflation remained below 3% during April - November 2013 but thereafter rose gradually to 3.50% by end of March 2014. However, it again declined to 3.40% in April 2014.

## The Indian economy is now on the threshold of a major transformation, with expectations of policy initiatives by the newly elected Central Government.

On the external front, improvement in the current account deficit (CAD) from 4.7% of GDP in FY 2012-13 to 1.7% for FY 2013-14 is good news. The narrowing of CAD followed a lower trade deficit due to higher exports as well as moderation in imports. With a gradual recovery in key partner economies, India's exports began to improve in July 2013; this was also helped by rupee depreciation. During FY 2013-14, exports grew by 3.98%, while imports contracted by 8.1%. It resulted in sharp contraction in trade deficit from USD 190.3 bn in March 2013 to USD 138.6 bn in March 2014, primarily due to a 40% decline in gold imports. Going forward, with a likely improvement in world



विश्व की जीडीपी और वैश्विक व्यापार में सुधार होने की संभावना के चलते 2014-15 में निर्यात में वृद्धि के आसार हैं।

सितंबर 2013 से आरबीआई द्वारा किए गए विभिन्न उपायों के कारण पूंजी की आगत से आरक्षित निधि में वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में यह एक और सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। बैंकों द्वारा नए एफसीएनआर (बी) जमाराशियां लेने और विदेशी कर्ज लेने के निमित्त आरबीआई की स्वैप विंडो सितंबर-नवंबर 2013 में आरक्षित निधियों के क्षेत्र में सहायक हुई है। दिसंबर 2013 से पोर्टफोलियो में आगत में सुधार होने से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 16 मई 2014 को 314.9 बिलियन यूएस डॉलर हो गया था जो एक वर्ष पहले के भंडार से 22.9 बिलियन यूएस डॉलर अधिक है। कम चालू खाता घाटा और विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि से करेंसी पर हासशील दबाव से भारतीय रुपए में अस्थिरता का दौर खत्म हुआ। नवंबर 2013 के अंत से मार्च 2014 के बीच रुपए का मूल्य ₹60.10 से ₹62.99 प्रति डॉलर के सीमित दायरे के बीच रहा। वास्तव में, इस अवधि में रुपया अन्य उभरते अधिकांश बाजारों की करेंसियों से आगे निकल गया।

### भावी परिदृश्य

नई निर्वाचित केन्द्रीय सरकार की प्रत्याशित नीतिगत पहलों के चलते अब भारतीय अर्थव्यवस्था एक बड़े परिवर्तन की दहलीज पर है। सचेत सकारात्मक व्यवसाय के विचारों, बढ़े हुए उपभोक्ता-दृढ़ विश्वास और अधिक नियंत्रित मुद्रास्फीति के साथ अर्थव्यवस्था संतुलित सुधार की ओर अग्रसर है। अर्थव्यवस्था के संकट और मंदी के कारण जो क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित हुए थे उनमें अब सुधार के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं। तथापि, मध्यावधि में अवस्फीतिकर (डिसइन्फ्लेशनरी) गतिशीलता बनाए रखने की चुनौती अभी भी उपस्थित है। 2014-15 में संतुलित सुधार अपेक्षित हैं, वास्तविक जीडीपी में 5.3% से 5.5% तक संवृद्धि हो सकती है।

तथापि, पिछली तिमाहियों के आंकड़ों में संशोधन और फलस्वरूप आधारभूत प्रभाव में होने वाले परिवर्तन से आने वाले समय में अनिश्चितता दिखाई पड़ती है। फिर भी, सुधार की गति संतुलित होने की संभावना है जिसमें रुकी परियोजनाओं के आंशिक समाधान, और सुधरे व्यवसाय एवं उपभोक्ता-विश्वास जैसे उपाय सहायक होंगे।

एक रोचक बात यह है कि भारतीय मौसम विभाग की ओर से सामान्य से कम वर्षा होने के पूर्वानुमान से भारत के खाद्यान्न उत्पादन, जीडीपी में कृषि के योगदान और वर्तमान वित्तीय वर्ष में खाद्यान्न मुद्रास्फीति की चिंता पर चर्चा को बल मिला है। वर्ष 2014 में मॉनसून जैसा भी रहे, पर इस समय सूखे का डर अनावश्यक है।

विगत दो वित्तीय वर्षों के दौरान मंद रही औद्योगिक गतिविधियों का भावी परिदृश्य सकारात्मक है जिनमें वैश्विक संवृद्धि, बढ़ती निर्यात प्रतिस्पर्धा और हाल ही में अनुमोदित निवेश परियोजनाओं के कार्यान्वयन से अब सुधार होगा। सुधारों पर केन्द्रित नई केन्द्रीय सरकार के आने से भी संवृद्धि को बल मिलेगा।

आधारभूत परिदृश्य में, जिसमें (कोमोडिटी) की कीमतें वर्ष 2014 के दौरान कम रहेंगी। वर्तमान परिदृश्य में, वैश्विक खाद्य पदार्थों और खाद्यान्न की कीमतों के संतुलित रहने की संभावना है। यूएस ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार वर्ष 2014 और 2015 में ब्रेंट कच्चे तेल के प्रति बैरल औसत भाव

क्रमशः 105 यूएस डॉलर और 101 यूएस डॉलर रहने का अनुमान है जो इनके संतुलित रहने को ही दर्शाते हैं।

भविष्य में जबकि वैश्विक परिदृश्य पर जिसों कीमतों से सांत्वना मिलती है, इसलिए जैसा हाल ही के महीनों में देखा गया है, मुद्रास्फीति दर में और कमी आ सकती है।

आने वाले वर्षों में हमें भारत-चीन की संवृद्धि संबंधी चर्चा में उभरता हुआ रोचक परिदृश्य देखने को मिल सकता है। भारत जबकि विनिर्माण क्षेत्र में अपने अंश को बढ़ाकर इसे 2025 तक 25% करने पर बल दे रहा है, तो चीन अपने सेवा-क्षेत्र को पहले से ही जोर-शोर से सुधारने में लगा हुआ है। चीन की अर्थव्यवस्था को सेवा-क्षेत्र की ओर मोड़ने के कार्यनीतिक झुकाव से कभी न कभी भारत का सेवा व्यापार संतुलन अवश्य प्रभावित होगा। तथापि, चीन की बढ़ी आयु की बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर इस आधारभूत परिवर्तन में कुछ समय लग सकता है।

### बैंकिंग उद्योग की गतिविधियां

एक बिलियन से अधिक जनसंख्या के साथ विश्व की शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत में बैंकिंग क्षेत्र की संवृद्धि की बहुत संभावना है। इसके अलावा, अभी भी देश की एक तिहाई जनसंख्या औपचारिक बैंकिंग से बाहर है और यह परिदृश्य भारतीय बैंकिंग उद्योग के विकास के लिए बहुत बड़ा अवसर है और इससे राष्ट्र के समावेशी विकास एजेंडा को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

भविष्य में देश की ₹81 ट्रिलियन (1.34 ट्रिलियन यूएस डॉलर) के बैंकिंग उद्योग में अधिक सहभागिता और अधिकाधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। दो नए बैंकों, अर्थात् आईडीएफसी और बंधन ग्रुप को सरकार से पहले ही लाइसेंस मिल चुके हैं, जिनसे वित्तीय समावेशन को बल मिलने के अलावा मध्यावधि में बैंकिंग क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के जोर पकड़ने की प्रबल संभावना है।

### भविष्य में देश की ₹81 ट्रिलियन (1.34 ट्रिलियन यूएस डॉलर) के बैंकिंग उद्योग में अधिक सहभागिता और अधिकाधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।

इसके अलावा, बासेल-III पूंजी संबंधी समझौते का कार्यान्वयन एक वर्ष तक टालकर आरबीआई ने घटते मार्जिन एनपीए के कारण कम लाभप्रदता से जूझ रहे बैंकों को पर्याप्त राहत दी है। भारतीय रिज़र्व बैंक के नए मानदंडों से बैंकों को संभावित डूबते ऋणों की पहचान करने और उनमें सुधार के उपाय करने के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मौद्रिक संचरण के एक भाग के रूप में, प्रमुख बैंकों की आधार (बेस) दरें अप्रैल 2013 में 9.70%-10.25% से बढ़कर मार्च 2014 में 10.0%-10.25% हुई हैं, जबकि इसी अवधि में जमा दरें 7.50%-9.00% से पुनः समायोजित करके 8.0% - 9.25% की गई हैं।

सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराशियों में वर्ष 2012-13 में 14.2% की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2013-14 में 14.1% की वृद्धि हुई है जबकि ऋणों में विगत वर्ष की 14.1% की अपेक्षा 13.9% की वृद्धि हुई है।





GDP and global trade, export growth is likely to recover in 2014-15.

Due to various measures taken by the RBI since September 2013, surge in capital inflows led to reserve accretion. This is yet another positive development during the financial year 2013-14. The RBI's swap windows for banks' mobilisation of fresh FCNR(B) deposits and overseas borrowing helped to build reserve during September - November 2013. With the revival of portfolio flows since December 2013, India's forex reserves reached USD 314.9 billion (as on 16th May, 2014), an accretion of USD 22.9 bn over that of a year ago. With a lower CAD and build-up of foreign exchange reserves, the downward pressure on the currency and the volatility in the Indian rupee have subsided down. The rupee has also moved in a narrow range of ₹60.10 to ₹62.99 per US dollar since End-November 2013 to March 2014. In fact, during this period the rupee outstripped most of the other emerging market currencies.

### Outlook

The Indian economy is now on the threshold of a major transformation, with expectations of policy initiatives by the newly elected Central Government. The economy is on the road to modest recovery with cautiously positive business sentiments, improved consumer confidence and more controlled inflation. The sectors which were significantly impacted by the crisis and slowdown in the economy are now showing definite signs of improvement. The challenge for maintaining disinflationary momentum over the medium term, however, remains on the horizon. A moderate recovery is likely to set in 2014-15 and real GDP may grow by 5.3% to 5.5%.

However, data revisions for previous quarters and the consequent changes in base effects impart uncertainty to the growth trajectory ahead. The pace of recovery, nevertheless, is likely to be modest. It is likely to be supported by investment activity picking up due to part resolution of stalled projects and improved business and consumer confidence.

In an interesting development, the Indian Meteorological Department's (IMD) forecast of below normal rains have triggered widespread discussions about India's production of food grains, agriculture's contribution to the GDP and concerns about food inflation in the current fiscal. Whatever may be the course of Monsoon 2014 going forward, fears of drought are unfounded at this point of time.

The outlook for industrial activity is positive. Industrial growth, which had been subdued in the past two fiscal, is now likely to gather momentum with moderately stronger global growth, improving export competitiveness and implementation of recently approved investment projects. The new Central Government's reforms focus should also act as an impetus to growth.

In the baseline scenario, commodity prices will remain muted during 2014. In the current scenario, global food and meal prices are likely to moderate. According to the US

Energy Information Administration (EIA), the Brent crude oil price is projected to average USD 105 and USD 101 per barrel in 2014 and 2015, respectively, thus imparting a clear softening bias.

Going forward, while the global commodity price scenario provides some comfort, the rate of inflation may decelerate further from what has been witnessed in recent months.

In the coming years, we may see a fascinating scenario emerging in the India-China growth debate. While India is now focusing on increasing its share of manufacturing sector to 25% by 2025, China has already embarked on a mission of significantly revamping its services sector. The strategy of shifting the Chinese economy towards a service-sector bias may sooner or later impact India's services trade balance. However, considering China's growing ageing population such structural transformation would take a while to materialise.

### Banking Industry Developments

Being one of the top 10 global economies with a billion-plus population, India offers a significant potential for the banking sector to grow. In addition, one third of the country's population still remains outside the purview of formal banking offering the Indian banking industry a rare opportunity to grow and help facilitate the nation's inclusive growth agenda.

Going forward, the country's ₹81 trillion (USD 1.34 trillion) banking industry may see more participants and greater healthy competition. Two new banks have already received licences from the RBI i.e. IDFC and Bandhan Group, which apart from providing impetus to financial inclusion, is expected to intensify competition in the banking sector in the medium term.

### Going forward, the country's ₹81 trillion (USD 1.34 trillion) banking industry may see more participants and greater healthy competition

In addition, by postponing the implementation of Basel III capital accord by one year, RBI has given some breathing space to banks struggling with plummeting margins and lower profitability on account of increase in NPAs. The Reserve Bank of India's (RBI) new norms will further encourage banks to identify potential bad loans and take corrective actions.

As a part of monetary transmission, base rate of major banks inched up from 9.70%-10.25% in April 2013 to 10.0%-10.25% in March 2014, while deposit rates were readjusted from 7.5%-9.00% to 8.0%-9.25% in the same period.

While aggregate deposit of All Scheduled Commercial Banks (ASCBs) grew by 14.1% in FY 2013-14 against 14.2% growth in FY 2012-13, credit expanded by 13.9% against 14.1% in the previous year.



## भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के नए मानदंडों से बैंक भविष्य में डूबंत ऋणों का पता लगाने और सुधार की कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

### वित्तीय निष्पादन लाभ

उद्योग व्यापी आर्थिक गिरावट को छोड़कर 31 मार्च 2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक का वित्तीय निष्पादन संतोषजनक रहा। बैंक द्वारा पिछली तिमाहियों की तुलना में वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान परिचालन लाभ में अच्छी संवृद्धि दर्ज की गई। बैंक का परिचालन लाभ 2013-14 में ₹32,109.24 करोड़ रहा जो 2012-13 के ₹31,081.72 करोड़ से 3.31% अधिक है।

बैंक द्वारा 2013-14 के लिए ₹10,891.17 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया गया जो 2012-13 के ₹14,104.98 करोड़ की तुलना में 22.78% कम है। ऐसा उच्चतर प्रवाधान करने के कारण हुआ।

### निवल ब्याज आय

अग्रिमों और निवेशों में उच्चतर संवृद्धि के कारण वैश्विक परिचालनों से सकल ब्याज आय वर्ष के दौरान ₹1,19,655.10 करोड़ से 13.95% बढ़कर ₹1,36,350.80 करोड़ हो गई।

बैंक की निवल ब्याज आय तदनुरूप 2012-13 के स्तर ₹44,329.30 करोड़ से 11.17% बढ़कर वर्ष 2013-14 में ₹49,282.17 करोड़ हो गई।

भारत में अग्रिमों से ब्याज आय 2012-13 के स्तर ₹85,782.26 करोड़ से 13.86% बढ़कर 2013-14 में ₹97,674.91 करोड़ पर पहुंच गई। यह वृद्धि अग्रिमों की उच्चतर मात्रा के कारण हुई। तथापि, भारत में अग्रिमों से औसत आय वर्ष 2012-13 के स्तर 10.54% से घटकर 2013-14 में 10.30% रह गई।

भारत में कोष परिचालनों में निविष्ट संसाधनों से आय में 15.24% की वृद्धि मुख्यतया औसत उच्चतर संसाधन निविष्ट किए जाने के कारण हुई। औसत आय वर्ष 2013-14 के दौरान बढ़कर 7.65% हो गई जो वर्ष 2012-13 में 7.54% थी।

वैश्विक परिचालनों पर दिए गए कुल ब्याज की राशि वर्ष 2012-13 के स्तर ₹75,325.80 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2013-14 में ₹87,068.63 करोड़ पर पहुंच गई। वर्ष 2013-14 में भारत में जमाराशियों पर दिए गए ब्याज में पिछले वर्ष की तुलना में 15.65% की वृद्धि दर्ज की गई। जमाराशियों की औसत लागत वर्ष 2012-13 के स्तर 6.29% से 6 आधार अंक बढ़कर वर्ष 2013-14 में 6.35% हो गई जबकि भारत में जमाराशियों का औसत स्तर 14.55% बढ़ गया।

### ब्याज इतर आय

ब्याज इतर आय वर्ष 2013-14 में 15.69% बढ़कर ₹18,552.92 करोड़ हो गई जो वर्ष 2012-13 में ₹16,036.84 करोड़ थी। वर्ष के दौरान बैंक को (पिछले वर्ष की ₹715.51 करोड़ की तुलना में) ₹496.86 करोड़ की आय भारत और विदेश में सहयोगी बैंकों/अनुषंगियों और संयुक्त उद्यमों से लाभांश के रूप में प्राप्त हुई।

### परिचालन खर्च

स्टाफ खर्च वर्ष 2012-13 के स्तर ₹18,380.90 करोड़ से 22.43% बढ़कर वर्ष 2013-14 में ₹22,504.28 करोड़ हो गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण 01.04.2013 से मोर्टालिटी टेबल में संशोधन के कारण पेंशन देयता के लिए उच्चतर प्रावधान करना और वेतन संशोधन के लिए ₹1,814.00 करोड़ की राशि का प्रावधान करना रहा जिसका प्रभाव ₹2,400.00 करोड़ था। अन्य परिचालन खर्च में 21.26% की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मुख्यतया किराये, कर और बिजली, विधि खर्च, डाक खर्च, टेलीफोन, मुद्रण और लेखन सामग्री, बीमा और विविध खर्च के कारण हुई।

### प्रावधान और आकस्मिक खर्च

वर्ष 2013-14 में मुख्यतया निम्नलिखित प्रावधान किए गए:

- अनर्जक आस्तियों के लिए ₹14,223.57 करोड़ (प्रतिलेखन घटाकर) (2012-13 में ₹11,367.79 करोड़)।
- मानक आस्तियों पर ₹1,260.69 करोड़ (2012-13 में ₹749.61 करोड़) जिसमें वर्तमान वर्ष के प्रावधान शामिल हैं, मानक आस्तियों पर कुल प्रावधान ₹6,575.43 करोड़ की राशि के रहे।
- 2013-14 में कर के लिए प्रावधान ₹5,282.71 करोड़ (2012-13 में ₹5,845.91 करोड़)।
- निवेशों पर मूल्यहास के लिए ₹563.25 करोड़ के प्रावधान। इसमें 'परिपक्वता तक धारित' श्रेणी का प्रीमियम का परिशोधन शामिल नहीं है (2012-13 में निवेश पर मूल्यहास के लिए ₹961.29 करोड़ का प्रतिलेखन)।

### आरक्षित निधियां और अधिशेष

- ₹3,339.62 करोड़ की राशि सांविधिक आरक्षितियों में अंतरित की गई (2012-13 में ₹4,417.86 करोड़)।
- ₹216.75 करोड़ की राशि पूंजीगत आरक्षितियों में अंतरित की गई (2012-13 में ₹19.17 करोड़)।
- ₹4,796.63 करोड़ की राशि अन्य आरक्षितियों में अंतरित की गई (2012-13 में ₹6,453.26 करोड़)।

### आस्तियां

बैंक की आस्तियों में 14.43% की वृद्धि हुई। ये मार्च 2013 के अंत में ₹15,66,211.27 करोड़ से बढ़कर मार्च 2014 के अंत में ₹17,92,234.60 करोड़ हो गई। इस अवधि के दौरान ऋणों में 15.70% की वृद्धि हुई और ये बढ़कर ₹10,45,616.55 करोड़ से बढ़कर ₹12,09,828.72 करोड़ हो गई। निवेशों में 13.52% की वृद्धि हुई और ये बढ़कर ₹3,50,877.51 करोड़ से मार्च 2014 के अंत में ₹3,98,308.19 करोड़ पर पहुंच गए। निवेश का एक बड़ा भाग देशीय बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों में निविष्ट किया गया।

### देयताएं

बैंक की कुल देयताएं (पूँजी एवं आरक्षितियों को छोड़कर) 14.08% वृद्धि के साथ मार्च 2013 के स्तर ₹14,67,327.59 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2014 को ₹16,73,952.35 करोड़ हो गई। देयताओं में यह वृद्धि मुख्यतया जमाराशियों और उधार राशियों में वृद्धि होने के कारण हुई। 31 मार्च 2014 को वैश्विक जमाराशियाँ ₹13,94,408.50 करोड़ रहीं जबकि 31 मार्च 2013 को ये ₹12,02,739.57 करोड़ थीं। इस प्रकार इसमें 15.94% की वृद्धि हुई। इस प्रकार 31 मार्च 2013 के अंत के स्तर ₹1,69,182.71 करोड़



The Reserve Bank of India's (RBI) new norms will further encourage banks to identify potential bad loans and take corrective actions.

## FINANCIAL PERFORMANCE

### Profit

Given the system wide economic slowdown, the financial performance of the Bank during the financial year ended 31st March, 2014, remained satisfactory. The Bank registered a good growth in Operating Profit during the fourth quarter of the year as compared to previous quarters. The Operating Profit of the Bank for 2013-14 was higher at ₹32,109.24 crores, as compared to ₹31,081.72 crores in 2012-13, an increase of 3.31%.

The Bank posted a Net Profit of ₹10,891.17 crores for 2013-14, as compared to ₹14,104.98 crores in 2012-13, i.e. a decline of 22.78% on the back of higher provisioning requirement.

### Net Interest Income

Due to higher growth in the advances and investment portfolios, the gross interest income from global operations rose from ₹1,19,655.10 crores to ₹1,36,350.80 crores during the year registering a growth of 13.95%.

The Net Interest Income of the Bank correspondingly registered a growth of 11.17% from ₹44,329.30 crores in 2012-13 to ₹49,282.17 crores in 2013-14.

Interest income on advances in India increased from ₹85,782.26 crores in 2012-13 to ₹97,674.91 crores in 2013-14 registering a growth of 13.86%, due to higher volumes. However, the average yield on advances in India has declined from 10.54% in 2012-13 to 10.30% in 2013-14.

Income from resources deployed in treasury operations in India increased by 15.24% mainly due to higher average resources deployed. The average yield has also increased to 7.65% in 2013-14 from 7.54% in 2012-13.

Total interest expenses of global operations increased from ₹75,325.80 crores in 2012-13 to ₹87,068.63 crores in 2013-14. Interest expenses on deposits in India during 2013-14 recorded an increase of 15.65% compared to the previous year. The average cost of deposits has increased by 6 basis points from 6.29% in 2012-13 to 6.35% in 2013-14, whereas the average level of deposits in India grew by 14.55%.

### Non-Interest Income

Non-interest income increased by 15.69% to ₹18,552.92 crores in 2013-14 as against ₹16,036.84 crores in 2012-13. During the year, the Bank received an income of ₹496.86 crores (₹715.51 crores in the previous year) by way of dividends from Associate Banks/subsidiaries and joint ventures in India and abroad.

### Operating Expenses

There was an increase of 22.43% in the Staff Cost from ₹18,380.90 crores in 2012-13 to ₹22,504.28 crores in 2013-14. The main reasons for increase were higher provision for pension liability due to revision in mortality table from 01.04.2013, impact of which was ₹2,400.00 crores and provision for wage revision to the tune of ₹1,814.00 crores. Other Operating Expenses registered an increase of 21.26% mainly due to increase in expenses on rent, taxes and lighting, law charges, postage, telephones, printing and stationery, insurance and miscellaneous expenditure.

### Provisions and Contingencies

Major amounts of provisions made in 2013-14 were as under:

- ₹14,223.57 crores (net of write-back) for non-performing assets (as against ₹11,367.79 crores in 2012-13).
- ₹1,260.69 crores towards Standard Assets (as against ₹749.61 crores in 2012-13), including the current year's provision, the total provision held on Standard Assets amounts to ₹6,575.43 crores.
- ₹5,282.71 crores towards Provision for Tax in 2013-14, (as against ₹5,845.91 crores in 2012-13).
- ₹563.25 crores provisions for depreciation on investments, excluding amortisation of premium on 'Held to Maturity' category (as against ₹961.29 crores write back towards depreciation on investments in 2012-13).

### Reserves and Surplus

- An amount of ₹3,339.62 crores (as against ₹4,417.86 crores in 2012-13) has been transferred to Statutory Reserves.
- An amount of ₹216.75 crores (as against ₹19.17 crores in 2012-13) has been transferred to Capital Reserves.
- An amount of ₹4,796.63 crores (as against ₹6,453.26 crores in 2012-13) has been transferred to other Reserves.

### Assets

The total assets of the Bank increased by 14.43% from ₹15,66,211.27 crores at the end of March 2013 to ₹17,92,234.60 crores as at the end of March 2014. During the period, the loan portfolio increased by 15.70% from ₹10,45,616.55 crores to ₹12,09,828.72 crores. Investments increased by 13.52% from ₹3,50,877.51 crores to ₹3,98,308.19 crores as at the end of March 2014. A major portion of the investment was in the domestic market in government securities.

### Liabilities

The Bank's aggregate liabilities (excluding capital and reserves) rose by 14.08% from ₹14,67,327.59 crores on 31st March, 2013 to ₹16,73,952.35 crores on 31st March, 2014. The increase in liabilities was mainly contributed by increase in deposits and borrowings. The Global deposits rose by 15.94% and stood at ₹13,94,408.50 crores as on 31st March, 2014 against ₹12,02,739.57 crores as on 31st March 2013. The borrowings increased by 8.24% from



की तुलना में 8.24% का वृद्धि के साथ ये 31 मार्च 2014 के अंत में ₹1,83,130.88 करोड़ हो गई।

## I. प्रमुख व्यवसाय

### ग्राहक सेवा

भारतीय स्टेट बैंक में हमारा विश्वास है कि दशकों से हमारी उपलब्धियों का आधार हमारे ग्राहक हैं। हमारे विजन को उनके समर्थन से हमें राष्ट्र के सबसे सफल वाणिज्यिक बैंक के रूप में अपनी विरासत को सशक्त करने में सहायता मिली है। अतः हमारी सभी कार्यनीतियां और पहलें 'ग्राहक' और उनकी प्राथमिकताओं तथा आकांक्षाओं के चहुंओर ही घूमती हैं।

एसबीआई ऑनलाइन में हमारा ग्राहक सेवा लिक चौबीसों घंटे उपलब्ध है। उसमें ऑनलाइन/ऑफलाइन शिकायत दर्ज करने का विकल्प है। साथ ही ऑनलाइन/ऑफलाइन फीडबैक पोर्टल हमारे ग्राहकों को प्रसन्नता का बोध करवाता है।

बैंक उत्कृष्टता के लिए भारत में निष्पक्ष बैंकिंग व्यवहार संहिता लागू करने वाला पहला बैंक है। इस संहिता से बैंक की समाज के सभी वर्गों को विश्व स्तरीय बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है। इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक ने कई नीतियां लागू की हैं:

- शिकायत निवारण नीति
- क्षतिपूर्ति नीति
- चेक संग्रहण नीति
- जमाकर्ता अधिकार नीति
- प्रतिभूति पुनर्ग्रहण नीति/वसूली एजेंटों के लिए आचार संहिता
- मल्टीसिटी चेक नीति

### संपर्क केन्द्र

एसबीआई के संपर्क केन्द्र में ग्राहकों से प्राप्त होने वाली फोन-कॉल्स और ई-मेल के उत्तर दिए जाते हैं। वैकल्पिक चैनल के रूप में यह एक सुदृढ़ चैनल के रूप में उभरा है और यह निम्नलिखित ग्राहक सेवाएं उपलब्ध करा रहा है;

- एटीएम-डेबिट कार्ड-प्राप्त ग्राहकों को खाते संबंधी सूचना (अन्य सूचनाओं सहित शेष संबंधी, सबसे बाद के पांच लेनदेन संबंधी सूचनाएं)।
- डेबिट कार्ड की हॉटलिस्टिंग एवं डेबिट कार्ड की स्थिति, एटीएम पिन रीजनरेशन संबंधी अनुरोध।
- उत्पादों और सेवाओं संबंधी सूचना देना तथा कारोबार संबंधी सूचनाएं दर्ज करना।
- शिकायत दर्ज करना।
- पेंशन संबंधी विवरण (अन्य विवरण सहित मूल पेंशन, महंगाई भत्ता, लाइफ सर्टिफिकेट की स्थिति का विवरण)।
- मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग एवं मोबी-कैश के बारे में ऑनलाइन समस्या-समाधान।

- एनईएफटी/आरटीजीएस और एसबीआई एक्सप्रेस धनप्रेषण संबंधी स्थिति की जानकारी देना।
- संपर्क केन्द्र की सुविधा 24x7 उपलब्ध है। इसके दो टोल फ्री नंबर 1800 11 2211/1800 425 3800 हैं तथा एक टोल नंबर 08026599990. वडोदरा, बंगलुरु, आगरा तथा कोलकाता में बैंक के 4 संपर्क केन्द्र हैं।
- इस हेल्पलाइन पर ग्राहक से बातचीत करने की सुविधा है जिससे ग्राहकों को शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसा अनुमान है कि इस सुविधा से प्रतिदिन प्रति शाखा में औसतन 20 ग्राहक कम जाते हैं।
- हिन्दी और अंग्रेजी सहित 12 भाषाओं में प्रतिदिन लगभग 3.50 लाख कॉल्स पर कार्रवाई की जाती है। इनमें से लगभग 80,000 कॉल्स ग्राहक सेवा प्रतिनिधि सुनते हैं जबकि शेष कॉल्स पर आईवीआरएस के माध्यम से स्वयं-सेवा विकल्प से कार्रवाई होती है।
- यहाँ से प्रमुख एसबीआई कारपोरेट आईडी जैसे [contactcentre@sbi.co.in](mailto:contactcentre@sbi.co.in), [ibanking@sbi.co.in](mailto:ibanking@sbi.co.in), [customercare.homeloans@sbi.co.in](mailto:customercare.homeloans@sbi.co.in), [feedback](mailto:feedback). पर प्राप्त ई-मेल के उत्तर भी दिए जाते हैं।

### ग्राहक दिवस

अपने विजन स्टेटमेंट के अनुरूप एसबीआई ग्राहक सेवा में उत्कृष्ट मानक प्राप्त करने हेतु प्रयासरत है। ग्राहक संबंधित प्राधिकारियों, नियंत्रकों एवं शीर्ष स्तर के प्रबंधन से सीधे संपर्क कर सकते हैं। हर माह में दो दिन 'ग्राहक दिवस' के रूप में मनाए जाते हैं और इन दिवसों पर शाखा-प्रमुख एवं प्रशासन से संबंधित अधिकारी ग्राहकों से सुझाव लेने और उनकी शिकायतों के निवारण के लिए उपलब्ध होते हैं। बैंक के लिए यह अनिवार्य है कि ग्राहक की शिकायतें उनकी प्राप्ति के अधिकतम तीन सप्ताह के भीतर दूर की जाएं जबकि बीसीएसबीआई में यह अवधि 30 दिन है (आरबीआई ने जैसे निर्धारित किया है)। ग्राहकों की एटीएम संबंधी शिकायतों का निवारण सात दिनों के भीतर किया जाता है। प्रदत्त सेवा में किसी प्रकार की कमी के लिए असंतुष्ट ग्राहक को वित्तीय क्षतिपूर्ति करने हेतु बैंक ने क्षतिपूर्ति नीति निर्धारित की है।

### धोखाधड़ी निवारण एवं निगरानी

धोखाधड़ियां रोकने हेतु आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था को सशक्त करने के लिए बैंक ने बहुत से उपाय किए हैं।

### I. व्यवसाय समूह

- क) राष्ट्रीय बैंकिंग समूह
- ख) कारपोरेट बैंकिंग समूह
- ग) मध्य कारपोरेट समूह
- घ) अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह
- ङ) वैश्विक बाजार परिचालन

### क) राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

राष्ट्रीय बैंकिंग समूह बैंक का सबसे बड़ा व्यवसाय समूह है जिसमें 31 मार्च 2014 को कुल देशीय जमा राशियों का 95.24% और कुल देशीय अग्रिमों का 52.05% अंश है। शाखा नेटवर्क और मानव संसाधनों के संदर्भ में भी यह सबसे बड़ा व्यवसाय समूह है।



₹1,69,182.71 crores at the end of March 2013 to ₹1,83,130.88 crores as at the end of March 2014.

## I. CORE OPERATIONS

### Customer Service

At SBI, we believe customers represent the foundation of our achievements across decades. It is their continuing support in our vision that has helped us strengthen our legacy as the nation's most successful commercial Bank. Therefore, all our strategies and initiatives revolve around the 'Customer' and his/her preferences and aspirations.

Our Customer Service link, available 24 x 7 on SBI-Online, has the option of Online/Offline Complaint Registration. Also Online/Offline Appreciation/ Feedback portal provides the feeling of 'Customer Delight', to our customers.

The Bank was the first in India to introduce a code of Fair Banking Practices in the country called 'Towards Excellence'. The code reflects the Bank's continuing commitment to provide world-class banking services to all sections of society. Towards this purpose, SBI has laid down several policies:

- Policy on Grievance Redressal
- Compensation Policy
- Cheque Collection Policy
- Policy on Depositors' Rights
- Policy on Security Repossession/Code of Conduct for Recovery Agents
- Policy on Multi-city Cheque

### Contact Centre

SBI's Contact Centre caters to customers through inbound calls and e-mails. It has emerged as a strong alternate channel and is providing following customer services:

- Account Information to customers having ATM-cum-Debit Card (Balance info, last five transactions, among others).
- Debit Card hot-listing and Status of the debit card, ATM PIN re-generation request.
- Information on products and services and lead registration.
- Registration of complaints.
- Pension particulars (Basic Pension, Dearness allowances, status of life certificate, among others).
- Online trouble shooting for Mobile Banking, Internet Banking and Mobi-cash.
- Status of NEFT/RTGS and SBI Express Remittances.
- Contact Centre is available 24x7 through 2 toll free

helpline nos. 1800 11 2211/1800 425 3800 and toll number 08026599990. Bank has 4 Contact Centres at Vadodara, Bangalore, Agra & Kolkata.

- This helpline provides a human interface of the Bank, thus helping in migrating the customers from branches. It is estimated that it helps in reducing footfalls at branches by an average of 20 customers/day per branch.
- It is handling approximately 3.50 lakhs calls/day in 12 languages including Hindi and English. Out of this, Customer Service Representatives attend approx. 80,000 calls, whereas the remaining calls are served on self-service options through Interactive Voice Response System (IVRS).
- It is also responding to e-mails received on major SBI Corporate IDs like contactcentre@sbi.co.in, ibanking@sbi.co.in, customercare.homeloans@sbi.co.in, feedback.mobicash@sbi.co.in

### Customer Day

In keeping with our Vision Statement, SBI strives to achieve one of the highest standards in customer service. Customers have direct access to relevant Authorities, Controllers and the Management at the apex. Two days in a month are observed as 'Customer Day', when Branch Head & Administration Officers are available to receive suggestions from customers and resolve their grievances.

The Bank's mandate is to redress customer grievances within maximum three weeks of receipt, as against a 30-day timeline prescribed in the BCSBI Code. All ATM related customer complaints are redressed within seven days (prescribed by the RBI). The Bank has put in place a Compensation Policy to compensate aggrieved customers financially for any slippage in services extended.

### Fraud Prevention and Monitoring

The Bank has taken several measures to strengthen the internal control mechanism to prevent frauds.

### I. Business Groups

- A) National Banking Group
- B) Corporate Banking Group
- C) Mid Corporate Group
- D) International Banking Group
- E) Global Market Operation

### A) National Banking Group

The National Banking Group (NBG) is the largest business vertical of the Bank, anchoring 95.24% of total domestic deposits and 52.05% of total domestic advances, as on 31st March, 2014. It is also the largest business vertical in terms of branch network and human resources.



## राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

ग्रामीण बैंकिंग इकाई (आरबीयू)

वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय इकाई

स्थावर संपदा, निवास और आवास विकास

लघु और मध्यम उद्यम व्यवसाय इकाई

सरकारी व्यवसाय इकाई (जीबीयू)

आरबीयू, पीबीबीयू, आरईएच एंड एचडी तथा एसएमई व्यवसाय इकाइयों में से प्रत्येक का व्यवसाय एक लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

## प्रदर्श 1: शाखा विस्तार

दिनांक	ग्रामीण	अर्ध-शहरी	शहरी	महानगरीय	कुल
31.03.2013 को	5,661	4,173	2,631	2,351	14,816
वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान खेले गई शाखाएं	397	230	264	177	1,068
विलय/बंद की गई शाखाएं	2	4	5	4	15
31.03.2014 को	6,056	4,399	2,890	2,524	15,869*

\* 24 बीपीआर/अन्य आउटफिट्स (आरएसीपीसी, सीपीसी आदि) शामिल नहीं।

## प्रदर्श 2: राष्ट्रीय बैंकिंग समूह का व्यवसाय (₹ करोड़ में)

विवरण	स्तर			वाईटीडी संवृद्धि	
	31.03.2012 को	31.03.2013 को	31.03.2014 को	समग्र	(%)
खंड की जमा राशियां	9,12,848	10,47,296*	12,09,898	1,62,602	15.53
खंड के अग्रिम (खाद्येतर)	4,29,509	4,89,216*	5,27,480	38,264	7.82

\* इन आंकड़ों में वित्त वर्ष 2013-14 में एमसीजी को अंतरित खातों की राशि शामिल नहीं है।

## वित्तीय समावेशन

- बैंक ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर गठबंधन के माध्यम से 45,487 बीसी ग्राहक सेवा केन्द्र स्थापित किए हैं।
- बैंक बीसी चैनल के माध्यम से बचत बैंक, फ्लैक्सि आरडी, एसटीडीआर, धनप्रेषण और एसबी-ओडी जैसे विभिन्न प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद उपलब्ध करवा रहा है।
- वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने 31,729 गांवों में 100% सेवाएँ उपलब्ध करा दी हैं। कुल 52,260 गांवों में सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।
- शहरी/महानगरों में 11,423 से अधिक बीसी केन्द्र खोले गए हैं जहाँ अन्य के अलावा प्रवासी मजदूरों और विक्रेताओं की आवश्यकताएँ पूरी की जाती हैं। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बीसी चैनल के माध्यम से ₹9,983 करोड़ के 226 लाख धनप्रेषण लेनदेन दर्ज किए गए।

- वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने सरलीकृत केवाईसी के साथ 1.50 करोड़ लघु खाते खोले, फलतः ऐसे खातों की कुल संख्या 3.53 करोड़ हो गई है।

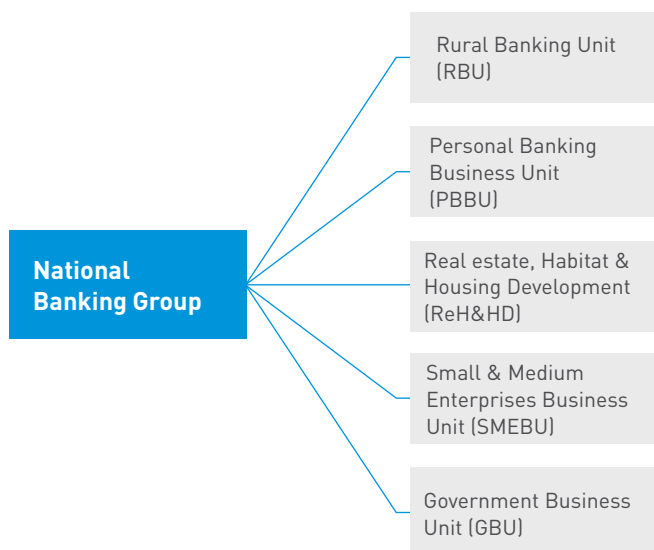


कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान

- बीसी चैनल के माध्यम से लेनदेन की राशि वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान बढ़कर ₹22,525 करोड़ हो गई जो वित्त वर्ष 2012-13 के दौरान ₹13,033 करोड़ थी।
- वैकल्पिक चैनलों के माध्यम से लेनदेन की सुविधा जुटाने के उद्देश्य से बैंक ने एफआई ग्राहकों को 24 लाख एफआई रूपे एटीएम डेबिट कार्ड जारी किए।
- ग्राहक संपर्क केन्द्रों के माध्यम से गांवों को शाखाओं से जोड़ने के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल लाँच किया गया और अब तक 69,749 गांवों को जोड़ा गया। ऋण-चुकोती संबंधी किस्त जमा करने की सुविधा 31,919 बीसी केन्द्रों पर भी प्रदान की जा रही है।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना सफलतापूर्वक प्रारंभ की गई है। बैंक ने प्रायोजक बैंक के रूप में ₹505 करोड़ के 27.41 लाख लेनदेन पूरे किए हैं जो प्राप्तकर्ता बैंक के रूप में ₹98.61 करोड़ के 7.1 लाख लेनदेनों के अलावा हैं। देश भर में 1.36 करोड़ खाते आधार से जोड़े गए।
- एलपीजी लेनदेन के लिए डीबीटी के संबंध में भारतीय स्टेट बैंक अकेला प्रायोजक बैंक है जिसकी केन्द्रीकृत प्रक्रिया सभी तीन तेल मार्केटिंग कंपनियों के लिए की जाती है; ₹5,393 करोड़ राशि के 8.98 करोड़ से अधिक लेनदेन सफलतापूर्वक पूरे किए गए।
- ₹5,134 करोड़ के ऋण आबंटन के साथ 4.46 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को ऋण प्रदान किए गए। स्वयं सहायता समूहों में हमारा बाजार अंश 22% है।

## कृषि व्यवसाय

- कृषि खंड में 1.13 करोड़ से अधिक ग्राहकों को ₹1,16,081 करोड़ राशि के ऋण प्रदान कर बैंक कृषि व्यवसाय में अग्रणी बना रहा है। वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने कुल 5.13 लाख नए ग्राहकों को ऋण दिए।
- लघु अवधि उत्पादन ऋण के रूप में जो केसीसी और कृषि स्वर्ण ऋण प्रदान किए गए उनमें गत वर्ष की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 14% की वृद्धि हुई है।
- एटीएम समर्थक स्टेट बैंक क्रेडिट कार्ड के माध्यम से परिचालित फसली ऋणों को संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम में अंतरित कर औसतन कृषि ऋण ₹1.03 लाख हुआ है।
- वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक द्वारा जारी किसान क्रेडिट कार्डों की संख्या 61.60 लाख से अधिक हो गई।



RBU, PBBU, ReH & HD and SME business units are having business portfolios above Rupees One Lakh crores, each.

### Exhibit 1: Branch Expansion Trend

As on	Rural	Semi-Urban	Urban	Metro	Total
31.03.2013	5,661	4,173	2,631	2,351	14,816
Branches added during FY 2013-14	397	230	264	177	1,068
Branches merged/closed	2	4	5	4	15
31.03.2014	6,056	4,399	2,890	2,524	15,869*

\* Excluding 24 BPR/ other outfits (RACPCs, CPCs, etc.)

### Exhibit 2: NBG Business Performance (₹ in crores)

Particulars	Level			YTD Growth	
	31.03.2012	31.03.2013	31.03.2014	Absolute	(%)
Segmental Deposits	9,12,848	10,47,296*	12,09,898	1,62,602	15.53
Segmental Advances (non-food)	4,29,509	4,89,216*	5,27,480	38,264	7.82

\* excluding account transfer to MCG during FY 2013-14

### Financial Inclusion (FI)

- The Bank has set up 45,487 Business Correspondent (BC) Customer Service Points through alliances both at the national and regional level.
- The Bank is offering various technologically enabled products through BC channel, such as Savings Bank, flexi RD, STDR, remittance and SB-OD facilities.
- The Bank has achieved 100% coverage across 31,729 villages during FY 2013-14. The cumulative coverage totalled 52,260 villages.
- Over 11,423 BC outlets have been set up across urban/metro centres, which cater to the requirements of migrant labourers and vendors, among others. During FY 2013-14, 226 lakhs remittance transactions for ₹9,983 crores were registered through BC channel.

- During FY 2013-14, the Bank has opened 1.50 crores small accounts with simplified KYC, taking the overall tally to 3.53 crores accounts.
- The transactions volume through the BC Channel has grown to ₹22,525 crores during FY 2013-14 as against ₹13,033 crores during FY 2012-13.
- To facilitate transactions through alternate channels, the Bank has issued 24 lakhs FI Rupay ATM Debit Cards to FI customers.



FI Rupay ATM Debit Cards

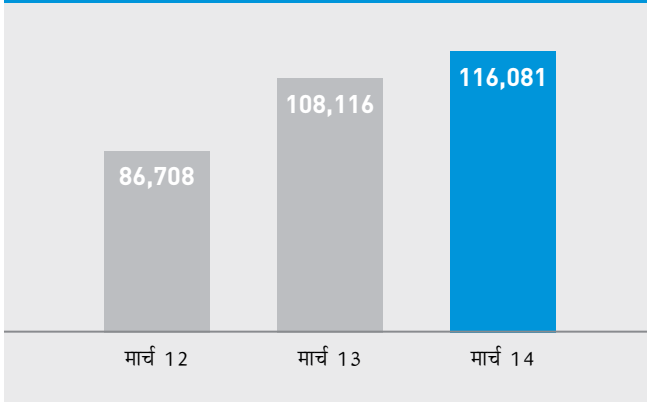
- Linking of villages to branches through CSPs in a hub-and-spoke model has been launched and 69,749 villages have been linked so far. A facility of depositing loan repayments at 31,919 BC outlets has also been enabled.
- Direct Benefit Transfer (DBT) Scheme has been successfully rolled-out. The Bank has successfully completed 27.41 lakhs transactions amounting to ₹505 crores as Sponsoring Bank in addition to handling 7.1 lakhs transactions amounting to ₹98.61 crores as Receiving Bank. Overall 1.36 crores accounts were linked with Aadhaar across the country.
- SBI is the sole Sponsoring Bank for DBT for LPG transactions, which are processed centrally for all the three Oil Marketing Companies; over 8.98 crores transactions amounting ₹5,393 crores were successfully processed.
- Over 4.46 lakhs SHGs are credit linked with credit deployment of ₹5,134 crores. Our market share in SHGs is 22%.

### Agri Business

- The Bank retained its leadership in Agri Business by crossing ₹1,16,081 crores under agri-segmental advances covering over 1.13 crores customers. A total of 5.13 lakhs new customers were brought in the Bank's fold during FY 2013-14.
- Short-term production credit constituting KCC and Agri Gold Loan, recorded 14% Y-o-Y growth.
- Average agri loan ticket size increased to ₹1.03 lakhs through migration of crop loans to revised Kisan Credit Card scheme operated through ATM enabled State Bank Kisan Cards.
- The number of Kisan Credit Card issued by Bank crossed 61.60 lakhs during FY 2013-2014.

**प्रदर्श 3 : कृषि अग्रिम व्यवसाय**

निष्पादन (₹ करोड़ में)

**कृषि क्षेत्र को ऋण**

विगत वर्षों की भांति वित्तीय वर्ष 2013-14 में बैंक ने कृषि क्षेत्र के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य से अधिक ऋण प्रदान किए हैं।

**प्रदर्श 4: कृषि क्षेत्र को प्रदान किए गए ऋणों की प्रवृत्ति**

वर्ष	लक्ष्य	संवितरण	उपलब्धि%
वित्त वर्ष 2011-12	51,000	53,214	104%
वित्त वर्ष 2012-13	60,000	63,936	106%
वित्त वर्ष 2013-14	73,500	74,970	102%

**नए उत्पादों की शुरुआत**

बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार किसानों की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंक ने नए ऋण उत्पाद आरंभ किए हैं : 'बहु-उद्देश्यीय कृषि स्वर्ण ऋण' – एक सुविधाजनक और पहले से तैयार उत्पाद जिससे अन्य के अलावा लघु सिंचाई, बागवानी और फार्म मशीनरी सहित निवेशगत ऋण आवश्यकताओं के लिए कृषि स्वर्ण ऋण व्यवसाय की सभी संभावनाएं पूरी होती हैं।

**विशेष अभियान**

किसानों में जागरूकता विकसित करने और बैंक के कृषि उत्पादों का कार्यक्षेत्र/प्रभाव बढ़ाने के लिए, विशेष अभियान शुरू किए गए।

- **केसीसी अभियान** : नवीकरण और वर्तमान केसीसी खातों को संशोधित केसीसी स्कीम में अंतरित कर केसीसी ऋणों में संवृद्धि करने के निमित्त। वित्तीय वर्ष 2013-14 में इस अभियान के अंतर्गत ₹6,841 करोड़ का व्यवसाय किया गया।
- **स्वर्णधारा अभियान** : कृषि स्वर्ण ऋण और बहु-उद्देश्यीय कृषि स्वर्ण ऋणों को बढ़ाने हेतु तिमाही आधार पर यह अभियान पुनः चलाया गया और वित्तीय वर्ष 2013-14 में ₹4,342 करोड़ का व्यवसाय किया गया।
- **ट्रैक्टर ऋण मेला** : 'नई ट्रैक्टर ऋण योजना' का प्रसार करने हेतु प्रतिस्पर्धी ट्रैक्टर मार्केट पर पकड़ मजबूत करने और व्यवसाय लेने के उद्देश्य से इसे चलाया गया तथा वित्तीय वर्ष 2013-14 में ₹274 करोड़ का व्यवसाय किया गया।
- **कृषि प्लस** : (₹3 लाख और इससे अधिक के) वर्तमान अच्छे ट्रैक-

रिकॉर्ड वाले बड़े ऋणियों को लक्ष्य कर संवृद्धि और गुणवत्ता के उद्देश्य से अतिरिक्त ऋण संस्वीकृत करने के लिए यह अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत 4,148 खातों में कुल ₹108.15 करोड़ संस्वीकृत किए गए।

**किसानों के साथ संबंध**

- **एसबीआई की अपना गांव योजना** : वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान 121 नए गांवों के समग्र विकास के लिए उन्हें 'एसबीआई की अपना गांव योजना' के अंतर्गत अंगीकार किया गया। इन्हें मिलाकर अंगीकार किए गए कुल गांवों की संख्या 1,393 हो गई है।
- **किसान क्लब** : किसान समुदाय के साथ निरंतर सुदृढ़ संबंध स्थापित करने के निमित्त 145 नए किसान क्लब बनाए गए। इन्हें मिलाकर 31.03.2014 को किसान क्लबों की कुल संख्या 10,670 हो गई है।

**विकास संवर्धक**

- **बीसी नेटवर्क के साथ हब-एंड-स्पोक मॉडल** : बैंक ने दूरस्थ बैंकिंग-सुविधाविहीन क्षेत्र में रह रहे किसानों से आवेदन प्राप्त करने और उन्हें बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए 34,064 ग्रामीण ग्राहक सेवा केन्द्रों के माध्यम से 67,489 गांवों के साथ संबंध स्थापित किया है।
- **ऋण प्रवर्तक सॉफ्टवेयर (एलओएस)** : ऋण प्रवर्तक सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग से सोर्सिंग से संस्वीकृति, प्रलेखन, नियंत्रण और उसके बाद सीबीएस में खाता खोलने तक समस्त ट्रैकिंग और रिकॉर्डिंग के कार्य में सहायता मिलती है जिससे एक ही कार्य को बार-बार करने से बचा जाता है।

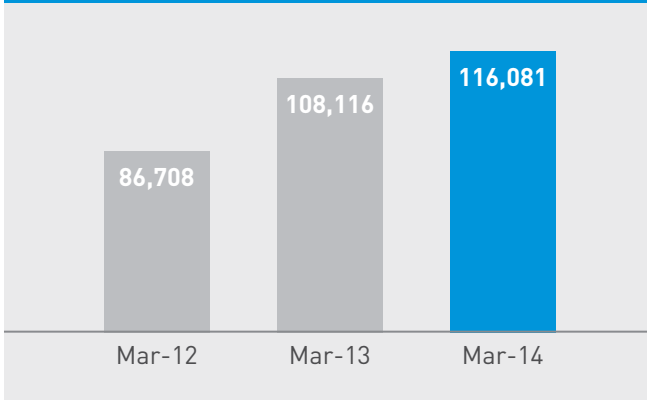
**वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय यूनित (पीबीबीयू)****देशीय व्यवसाय**
**भचत डेबिट कार्ड के साथ**

31.03.2014 को देशीय जमाराशियों में ₹1,17,100 करोड़ (16.87%) तथा अग्रिमों में ₹6,702 करोड़ (7.43%) की संवृद्धि हुई है। कासा जमाराशियों में 15.51% की संवृद्धि हुई है तथा 31.03.2014 को कासा अनुपात 46.95% रहा है। वर्ष के दौरान, हमने अपने भचत बैंक उत्पाद को





### Exhibit 3: Business Performance of Agri Advances (₹ in crores)



#### Flow of Credit to Agriculture

As in the past, the Bank has surpassed Agri credit flow target set by GOI during FY 2013-14.

#### Exhibit 4: Flow of Credit to Agriculture Trend

Year	Target	Disbursement	% Achievement
FY 2011-12	51,000	53,214	104%
FY 2012-13	60,000	63,936	106%
FY 2013-14	73,500	74,970	102%

#### New Products Launched

To meet the emerging needs of the farmer in tune with market dynamics, the Bank has rolled out new loan products - 'Multi-Purpose Agri Gold Loan' a hassle-free and tailor-made product to tap the potential in Agri Gold Loan business for all investment credit needs, such as minor irrigation, horticulture and farm machinery, among others.

#### Special Campaigns

To create awareness among farmers and to improve coverage/penetration of the Bank's Agri products, special campaigns were launched.

- **KCC Campaign:** To drive growth in KCC loan portfolio through renewal and migration of existing KCC accounts under the revised KCC scheme, a business of ₹6,841 crores was garnered under the campaign in FY 2013-14.
- **Swarnadhara Campaign:** To promote Agri gold loans and Multi-Purpose Agri Gold Loan, the campaign was re-launched quarterly and mobilised a business of ₹4,342 crores during FY 2013-14.
- **Tractor Loan Carnival:** To promote 'New Tractor Loan scheme', which was dovetailed to capture and regain the competitive tractor market and garnered a business of ₹274 crores in FY 2013-14.
- **Krishi Plus:** To target the existing high-value agri borrowers (limit of ₹3 lakhs and above) with good track record for the sanction of an additional loan to

capture growth with quality. A total of 4,148 accounts, aggregating to ₹108.15 crores, have been sanctioned under the campaign.

#### Bonding with Farmers

- **SBI Ka Apna Goan Scheme:** During FY 2013-14, 121 new villages were adopted under 'SBI Ka Apna Goan Scheme' for overall development, taking the total number of villages adopted to 1,393.
- **Farmers Club:** A total of 145 new Farmer Clubs were formed for fostering continued relationship with the farming community taking the total number of Farmer Clubs to 10,670 as on 31st March, 2014.

#### Growth Enablers

**Hub-and-Spoke Model with BC network:** The Bank has established linkage with 67,489 villages through 34,064 rural CSPs for scouting applications from customers residing in remote unbanked areas and bringing them into the banking fold.

**Loan Origination Software (LOS):** Loan Origination Software applications support tracking and recording all processes from sourcing to sanction, documentation, control and subsequent account opening in CBS, resulting in avoidance of repetitive work.

#### Personal Banking Business Unit (PBBU)

##### Domestic Business

**SAVINGS@SBI**

My Savings Account gives me Accident Insurance of ₹4 lacs at just ₹200 annual premium!

Really? How Caring!

**Personal Accident Insurance**

YFS SBI Savings Bank Account gives you so much and more. Such as Personal Accident Insurance Cover of ₹ 4 lac at an annual premium of ₹ 200/- only for cover of ₹ 2 lac or ₹ 100 annual premium! Open a Savings Bank Account ... and expect more from us!

**There's always more to SBI.**

SAVINGS ACCOUNT VALUE ADDED FEATURES: • Debit Card • Internet Banking • Mobile Banking • Health Insurance • Demat Services • Credit Card

For assistance, call our 24x7 helpline No. 600-2059950 or Toll Free Nos. 1800 11 2211 / 1800 415 3900 or for details log on to [www.sbi.co.in](http://www.sbi.co.in)

- SBI Savings Account, offers Personal Accident Insurance

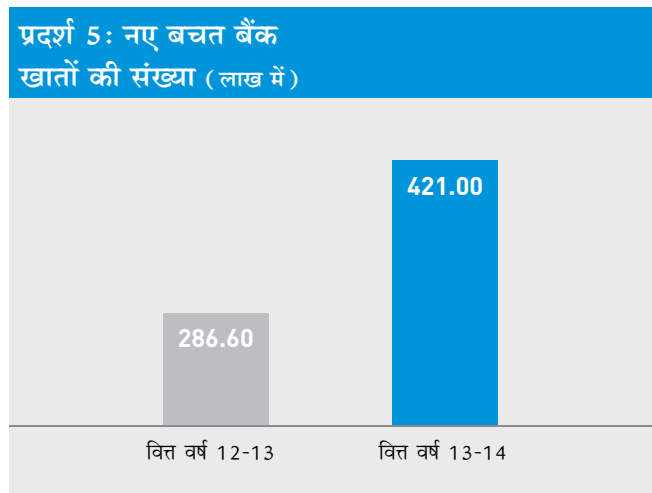
Domestic Deposits have grown by ₹1,17,100 crores (16.87%) and Advances by ₹6,702 crores (7.43%) as on 31st March, 2014. CASA Deposit has grown by 15.51% and CASA Ratio as on 31.03.2014 is 46.95%. During the year, we have



सशक्त करने और उसे अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं :

- ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा को बढ़ावा दिया गया है।
- ₹10 लाख और ₹20 लाख के दो नए बीमा स्लैब आरंभ कर वैयक्तिक दुर्घटना बीमा में वृद्धि की गई।
- बचत बैंक खाताधारकों के लिए चिकित्सा बीमा आरंभ किया गया।
- निःशुल्क मल्टीसिटी चेक संख्या औसत तिमाही शेष के साथ लिंक की गई।

उपरोक्त कदमों से नए ग्राहक पाने की प्रक्रिया सुदृढ़ हुई है।



#### अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

- बड़े (प्रीमियर) बैंकिंग ग्राहकों की संख्या वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान 2,78,509 से बढ़कर 3,57,679 हो गई है तथा इस खंड में जमाराशियों में 27% की संवृद्धि दर्ज की गई है।
- वर्ष के दौरान चार विशिष्ट एचएनआई शाखाएं और 45 नई वैयक्तिक बैंकिंग शाखाएं खोली गई हैं।

#### अनिवासी भारतीय सेवाएं

वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान अनिवासी भारतीय जमाराशियों में ₹32,518 करोड़ (42%) की संवृद्धि हुई है और 31.03.2014 को यह जमाराशि ₹109,958 करोड़ रही। वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान अनिवासी भारतीयों को प्रदान किए गए अग्रिमों में ₹538 करोड़ (24%) की संवृद्धि दर्ज की गई तथा 31.03.2014 को इस खंड में अग्रिमों का स्तर ₹2,751 करोड़ रहा। हमने आरबीआई की विशेष स्वैप विंडो के अंतर्गत 04.10.2013 से 25.11.2013 तक विदेशी करेंसी जमा के लिए एक विशेष एफसीएनबी योजना भी आरंभ की तथा इस योजना में हमने 3089 मिलियन यूएस डालर की राशि जमा की।

अपनी वर्तमान अधिकांश सेवाओं और उत्पादों को ऑनलाइन चैनलों पर उपलब्ध करवाने का हमारा लक्ष्य रहा है। अतः हमने हाल ही में अनिवासी भारतीय ग्राहकों के लिए ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा आरंभ की है।

भारतीय स्टेट बैंक 'प्रवासी भारतीय दिवस' का प्रमुख प्रायोजक है। यह दिवस

विश्व के विभिन्न भागों में रहने वाले अनिवासी भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जिसका आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा 7-9 जनवरी 2014 तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया।

अनिवासी भारतीय सेवाओं में अपनी अग्रणी स्थिति सुदृढ़ करने के लिए हमने वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान पांच नई अनिवासी भारतीय शाखाएं खोली हैं जिन्हें मिलाकर अनिवासी भारतीय शाखाओं की संख्या 74 हो गई है। इन विशिष्ट शाखाओं में उत्कृष्ट परिवेश और अनिवासी भारतीय ग्राहकों को सेवा प्रदान करने के लिए कुशल स्टाफ पदस्थ है। इन शाखाओं के अलावा सभी मंडलों में लगभग 100 एनआरआई व्यवसाय वाली शाखाएं हैं जिनमें पर्याप्त मात्रा के एनआरआई व्यवसाय के लिए सेवाएं दी जा रही हैं।

#### कारपोरेट एवं संस्थागत गठजोड़

बैंक ने अब कारपोरेट, रक्षा, अर्धसैनिक बलों, रेलवेज, केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों तथा पुलिस कर्मचारियों की आवश्यकतानुसार उनके लिए विशेष सैलरी पैकेज तैयार किए हैं जिनसे इन पर केन्द्रित मार्केटिंग करने की सुविधा होती है।

इस पैकेज समूह के अंतर्गत संबंधित आस्ति एवं देयता व्यवसाय में सावधि जमाराशियों में ₹36,970 करोड़ जमा हुए तथा आवास ऋण (₹14,913 करोड़), ऑटो ऋण (₹3,135 करोड़) और एक्सप्रेस क्रेडिट ऋण (₹11,951 करोड़) सहित कुल ₹29,999 करोड़ के रिटेल ऋण प्रदान किए गए। वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान कारपोरेट सैलरी पैकेज के अंतर्गत 466 नए गठजोड़ किए गए।

#### प्रदर्श 6: कारपोरेट एवं संस्थागत गठजोड़

विवरण	31.03.2013	31.03.2014	वित्त वर्ष 2013-14 में संवृद्धि	
			समग्र	%
रक्षा एवं अर्धसैनिक बल सैलरी पैकेज खाते	22,27,930	23,79,925	1,51,995	6.82
अन्य सैलरी पैकेज खाते	48,51,168	51,85,098	3,33,930	6.88
कुल सैलरी पैकेज खाते	70,79,098	75,65,023	4,85,925	6.86
कासा (₹ करोड़ में)	21,262	24,735	3,473	16.33

#### ऑटो ऋण

यात्री कार मार्केट में नकारात्मक संवृद्धि के बावजूद, वित्तीय वर्ष 2013-14 में ऑटो ऋण पोर्टफोलियो में 12.60% की संवृद्धि हुई है। बैंक अब कार की 'ऑन रोड कीमत' का वित्तपोषण कर रहा है और ऋण की चुकौती के लिए 7 वर्ष का लंबा समय दे रहा है। समय-पूर्व ऋण चुकौती के लिए कोई पैनल्टी नहीं ली जा रही है और न ही कोई अग्रिम ईएमआई। यह ऋण प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर दिया जा रहा है। ऑनलाइन कार ऋण के लिए नई ऑनलाइन कार ऋण आवेदन प्रणाली तैयार कर इसे पूरे देश में आरंभ किया गया।

#### शिक्षा ऋण

गत वर्ष की तुलना (वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान) में एसबीआई शिक्षा

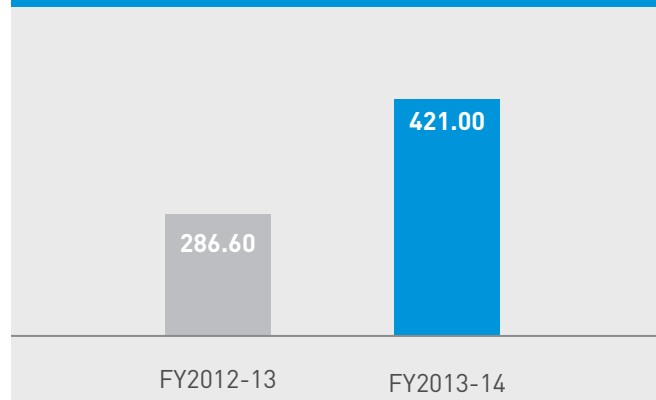


taken the following steps to strengthen our Savings Bank product and to make it more competitive:

- Online Account opening facility has been popularised.
- Personal Accident Insurance was enhanced by adding two new insurance cover slabs of ₹10 lakhs and ₹20 lakhs.
- Medical Insurance was introduced for Savings Bank Account holders.
- Number of free multicity cheques was linked to the Average Quarterly Balance (AQB).

The above mentioned initiatives strengthened customer acquisition.

#### Exhibit 5: No. of New Savings Bank Accounts (lakhs)



#### Other Highlights

- The number of Premier Banking customers has increased from 2,78,509 to 3,57,679 customers during FY 2013-14. There is 27% growth in deposits in this segment.
- During the year, four exclusive HNI branches and 45 new PBBs were opened.

#### NRI Services

During FY 2013-14, NRI Deposits have grown by ₹32,518 crores (42%) and reached a level of ₹109,958 crores as on 31.03.2014. Advances to NRIs recorded a growth of ₹538 crores (24%) during the FY 2013-14, the level reached being ₹2,751 crores as on 31.03.2014. We had also launched the special FCNB scheme to mobilise foreign currency deposits under the RBI's special SWAP window from 04.10.2013 to 25.11.2013 and garnered an amount of USD 3089 million.

The Bank has been to make the most of our available services and products through online channels. Therefore, we recently launched the Online Account Opening facility for NRI customers.

SBI was the Principal Sponsor of Pravasi Bharatiya Divas, an annual flagship event for NRI Diaspora from all over the world, organised by the Ministry of Overseas Indian Affairs,

which was held at Vigyan Bhavan, New Delhi from 7th-9th January, 2014.

To strengthen our pre-eminent position in the area of NRI Services, we have opened five new NRI branches in India during the current financial year, taking the number of total NRI branches to 74. These dedicated branches have an excellent ambience, along with a well-skilled team of officials to serve NRI customers. Apart from these branches, there are also about 100 NRI intensive branches across all Circles servicing substantial volumes of NRI business.

#### Corporate and Institutional Tie-Ups

The Bank now has customised Special Salary Packages for employees of Corporates, Defence, Para Military, Railways, Central Government, State Governments as well as Police, which enable a focused marketing approach.

Related Assets and Liabilities business garnered from this niche group is ₹36,970 crores in Time Deposits and ₹29,999 crores in retail loans comprising Home Loans (₹14,913 crores), Auto loans (₹3,135 crores), Xpress Credit Loans (₹11,951 crores). Four hundred and sixty six new tie-ups were entered under the Corporate Salary Package during FY 2013-14.

#### Exhibit 6: Corporate & Institutional Tie-Ups

Particulars	31.03.2013	31.03.2014	Growth in FY 2013-14	
			Absolute	%
Defence Salary Package and Para Military Salary Package accounts	22,27,930	23,79,925	1,51,995	6.82
Other Salary Package Accounts	48,51,168	51,85,098	3,33,930	6.88
Total No of Salary Package Accounts	70,79,098	75,65,023	4,85,925	6.86
CASA (₹ in Crores)	21,262	24,735	3,473	16.33

#### Auto Loans

The Auto Loan portfolio has grown by 12.60% during FY 2013-14, despite negative growth in the passenger car market. The Bank is currently offering car finance on 'On Road Price' of the car, with longest repayment period of 7 years, no pre-payment penalty, no advance EMI and at competitive interest rates. A new online Car Loan application system was launched and rolled out pan-India to source Car Loans online.

#### Education Loans

SBI Education Loans has grown at 7.19% YoY (during FY



ऋण में 7.19% की संवृद्धि हुई। मार्च 2014 में एसबीआई का कुल एक्सपोजर ₹14,740 करोड़ है। फरवरी 2014 में 24.9% बाजार अंश के साथ एसबीआई सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में शिक्षा ऋण में अग्रणी है।

**शिक्षा ऋण लेने वाले ऋणियों की खर्च जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से एसबीआई कार्ड्स लि. के सहयोग से 'एसबीआई स्टूडेंट प्लस एडवांटेज क्रेडिट कार्ड' तैयार किया गया।**

#### वैयक्तिक ऋण

वैयक्तिक बैंकिंग खंड में दूसरे स्थान पर सबसे बड़े वैयक्तिक ऋण पोर्टफोलियो में 31.03.2014 को ₹48,432 करोड़ की उधारी है। इस पोर्टफोलियो में वैयक्तिक ऋण, प्रतिभूति पर ऋण, संपत्ति पर ऋण और स्वर्ण ऋण शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान इसमें ₹2,244 करोड़ की संवृद्धि हुई है। वैयक्तिक ऋण पोर्टफोलियो के प्रमुख उत्पाद सावधि जमा राशियों पर ऋण में ₹1,162 करोड़ की संवृद्धि दर्ज की गई है।

#### स्थावर संपदा, निवास एवं आवास विकास (आरईएचएंडएचडी)

वित्तीय वर्ष 2013-14 में बैंक ने आवास ऋण में अब तक की सर्वाधिक ₹20,849 करोड़ की संवृद्धि दर्ज की है और देश के सबसे बड़े आवास ऋण प्रदाता की स्थिति बनाए रखी है। आवास ऋण में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के बीच हमारे 25.94% मार्केट शेयर में (31.03.2013 की तुलना में) 8 आधार बिन्दुओं के सुधार के साथ (31.03.2014 को) मार्केट शेयर 26.02% हो गया है।



कम ब्याज दरों पर महिलाओं के लिए होम लोन

#### प्रदर्श 7: आवास ऋण निष्पादन

(₹करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2012-13	वित्तीय वर्ष 2013-14
स्तर	1,02,739	1,19,889	1,40,738
वाईटीडी संवृद्धि	12,826	16,728	20,849
वाईटीडी संवृद्धि (%)	14.26%	16.30%	17.38%

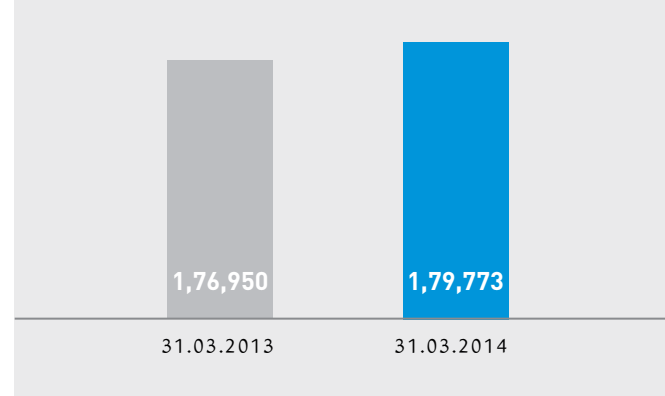
वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान अपने आवास ऋण पोर्टफोलियो को अधिक महत्व देने के लिए बैंक ने बहुत पहलें कीं। इस संबंध में की गई कुछ महत्वपूर्ण पहलें निम्नलिखित हैं :

**दिसंबर 2013 में महिला ऋणियों के लिए प्रचलित आवास ऋण ब्याज दर में 5 आधार बिन्दुओं की रियायत के साथ 'SBI HER घर' नामक नया उत्पाद आरंभ किया गया। इस योजना के प्रति मार्केट में अच्छी प्रतिक्रिया रही और अब पहले से अधिक संस्वीकृत किए जाने वाले आवास ऋणों में इस उत्पाद का अंश 24% है।**

ग्राहकों की सुविधा और संतुष्टि के स्तर में वृद्धि के निमित्त आवास ऋण संबंधी प्रलेखों के निष्पादन के लिए प्रमुख केन्द्रों पर कुछ शाखाएं प्राधिकृत की गई हैं। अलग परिदृश्य के अंतर्गत अधिकतम अनुमत ऋणस्थगन अवधि (मोराटॉरियम पीरियड) में संशोधन किया गया है और समन्वित नगर एवं बृहद परियोजनाओं के लिए 48 माह की लंबी ऋणस्थगन अवधि की अनुमति दी गई है।

#### लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) व्यवसाय इकाई

#### प्रदर्श 8: एसएमई व्यवसाय संवर्धन (अग्रिम) (₹ करोड़ में)



**नवोन्मेषिता एवं नए उत्पाद :** एसएमई में जोखिम कम करने हेतु हमने उत्पाद तैयार किए हैं, जैसे : एसबीआई आस्ति समर्थित ऋण, एसबीआई फ्लीट फाइनेंस योजना और ओवरड्राफ्ट योजना के साथ पीओएस लिंकड चालू खाता। ये वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान आरंभ किए गए। त्वरित प्रक्रिया के निमित्त प्रारंभिक स्तर पर ऋणियों की जाँच के लिए हम नए उत्पादों एवं योजनाओं में क्षेत्र-विशेष के लिए स्कोरिंग मॉडल का समावेश कर रहे हैं।

**रिलेशनशिप बैंकिंग :** सिंगल विंडो संकल्पना के अंतर्गत बैंक एसएमई उद्यमियों को रिलेशनशिप बैंकिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है। 31.03.2014 को रिलेशनशिप मैनेजर (मध्यम उद्यम) की कुल संख्या 597 है जिन्हें देश भर में मध्यम उद्यम यूनिटों की ₹1.00 करोड़ और इससे अधिक राशि के ऋणों की देखरेख का कार्य सौंपा गया है। 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार रिलेशनशिप बैंकिंग में अग्रिम पोर्टफोलियो ₹1,37,180 करोड़ है।

**विशेषीकृत एसएमई शाखाएं :** एसएमई उद्यमियों को विशेषीकृत सेवाएं देने के लिए जिन शाखाओं का प्रमुख व्यवसाय एसएमई अग्रिम है ऐसी 579 शाखाओं को 'एसएमई शाखा' का नाम दिया गया है। ऐसा करने का उद्देश्य



2013-14). SBI has a total exposure of ₹14,740 crores as on March 2014. SBI is the market leader in Education Loans with a market share of around 24.9% among ASCB as on February 2014.

SBI Student Plus Advantage Credit Card, designed specifically for Education Loan Borrowers, was launched in collaboration with SBI Cards Ltd. to provide them with an additional means of financing their expenditure whenever needed.

### Personal Loans

The Personal Loans Portfolio, which is the second largest in the Personal Banking Segment with an outstanding of ₹48,432 crores as on 31.03.2014, includes Personal Loans, Loan against Securities, Loan against Properties and Gold Loan. It has grown by ₹2,244 crores during FY 2013-14. Loan against Time Deposits, which is one of the major products in Personal Loans Portfolio, grew by ₹1,162 crores.

### Real Estate, Habitat & Housing Development (ReH & HD)

During FY 2013-14, the Bank has recorded an all time high growth of ₹20,849 crores in home loans and maintained its position as the country's largest home loan provider. The market share amongst All Scheduled Commercial Banks (ASCB) in home loans has improved by 8 bps from 25.94% (as on 31.03.2013) to 26.02% (as on 31.03.2014).

**Pre-approved Home Loans**  
Home Loan saath mein, ghar ki chabi hath mein.

Now move into a new home faster than ever before. SBI Pre-approved Home Loans sanctions your loan before you even finalize the property. So go ahead and choose the best home within your budget.

- Get the loan sanctioned even before you finalize the property
- Property to be finalized within 180 days of loan sanction

SBI Pre-approved Home Loans to choose the best home within your budget.

### Exhibit 7: Performance in Home Loans (₹ in crores)

Particulars	FY 2011-12	FY 2012-13	FY 2013-14
Levels	1,02,739	1,19,889	1,40,738
YTD Growth	12,826	16,728	20,849
YTD Growth (%)	14.26%	16.30%	17.38%

During FY 2013-14, the Bank took several initiatives to provide an additional thrust to its Home Loan portfolio. Some of the important initiatives in this regard comprise the following:

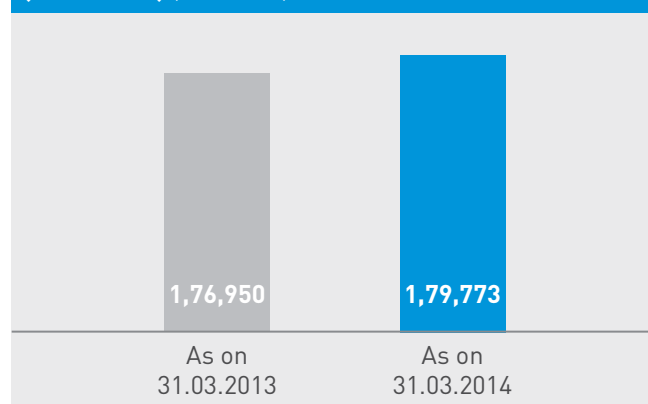
A new product named 'SBI HER Ghar' offering a concession of 5 bps on the prevailing Home Loan interest rates was introduced for women borrowers in December, 2013. The Scheme has been well accepted in the market and now accounts for 24% of the incremental sanction of home loans.

Select branches at major centres have been authorised for execution of home loan documents to enhance the level of customer convenience and satisfaction.

The maximum permissible moratorium period under a different scenario has been revised and a higher moratorium period of up to 48 months has been permitted for integrated township and Mega projects.

### Small & Medium Enterprise (SME) Business Unit

#### Exhibit 8: Business Performance in SME (Advance) (₹ in crores)



**Innovation and New Products:** We have developed risk-mitigated products for SMEs, such as SBI Asset Backed Loan, SBI Fleet Finance Scheme and POS Linked Current Account with Overdraft Scheme, which are launched in FY 2013-14. We are incorporating sector-specific Scoring Models in the new products and schemes to screen the borrowers at an initial stage to facilitate faster processing.

**Relationship Banking:** Under a single-window approach, the Bank is offering Relationship Banking to SME Entrepreneurs. The strength of Relationship Managers (Medium Enterprises) was augmented to 597 as on 31.03.2014 and mapped to ME units with credit limits of ₹1.00 crores and above across the country. The advances portfolio under Relationship banking as on 31.03.2014 is ₹1,37,180 crores.

**Specialised SME Branches:** To provide specialised services to SME Entrepreneurs, 579 branches with a predominant portfolio of SME advances are branded as 'SME Branches'.



इन शाखाओं को एक नाम से चिह्नित करना और उन्हें एसएमई ऋण सुपुर्दगी के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में विकसित करना है।

**सूक्ष्म और लघु उद्यमों को ऋण प्रवाह (सीजीटीएमएसई):** सीजीटीएमएसई गारंटी के अंतर्गत एमएसई क्षेत्र को बैंक ₹1 करोड़ की राशि तक के संपार्श्विक-मुक्त ऋण दे रहा है।

**प्रदर्श 9: सीजीटीएमएसई में निष्पादन** (₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2013 को	31.03.2014 को	संवृद्धि (वृद्धि %)
बकाया (कुल एसएमई अग्रिमों का %)	7,263	9,740	2,477 (34.10%)
ग्राहकों की संख्या (लाख में)	1.71	2.09	0.38 (22.22%)

**ऋण प्रवर्तक सॉफ्टवेयर (एलओएस) :** अग्रिम पोर्टफोलियो की संस्वीकृति-पूर्व प्रक्रिया पूरी करने के लिए एसएमई व्यवसाय यूनिट हेतु एलओएस की कल्पना की गई है ताकि गुणवत्तापूर्ण ऋण प्रदायगी और एकसमान मानक सुनिश्चित हो सकें और अंततः एक सुदृढ़ रिकॉर्ड एवं सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली (रिट्रीवल सिस्टम) तैयार हो सके। एलओएस प्रणाली बड़ी संख्या में आवेदनों के संचालन में सहायक होती है, इससे एक ही कार्य बार-बार नहीं करना पड़ता है और रिकॉर्ड एवं इसकी पुनर्प्राप्ति में सुविधा होती है।

31.03.2014 तक जीआईटीसी, बेलापुर द्वारा एलओएस के अंतर्गत एसएमई व्यवसाय यूनिट की एक योजना, अर्थात ₹25 लाख तक के ऋणों के लिए एसएमई स्मार्ट स्कोर 'सॉफ्ट' रूप में सभी मंडलों में आरंभ की गई है।

**एसएमई पावर @ एसबीआई**

मेरा एसएमई पावर पैक खाता मुझे ₹ 20 लाख की दुर्घटना बीमा सुरक्षा भी देता है।

अच्छा! तब तो मुझे भी आज ही अपना खाता खुलवाना चाहिए।

**व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा एसबीआई पावर पैक**

- एसएमई पावर पैक खाताधारकों के लिए लाभ
- ₹ 20 लाख तक की दुर्घटना बीमा सुरक्षा
- 24x7 बीमा सुरक्षा सिस्तेम दुनिया के किसी भी कोने में तब तक चलता भी शामिल
- खाता खोलने की शक्ति से 12 महीने के लिए बीमा लाभ
- मालिकों/पत्नी/बच्चों/पितृवर्गों/परिवारिकों के लिए बीमा सुरक्षा

एसएमई ग्राहकों के लिए खास पेशकश

**सप्लाय चैन वित्तपोषण**

अपनी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एसबीआई कारपोरेट्स के सप्लाय चैन भागीदारों का वित्तपोषण कर कारपोरेट जगत के साथ अपने संबंध अधिक सुदृढ़ करने पर बल दे रहा है।

बैंक ने ई-डीएफएस के अंतर्गत ऑटो, ऑयल, पावर, फर्टिलाइजर, एफएमसीजी और टेक्सटाइल जैसे विभिन्न 70 उद्योगों के साथ गठजोड़ किया है।

**प्रदर्श 10: इलेक्ट्रॉनिक डीलर फाइनेंस स्कीम का निष्पादन** (₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2013 को	31.03.2014 को	संवृद्धि (वृद्धि %)
संस्वीकृत राशि	6,532	9,487	2,955 (45.24%)
बकाया	4,785	7,533	2,748 (57.42%)

**प्रदर्श 11: इलेक्ट्रॉनिक वेंडर फाइनेंस स्कीम का निष्पादन** (₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2013 को	31.03.2014 को	संवृद्धि (वृद्धि %)
संस्वीकृत राशि	2,960	3,865	905 (30.57%)
बकाया	1,164	1,742	578 (49.66%)

**एसएमई इंस्टा डिपॉजिट कार्ड्स :** 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार देश में विभिन्न स्थानों पर 1,516 सीडीएम संस्थापित की जा चुकी हैं। बैंक ने एसएमई ग्राहकों को 2,16,847 एसएमई इंस्टा डिपॉजिट कार्ड तथा 1,33,576 बिजनेस डेबिट कार्ड जारी किए हैं।

**कैश पिक-अप सुविधा :** अगस्त 2011 में एसएमई ग्राहकों की संस्थापनाओं में जाकर नकदी जमा करने संबंधी कैश पिक-अप सुविधा आरंभ की। इस सुविधा के उपयोग में निम्नानुसार संवृद्धि हुई है :

**प्रदर्श 12: कैश पिक-अप सुविधा भारी नकदी संग्रहण** (₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2013 को	31.03.2014 को	संवृद्धि (वृद्धि %)
सुविधा का उपयोग करने वाले ग्राहकों की संख्या	486	656	170 (35%)
संगृहीत नकद राशि	2,246.75	4,860.55	2,613.80 (116%)

**एसएमई पावर करेंट अकाउंट :** 31.03.2014 को पावर अकाउंट्स की संख्या 28,215 थी, जिनमें ₹3,032.44 करोड़ की राशि जमा है। जबकि 31.03.2013 को 26,160 खातों में ₹2,741 करोड़ की राशि जमा थी।

**अनफिक्स्ड डिपॉजिट्स :** नवंबर 2011 में आरंभ की गई अनफिक्स्ड डिपॉजिट्स योजना बहुत लोकप्रिय रही और इसके प्रति बड़े एसएमई तथा कारपोरेट ग्राहकों ने अपनी रुचि दिखाई है। 31.03.2014 को इस योजना के अंतर्गत जमा राशियां बढ़कर ₹42,159 करोड़ हो गई हैं।

**सरकारी व्यवसाय**

आरबीआई के एजेंट के रूप में अपनी प्राधिकृत शाखाओं के माध्यम से सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से बैंक विभिन्न लेनदेन (अन्य संचालनों सहित प्राप्तियां, भुगतान, पेंशन) संचालित करता है। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान सरकारी भुगतान और प्राप्तियों के लेनदेन संचालित करने संबंधी



The objective is to identify these branches with a common nomenclature and develop them as centres of excellence for SME loan delivery.

### Credit Flow to Micro and Small Enterprises (CGTMSE):

The Bank is extending collateral-free lending up to ₹1 crores to MSE sector under guarantee of CGTMSE.

### Exhibit 9: Performance in CGTMSE (₹ in crores)

Particulars	As on 31.03.2013	As on 31.03.2014	Growth (% Increase)
Outstandings [% to total SME advances]	7,263	9,740	2,477 (34.10%)
No of customers (in lakhs)	1.71	2.09	0.38 (22.22%)

**Loan Origination Software (LOS) for SME:** The LOS for SME Business Unit has been conceived to capture the pre-sanction process of advance portfolio, thereby ensuring quality and uniform standards of credit dispensation and finally ensuring a robust record and information retrieval system. The LOS system helps in handling a large volume of applications, eliminates repetitive work and improves the record and retrieval system.

As on 31.01.2014 one of the schemes of the SME BU i.e. 'SME Smart Score for loans up to ₹25 lakhs' under LOS was soft launched across all Circles by the GITC, Belapur.

SBI Dealer Financing Scheme

### Supply Chain Finance

Leveraging its state-of-the-art technology, SBI is focusing on further strengthening its relationship with the Corporate World by financing their Supply Chain partners.

The Bank has tied up with 70 industry majors across all industry verticals, such as Auto, Oil, Steel, Power, Fertilizer, FMCG and Textile under e-DFS.

### Exhibit 10: Performance in Electronic Dealer Finance Scheme (₹ in crores)

Particulars	As on 31.03.2013	As on 31.03.2014	Growth (% Increase)
Limits Sanctioned	6,532	9,487	2,955 (45.24%)
Outstandings	4,785	7,533	2,748 (57.42%)

### Exhibit 11: Performance in Electronic Vendor Finance Scheme (₹ in crores)

Particulars	As on 31.03.2013	As on 31.03.2014	Growth (% Increase)
Limits Sanctioned	2,960	3,865	905 (30.57%)
Outstandings	1,164	1,742	578 (49.66%)

**SME Insta Deposit Cards:** There are 1,516 CDMs installed at various locations across the country, as on 31st March, 2014. The Bank has issued 2,16,847 SME Insta Deposit Cards and 1,33,576 Business Debit Cards to SME customers.

**Cash Pick up Facility:** The cash pickup facility of collecting cash at customers' doorsteps was introduced for SME customers in August 2011. The growth in usage of this facility has been as under:

### Exhibit 12: Performance in Cash Pickup Facility (₹ in crores)

Particulars	As on 31.03.2013	As on 31.03.2014	Growth (% Increase)
No. of customers availing the facility	486	656	170 (35%)
Amount of cash pick-up	2,246.75	4,860.55	2,613.80 (116%)

**SME Power Current Account:** As on 31.03.2014, the number of Power Accounts stands at 28,215, constituting a deposit base of ₹3,032.44 crores, as against ₹2,741 crores in 26,160 accounts as on 31.03.2013.

**Unfixed Deposits:** The popularity of Unfixed Deposits, launched during November 2011, received good response from a large section of SME and Corporate Client base. The deposit under the scheme grew to a level of ₹42,159 crores as on 31.03.2014.

### Government Business

The Bank handles government transactions (receipts, payments, pensions, among others) as an agent of the RBI on behalf of the Government and various state governments through its authorised branches. During FY 2013-14, the Bank was able to retain its position as the



लगभग 58% बाजार अंश के साथ बैंक इस खंड में मार्केट लीडर की अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रख सका है।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2013-14 और 2012-13 में क्रमशः ₹16.59 बिलियन और ₹17.80 बिलियन कमीशन के रूप में अर्जित किए हैं।

वित्तीय वर्ष 2012-13 के 10.92% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2013-14 में सरकारी कमीशन अर्जन 6.70% रहा। यह कमी निम्नलिखित कारणों से रही :

- इलेक्ट्रॉनिक विधि से सरकारी प्राप्तियों का लेनदेन (इस विधि से हुए लेनदेन के लिए प्रति लेनदेन ₹12/- का कमीशन मिलता है जबकि भौतिक रूप से प्रति लेनदेन ₹50/- अर्जित होते हैं)

- वित्तीय वर्ष 2012-13 की प्रथम तिमाही में कमीशन की दरें अधिक थीं। भारत सरकार की ई-गवर्नेंस संबंधी पहल को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने अन्य सुविधाओं के अलावा ई-ऑक्शन, ई-फ्रीट, रेल शक्ति, पासपोर्ट और विभिन्न परीक्षाओं संबंधी फीस संग्रहण, इंप्रैस्ट कार्ड सीपीएसएमएस, साक्षर भारत जैसी सुविधाएं आरंभ की हैं। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान अनेक अन्य ई-उत्पाद शुरू किए जाने की संभावना है।

#### विपणन एवं परस्पर विक्रय

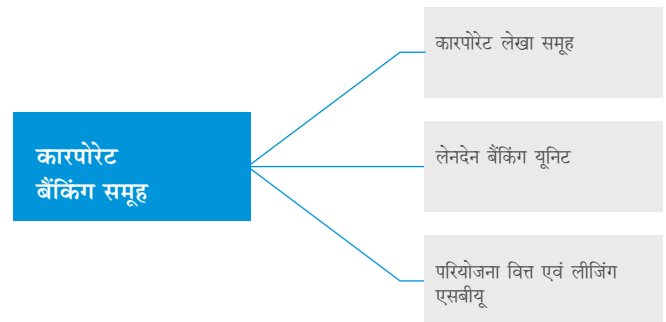
भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई लाइफ, एसबीआई काइर्स, एसबीआई सिक्वोरिटीज लि. और एसबीआईएमएफ का कारपोरेट वितरक है। इसके अलावा हमारी शाखाओं के माध्यम से यूटीआई म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड, फ्रेंकलिन टेंपलटन म्यूचुअल फंड एवं एलएंडटी म्यूचुअल फंड के वितरण के लिए भी इन चार प्रमुख आस्ति प्रबंधन कंपनियों के साथ हमारा टाइ-अप है।

बैंक की क्रॉस सैलिंग आय 31.03.2013 को ₹274 करोड़ की तुलना में 14% वाईटीडी संवृद्धि के साथ 31.03.2014 को बढ़कर ₹282 करोड़ हुई है। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान एसबीआई लाइफ क्रेडिट लाइफ बीमा पॉलिसी से बैंक के 51% आवास ऋण के ऋणियों और 50% शिक्षा ऋण के ऋणियों का बीमा किया गया। स्टेट बैंक जनरल इंश्योरेंस द्वारा आरंभ किए गए नए स्वास्थ्य - वैयक्तिक दुर्घटना बीमा उत्पाद की 1.44 करोड़ पालिसियां बेची गईं तथा वर्ष के दौरान एसबीआई जनरल ने 44,000 स्वास्थ्य बीमा पालिसियां जारी कीं। स्टेट बैंक कार्ड एंड पेमेंट सर्विसेज प्रा.लि ने 25,000 क्रेडिट कार्ड जारी किए तथा हमने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान अपनी अनुषंगी एसबीआईकेप सिक्वोरिटी लि. के माध्यम से 1,20,000 डीमैट एवं ट्रेडिंग खाते खोले हैं।

#### ख) कारपोरेट लेखा समूह ( सीएजी )

बैंक के बड़ी राशि के ऋण पोर्टफोलियो के संचालन के लिए सीएजी एक स्वतंत्र एसबीयू है। इस एसबीयू के 6 क्षेत्रीय केन्द्रों अर्थात मुंबई, दिल्ली, चेन्नै, कोलकाता, हैदराबाद और अहमदाबाद में 7 कार्यालय हैं तथा महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी इनके मुखिया हैं। सीएजी का व्यवसाय मॉडल संपर्क प्रबंधन अवधारणामूलक है और प्रत्येक ग्राहक एक संपर्क प्रबंधक को सौंपा जाता है जो विभिन्न कार्यों से संबंधित ग्राहक सेवा समूह का प्रमुख होता है। ग्राहकों को स्ट्रक्चर्ड उत्पादों सहित निर्धारित समय-सीमा के भीतर समन्वित एवं व्यापक समाधान प्रस्तुत करने हेतु संपर्क कार्यनीति तैयार की जाती है। इस कार्यनीति का मुख्य उद्देश्य है कि एसबीआई शीर्ष कारपोरेट्स का पसंदीदा बैंक हो, वे अधिकाधिक ऋण हमारे बैंक से लें तथा ऋणराशि के माध्यम से हमारी आय

में सुधार हो। सतत खाता योजना कार्य एवं वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा खातों की गहन से समीक्षा के कारण सीएजी में संपर्क प्रबंधन के कार्य में गतिशीलता आती है।



#### प्रदर्श 13: सीएजी का व्यवसाय

(₹ करोड़ में)

सुविधा	मार्च 2012-13	मार्च 2013-14	संवृद्धि (वर्षानुवर्ष)
निधि आधारित (बकाया)	175,831	242,718	38%
गैर-निधि आधारित (राशि)	409,477	466,598	14%

सीएजी की निधि आधारित बकाया राशि बैंक के कुल ऋण पोर्टफोलियो का 20% है, इसके अलावा सीएजी द्वारा बैंक के देशीय फॉरेक्स व्यवसाय का लगभग 61% व्यवसाय भी संचालित किया जाता है। वर्ष के दौरान सीएजी ने पॉवर ग्रिड कारपोरेशन, डीवीसी, टाटा स्टील, हिंडालको इंडस्ट्रीज आदि के बड़ी राशि के सौदों के लेनदेन संचालित किए हैं।



बाड़मेर, राजस्थान में राज वेस्ट पॉवर (जेएसडब्ल्यू ग्रुप कंपनी) का 1080 मेगावाट लिग्नाइट थर्मल पॉवर संयंत्र

रूप में ऋण के अलावा, अनेक सीएजी ग्राहक विदेशी करेंसी में बड़ी राशि के कर्ज लेते हैं। इस वर्ष के दौरान न केवल सार्वजनिक तेल उपक्रमों से बल्कि निजी क्षेत्र के ग्राहकों से भी पर्याप्त व्यवसाय मिला है।

सीएजी के लगभग 44% ऋण इन्फ्रा क्षेत्र के वित्तपोषण से संबंधित हैं, जिनमें से 85% निवेश श्रेणी और इससे ऊपर के हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों का जोखिम प्रोफाइल पर्याप्त रूप से संतुलित है।





market leader in this business segment, with a market share of around 58% in terms of handling government payments and receipts.

The Bank earned commission from Government transactions of ₹16.59 billion and ₹17.80 billion during FY 2013-14 and FY 2012-13, respectively.

The decline in government commission during FY 2013-14 by 6.70% over FY 2012-13, despite a growth of 10.92% in Government turnover is due to:

- Migration of Government Receipts on e-mode (which earn ₹12/- per transaction as against ₹50/- for physical transaction).
- Higher rates of commission were applicable during Q1 FY 2012-13.

The Bank is facilitating the Government of India's e-governance initiatives by launching multiple e-products, such as e-Auction, e-Freight, Rail Shakti, Fee collection for Passport and various examinations, Imprest Cards, Central Plan Scheme Monitoring System, SAAKSHAR Bharat, among others. Many other e-products are expected to be launched during FY 2014-15.

#### Marketing and Cross Selling

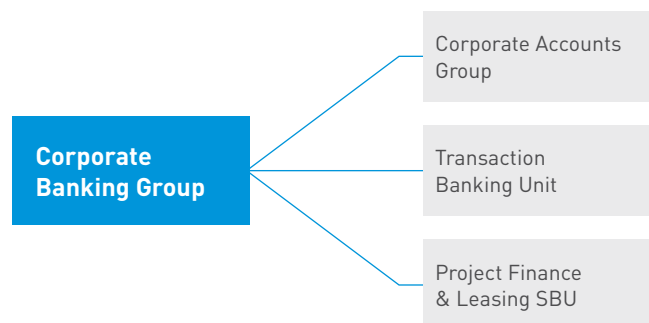
SBI is Corporate Distributor of SBI Life, SBI Cards, SBI Cap Securities Ltd. and SBIMF, along with four other major AMC tie-up partners, such as UTI MF, Tata MF, Franklin Templeton MF & L&T MF, through our branches.

The Bank's cross selling income has increased to ₹282 crores as on 31.03.2014 from with YTD growth of 14%, as compared to ₹274 crores as on 31.03.2013. SBI Life life insurance policy has covered 51% of the Bank's home loan borrowers and 50% of education loan borrowers during FY 2013-14. A new Health – Personal Accident Insurance product, launched by State Bank General Insurance, sold 1.44 crores Policies and SBI General has issued 44,000 health insurance policies during the year. State Bank Card & Payment Services Private Ltd. has issued a total of 25,000 credit cards and we have opened 1,20,000 Demat and Trading accounts through our subsidiary SBICAP Security Ltd. during FY 2013-14.

#### B) Corporate Accounts Group (CAG)

CAG is the dedicated SBU for handling the 'large credit' portfolio of the Bank. The SBU has 7 Offices in 6 regional centers viz. Mumbai, Delhi, Chennai, Kolkata, Hyderabad and Ahmedabad headed by General Managers. The business model of CAG is centered around the Relationship Management concept and each client is mapped to a Relationship Manager who spearheads a cross-functional Client Service Team. The Relationship strategy is anchored on delivering integrated and comprehensive solutions to the clients, including structured products, within a strict Turn-Around-Time. The principal objective of the strategy is to make SBI the first choice of the top corporates thereby increasing the wallet-share and improving the Return on Capital Employed. A sustained Account Planning exercise

with rigorous review of the account by senior management sets the pace for the Relationship Management in CAG.



#### Exhibit 13: Business Performance of CAG (₹ in crores)

Facility	FY 2012-13	FY 2013-14	Growth (YoY)
Fund Based (O/s)	175,831	242,718	38%
Non Fund Based (Vol)	409,477	466,598	14%

While the Fund Based outstandings of CAG constitutes 20% of total credit portfolio of the Bank, CAG also handles about 61% of the domestic forex business of the Bank. During the year, CAG handled several high value deals eg. Power Grid Corporation, DVC, Tata Steel, Hindalco Industries, etc.



360 KTPA Aluminium Smelter Plant with 900 MW captive power of Hindalco Industries at Singrauli, Madhya Pradesh

In addition to rupee loans, many clients of CAG borrow significantly in foreign currency. During the year, substantial business was generated not only from Oil PSUs, but also from clients in the private sector.

Around 44% of CAG's exposure is to Infrastructure sector of which 85% is to corporates with ratings of Investment Grade and above, and the risk profile of sectoral movement is well balanced.



सीएजी मुंबई में अत्यधिक संवृद्धि के चलते बीकेसी, मुंबई में सितंबर-13 के दौरान दूसरा कार्यालय खोला गया और शीघ्र ही दिल्ली में एक और कार्यालय खोलने का प्रस्ताव है ताकि आस्ति गुणवत्ता तथा सेवा सुपुर्दगी के श्रेष्ठ मानक सुनिश्चित किए जा सकें।

**लेनदेन बैंकिंग यूनिट ( टीबीयू )**

वर्ष 2009-10 के दौरान पूर्णरूपेण कार्य आरंभ करने वाले नकदी प्रबंधन उत्पाद, ट्रेड फाइनेंस और सप्लाय चैन (डीलर/वेंडर) फाइनेंस पर विशेष रूप से केन्द्रित टीबीयू की गतिविधियों में विगत चार वर्षों में बहुत विस्तार हुआ है।

**नकदी प्रबंधन उत्पाद ( सीएमपी ):** प्रौद्योगिकी से संचालित प्लैटफॉर्म से पूरे देश में 757 केन्द्रों पर 1450 शाखाओं के माध्यम से कारपोरेट ग्राहकों को बैंक नकदी प्रबंधन सेवाएं (“एसबीआई फास्ट” – “अल्पतम समय में फंड उपलब्ध”) प्रदान करता है। 15500 शाखाओं से अधिक का बैंक का समूचा नेटवर्क कुछ ‘प्रीमियम उत्पादों’ जैसे पॉवरज्योति – Pre-upload के माध्यम से बड़े कारपोरेट्स, गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों और बीमा कंपनियों को उनकी नकदी प्रबंधन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। नकदी प्रबंधन सेवाओं के समूचे स्पेक्ट्रम की सेवाएं प्रदान की जाती हैं जिसमें तरलता प्रबंधन, चेक एवं नकदी संग्रहण, नकदी और चेक संग्रह के लिए द्वार पर बैंकिंग सेवाएं, सार्वजनिक निर्गम का संग्रह (आईपीओ/बॉन्ड्स), ई-संग्रह, उत्तरदिनांकित चेक प्रबंधन; लाभांश वारंट, मल्टीसिटी चेक, अंतर कार्यालय लिखतों और ई-भुगतान सहित अधिदेशित डेबिट्स और भुगतान सेवाएं सम्मिलित हैं।

सीबीडीटी के लिए सीएमपी “अकेला रिफंड बैंकर” है। बैंक के कोर बैंकिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ सीएमपी केन्द्र ने रक्षा लेखा महानियंत्रक, यूएमईए के अधीन सिविल मंत्रालयों और कुछ राज्य सरकारों की भुगतान प्रणाली का एकीकरण किया है। इसके माध्यम से केन्द्रीकृत ई-भुगतान समाधान उपलब्ध करवाया जा रहा है जिससे सरकारी विभाग राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस परियोजना (एनईजीपी) के अंतर्गत अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकें।

**ट्रेड फिनेंस:** 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार अर्थव्यवस्था में सामान्य गिरावट के बावजूद साख पत्र/बैंक गारंटी व्यवसाय और सीएजी के अंतर्गत आय में वर्षानुवर्ष संवृद्धि क्रमशः 14% और 30% की हुई है जो बेहतर सेवा उपलब्ध करवाने का परिणाम है।

**ई-ट्रेड एसबीआई:** एसबीआई ने अपने ट्रेड फाइनेंस व्यवसाय हेतु उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी एवं परिचालन संबंधी आधारभूत सुविधाएं स्थापित कर ली हैं। हमारे बैंक ने वेब-आधारित ई-ट्रेड एसबीआई मार्च 2011 में आरंभ किया था और इसमें निरंतर सुधार किया जा रहा है जिससे ग्राहकों को अधिक सुविधा हो और उन्हें ट्रेड फिनेंस सेवाएं त्वरित गति और प्रभावी ढंग से प्राप्त हो सकें तथा वे विश्व में कहीं से भी साख पत्र, बैंक गारंटी और बिल संग्रहण/प्रक्रामण संबंधी अपनी आवश्यकताओं को ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकें। 31.03.2014 तक 1748 कारपोरेट्स ई-ट्रेड एसबीआई के अंतर्गत पंजीकृत हैं और ई-ट्रेड प्लैटफॉर्म के माध्यम से प्रति माह 15000 से अधिक लेनदेन हो रहे हैं।

**ईवीएफएस ( इलेक्ट्रॉनिक वेंडर फिनेंसिंग स्कीम ) एवं ई-डीएफएस ( इलेक्ट्रॉनिक डीलर फिनेंसिंग स्कीम )**

हमारे बैंक की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के बल पर उपरोक्त दो उत्पादों के माध्यम से सप्लाय चैन भागीदारों के वित्तपोषण के कारण कारपोरेट जगत के साथ हमारे संबंध अधिक सुदृढ़ हुए हैं। ये दोनों उत्पाद ऑटोमेटेड, सुरक्षित और सुदृढ़ हैं तथा इन्हें इस प्रकार से तैयार किया गया

है कि जिससे व्यवसाय भागीदारों का कार्यशील पूंजी चक्र का प्रभावी ढंग से प्रबंधन, निर्बाध संवृद्धि और लाभप्रदता सुनिश्चित हो सके। 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार ई-बीएफएस/ई-डीएफएस प्लैटफॉर्म के अंतर्गत 900 वेंडरों और 3,000 डीलरों के साथ 95 बड़े उद्योगों (आईएम) को इलेक्ट्रॉनिक सुविधा से जोड़ा गया है।

**वित्तीय संस्था व्यवसाय यूनिट ( एफआईबीयू )**

वित्तीय संस्था जैसे बैंकों, म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों, ब्रोकरेज फर्मों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से संभावित व्यवसाय अवसरों का दोहन करने हेतु एफआईबीयू नामक एक अलग यूनिट स्थापित की गई है।

एफआईबीयू के अधीन कैपिटल मार्केट व्यवसाय और ब्रोकरों को सेवा प्रदान करने वाली विशेषीकृत शाखा, कैपिटल मार्केट शाखा (सीएमबी), मुंबई को लगातार तीसरे वर्ष बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा ‘प्राथमिक मार्केट खंड में बीएसई में उत्कृष्ट सेवा प्रदाता’ का पुरस्कार दिया गया। सीएमबी ने ‘निर्गम बैंकर्स/रिफंड बैंकर’ के रूप में भी कार्य किया और वित्तीय वर्ष 2014 में ₹18,000 करोड़ से अधिक राशि का संग्रहण किया।

**प्रोजेक्ट फिनेंस एवं लीजिंग एसबीयू ( पीएफएसबीयू )**

**प्रदर्श 14: व्यवसाय निष्पादन** (₹ करोड़ में)

	2012-13	2013-14
परियोजना लागत	1,66,299	1,23,601
परियोजना ऋण	88,033	84,667
संस्वीकृत राशि	24,119	16,408
समूहन राशि	33,454	13,438

आधारभूत ढांचे की बड़ी परियोजनाओं जैसे पॉवर, टेलिकॉम, सड़क, बंदरगाह, एयरपोर्ट तथा गैर-आधारभूत ढांचे की परियोजनाओं जैसे मेटल, सीमेंट, तेल एवं गैस आदि जिनकी न्यूनतम प्रारंभिक परियोजना लागत निर्धारित होती है, पीएफएसबीयू उनकी निधियों के अनुमोदन और उनकी व्यवस्था का कार्य करती है। यह इन परियोजनाओं की बड़ी राशि के सावधि ऋण प्रस्तावों के मूल्यांकन में अन्य विभागों को सहायता भी प्रदान करती है। आधारभूत ढांचे के वित्तपोषण हेतु नीतिगत/विनियामक ढांचे को सशक्त करने के लिए नई नीतियों, आदर्श रियायत करारों, आधारभूत ढांचे के वित्तपोषण के संबंध में समस्याओं आदि के बारे में ऋणदाताओं के विचारों के संबंध में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, योजना आयोग, आरबीआई आदि को इन्पुट्स भी दिए जाते हैं।

**पीएफएसबीयू का व्यवसाय:** 31.03.2014 को पीएफएसबीयू के कार्यान्वयन और नियंत्रण के अधीन आधारभूत ढांचा परियोजना पोर्टफोलियो का विवरण इस प्रकार है : कुल 49,335 मेगावॉट क्षमता वाली पॉवर परियोजनाएं, 250 मिलियन ग्राहकों को सेवा देनेवाली टेलिकॉम परियोजनाएं, 5,565 किमी कवर करने वाली सड़क परियोजनाएं, 45 एमटीपीए बहु-उद्देश्यीय कार्गो और कंटेनर क्षमता की 1.2 मिलियन टीईयू, हैदराबाद में मेट्रो परियोजना तथा इनके अलावा अनेक स्टील, सीमेंट, शहरी इन्फ्रा आदि परियोजनाएं। वर्ष के दौरान इन परियोजनाओं को (फंड आधारित + गैर फंड आधारित) कुल ₹9,691 करोड़ (वित्तीय वर्ष 2013 के दौरान ₹12,884 करोड़) के ऋण प्रदान किए गए।



In the backdrop of the robust growth of CAG-Mumbai, a second Office in BKC, Mumbai was opened during September -13, and it is proposed to open another office in Delhi shortly so as to ensure that the high standards of asset quality and service delivery are maintained.

### Transaction Banking Unit (TBU)

TBU, with special focus on Cash Management Products, Trade Finance and Supply Chain (Dealer / Vendor) Finance, which started working in full-fledged manner during the year 2009-10, has expanded its activity during the last four years.

**Cash Management Product (CMP):** The Bank provides Cash Management Services "SBI F.A.S.T."- (Funds Available in Shortest Time) to Corporate customers through 1450 branches at 757 centers spread over the country by means of a technology driven platform. The Bank's entire network of over 15,500 branches is also offered to Large Corporates, Non-Banking Finance Companies and Insurance Companies for their Cash Management needs through certain 'Premium Products' such as Powerjyoti - Pre-upload. The whole spectrum of Cash Management services encompassing Liquidity Management, Cheque and Cash collections, Doorstep Banking for Cash and Cheque pickup, collections for Public Issues (IPO/Bonds), e-Collections, Post dated Cheques management, Mandate based debits and Payment services comprising Dividend Warrants, Multi City Cheques, Inter Office Instruments and e-payment are offered.

CMP Centre is the "Sole Refund Banker" for Central Board for Direct Taxes (CBDT). CMP Centre has brought about integration of payment Systems of Controller General of Defence Accounts, Civil Ministries under UMEA and some State Governments with the Core Banking Infrastructure of the Bank by providing Centralized e-Payment Solution enabling the Government Departments to achieve their objectives under National e-Governance Project (NeGP).

**Trade Finance:** As on 31.03.2014, LC/BG business and income under CAG recorded a YoY growth of 14% and 30% respectively despite the general economic slowdown, a result delivered on the back of the superior services provided.

### e-Trade SBI

SBI has established an excellent technology and operation infrastructure for its Trade Finance business. e-Trade SBI, a web-based portal, which was launched by our Bank in March 2011, has been undergoing constant improvement to enhance customer comfort and provide the means to customers to access trade finance services with speed and efficiency by enabling them to lodge Letters of Credit, Bank Guarantees and Bills Collection/negotiation requirements online from any corner of the world. As on 31.03.2014, 1748 Corporates are registered under e-Trade SBI and more than 15000 transactions per month are taking place through e-Trade platform.

### e-VFS (Electronic Vendor Financing Scheme) & e-DFS (Electronic Dealer Financing Scheme)

Leveraging our Bank's state-of-the art technology, our relationship with the Corporate World has been further strengthened by financing their Supply Chain Partners through the above two products which are fully automated, secured and robust. They are designed to ensure efficient management of working capital cycle, sustained growth and profitability of business partners. As on 31.03.2014, 95 industry Majors (IMs) with more than 900 vendors and 3,000 dealers across the country have been migrated to the electronic facility under the e-VFS/e-DFS platform

**Financial Institutions Business Unit (FIBU):** FIBU, a dedicated vertical created for capturing potential business opportunities from financial institutions viz. Banks, Mutual Funds, Insurance Cos., Brokerage firms and NBFCs.

Capital Market Branch (CMB), Mumbai under FIBU, a specialised branch catering to Capital Market business and Brokers was given the award of being one of the 'Top Performers in BSE in Primary Market segment' by Bombay Stock Exchange for the third consecutive year. CMB has also acted as 'Bankers to Issue/Refund Banker' and mobilized over ₹18,000 crores in FY 2014.

### Project Finance & Leasing SBU (PFSBU)

#### Exhibit 14: Business Performance (₹ in crores)

	2012-13	2013-14
Project Cost	1,66,299	1,23,601
Project Debt	88,033	84,667
Sanctioned Amt.	24,119	16,408
Syndication Amt	33,454	13,438

PFSBU deals with the approval and arrangement of funds for large projects in infrastructure sectors like power, telecom, roads, ports, airports, as also other non-infrastructure projects in sectors like metals, cements, oil & gas, among others, with certain threshold on minimum project cost. PFSBU also provides support to other verticals for vetting their large ticket term loan proposals. In order to strengthen the policy/regulatory framework for financing infrastructure, inputs are also provided to various ministries of Govt. of India, Planning Commission, RBI etc. in respect of lenders' views on new policies, Model Concession Agreements, issues being faced in infrastructure financing, etc.

**Business Performance of PFSBU:** As on 31.03.2014, the portfolio of infrastructure projects under implementation and control with PFSBU involves Power projects with aggregate capacity of 49,335 MW; Telecom Projects serving 250 million subscribers; Road projects covering 5,565 kms; new Ports to handle 45 MTPA multi-purpose cargo and 1.2 million TeU of container capacity; Metro Project in Hyderabad besides a host of projects in steel, cement, Urban Infra, etc. During the year, a total (FB+NFB) of ₹9,691 crores (₹12,884 crores in FY13) were disbursed to these projects.



पर्यावरण की सुरक्षा के संदर्भ में पॉवर जनरेशन के नवीकरणीय क्षेत्र पर बल देते हुए बैंक ने पवन/सौर क्षेत्र में कुल 624 मेगावॉट क्षमता की 10 परियोजनाओं को कुल ₹1,253 करोड़ का (निधि आधारित) ऋण संस्वीकृत किया है।

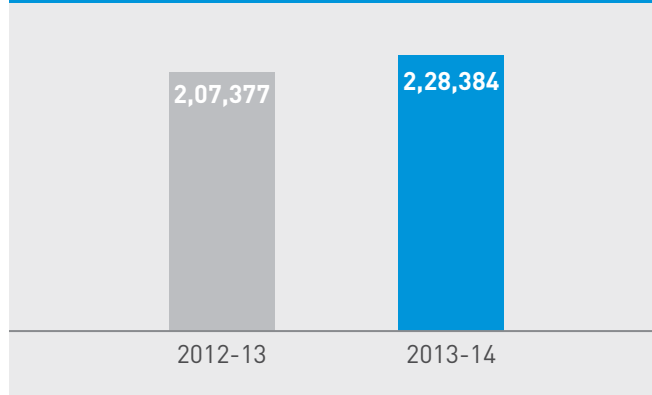
#### प्रदर्श 15: वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान महत्वपूर्ण सौदे

परियोजना	विवरण
एयरसेल लिमिटेड (एयरसेल सेल्युलर लि., डिशनेट वायरलेस लि. और एयरसेल स्मार्ट मनी लि.)	पूरे देश में 2जी, 3जी टेलिफोन सेवाएं और ब्रॉड बैंड सेवाएं प्रदान करना
पेट्रोनेट एलएनजी लि. फेज III – डाहेज (ओएनजीसी, बीपीसीएल, गेल एवं आईओसीएल द्वारा प्रवर्तित)	वर्तमान 10 एमएमटीपीए सुविधाओं से 5 एमएमटीपीए का विस्तार
जेएसडब्ल्यू स्टील लि.	डाल्ही, महाराष्ट्र में वर्तमान 3 एमटीपीए आईएसपी से 1.5 एमटीपीए समन्वित स्टील प्लांट का विस्तार
टाटा टेलिसर्विसेज	पूरे देश में 2जी, 3जी टेलिफोन सेवाएं और जीएसएम एवं सीडीएमए दोनों प्रौद्योगिकियों में डाटा सेवाएं प्रदान करना
ऑरिएंट सीमेंट्स	गुलबर्गा, कर्नाटक में ग्रीनफील्ड 3 एमटीपीए सीमेंट परियोजना (प्रवर्तक : सीके बिड़ला समूह)

#### ग) मध्य कारपोरेट समूह

31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार मध्य कारपोरेट समूह (एमसीजी) के अहमदाबाद, बंगलूरु, चंडीगढ़, चेन्नै (2), हैदराबाद, इन्दौर, कोलकाता (2), मुंबई (2) नई दिल्ली (2) तथा पुणे में कुल 14 क्षेत्रीय कार्यालय तथा 62 शाखाएं हैं।

#### प्रदर्श 16: एमसीजी ऋण (₹ करोड़ में)



पूर्वी भारत में अब एमसीजी ग्राहक आसानी से वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। फलतः ऋण सुपुर्दगी में भी सुधार हुआ है तथा बेहतर गुणवत्ता के नए व्यवसाय को अधिक बल मिला है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान लुधियाना (शहर में दूसरी शाखा) तथा विजयवाड़ा में नई एमसीजी शाखाएं खोली गईं ताकि इन केन्द्रों पर संभावित

व्यवसाय का पूरा लाभ उठाया जा सके। इन शाखाओं को मिलाकर अब मध्य कारपोरेट शाखाओं की संख्या 60 से बढ़कर 62 हो गई है।

यह समूह भारत में हमारे ग्राहकों को अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए निरंतर सहायता प्रदान कर रहा है और विदेशी अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों को (चुकौती आश्वासन पत्र अथवा आपाती साख पत्र समर्थित) ऋण प्रदान कर उन्हें विदेशों में आस्तियों/कंपनियों के अधिग्रहण के लिए भी सहायता कर रहा है। विगत वर्षों में इस समूह ने भारतीय कंपनियों द्वारा अन्य के साथ यूएसए, यूरोप, आस्ट्रेलिया और अफ्रीका में ऐसे कई अधिग्रहणों में सहायता की है।

#### घ) अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह

बैंक के अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नेटवर्क में 36 देशों में 190 कार्यालय हैं।

#### प्रदर्श 17: विदेश स्थित कार्यालयों का व्यवसाय

(राशि मिलियन यूएस डॉलर में)

	31.03.2013	31.03.2014	वर्षानुवर्ष संवृद्धि	वर्षानुवर्ष वृद्धि (%)
निवल आस्तियां	42,146.10	45,192.98	3,046.87	7.23
निवल ग्राहक ऋण	31,148.54	35,772.57	4,624.04	14.85
जमाराशियां	13,374.41	14,758.33	1,383.93	10.35
परिचालन लाभ	660.35	676.41	16.05	2.43

#### विदेश-स्थित कार्यालयों का विस्तार

विभिन्न 36 देशों में 31 मार्च 2013 को विदेश स्थित 186 कार्यालयों की संख्या 31 मार्च 2014 को बढ़कर 190 हो गई है। इन कार्यालयों में 52 शाखाएं, 8 प्रतिनिधि कार्यालय, सात विदेशी बैंकिंग अनुषंगियों के 110 कार्यालय और 20 अन्य कार्यालय हैं। बोत्स्वाना में एक अनुषंगी और दक्षिण कोरिया में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलकर वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान हम दो नए देशों में अपनी पहुंच बना पाए हैं।

#### प्रदर्श 18: विदेश-स्थित कार्यालयों का ब्योरा

(संख्या)

	वित्तीय वर्ष 2012-13	वर्ष के दौरान खोले गए नए कार्यालय	वित्तीय वर्ष 2013-14
शाखाएं/बिक्री कार्यालय/अन्य कार्यालय *	68	1 (1 बंद किया गया)*	68
अनुषंगी/संयुक्त उद्यम (आंकड़े कार्यालयों में शामिल)	(6)	(1)	(7)
कार्यालय	107	3	110
प्रतिनिधि कार्यालय	7	1	8
सहयोगी/प्रबंधित एक्सचेंज कं./निवेश	4	0	4
<b>योग</b>	<b>186</b>	<b>4</b>	<b>190</b>

\* मालदीव में मामीगिली उप-कार्यालय को शाखा के रूप में अपग्रेड किया गया।



From the perspective of environment sustainability, the Bank has also been laying emphasis on the renewable sector in power generation and loans aggregating ₹1,253 Crores (FB Limit) have been sanctioned to 10 projects in wind/solar sectors with total capacity of 624 MW.

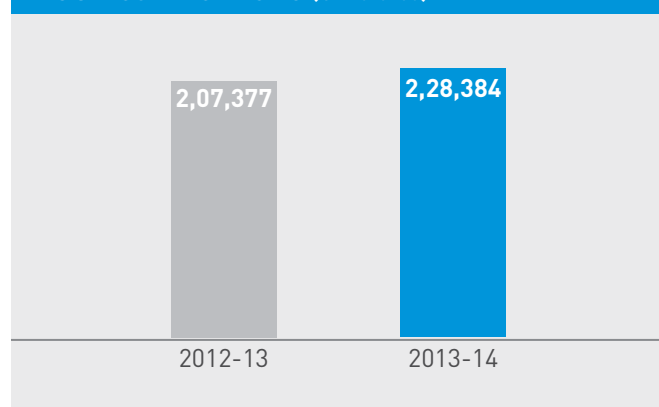
#### Exhibit 15: Significant deals during FY 2013-14

Projects	Details
Aircel Limited (Including Aircel Cellular Ltd, Dishnet Wireless Ltd. and Aircel Smart Money Ltd.)	To provide telephony services in 2G, 3G and Broadband services across country.
Petronet LNG Ltd Phase III – Dahej (Promoted by ONGC, BPCL, GAIL and IOCL)	Expansion of 5 MMTPA from existing 10 MMTPA facilities.
JSW Steel Ltd	Expansion of 1.5 MTPA integrated steel plant from existing 3 MTPA ISP at Dolvi, Maharashtra.
Tata Teleservices	To provide telephony services in 2G, 3G and data services on both GSM and CDMA technology across country.
Orient Cements	Greenfield 3 MTPA cement project (Promoter CK Birla group) at Gulbarga, Karnataka

#### C) Mid Corporate Group

The Bank's Mid Corporate Group (MCG) operates through its 14 regional offices across Ahmedabad, Bangalore, Chandigarh, Chennai (2), Hyderabad, Indore, Kolkata (2), Mumbai (2), New Delhi (2) and Pune, and has 62 branches as on 31st March, 2014.

#### Exhibit 16: MCG Loan Portfolio (₹ in crores)



MCG customers in Eastern India now have easier access to senior officials. This has also resulted in improved credit delivery, with a greater thrust on attracting good quality new business.

Two new MCG branches were opened during FY 2013-14 at Ludhiana (the second branch of the city) and Vijayawada, in

order to fully tap the business potential at these centres. This increases the number of Mid Corporate branches from 60 to 62.

The Group continues to assist our customers in India to expand their activities and provides them support for acquiring assets/companies overseas, including by way of loans to overseas subsidiaries/JVs (backed by Letters of Comfort or Stand-by Letters of Credit). Over the years, the Group has helped many such acquisitions by Indian companies in USA, Europe, Australia and Africa, among others.

#### D) International Banking Group

The Bank's international banking network spans across 190 offices in 36 countries.

#### Exhibit 17: Business performance of Foreign Offices

(In USD Million)

	31.03.2013	31.03.2014	YoY Growth	YoY Increase in (%)
Net Assets	42,146.10	45,192.98	3,046.87	7.23
Net Customer Credit	31,148.54	35,772.57	4,624.04	14.85
Deposits	13,374.41	14,758.33	1,383.93	10.35
Operating profit	660.35	676.41	16.05	2.43

#### Overseas expansion

The number of foreign offices increased from 186 as on 31st March, 2013 to 190 as on 31st March, 2014 spread across 36 countries. The offices include 52 branches, 8 Representative Offices, 110 offices of the 7 foreign banking subsidiaries and 20 other offices. During FY 2013-14, we have forayed into two new countries – in Botswana by establishing a subsidiary and in South Korea by opening a representative office.

#### Exhibit 18: Break-up of foreign offices

(No.)

	FY 2012-13	New offices opened during the year	FY 2013-14
Branches /Sales Office / Other Offices*	68	1 (1 closed)*	68
Subsidiaries (Figures included in offices)	(6)	(1)	(7)
Offices	107	3	110
Representative Offices	7	1	8
Associates /Managed exchange Cos/Investments	4	0	4
<b>Total</b>	<b>186</b>	<b>4</b>	<b>190</b>

\* Maamigili sub-office in Maldives was upgraded to a Branch and Jackson Heights branch in the USA was closed.

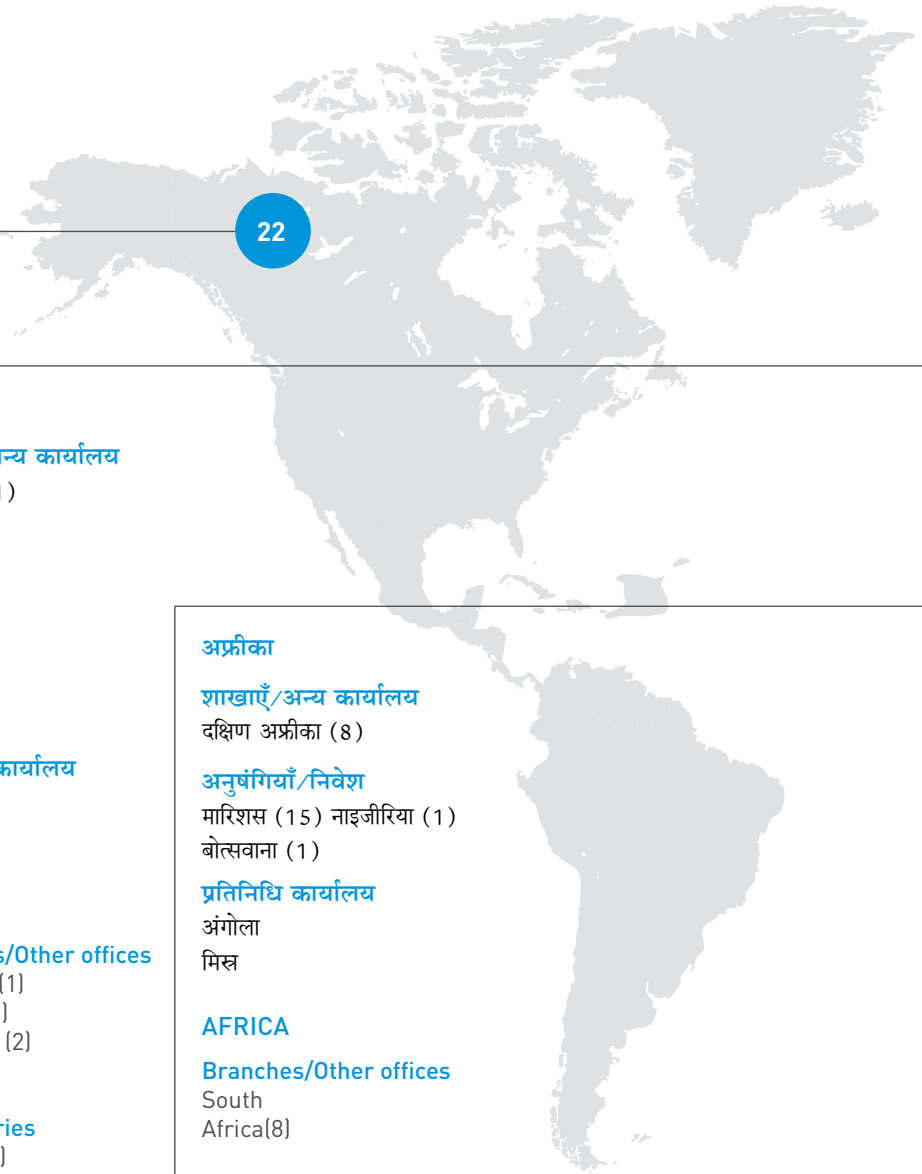


## भारतीय स्टेट बैंक - अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

## STATE BANK OF INDIA - INTERNATIONAL BANKING GROUP

190 कार्यालयों का अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग नेटवर्क - 36 देशों में स्थित

INTERNATIONAL BANKING NETWORK OF 190 OFFICES IN 36 COUNTRIES



22

### उत्तर अमरीका

#### शाखाएँ/अन्य कार्यालय

बहामास (1)  
यूएसए (3)

#### अनुषंगियाँ

कैलिफोर्निया (10)  
कनाडा (7)

#### प्रतिनिधि कार्यालय

वाशिंगटन

### NORTH AMERICA

#### Branches/Other offices

Bahamas (1)  
USA (3)

#### Subsidiaries

California (10)  
Canada (7)

#### Rep Office

Washington

### यूरोप

#### शाखाएँ/अन्य कार्यालय

बेल्जियम (1)  
फ्रांस (1)  
जर्मनी (2)  
यूके (11)

#### अनुषंगियाँ

रूस (1)

#### प्रतिनिधि कार्यालय

इटली  
टर्की

### EUROPE

#### Branches/Other offices

Belgium (1)  
France (1)  
Germany (2)  
UK (11)

#### Subsidiaries

Russia (1)

#### Rep Office

Italy  
Turkey

### अफ्रीका

#### शाखाएँ/अन्य कार्यालय

दक्षिण अफ्रीका (8)

#### अनुषंगियाँ/निवेश

मारिशस (15) नाइजीरिया (1)  
बोत्सवाना (1)

#### प्रतिनिधि कार्यालय

अंगोला  
मिस्र

### AFRICA

#### Branches/Other offices

South  
Africa(8)

#### Subsidiaries/Investment

Mauritius (15) Nigeria(1)  
Botswana (1)

#### Rep Office

Angola  
Egypt



109

### पूर्व और दक्षिण एशिया

#### शाखाएँ/अन्य कार्यालय

बांग्लादेश (8)  
चीन (2)  
हंगकांग (2)  
जापान (2)  
मालदीव (3)  
श्रीलंका (6)  
सिंगापुर (7)

#### अनुषंगियाँ/सहयोगी

इंडोनेशिया (14)  
नेपाल (62)  
भूटान (1)

#### प्रतिनिधि कार्यालय

फिलीपिंस  
दक्षिण कोरिया

### EAST AND SOUTH ASIA

#### Branches/Other offices

Bangladesh (8)  
China (2)  
Hong Kong (2)  
Japan (2)  
Maldives (3)  
Sri Lanka (6)  
Singapore (7)

#### Subsidiaries/Associates

Indonesia (14)  
Nepal (62)  
Bhutan (1)

#### Rep Office

Philippines  
South Korea

18

27

13

### ऑस्ट्रेलिया

#### शाखाएँ/अन्य कार्यालय

ऑस्ट्रेलिया (1)

### AUSTRALIA

#### Branches/Other offices

Australia (1)

1

### MIDDLE EAST

#### Branches/Other offices

Bahrain (4)  
Israel (1)  
Oman (1)  
Qatar (1)  
Saudi Arabia (1)  
UAE (2)

#### Rep Office

Iran

#### Managed Exchange Cos

Oman  
Qatar

### मध्य एशिया

#### शाखाएँ/अन्य कार्यालय

बहरीन (4)  
इजरायल (1)  
ओमान (1)  
कतर (1)  
साउदी अरेबिया (1)  
यूएई (2)

#### अनुषंगियाँ

इरान

#### प्रबंध अधीन एक्सचेंज कं.

ओमान  
कतर



**कोष प्रबंधन**

बाजार में व्याप्त अस्थिर स्थितियों के बावजूद वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों ने नकदी की स्थिति संतोषजनक बनाए रखी। अप्रैल 2013 में हमने 1 बिलियन यूएस डॉलर बॉड निर्गम को सफलतापूर्वक लाया जो अप्रैल 2018 में परिपक्व होने वाली 144 ए/विनियामक एस पेशकश है।

सितंबर 2013 में एसबीआई ने वापसी-खरीद (बाई-बैक) का कार्य किया जिसके अंतर्गत बैंक ने अप्रैल 2018 के 147 मिलियन यूएस डॉलर कीमत के बॉड वापस खरीदे।

विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक (एफसीएनआरबी) जमाराशियों में वृद्धि के लिए आरबीआई की विशेष स्वैप विंडोज योजना के अंतर्गत हमारे विदेश स्थित कार्यालयों ने नवंबर 2013 में अनिवासी भारतीयों के लिए एक बेहतर उत्पाद प्रस्तुत किया। इस योजना के अंतर्गत विदेश स्थित कार्यालयों में अनिवासी भारतीयों को 2.518 बिलियन यूएस डॉलर की राशि सवितरित की गई।

**धन-प्रेषण**

वित्तीय वर्ष 2012-13 की ₹69,812 करोड़ की राशि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2013-14 में आवक धन-प्रेषण की राशि 24% संवृद्धि के साथ ₹86,817 करोड़ हुई है। मिडिल ईस्टर्न देशों में 30 एक्सचेंज कंपनियों और छह बैंकों के साथ हमारे बैंक के माध्यम से धन-प्रेषण संबंधी तालमेल से आवक धन-प्रेषण में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

**देशीय परिचालन**

**मर्चेट बैंकिंग**

जापान को छोड़कर एशिया प्रशांत में बैंक ने सामूहिक ऋणों के लिए मैनडेटेड लीड अरेंजर एंड बुक रनर के रूप में दिसंबर 2013 को समाप्त कैलेंडर वर्ष में अपनी अग्रणी स्थिति को लगातार आठवें वर्ष भी बनाए रखा और यही स्थिति जनवरी-मार्च 2014 की अवधि में भी कायम रखी।

वर्ष 2013-14 के दौरान हमने मैनडेटेड लीड अरेंजर के रूप में अनेकों अग्रणी भारतीय कारपोरेट्स जैसे टाटा स्टील कनाडा कैपिटल लि., आईओसीएल, एचपीसीएल, ओआईएल, ओएनजीसी विदेश, आरईसी, ओएनजीसी मंगलोर पेट्रोकेमिकल लि., रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लि. आईडीएफसी लि. और यस बैंक के लिए कुल 11.926 बिलियन यूएस डॉलर के 18 ऋण-सौदों की व्यवस्था की।

**प्रदर्श 19: सामूहिक ऋण सौदे**

	ऋण-सौदों की संख्या	राशि ( बिलियन यूएस डॉलर में )
वित्तीय वर्ष 2012-13	17	6.292
वित्तीय वर्ष 2013-14	18	11.926

इसके अलावा, हमने भारतीय कारपोरेट्स को द्विपक्षीय आधार पर कुल 4.611 बिलियन यूएस डॉलर के 23 विदेशी मुद्रा ऋण प्रदान किए। हमने सैकेंडरी मार्केट के माध्यम से 120 मिलियन यूएस डॉलर के पांच ऋणों का अधिग्रहण भी किया।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान समूहन/द्विपक्षीय आधार पर पूरे हुए विदेशी मुद्रा सावधि ऋणों से 79.70 मिलियन यूएस डॉलर की फीस अर्जित की।

**वैश्विक लिंक सेवाएं (जीएलएस)**

वैश्विक लिंक सेवा एक विशिष्ट इकाई है जो निर्यात बिल जमा, चेक जमा एवं ऑनलाइन आवक धनप्रेषण लेनदेन की केन्द्रीकृत प्रक्रिया की व्यवस्था करती है।

वर्ष 2013-14 के दौरान जीएलएस ने (देशीय शाखाओं की ओर से) 75,177 निर्यात बिलों और कुल 13.20 बिलियन यूएस डॉलर राशि के 58,248 विदेशी मुद्रा चेक जमा का कार्य किया। इसके अलावा, इसने विश्व के विभिन्न भागों से प्राप्त 6.10 बिलियन यूएस डॉलर के 78,49,396 ऑनलाइन आवक धनप्रेषण संचालित किए।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने श्रीलंका से भारत में धनप्रेषण के लिए 'श्रीलंका टू इंडिया - एसबीआई फ्लैश' एक नया ऑनलाइन त्वरित धनप्रेषण उत्पाद आरंभ किया। जीएलएस ने खाड़ी देशों से बंगलादेश/नेपाल/श्रीलंका में सीमापार धन-प्रेषण के लिए भी एक फ्लैटफॉर्म विकसित किया है।

**संपर्की संबंध**

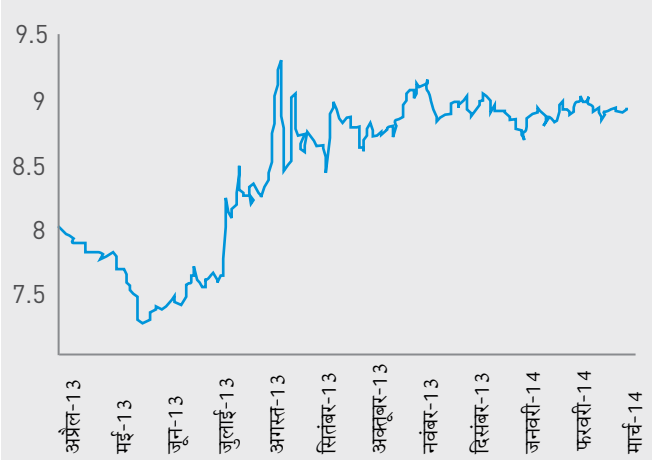
विभिन्न ग्राहकों को निर्बाध बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए बैंक की 113 देशों में 385 प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बैंक के साथ संपर्की बैंकिंग व्यवस्था है। वित्तीय संदेश त्वरित गति से भेजने के लिए संपर्की बैंकों के अलावा हमारे स्विफ्ट के साथ 1,725 से अधिक रिलेशनशिप मैनेजमेंट एप्लीकेशन (आरएमए) भी हैं।

**ड ) वैश्विक मार्केट परिचालन**

वैश्विक मार्केट समूह कोष बैंक के कोष संबंधी कार्य करता है और सांविधिक आरक्षित निधियों की अपेक्षाओं को पूरा करते हुए सुरक्षा, नकदी एवं आय सुनिश्चित करता है। कोष प्रबंधन के अंतर्गत आधारभूत निधि वर्षानुवर्ष लगभग 20% की वृद्धि के साथ ₹4,70,000 करोड़ हो गई है। इसके अलावा, कोष विदेशी मुद्रा सेवाएं एवं ग्राहकों के जोखिम प्रबंधन के लिए हैजिंग लिखतें प्रदान करता है। यह बहुत सी विमोचित निधियों (रिटायरमेंट फंड्स) के लिए पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं भी प्रदान करता है।

**प्रदर्श 20:**

**10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूति आय (%)**



आरबीआई द्वारा मई 2013 में रेपो दर में 25 आधार बिन्दुओं की कमी कर उसे 7.25% करने के साथ वित्तीय वर्ष 2013-14 का आरंभ आशावादिता के साथ हुआ। दस वर्षीय बेंचमार्क आय अप्रैल 2013 में 8.01% से घटकर मई 2013 में 7.09% हो गई। तथापि, भारतीय वित्तीय मार्केट में स्थितियां तब खराब हुईं जब फेडरल रिजर्व सिस्टम ने क्वांटिटेटिव ईजिंग क्रय को कम करने की अपनी इच्छा की घोषणा की जिससे रुपये के मूल्य में तेजी से कमजोरी आई।





### Treasury Management

The Bank's foreign offices maintained comfortable liquidity position during the fiscal, despite volatile market conditions. In April 2013, we successfully priced a USD 1 billion Bond issue, which is a 144A/Regulation S offering and will mature in April 2018.

In September 2013, SBI undertook a Bond Buy Back programme under which Bank bought back USD 147 million worth of April 2018 bonds.

Our foreign offices introduced a leverage product for NRIs in November 2013 to increase Foreign Currency Non-Resident Bank (FCNRB) deposits under the Special Swap window scheme of RBI. An amount of USD 2.518 billion was disbursed to NRIs at Foreign Offices under this scheme.

### Remittance

Inward remittances grew from ₹69,812 crores in FY 2012-13 to ₹86,817 crores in FY 2013-14 (24%). Tie-ups with 30 exchange companies and six banks in the Middle-East Countries for routing remittances through our Bank have substantially contributed to increased inward remittances.

### Domestic Operations

#### Merchant Banking

The Bank retained its premier position as Mandated Lead Arranger and Book Runner for syndicated loans in Asia Pacific (ex-Japan) for the eighth consecutive calendar year ending December 2013 and sustained its lead position in January-March 2014 period too.

During 2013-14, we acted as the Mandated Lead Arranger in 18 deals aggregating USD 11.926 billion for several leading Indian corporates like Tata Steel Canada Capital Ltd., IOCL, HPCL, OIL, ONGC Videsh, REC, ONGC Mangalore Petrochemical Ltd., Reliance Industries, HDFC Ltd., IDFC Ltd. and Yes Bank.

#### Exhibit 19: Syndicated Loan Deals

	No. of Deals	Amount (in USD bn)
FY 2012-13	17	6.292
FY 2013-14	18	11.926

Apart from this, we extended 23 foreign currency facilities aggregating USD 4.611 billion to Indian corporates on a bilateral basis. We also acquired 5 loans amounting to USD 120.00 million through the secondary market.

The Bank earned a fee income of USD 79.70 million from foreign currency term loans concluded during FY 2013-14 through syndication/ bilateral deals.

### Global Link Services (GLS)

Global Link Services (GLS), a specialised outfit, caters to centralised processing of Export Bills collection, Cheque collection and online inward remittance transactions.

During FY 2013-14, GLS (on behalf of domestic branches) handled 75,177 export bills and 58,248 foreign currency cheque collections aggregating USD 13.20 billion. In addition, it handled 78,49,396 online inward remittance transactions amounting to USD 6.10 billion received globally.

During FY 2013-14, the Bank launched a new online instant remittance product 'Sri Lanka to India – SBI Flash' for remittances from Sri Lanka to India. GLS has also developed a platform for cross border remittances from Gulf to Bangladesh/ Nepal/ Sri Lanka.

### Correspondent relations

The Bank maintains correspondent banking arrangement with 385 reputed International Banks across 113 countries in order to extend seamless services to varied clients. Along with the correspondent banks, we also have more than 1,725 Relationship Management Application (RMA) arrangements with Society for Worldwide Interbank Financial Telecommunication (SWIFT), facilitating speedier flow of financial messages.

### E) Global Markets Operations

Global Markets Group performs the treasury functions of the Bank, ensuring safety, liquidity and yield, besides maintaining statutory reserve requirements. The corpus under management of Global Markets increased by around 20% Y-o-Y to ₹4,70,000 crores. Further, Global Markets Group provides foreign exchange services and hedging instruments for risk management to customers. It also offers portfolio management services to many retirement funds.

#### Exhibit 20: 10-Year Gsec Yield (%)



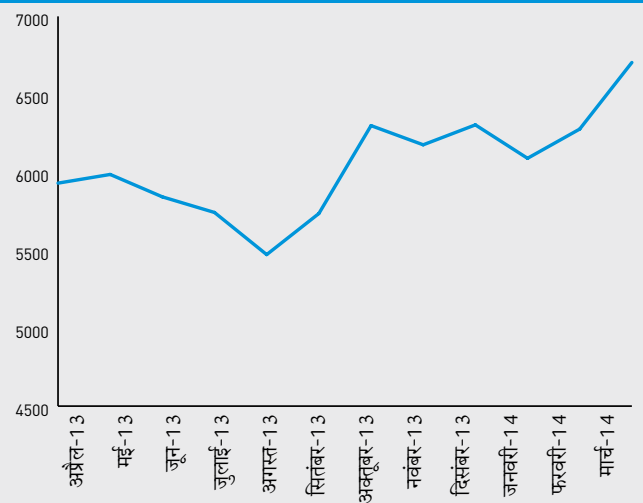
The FY 2013-14 started on a positive note with RBI cutting the repo rate by 25 bps to 7.25% in May 2013. The 10 year benchmark yield fell from 8.01% in April 2013 to 7.09% in May 2013. However, conditions deteriorated for Indian financial markets after Federal Reserve's announcement of its intention to taper QE purchases which led to a sharp depreciation of the rupee.



भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो उधारियों की उच्चतम सीमा निवल मांग एवं सावधि देयताओं (एनडीटीएल) की 0.5% निर्धारित कर तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर में 200 आधार बिन्दुओं की बढ़ोतरी कर उसे 10.25% कर अभूतपूर्व उपायों की घोषणा की। इससे बांड आय बढ़कर 9.48% हो गई। आरबीआई ने धीरे-धीरे कठोर उपायों को लचीला किया और वित्तीय प्रणाली में सावधि रेपो के माध्यम से नकदी में वृद्धि की। परिणामस्वरूप अक्टूबर 2013 के बाद स्थितियों में सुधार हुआ। आरबीआई द्वारा मुद्रास्फीति नियंत्रण पर बल देने से वर्ष के अंत तक बेंचमार्क आय स्तरों में वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष 2013-14 में निवेशों की बिक्री से बैंक को ₹1,846 करोड़ का लाभ हुआ जो एक कीर्तिमान है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह लाभ ₹180 करोड़ था। इसके अलावा, नकदी प्रबंधन में बैंक ने अपने प्रतिस्पर्धी बैंकों (एसबीआई के अलावा सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की) तुलना में सीआरआर में 270 आधार बिन्दुओं की निरंतर बढ़त बनाए रखी जिससे ₹100 करोड़ से अधिक की ब्याज लागत में कमी हुई।

इस परिदृश्य में ईक्विटी मार्केट्स में सितंबर से बढ़त देखने को मिली जिसमें विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी की आगत बढ़ी। इसका कारण समष्टि आर्थिक मानदंडों में सुधार होना रहा, जैसे स्थिर विनिमय दर एवं कम चालू खाता घाटा। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान (अनर्जक निवेशों के अलावा) बैंक के सक्रिय ईक्विटी पोर्टफोलियो में नकदी प्रवाह आय 22.73% हुई जबकि निफ्टी की आय 17.12% रही। यदि हम लाभांश आय की भी गणना करें तो यह आय 25.56% होती है। बैंक ने चयनित ईक्विटी एमएफ, आईपीओ, ऑफर फॉर सेल एवं एफपीओ में सहभागिता की।

प्रदर्श 21 :  
निफ्टी सूचकांक



प्राइवेट ईक्विटी और वेंचर कैपिटल फंड निवेश के क्षेत्र में संभावनाओं का पता लगाने में बैंक प्रयासरत रहा। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान विभिन्न वेंचर कैपिटल और प्राइवेट ईक्विटी फंड में ₹345 करोड़ का निवेश किया गया। ग्लोबल मार्केट्स द्वारा बैंक के ग्राहकों को सभी करेंसियों के विदेशी मुद्रा समाधान प्रस्तुत किए जाते हैं और ऑपशन्स, स्वैप्स, फारवर्ड और बुलियन सेवाओं के माध्यम से जोखिमों की हेजिंग कर उनके करेंसी प्रवाह का प्रबंधन किया जाता है। अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने के अपने निरंतर प्रयासों में बैंक ने वर्ष के दौरान कारपोरेट ग्राहकों के लिए डिजिटल हस्ताक्षर की सुविधा भी आरंभ की है। शाखाओं और डीलिंग रूम के माध्यम से अपने ग्राहकों के

बीच निर्बाध रूप से करेंसी प्रवाह की प्रक्रिया हेतु बैंक विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी प्लैटफॉर्म को सुदृढ़ करता रहा है।

कोष विपणन इकाइयों ग्राहकों के साथ मिलकर उन्हें मार्केट के बारे में इन्पुट्स देती हैं और उनकी आवश्यकतानुसार उन्हें उपयुक्त उत्पादों का सुझाव देती हैं और इस प्रकार वैश्विक मार्केट समूह को सुदृढ़ करती हैं। बैंक ने विदेशी मुद्रा, हेजिंग, स्वर्ण और स्वामित्व ट्रेडिंग में अपने ग्राहकों के नकदी प्रवाह को कवरेज प्रदान कर देशीय मार्केट में ₹1,470 करोड़ से अधिक की अनंतिम आय अर्जित की है।

ग्लोबल मार्केट्स बैंक एफसीएनआर(बी) आधारभूत निधि का भी प्रबंध करती है। भारत में ग्राहकों को एफसीएनआर(बी) ऋण विदेशी मुद्राओं में देकर यह विदेशी मुद्रा में निर्यात वित्त के लिए निधियां उपलब्ध करवाती है।

देश में विमोचन फंड्स (रिटायरमेंट फंड्स) समूह को बैंक पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं उपलब्ध करवाकर सर्वोत्तम प्रतिलाभ दे रहा है। ₹2,79,000 करोड़ से अधिक प्रबंधनाधीन आस्तियों वाले पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा अनुभाग ने ईपीएफओ फंड्स में निजी क्षेत्र के अपने समकक्षों से निरंतर बेहतर प्रतिलाभ दिए हैं। ईपीएफओ के लिए बैंक को विगत तीन वर्षों के दौरान सर्वोत्तम फंड मैनेजर का पुरस्कार मिलता रहा है।

### निरंतर उत्कृष्ट निष्पादन के लिए एशियामनी के वार्षिक पोल में एशियामनी की 25वीं जयन्ती के अवसर पर उनके 'पोल ऑफ पोल्स' में बैंक को 'भारत में सर्वोत्तम स्थानीय विदेशी मुद्रा बैंक' की श्रेणी में चुना गया।

#### 1.2. नव व्यवसाय

एक अलग विभाग प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों सहित उभरते व्यवसाय क्षेत्रों के लिए नए उत्पाद विकसित कर बाजार में उतारता है। कुछ प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं :

##### डेबिट कार्ड

31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार 150 मिलियन डेबिट कार्ड और 40% मार्केट शेयर के साथ स्टेट बैंक समूह (एसबीजी) देश में डेबिट कार्ड जारी करने में अग्रणी है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 में एसबीजी के डेबिट कार्डधारकों द्वारा 'पॉइंट ऑफ सेल' तथा 'ई-कामर्स' पर खर्च की गई राशि के लेनदेन ₹22,407 करोड़ से अधिक हैं। हमने अगस्त-सितंबर 2013 में '3 स्वाइप अभियान', और अक्टूबर-नवंबर 2013 में एसबीआई कार्ड (अनुषंगी) के सहयोग से 'शॉप बिग एंड गेन बिग' जैसी कुछ बड़ी पेशकश कीं।

##### प्रीपेड कार्ड

अपने ग्राहकों की भुगतान संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंक के उत्पादों में निम्नलिखित प्रीपेड कार्ड हैं :

- **विदेश यात्रा कार्ड** : चिप आधारित ईएमवी अनुपालित विदेश यात्रा कार्ड आठ मुद्राओं : यूएस डॉलर, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड, यूरो, कैनेडियन डॉलर, ऑस्ट्रेलियन डॉलर, जापानी येन, साउदी रियाल एवं सिंगापुर डॉलर में उपलब्ध है। यह कार्ड विदेश यात्रियों को सुरक्षा एवं सुविधा प्रदान करता है। हमने विदेश यात्रा करने वाले कारपोरेट कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु स्टेट बैंक विदेश यात्रा कार्ड का कारपोरेट विकल्प भी आरंभ किया है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में बिक्री 83.34 मिलियन यूएस डॉलर रही।

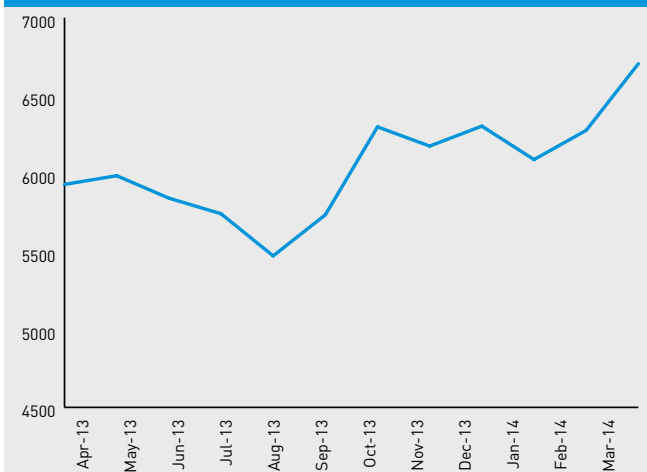


The Reserve Bank of India (RBI) announced unprecedented measures like capping Repo borrowing to 0.5% of NDTL and increasing MSF rate by 200 bps to 10.25% which led to a sudden surge in bond yields to 9.48%. Conditions improved from October 2013 onwards with RBI gradually reversing many of the tightening measures and injecting liquidity into the financial system through term repos. As RBI remained focused on inflation control, benchmark yields closed the year at elevated levels.

During FY 2013-14, the Bank made record profit of ₹1,846 crores from sale of investments as against ₹180 crores in FY 2012-13. Moreover, in the area of cash management, we have consistently outperformed peer banks in CRR maintenance by about 270 basis points, resulting in interest cost savings of over ₹100 crores.

Equity markets witnessed a rally from September on improvement in macroeconomic parameters like stable exchange rate and current account deficit buoying FII inflows. During FY 2013-14, the Bank's active equity portfolio (excluding Non Performing Investments) yielded a cash flow return of 22.73% against a Nifty return of 17.12%. If we reckon the dividend income, the return improves further to 25.56%. During the year, the Bank participated in select Equity MFs, IPOs, Offers for Sale and FPOs.

**Exhibit 21:**  
**Nifty Performance Trend**



The Bank continued to explore opportunities in the area of private equity and venture capital fund investments. During FY 2013-14, investments of ₹345 crores were made in different venture capital and private equity funds.

Global Markets provides foreign exchange solutions to the customers in all currencies for managing their currency flows and hedging risks through options, swaps, forwards and bullion services. As part of its continuous endeavour to provide enhanced services to its customers, the Bank has also introduced digital signatures for its corporate customers. The Bank also leverages a world class technology platform to seamlessly process currency flows

between its customers through branches and the dealing room.

The treasury marketing outfits complement this by engaging with customers to provide them with inputs about markets and suggesting products to suit their requirements. The Bank earned an income of over ₹1,470 crores (from domestic operations) by covering the customer flows in foreign exchange, hedging, gold, and proprietary trading.

Global Markets also manages FCNR(B) corpus of the Bank and provides funds for Export Finance in Foreign Currency and FCNR(B) loans in foreign currencies for the customers in India.

The Bank provides portfolio management services to an array of retirement funds in the country consistently giving superlative returns. The Portfolio Management Services section, with an AUM of over ₹2,79,000 crores has consistently outperformed private sector peers in generating returns for the Employees Provident Fund Organisation (EPFO) funds. For the last three years, your Bank has been consistently adjudged as the best fund manager for EPFO.

**The Bank was ranked the 'Best Local FX Bank in India' in Asiamoney's 25th anniversary Poll of Polls for its consistently stellar performances in Asiamoney's annual polls.**

## I.2 New Businesses

A dedicated department develops and launches initiatives in emerging business areas, including tech-based products. Some key initiatives are:

### Debit Card

State Bank Group (SBG) continues to lead Debit Card issuance in the country with over 150 million Debit Cards as on 31st March, 2014 and over 40% market share.

Spending by debit cardholders of the SBG across 'Point of Sale' and 'e-Commerce' transactions crossed ₹22,407 crores in FY 2013-14. We have introduced some significant offers like the '3-Swipe Campaign' during August-September, 2013 and 'Shop Big and Gain Big' campaign in collaboration with SBI Card (subsidiary), in October-November, 2013.

### Prepaid Card

The Bank's product range includes the following Prepaid Cards to cater to various payment needs of its customers:

- Foreign Travel Card:** The Foreign Travel Card, now a chip based EMV compliant Card, is available in 8 currencies, US Dollar (USD), Great Britain Pound (GBP), Euro, Canadian Dollar (CAD), Australian Dollar (AUD), Japanese Yen (JPY), Saudi Riyal (SAR) and Singapore Dollar (SGD), providing safety, security and convenience to overseas travellers. We have also introduced corporate variants of State Bank Foreign Travel Card (SBFTC) to cater to the needs of corporate employees travelling overseas. Sales stood at USD 83.34 million in FY 2013-14.



- **ई-जेट पे कार्ड** : ई-जेट पे कार्ड कारपोरेट निकायों द्वारा वेतन भुगतान के अलावा राज्य एवं केन्द्रीय सरकार की अधिकांश सामाजिक योजनाओं के साथ जोड़ा गया है जिससे लाखों परिवारों को लाभ मिला है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में बिक्री ₹829.19 करोड़ रही।
- **गिफ्ट कार्ड** : गिफ्ट कार्ड के माध्यम से अपने प्रियजनों को अपनी 'पसंद की आजादी' देने के चलते यह कार्ड ग्राहकों का पसंदीदा कार्ड रहा है। ग्राहक ऑनलाइन गिफ्ट कार्ड क्रय कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2013-14 में इनकी बिक्री की राशि ₹128.73 करोड़ रही है।
- **स्टेट बैंक अचीवर कार्ड** : हमने नवंबर 2013 में आरंभ किया है। प्रोत्साहन/अवार्ड के संवितरण के लिए 10 वर्ष की वैधता वाला यह कार्ड कारपोरेट प्रोत्साहन कार्ड है जिसमें बार-बार राशि लोड की जा सकती है।
- **स्मार्ट पेआउट कार्ड** : हमने 27 अप्रैल 2013 को अन्य के अलावा श्रमजीवियों एवं ठेके पर कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए रीलोडेबल स्मार्ट कार्ड आरंभ किया। यह कार्ड हमारे बचत बैंक खाताधारकों को "एड-ऑन कार्ड" के रूप में भी जारी किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में इसके माध्यम से बिक्री की राशि ₹15.19 करोड़ रही।

#### मर्चेन्ट अधिग्रहण व्यवसाय (एमएबी)

मर्चेन्ट अधिग्रहण व्यवसाय प्रभाग का उद्देश्य है पॉइंट ऑफ सेल टर्मिनलों पर 150 मिलियन से अधिक एसबीजी डेबिट कार्ड जारी करना, दृश्यता बढ़ाना और देश में इलेक्ट्रॉनिक आधारभूत ढांचा विकसित करना। 31 मार्च 2014 को मार्केट में लगभग 1,35,853 टर्मिनलों के साथ हम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में इस क्षेत्र में पहले से ही सबसे आगे हैं। हम भारत में चौथे सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ता भी हैं। हम मार्केट में उपलब्ध इस व्यवसाय की संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रयासरत हैं और हमने शीर्ष शैक्षणिक संस्थाओं और अस्पतालों सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यवसायियों के साथ टाई-अप किया है। वर्ष के दौरान बैंक ने प्रायोगिक आधार पर मोबाइल पॉस शुरू किया है और अगले कुछ महीनों में इसे अखिल भारतीय स्तर पर शुरू कर दिया जाएगा।

#### मोबाइल बैंकिंग सेवा

### लेनदेन की संख्या के आधार पर 57% और लेनदेन की राशि के आधार पर 17% मार्केट शेयर के साथ बैंक इस क्षेत्र में बाजार में सबसे आगे है।

2013-14 के दौरान मोबाइल बैंकिंग सेवा के माध्यम से ₹3,763 करोड़ के वित्तीय लेनदेन हुए जिनसे हमें ₹6.43 करोड़ की आय हुई।

#### ग्रीन चैनल काउंटर (जीसीसी)

ग्राहकों को सुविधा प्रदान करने और प्रति लेनदेन लागत तथा समय की बचत के लिए बैंक ने सभी (14,981) रिटेल शाखाओं में जीसीसी सुविधा आरंभ की है। इन काउंटरों पर प्रतिदिन 360,000 से अधिक लेनदेन हो रहे हैं।

#### सेल्फ सर्विस किरॉस्क

31 मार्च 2014 को बैंक के सेल्फ सर्विस किरॉस्क की संख्या 1,352 थी जिन पर हर रोज 55,000 लेनदेन हो रहे हैं।

#### ग्रीन रैमिट कार्ड (जीआरसी)

अपनी शाखाओं में मुख्यतः बड़ी संख्या में नकदी जमा करने संबंधी नॉन-होम लेनदेन के कार्य के लिए बैंक ने 2 जनवरी 2012 को जीआरसी, धनप्रेषण

कार्ड आरंभ किया। कार्डधारक इस कार्ड को जीसीसी अथवा नकदी जमा मशीन (सीडीएम) पर स्वाइप कर संबंधित पानेवाले को धन प्रेषित कर सकते हैं जिनका खाता क्रमांक कार्ड में उल्लिखित हो। लेनदेन पूरा होते ही धन भेजने वाले और पाने वाले, दोनों को एसएमएस से पुष्टि की जाती है। 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार 48,00,000 से अधिक कार्ड जारी किए जा चुके हैं जिनके माध्यम से नकदी जमा के 1,81,00,000 लेनदेन संपन्न हुए।

#### स्टेट बैंक एग्रीगेटर सेवा (SBlePay)

बैंक ने 'SBlePay', भुगतान एग्रीगेटर सेवा आरंभ की है जो सभी प्रकार के ई-कॉमर्स भुगतानों के लिए मर्चेन्टों, ग्राहकों और विभिन्न वित्तीय संस्थानों के बीच ई-कॉमर्स/एम-कॉमर्स लेनदेन करने में सहायक है। बैंक की अध्यक्ष श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य ने 13 मार्च 2014 को कारपोरेट केन्द्र में यह सेवा आरंभ की। इस नई सेवा से हमारे ग्राहकों को ऑनलाइन भुगतान सुविधाएं उपलब्ध करवाने का दूरगामी प्रभाव होगा।

#### 1.3 अनर्जक आस्ति प्रबंधन

वित्तीय वर्ष 2013-14 में समष्टि आर्थिक परिवेश में मंदी के कारण ऋण-भुगतान में व्यवधान आया जिससे भारतीय बैंकों की आस्तियों की गुणवत्ता में हास हुआ। सभी क्षेत्रों में गिरावट आई और आज सभी बैंकों के लिए अनर्जक आस्तियों का समाधान सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है।

तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह (एसएएमजी) एक समर्पित एवं विशेषीकृत समूह है, जिसके प्रमुख उप-प्रबंध निदेशक हैं, जिसे विशेष रूप से उच्च राशि वाली एनपीए को पूरी तरह से नियंत्रित रखने के लिए बनाया गया है।

आज की तारीख में एसएएमजी की पूरे देश में 16 एसएएम शाखाएं और 43 एसएआरबी हैं। वर्तमान में बैंक की अनर्जक आस्तियों और वसूली खाते के अंतर्गत ऋणों (एयूसीए) का क्रमशः 23.79% और 54.33% भाग एसएएमजी के पास है। एसएएमजी के वसूली प्रयासों में हमारी समूचे देश की 15,869 शाखाओं के फ्रंटलाइन स्टाफ द्वारा सहायता की जा रही है। इसके अलावा रिटेल स्पेशल मंशन खातों (एसएमए) और एनपीए खातों के ऋणियों से संपर्क करने के लिए सभी मंडलों में एकाउंट ट्रैकिंग एवं मॉनीटरिंग केन्द्र खोले गए हैं। कृषि एनपीए की वसूली के लिए व्यवसाय प्रतिनिधियों, व्यवसाय सुलभकर्ताओं और स्वयं सहायता समूहों की सेवाएं भी ली जा रही हैं।

एआरसी को वित्तीय आस्तियों की बिक्री करने से एनपीए में ₹3,590 करोड़ की कमी आई और ₹1,092 करोड़ की एयूसीए (खाते) की राशि का प्रत्यावर्तन हुआ। अधिकतम विक्रय स्तर और मूल्य हासिल करने के लिए विभिन्न कार्यनीतियां अपनायी गईं।

स्ट्रैटिज आस्तियों में वसूली के लिए एसएएमजी विभिन्न कार्यनीतियां अपनाती है जिनमें से कुछ का विवरण यहाँ दिया जा रहा है :

- कारपोरेट ऋण पुनर्संरचना व्यवस्था अथवा द्विपक्षीय व्यवस्था से मानक आस्तियों और एनपीए की पुनर्संरचना।
- सरफेसी माध्यम से आस्तियों की नीलामी के द्वारा वसूली।
- ऋण वसूली के लिए डीआरटी एवं अन्य न्यायालयों में मामले दायर करना।
- स्ट्रैटिज आस्तियों के अधिग्रहण के लिए कार्यनीतिक निवेशकों को चिह्नित करना और उन्हें इस कार्य में लगाना।
- एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों को एनपीए की बिक्री करना।
- ऋणियों से एकमुश्त समझौते करना।



- **eZ- Pay Card:** The eZ- Pay Cards are aligned with most of the social schemes of the State and Central Governments in addition to salary payments by corporate entities, thus benefitting millions of households. Sales stood at ₹829.19 crores in FY 2013-14.
- **Gift Card:** Gift Cards are a preferred option for consumers to gift the 'Freedom of Choice' to their loved ones. Customers can purchase Gift Cards online. Sales stood at ₹128.73 crores in FY 2013-14.
- **State Bank Achiever Card:** Rolled out in November 2013. This is a re-loadable Corporate incentive Card with a validity of 10-years for disbursement of incentives/awards.
- **Smart Payout Card:** We launched the Smart Payout Card, a reloadable Card, on 27th April, 2013, for blue collar workers and contract labourers, among others. This Card can also be issued as an 'Add-on Card' to our savings Bank account holders. Sales stood at ₹15.19 crores in FY 2013-14.

#### Merchant Acquiring Business (MAB)

The MAB division aims to activate more than 150 million SBG Debit Cards on POS terminals, increase visibility and create a comprehensive electronic infrastructure in the country. We are already the largest player among Public Sector Banks with around 1,35,853 terminals (as on 31st March, 2014) in the market. We are also the 4th largest Acquirer in India and have entered into corporate tie-ups with many prominent players, including top educational institutions and hospitals as we continue to tap the huge potential available in the market. During the year the Bank has also launched Mobile POS on a pilot basis and will be rolling it out on a pan-India basis in the next few months.

#### Mobile Banking Service

**The Bank is the market leader with a market share of 57% in transaction volume and 17% share in terms of value.**

During 2013-14, financial transactions worth ₹3,763 crores were executed through the Mobile Banking Service, resulting in an income of ₹6.43 crores.

#### Green Channel Counter (GCC)

The Bank has launched the GCC facility in all retail branches (14,981 branches) to enhance convenience to the customers and save on cost and time per transaction. More than 360,000 transactions are taking place on a daily basis through these counters.

#### Self Service Kiosk (SSK)

The Bank has 1,352 SSKs as on 31st March, 2014 enabling more than 55,000 transactions daily.

#### Green Remit Card (GRC)

The Bank introduced GRC, a remittance card, on 2nd January, 2012 for facilitating large number of non-home cash deposit transactions at our branches. A cardholder

can swipe the card at GCC or at Cash Deposit Machines (CDM) and remit money to the beneficiary whose account number is mapped to the card. Once the transaction is completed, both the remitter and beneficiary get a confirmation through SMS. The Bank has issued more than 48,00,000 cards resulting into 1,81,00,000 transactions as on 31st March, 2014.

#### State Bank Aggregator Service (SBlePay)

The Bank has launched 'SBlePay', a payment aggregator service, which facilitates e-Commerce/ m-Commerce transactions among merchants, customers and various financial institutions for all kinds of e-Commerce payments. The Bank's Chairman, Smt Arundhati Bhattacharya, launched the service at Corporate Centre, Mumbai on 13th March, 2014. The new service will go a long way in providing our customers with online payment facilities.

#### I.3 NPA Management

A depressed macro-economic environment in FY 2013-14 led to increased loan defaults with deterioration in asset quality of Indian banks. Slippages have occurred across all sectors and today, resolution of NPAs is the single largest challenge before all banks.

Stressed Assets Management Group (SAMG) is a dedicated and specialized vertical, headed by a Deputy Managing Director, created specially to efficiently resolve high value NPAs. Today SAMG has 16 SAMG branches and 43 SARBs across the country. Currently, SAMG covers 23.79% and 54.33% of the Bank's Non Performing Assets (NPAs) and Advances under Collection Account (AUCA) respectively. The recovery efforts of SAMG are supplemented by efforts put in by front-line operating staff at our 15,869 branches across the country. Besides, Account Tracking & Monitoring (AT & M) Centres have been operationalised in all Circles to contact retail Special Mention Accounts (SMAs) and NPAs. Business Correspondents, Business Facilitators and Self Help Groups are also involved in recovery of Agricultural NPAs.

The sale of final assets to ARCs has resulted in reduction of NPAs by ₹3,590 crores and AUCA reversal of ₹1,092 crores. Different strategies were adopted for achieving optimum sales level and price.

SAMG resorts to various strategies to resolve stressed assets. Some of these are enumerated below:

- Restructuring of both Standard assets and NPAs, either through the corporate debt restructuring mechanism or through a bilateral arrangement.
- Recovery through auction of assets using the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest (SARFAESI) route.
- Filing suits in Debt Recovery Tribunals and other Courts for recovery of dues.
- Identifying and engaging with strategic investors for takeover of stressed assets.
- Sale of NPAs to Asset Reconstruction Companies.
- Entering into One-Time Settlements with borrowers.



- बैंक के पास बंधक संपत्ति पर कब्जे के लिए रिजोल्यूशन एजेंटों की सेवाएं लेना और संपत्ति की नीलामी करना।
- अधिकाधिक संभावित बोली लगाने वालों से संपर्क के लिए ई-ऑक्शन प्लैटफॉर्म का उपयोग करना।
- कुछ मामलों में ऋण आस्ति स्वैप्स पर विचार करना।
- अन्वेषण एजेंसियों की सेवाएं लेकर प्रोमोटर्स और गारंटीदाताओं की ऋणभारमुक्त आस्तियों का पता लगाना और इन आस्तियों के निर्णय से पूर्व इनकी कुर्की करवाना।
- जानबूझकर ऋण न चुकाने वाली कंपनियों और प्रोमोटर्स को चिह्नित करना और उनके नाम 'सिबिल' जैसी ऋण सूचना कंपनियों की वेबसाइट पर प्रदर्शित करवाना। यह सूचना आरबीआई को भी दी जाती है।
- आवश्यकतानुसार चूकर्ताओं के फोटो समाचार पत्रों में प्रकाशित करना।
- दबावग्रस्त बड़े कारपोरेट ऋणियों को उनकी गौण आस्तियां बेचने, शेरधारिता कम करने और कार्यनीतिक निवेशक लाने के लिए मनाना जिससे ऋणभार कम हो और अर्थक्षमता में वृद्धि हो।

### वैयक्तिक खंड में आस्ति गुणवत्ता सुधार के उपाय

- एनपीए खातों के निपटान हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत/बैंक अदालत में एकबारगी विशेष निपटान योजना का उपयोग सावधानीपूर्वक किया गया।
- (i) ईएमआई की देय तारीख से 7 दिन पहले, (ii) ईएमआई की देय तारीख से 1 दिन पहले तथा (iii) ईएमआई की देय तारीख के बाद ऋणियों को एसएमएस भेजे जाते हैं।
- वैयक्तिक खंड के सभी ऋणों की वसूली के लिए टेलिफोन से अनुवर्ती कार्रवाई करने का विस्तार बड़ौदा में बैंक के संपर्क केन्द्र और एसबीआई कार्ड्स/जीई, गुडगांव के टेलिकॉलिंग केन्द्रों में किया जा चुका है।
- वाहनों को कब्जे में लेने और नीलामी करने में परिचालन प्राधिकारियों की सहायता के लिए श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के साथ टाई-अप किया गया है।
- ऋण प्रवर्तक सॉफ्टवेयर (एलओएस) को (सावधि जमा, पी-खंड स्वर्ण ऋण एवं शिक्षा ऋणों के अलावा) ऑटो ऋणों और वैयक्तिक ऋणों के लिए आवश्यक बना दिया गया है तथा बहुत से प्रक्रिया संबंधी जोखिमों के संबंध में जानकारी हेतु इसे जोखिम स्कोरिंग मॉडल एवं सिबिल चेक के साथ जोड़ा गया है।

### कृषि ऋणों की आस्ति गुणवत्ता में सुधार के उपाय

- जहाँ तक कृषि ऋणों का प्रश्न है, इसमें कृषि सावधि ऋणों में जटिल एनपीए के त्वरित निपटान के लिए 'ट्रैक्टर ऋण ओटीएस योजना', 'एटीएल ओटीएस योजना' जैसी विभिन्न एकबारगी निपटान योजनाएं चलाई गईं। इन योजनाओं के तहत वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान ₹378 करोड़ की वसूली हुई।
- **चलाए गए अभियान** : बढ़ते एनपीए को रोकने और उसे कम करने के उद्देश्य से ओवरड्यू केसीसी के नवीकरण को गति देने हेतु "केसीसी (ज़ीरो एनपीए) अभियान" चलाया गया। संभावित दबावग्रस्त श्रेणी में 16.57 लाख से अधिक केसीसी का नवीकरण किया गया। केसीसी नवीकरण की स्थिति की दैनिक जानकारी के लिए दिसंबर 2013 में कितना बाकी है अभियान चलाया गया जिसमें कुछ बाकी नहीं में एसएमएस आधारित रिपोर्टिंग की जाती थी।

- किसानों के बीच ऋण वसूली संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नवोन्मेषी ग्रीन पॉवर योजना लागू की गई जिसके अंतर्गत कारपोरेट सामाजिक दायित्व के अधीन गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट उपलब्ध करवाकर गांवों को पुरस्कृत किया गया।

### कारपोरेट खातों की आस्ति गुणवत्ता में सुधार के उपाय

- सीएजी की आस्ति गुणवत्ता भली-भांति नियंत्रण में रही है तथा इसका कुल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए 0.99% है। सीएजी के पोर्टफोलियो का लगभग 87% निवेश श्रेणी का है जिसमें से 40% को बाह्य रेटिंग एजेंसियों द्वारा उच्चतम श्रेणी की रेटिंग दी गई है।
- आर्थिक मंदी के कारण भारतीय मध्य कारपोरेट समूह बहुत अधिक प्रभावित हुआ है जिससे आस्ति गुणवत्ता में गिरावट आई है। एमसीजी की अनर्जक आस्तियां मार्च 2013 में ₹18,443 करोड़ से बढ़कर मार्च 2014 में ₹32,715 करोड़ हो गई हैं। इस पर काबू पाने के लिए समूह ने मूल्यांकन/संस्वीकृति, अनुवर्ती कार्रवाई और पर्यवेक्षण की प्रक्रिया को सुदृढ़ किया है। आस्ति गुणवत्ता में सुधार के लिए कमजोर/दबावग्रस्त खातों के प्रोमोटर्स के साथ सावधानी बरतने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दबावग्रस्त आस्तियों की आवधिक समीक्षा तथा समाधान की कार्यनीतियां सुझाने के लिए बैंक ने अध्यक्ष/प्रबंध निदेशकों/मुख्य महाप्रबंधकों/महाप्रबंधकों/उप महाप्रबंधकों की अध्यक्षता में विभिन्न समितियां गठित की हैं।

एसएएमजी ने अपनी विशिष्ट सावधानी और संयुक्त प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2013-14 में बड़ी राशि के एनपीए और कुछ दशकों पुरानी प्राप्य राशि की ठोस वसूली की है। गत वर्ष कठिन परिस्थितियों के बावजूद हमने एसएएमबी/एसएआरबी/एसएआरसी की सहायता और एसएएमजी के अनवरत प्रयासों से एनपीए की वृद्धि रोकने में सक्षम हो पाए हैं।

ये वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान विशेष रूप से परिलक्षित हुए जब सकल और निवल एनपीए का प्रतिशत वर्ष में रहे क्रमशः 5.73% और 3.24% के उच्चतम स्तर से 78 आधार बिन्दु और 67 आधार बिन्दु की गिरावट लाई गई। अधिक जानकारी नीचे दी गई है:

### प्रदर्श 22 : एनपीए प्रबंधन

(₹ करोड़ में)

	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
वर्ष के प्रारंभ में सकल एनपीए	39,676	51,189	61,605
सकल एनपीए %	4.44	4.75	4.95
निवल एनपीए %	1.82	2.10	2.57
मानक श्रेणी से नई गिरावट	24,712	31,993	41,516
नकद वसूली/ग्रेड बढ़ना	9,618	14,885	17,924
बट्टे खाते डालना	744	5,594	13,176
बट्टे खाते डाले गए ऋणों में वसूली	962	1,066	1,543

एसएएमजी और बैंक की अन्य वसूली इकाइयां वित्त वर्ष 2014-15 की आस्तियों का स्तर उठाने की चुनौतियों से निपटने के लिए कटिबद्ध हैं जब



- Using Resolution Agents to take possession of properties mortgaged to the Bank and arranging for their auction.
- Using the e-auction platform to reach out to as many prospective bidders as possible.
- Considering Debt Asset swaps in some cases.
- Engaging investigation agencies to trace out unencumbered promoter and guarantor assets and obtaining attachment before judgements over these properties.
- Identifying Companies and promoters as Wilful Defaulters and arranging for display of their names on the websites of Credit Information Companies such as CIBIL. These names are also reported to the RBI.
- Publishing photographs of defaulters in newspapers where warranted.
- Persuading Large Corporate borrowers under stress to sell non-core assets, dilute their shareholding and bring in strategic investors thus reducing debt and improving viability.

#### Asset Quality Improvement measures for P-Segment

- The Special One Time Settlement (OTS) scheme for the National Lok Adalat/Bank Adalat to settle NPA accounts has been used diligently.
- SMSes are being sent to borrowers: (i) Seven days before EMI due date, (ii) One day before EMI due date, and (iii) After EMI due date.
- The scope of Bank's Contact Centre at Baroda and telecalling centre at SBI Cards/GE, Gurgaon has been expanded to encompass soft recovery follow-ups of all P-Segment Loans.
- A tie-up has been made with Shriram Automall India Limited (SAMIL) to assist operating functionaries in seizure and auction of vehicles.
- Use of Loan Origination Software (LOS) has been made mandatory for Auto Loans and Personal Loans (except Loan against Time Deposits, P-Segment Gold Loans and Education Loans) and its integration with the Risk Scoring Model (RSM) and CIBIL check to take care of many process related risks.

#### Asset Quality Improvement measures for Agriculture loans

- As far as agriculture loans were concerned, various One-Time Settlement Scheme (OTS) schemes like 'OTS Scheme for Tractor Loan', 'OTS Scheme for ATL' were rolled out for quick resolution of hardcore NPAs in Agri term loans. These schemes resulted in a recovery of ₹378 crores during FY 2013-14.
- **Campaigns launched:** 'KCC (Zero NPA) Campaign' was launched to drive renewal of overdue KCCs with the objective of arresting NPAs accretion and reduction. Over 16.57 lakhs KCCs in the likely stressed category were renewed. Kitna Baki Hai campaign was launched during December 2013 to drive daily monitoring of KCC renewal position through SMS based reporting to reach KBN (Kuchi Baki Nahil).

- Green Power represents an innovative scheme to improve loan recovery culture among farmers by rewarding the villages with solar street lights under corporate social responsibility.

#### Asset Quality Improvement measures for Corporate accounts

- The asset quality of CAG remained well under control with the gross NPAs at 0.99% of total advances. About 87% of CAG's portfolio is investment grade with 40% carrying the highest rating from the external rating agencies.
- Mid corporate segment has been more severely affected by the economic downturn, leading to deterioration in asset quality. The Non Performing Assets (NPAs) of MCG have increased from ₹18,443 crores in March 2013 to ₹32,715 crores in March 2014. To tackle this issue, the Group has strengthened the processes of appraisal/sanction, follow-up and supervision. Every effort is made to improve the asset quality through regular engagement with promoters of weak/ stressed accounts.

The Bank has formed various committees headed by Chairman/ Managing Directors/ Deputy Managing Directors/ Chief General Managers/ General Managers/ Deputy General Managers to periodically review stressed assets and suggest resolution strategies.

SAMG has brought in substantial recoveries in high value NPAs and some decades-old dues during FY 2013-14 due to its specialised attention and concerted efforts. Despite a harsh environment last year, we achieved a deceleration in NPA accretion due to SAMG's relentless efforts along with the support of SAMBs/ SARBs/ SARCs.

This was particularly evident during Q4 of FY 2013-14 when Gross and Net NPA percentages were brought down by 78 basis points and 67 basis points respectively from the peak levels of 5.73% and 3.24% witnessed during the year. More details are furnished below:

#### **Exhibit 22: NPA Management Performance** (₹ in crores)

	FY 2011-12	FY 2012-13	FY 2013-14
Gross NPAs at the end of the year	39,676	51,189	61,605
Gross NPA%	4.44	4.75	4.95
Net NPA%	1.82	2.10	2.57
Fresh Slippages	24,712	31,993	41,516
Cash Recoveries/ Upgradations	9,618	14,885	17,924
Write Offs	744	5,594	13,176
Recoveries in Written Off Accounts	962	1,066	1,543

The SAMG and other recovery outfits of the Bank are fully geared to meet the asset quality challenges of FY 2014-



अवधि-समाप्ति के दबाव जारी रहने की उम्मीद है। एक समयपूर्व चेतावनी प्रणाली की स्थापना प्रक्रियाधीन है। इससे आनेवाली रुग्णता और ऋण खातों पर दबाव का पता लगाया जा सकेगा ताकि समय रहते सुधार करने की कार्यवाही की जा सके। उन मामलों में समय पर पुनर्संरचना की जा सके जिनमें करना संभव हो। इससे मानक श्रेणी से गिरावट रोकी जा सकेगी और आस्तियों का स्तर अच्छा बनाए रखा जा सकेगा।

## II. सहायक एवं नियंत्रण परिचालन

### II. 1 सूचना प्रौद्योगिकी

#### कोर बैंकिंग परियोजना

सीबीएस व्यवस्था इस प्रकार से की गई है कि इसकी सहायता से एक बिलियन खातों में, एक दिन में 250 मिलियन से अधिक लेनदेन और प्रति सेकंड 17,000 से अधिक लेनदेन प्रविष्टियाँ की जा सकती हैं। दूसरे अधिप्रमाणन के रूप में बायोमेट्रिक अधिप्रमाणन सभी सीबीएस प्रयोक्ताओं के लिए शाखाओं में कार्यान्वित किया गया है। जोखिम का पता लगाना, आकलन करना, परिमाण जानना, उस पर नजर रखना और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों में विभिन्न जोखिमों को कम करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

#### वैकल्पिक चैनल

#### प्रदर्श 23: वैकल्पिक चैनल संवृद्धि (संख्या)

दिनांक	एटीएम	कियोस्क	नकदी जमा मशीनें (सीडीएम)	कुल
31.03.2013 को	25,247	1,230	698	27,175
31.03.2014 को	40,768	1,231	1,516	43,515

#### एटीएम

भारतीय स्टेट बैंक का अपने सहयोगी बैंकों के साथ विश्व का एक सबसे बड़ा एटीएम नेटवर्क है। इसमें 31.03.2014 को 51,491 से अधिक एटीएम थे। एसबीआई ने 17.04 करोड़ से अधिक कार्ड जारी किए हैं। एटीएम के आधार 24 स्विक की हाल ही में क्षमता बढ़ाई गई है और अब यह 50,000 से अधिक एटीएमों को संभाल सकता है।

इसका उद्देश्य देश के कोने-कोने में एटीएम सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना और ग्राहक-सुविधा में वृद्धि करना है। 2013-14 के दौरान एसबीआई ने 16,340 एटीएम संस्थापित की हैं जो भारतीय बैंकिंग उद्योग में इतनी बड़ी संख्या में एटीएम संस्थापित करने का एक कीर्तिमान है। 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार एटीएम की कुल संख्या 43,515 है।

भारत में कुल एटीएम के 26% मार्केट शेयर के साथ देश के कुल एटीएम लेनदेन के 38% लेनदेन एसबीआई के एटीएम नेटवर्क पर होते हैं। हमारे एटीएम नेटवर्क के माध्यम से औसतन 70.00 लाख से अधिक लेनदेन संपन्न होते हैं। हमारा एटीएम नेटवर्क देश का व्यस्ततम नेटवर्क है जिसमें हर दिन प्रत्येक एटीएम पर 200 से अधिक लेनदेन होते हैं। एसबीआई का अपना डेबिट कार्ड बेस 13.74 करोड़ है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, कमजोर दृष्टि वाले ग्राहकों को आवश्यक मौखिक दिशानिर्देश देने की सुविधा और 1000+ एटीएम में दी गई जिन्हें मिलाकर 31 मार्च 2014 को ऐसे एटीएम की संख्या 4,000+ हो गई है।

**नकदी जमा मशीनें (सीडीएम):** बैंक बड़ी संख्या में नकदी जमा मशीनें लगा रहा है ताकि ग्राहक अपने एटीएम-डेबिट कार्ड का उपयोग कर इन मशीनों पर अपनी नकदी जमा कर सकें। 31.03.2014 को संस्थापित नकदी जमा मशीनों की संख्या 1,516 रही। ग्राहकों की सुविधा के लिए ये नकदी जमा मशीनें 24X7 उपलब्ध हैं।

#### इंटरनेट बैंकिंग एवं ई-कॉमर्स

##### इंटरनेट बैंकिंग

इंटरनेट बैंकिंग सेवा बैंक की वेबसाइट 'https://www.onlinesbi.com' पर उपलब्ध है। बैंक का इंटरनेट बैंकिंग समाधान रिटेल और कारपोरेट दोनों प्रयोक्ताओं के लिए परिपूर्ण प्रोडक्ट है।



आपका बैंक आपकी जेब में

बैंक के नेट बैंकिंग प्लैटफॉर्म 'onlinesbi.com' पर उपक्रमों और सरकारी एजेंसियों सहित बैंक के रिटेल एवं कारपोरेट ग्राहकों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध हैं।

बैंक का नेट बैंकिंग प्लैटफॉर्म 'onlinesbi.com' सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी एजेंसियों सहित अपने खुदरा एवं कारपोरेट ग्राहकों को सुरक्षित एवं आसान आनलाइन बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराता है।

- वित्तीय वर्ष 2013-14 में इस कम खर्चीले चैनल पर 63.77 करोड़ लेनदेन हुए हैं जो विगत वर्ष से 52% अधिक हैं।
- कमजोर दृष्टिवाले ग्राहकों के लिए भी हमारा विशाल इंटरनेट बैंकिंग प्लैटफॉर्म सुविधाजनक बनाया गया है।
- कारपोरेट इंटरनेट बैंकिंग सरकारी कोषागार और लेखा विभाग के साथ भी लेनदेन करने के लिए लघु, मध्यम और बड़े कारपोरेट्स के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है।

**वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने ई-कॉमर्स में भी प्रमुखता से अपनी पहचान बनाई है :**

- स्टेट बैंक कलेक्ट अथवा निजी एग्रीगेटर्स के माध्यम से 15,000 से अधिक प्रत्यक्ष मर्चेन्ट तालमेल से वर्ष के दौरान बैंक ने 42 करोड़ से अधिक ई-कॉमर्स लेनदेन की सुविधा दी है।





15 when near-term pressure is expected to continue. We are in the process of establishing an Early Warning System to identify incipient sickness and stress in loan accounts so that we can take in advance corrective action, including timely restructuring in deserving cases. This would prevent slippages and maintain good asset quality.

## II. SUPPORT AND CONTROL OPERATIONS

### II. 1 Information Technology

#### Core Banking Project

CBS environment has been benchmarked to support one billion accounts, over 250 million transactions in a day, and delivering a throughput of over 17,000 transactions per second. Biometric authentication as a second-factor authentication has been implemented in branches for all CBS users. The process for the systematic and proactive risk identification, assessment, measurement, monitoring and mitigation of various risks in the IT vertical has been initiated.

#### Alternate Channels

**Exhibit 23: Alternate Channels Growth** (Numbers)

As on	ATMs	Kiosks	Cash Deposit Machines (CDMs)	Total
31.03.2013	25,247	1,230	698	27,175
31.03.2014	40,768	1,231	1,516	43,515

#### ATM

State Bank of India, along with its Associate Banks has one of the largest ATM networks in the world with more than 51,491 ATMs including Kiosks and Cash Deposit Machines as on 31.03.2014. SBI has issued more than 17.04 crores Cards. The ATM Base 24 Switch has recently been upgraded to handle close to 50,000 ATMs.

The objective is to strengthen ATM facilities across every nook and corner of this vast country and enhance customer convenience. During 2013-14, SBI has installed 16,340 ATMs, a record in India's banking history for such a massive ATM rollout. The total number of ATMs (standalone) now stands at 43,515 as on 31.03.2014.

With 26% of market share in India's ATM population, SBI's ATM network transacts 38% of the country's total ATM transactions. On an average, over 70.00 lakhs transactions per day are routed through our ATM network. Our ATM network is one of the busiest in the country with average hit rate of more than 200 transactions per day per ATM. SBI has a Debit Card base (standalone) of 13.74 crores.

More than 1000+ ATMs have been enabled as Talking ATMs for Visually Impaired Customers during FY 2013-14, which took the total Talking ATM strength to 4,000+ as on 31st March, 2014.

**Cash Deposit Machines (CDM):** SBI is aggressive in rolling out CDMs for cash deposit by customers at these machines by using their ATM-cum-Debit card. As on 31.03.2014, the number of CDMs installed was 1,516. These CDMs are available to the customer 24 x 7 for their convenience.

#### INB & e-Commerce

##### Internet Banking

Internet Banking service is available through the Bank's website "https://www.onlinesbi.com". The Bank's internet banking solution is a comprehensive product for both retail and corporate users.



 SBI e-Corner

The Bank's Net Banking Platform 'onlinesbi.com' provides secured and hassle-free on-line banking services to its retail and corporate customers, including PSUs and Government Agencies:

- This cost-effective channel has enabled 63.77 crores transactions during FY 2013-14, achieving 52% growth over the previous year.
- Our robust Retail Internet Banking platform has also been optimised for visually impaired customers.
- The Corporate Internet Banking is well suited to Small, Medium and Large Corporates in establishing traction with Government Treasury and Accounts Departments too.

**During FY 2013-14, the Bank has established itself as a major player in the e-Commerce space:**

- Through over 15,000 direct merchant tie-ups, through State Bank Collect or through private aggregators, the Bank has facilitated more than 42 crores e-Commerce transactions during the year.



■ सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों और सरकार के विभागों के पोर्टल के साथ इंटरफेस से नए मल्टी-ऑप्शन पेमेंट सिस्टम के माध्यम से टैक्स/फीस/ई-ट्रेडिंग/ई-ऑक्शन संबंधी ईएमडी के ऑन-लाइन संग्रहण की सुविधा प्रदान की जा रही है।

## भारतीय स्टेट बैंक ने आईबीए बैंकिंग टेक्नॉलाजी अवार्ड्स में नौ में से सात अवार्ड जीते

दि बेस्ट टेक्नॉलाजी बैंक ऑफ दि ईयर

बेस्ट इंटरनेट बैंक

बेस्ट यूज ऑफ मोबाइल टेक्नॉलाजी

बेस्ट यूज ऑफ टेक्नॉलाजी इन फिनैशियल इनक्लूजन

बेस्ट कस्टमर मैनेजमेंट इनिशिएटिव

बेस्ट यूज ऑफ टेक्नॉलाजी इन ट्रेनिंग एण्ड ई-लर्निंग

बेस्ट यूज ऑफ टेक्नॉलाजी इन बिजनेस इंटेलेजेंस

## आई टी- विदेश स्थित कार्यालय

बैंक के विदेश स्थित 153 कार्यालय 26 देशों में फैले हैं। ये कार्यालय फिनेकल कोर बैंकिंग सॉल्यूशन का अनेक प्रकार के अतिरिक्त/सहायक ऐप्लिकेशन के साथ प्रयोग किया जाता है जिससे ग्राहकों उच्च कोटि का बैंकिंग अनुभव कराने के साथ-साथ विनियामकों की सभी अपेक्षाओं की पूर्ति की जाती है।

## उद्यम सूचना-संग्रह विभाग

यह विभाग ग्राहक के बैंक में विभिन्न खातों की संपूर्ण जानकारी रिलेशनशिप मैनेजरों को उपलब्ध कराता है। इस जानकारी में हमारे सहयोगी बैंकों, अनुषंगियों जैसे एसबीआई लाइफ, एसबीआई कार्ड्स, एसबीआई मयूचुअल फंड्स के खाते भी शामिल होते हैं। इस जानकारी के आधार पर ये मैनेजर ग्राहकों की बेहतर सेवा कर पाते हैं। सूचना-संग्रह विभाग द्वारा बहुत सी आकलन और विश्लेषण रिपोर्टें भी नियमित रूप से तैयार की जाती हैं, जिससे व्यवसाय योजना बनाने में सहायता की जा सके।

## नेटवर्किंग

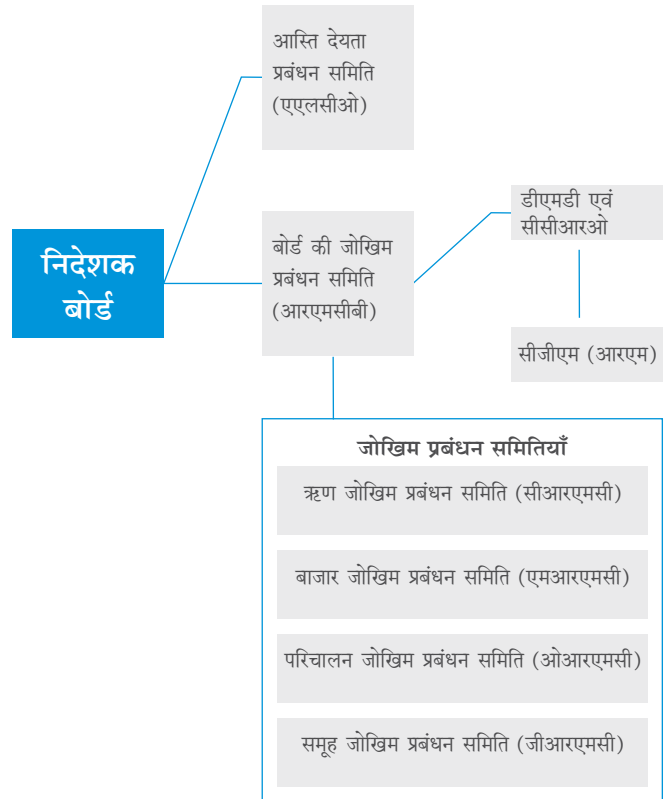
बैंक द्वारा एक सुरक्षित, परिपूर्ण वैन संरचना वाले नेटवर्क का कार्यान्वयन किया गया है जो लीज लाइनों और वीसैट के माध्यम से स्टेट बैंक समूह की सभी शाखाओं/कार्यालयों तथा एटीएमों को जोड़े हुए है। बैंक अपने नेटवर्क के बेहतर प्रदर्शन मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (एमपीएलएस) आर्किटेक्चर पर कार्य शुरू करने वाला है।

## कारपोरेट वेब एवं मेल सेवाएँ विभाग

बैंक के अपने सोशल मीडिया “एसबीआई आस्पिरेशंस” का सोशल साफ्टवेयर इस प्रकार से तैयार किया गया है कि यह व्यवसाय की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ बैंककर्मियों को और अधिक नवोन्मेषी और कार्यक्षम बनाने में सहायता कर सके। इसके जरिये व्यवसाय में तेजी से वृद्धि करने के लिए नए-नए विचारों का आदान-प्रदान किया जा सकता है। बैंक बाहरी सोशल मीडिया साइटों जैसे फेसबुक, ट्विटर और यू ट्यूब पर भी मौजूद है जिससे युवा पीढ़ी और आम जनता को सुना और जोड़ा जा सके।

## II. 2 जोखिम प्रबंधन और आंतरिक नियंत्रण

एसबीआई में जोखिम अभिनियंत्रण संरचना निम्नानुसार है :



बैंक की अपनी एक जोखिम अभिप्रबंधन संरचना अंतरराष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों के अनुरूप लागू है। इसका उद्देश्य कर्तव्यों का विभाजन करना और जोखिम आकलन, निगरानी और नियंत्रण कार्यों का अलग-अलग संचालन करना है। यह संरचना परिचालन स्तर पर व्यवसाय इकाइयों को अधिकार देने की संकल्पना पर आधारित है। इसमें प्रौद्योगिकी का प्रमुख प्रचालक के तौर पर उपयोग किया जाता है। इसके द्वारा जोखिम के उत्पन्न होते ही जोखिम की पहचान हो जाती है और तदनुसार उसके नियंत्रण की व्यवस्था की जाती है।

बैंक में एक देशगत जोखिम प्रबंधन नीति लागू है, जो भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बनाई गई है। इस नीति में मजबूत जोखिम प्रबंधन मॉडल की रूपरेखा दी गई है। इसमें देश, बैंक, उत्पाद और अन्य पक्षों से जोखिम के अनुरूप निपटने के उपाय सुझाए गए हैं। देश-वार और बैंक-वार जोखिम की नियमित आधार पर निगरानी और समीक्षा की जाती है। जोखिम की उच्चतम सीमा और वर्गीकरण में जोखिम की मात्रा में होने वाली कमी-वृद्धि के अनुरूप परिवर्तन किया जाता है। बैंक के हितों की रक्षा करने के लिए समय समय पर इनमें सुधार करने के लिए कदम उठाए जाते हैं।

## ऋण जोखिम

ऋणियों या अन्य पक्षों द्वारा स्वयं चूक करने या ऋण के मूल्य के कम होने के कारण ऋण-गुणवत्ता गिरने से जुड़ी संभावित हानियों को ऋण जोखिम कहा जाता है। ऋण जोखिम बैंक द्वारा किसी व्यक्ति, नॉन-कारपोरेट, कारपोरेट, बैंक, वित्तीय संस्था या सरकार के साथ लेनदेन से उत्पन्न होता है।



- On-line collection of Taxes/ Fee/ EMD towards e-Trading/ e-Auction is being facilitated through the new Multi-Option Payment System (MOPS) interfaced with portals of PSUs, Corporations and Govt. Departments.

## SBI was awarded seven out of nine awards in the IBA Banking Technology Awards:

- The Best Technology Bank of the Year
- Best Internet Bank
- Best use of Mobile Technology
- Best use of Technology in Financial Inclusion
- Best Customer Management Initiative
- Best use of Technology in Training and E-learning
- Best use of Technology in Business Intelligence

### IT - Foreign Offices

153 Foreign Offices of the Bank in 26 countries use the Finacle Core Banking solution along with a host of add on/surround applications to meet all the regulatory requirements besides providing high class customer experience.

### Enterprise Data Warehouse

'Customer One View' is a solution for a 360 degree view of holdings with the Bank, including that of our Associates and Subsidiaries, namely, SBI Life, SBI Cards, SBI Mutual Funds made available to the Relationship Managers to enable them to offer better customer service. Also, a large number of predictive and analytic reports are regularly being generated by the DWH to aid business planning.

### Networking

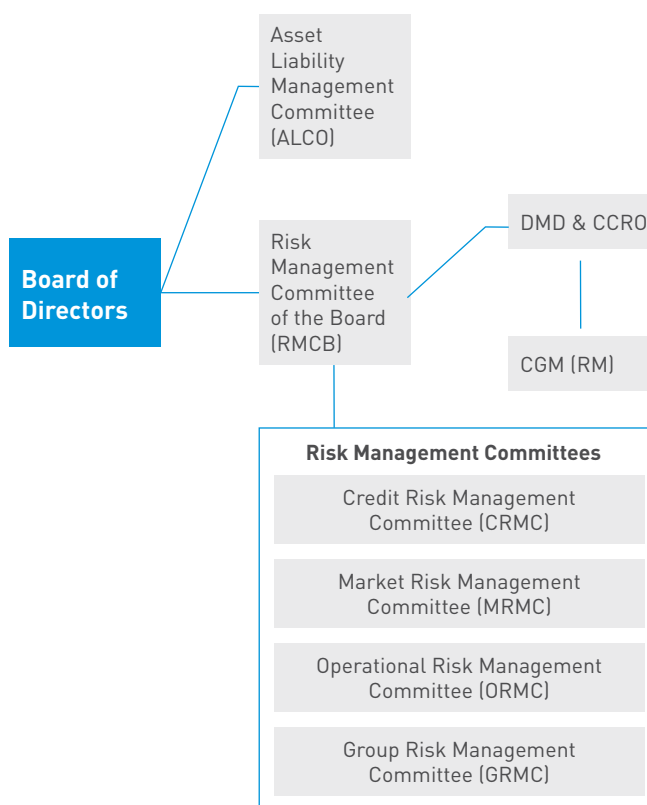
The Bank has implemented a secured, robust WAN architecture network connecting branches/offices and ATMs of State Bank Group through Leased lines and VSAT's. The Bank is in the process of migrating to Multi Protocol Label Switching (MPLS) architecture for improved network performance.

### Corporate Web and Mail Services

Internal Social Media "SBI Aspirations" social software is designed to meet the needs of business and empowers bank's employees to be more innovative and productive, where creative ideas can be exchanged that can foster increase in business growth. Bank has made available its presence on External Social Media sites like Facebook, Twitter and YouTube for listening to and engaging with generation Y customers and general public.

## II. 2 Risk Management and Internal Controls

### Risk governance structure at SBI



An independent Risk Governance Structure, in line with international best practices, has been put in place, in the context of separation of duties and ensuring independence of Risk Measurement, Monitoring and Control functions. This framework visualises empowerment of Business Units at the operating level, with technology being the key driver, enabling identification and management of risk at the place of origination.

The Bank has in place a Country Risk Management Policy in tune with RBI guidelines. The policy outlines a robust risk management model with prescriptions for Country, Bank, Product and Counterparty exposure limits. Both Country-wise and Bank-wise exposure limits are monitored and reviewed on a regular basis. The exposure ceilings and classifications are moderated in line with the dynamics of their risk profiles. Corrective steps are initiated periodically to safeguard the Bank's interests.

### Credit Risk

Credit Risk is defined as the possibility of losses associated with the diminution in the credit quality of borrowers or counterparties from outright default or from reduction in portfolio value. Credit Risk emanates from a bank's dealings with an individual, non-corporate, corporate, Bank, financial institution or sovereign.



### ऋण जोखिम कम करने के उपाय

- बैंक में ऋण जोखिम का पता लगाने, उसका आकलन करने, उस पर निगरानी रखने और उसका नियंत्रण करने के लिए बैंक में मजबूत ऋण आकलन और जोखिम आकलन पद्धतियाँ लागू हैं। बैंक अलग अलग व्यवसाय समूहों के ऋण जोखिम के आकलन के लिए विभिन्न प्रकार के अपने ऋण जोखिम आकलन मॉडलों का प्रयोग करता है।
- ऋण जोखिम प्रबंधन विभाग (सीआरएमडी) 37 उद्योगों का आकलन करता है। इन उद्योगों में दूरसंचार, बिजली, कोयला, विमानन, एनबीएफसी, कपड़ा, लौह और इस्पात भी शामिल हैं। यह परिचालन स्टाफ में रिपोर्टों का प्रसार भी करता है ताकि वे इनसे प्राप्त सूचना के आधार पर निर्णय ले सकें। अनुरोध प्राप्त होने पर कंपनियों/समूहों का विशेष आकलन भी करता है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को ऋण जोखिम की नवीनतम पद्धतियों के आधार पर स्वयं मूलभूत आकलन करने (एफआईआरबी) की अनुमति प्रदान की है।
- एफआईआरबी पद्धति से मूल्यांकन करने के लिए नियुक्त बाहरी परामर्शदाता के मार्गदर्शन में सीआरएम परियोजना बैंक द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।
- एफआईआरबी पद्धति के कारगर कार्यान्वयन के लिए अभिप्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत बना दिया गया है। इस संबंध में बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) द्वारा नई नीतियाँ अनुमोदित की गई हैं।
- चूक की संभावना के आकलन (पीडी), हानिप्रद चूक (एलजीडी) और चूक के समय ऋण जोखिम (ईएडी) के आकलन के लिए मॉडल विकसित किए गए हैं।
- बैंक अपने ऋणों पर तनाव का नियमित रूप से आकलन करता है और तनाव की अद्यतन मात्रा का भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों, बैंकिंग उद्योग की सर्वोत्तम पद्धतियों और समस्त आर्थिक घटकों में होने वाले परिवर्तनों के अनुरूप आकलन किया जाता है।
- ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं।

### बाजार जोखिम

बाजार जोखिम बैंक को होने वाली वह संभावित हानि है जो शेयरों की खरीद-फरोख्त के मूल्य में परिवर्तन के कारण; विनिमय दरों, ब्याज दरों, इक्विटी मूल्य जैसे बाजार घटकों में परिवर्तन आदि के कारण होती है।

### बाजार जोखिम कम करने के उपाय

- बैंक के बाजार जोखिम प्रबंधन में जोखिमों का पता लगाना, जोखिमों का आकलन करना, नियंत्रण के उपाय करना, निगरानी और रिपोर्टिंग प्रणालियाँ आती हैं।
- बैंक में विदेशी मुद्रा के लेनदेन, डेरिवेटिव, ब्याज दर, प्रतिभूतियाँ, इक्विटी और म्यूचुअल फंड के उक्त जोखिमों से संबंधित बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियाँ लागू हैं। बाजार जोखिमों पर नियंत्रण विभिन्न जोखिम सीमाओं जैसे रात भर की निवल प्रारंभिक स्थिति, संशोधित अवधि, स्टॉप लॉस, प्रबंधन कार्रवाई उत्प्रेरक, कटलॉस उत्प्रेरक, जोखिम बहुलता और जोखिम की मात्रा आदि के आधार पर किया जाता है। इसका उल्लेख संबंधित नीतियों में किया गया है।

- वर्तमान समय में, बाजार जोखिम पूंजी का परिकलन मानकीकृत आकलन प्रणाली (एसएमएम) के द्वारा किया जाता है। बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक को एक आशय पत्र दिया है जिसमें बाजार जोखिम की नवीनतम पद्धतियों के तहत आंतरिक मॉडल पद्धति (आईएमए) को लागू करने का प्रस्ताव रखा है।
- आईएमए बैंक के कुल शेयर खरीद-फरोख्त पर नजर रखने के लिए एक जोखिम आधारित मूल्य निर्धारण प्रणाली है। इस प्रणाली के साथ-साथ कुल खरीद-फरोख्त पर दबाव का तिमाही आधार पर आकलन भी किया जाता है।
- आईएमए प्रणाली पर बाजार जोखिम प्रबंधन करने की परियोजना बैंक द्वारा इसके लिए नियुक्त बाहरी परामर्शदाता के मार्गदर्शन में कार्यान्वित की जा रही है।
- बैंक के बाजार जोखिम की निगरानी एवं समीक्षा बाजार जोखिम प्रबंधन समिति (एमआरएमसी) और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

### परिचालन जोखिम

परिचालन जोखिम हानि की वह जोखिम है जो आंतरिक प्रक्रियाओं, जनसमूह एवं प्रणालियों की अपर्याप्तता या असफलता या बाह्य घटनाओं के कारण होती है।

### परिचालन जोखिम कम करने के उपाय

- बैंक में परिचालन जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य प्रणालियों एवं नियंत्रण पद्धतियों की निरंतर समीक्षा करना, सारे बैंक में परिचालन जोखिम के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जोखिम दायित्व का निर्धारण करना, व्यवसाय कार्यनीति में जोखिम प्रबंधन कार्यकलाप को शामिल करना और नियामक अपेक्षाओं की पूर्ति सुनिश्चित करना है, जो बैंक की परिचालन जोखिम प्रबंधन नीति के प्रमुख घटक हैं।
- नवीनतम आकलन पद्धति (एएमए) अपनाने हेतु परिचालन जोखिम प्रबंधन संरचना (ओआरएमएफ) और परिचालन जोखिम आकलन प्रणाली (ओआरएमएस) के विषय में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार महत्वपूर्ण नीतियाँ, मैनुअल और संरचना संबंधी प्रलेख लागू किए गए हैं।
- परिचालन जोखिम की नवीनतम पद्धतियों के तहत नवीनतम आकलन पद्धति (एएमए) अपनाने हेतु बैंक अपना आशय पत्र भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रस्तुत कर चुका है।
- नवीनतम आकलन पद्धति (एएमए) अपनाने हेतु परिचालन जोखिम प्रबंधन परियोजना बैंक द्वारा इसके लिए नियुक्त बाहरी परामर्शदाता के मार्गदर्शन में कार्यान्वित की जा रही है।
- बैंक-स्तरीय परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) बैंक के परिचालन जोखिम की समय-समय पर समीक्षा करती है और बैंक में परिचालन जोखिम के प्रबंधन के लिए नियंत्रण/न्यूनीकरण के उपयुक्त उपाय सुझाती है। परिचालन इकाई और व्यवसाय इकाई के स्तर पर जोखिम प्रबंधन समितियाँ गठित हैं।

### समूह जोखिम

समूह जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य समूह की इकाइयों में एकसमान जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाएँ लागू करना है। समूह जोखिम प्रबंधन समिति कार्यपालकों की एक समिति है जो उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ऋण एवं जोखिम अधिकारी के नेतृत्व में समूह की इकाइयों के जोखिम कार्यों के प्रबंधन पर नजर रखने के लिए गठित की गई है।



### Mitigation measures

- The Bank has strong credit appraisal and risk assessment practices in place for identification, measurement, monitoring and control of the credit risk exposures. The Bank uses various internal Credit Risk Assessment Models for assessing credit risk under different exposure segments. Internal ratings of the Bank are subject to comprehensive rating validation framework.
- Credit Risk Management Department (CRMD) studies 37 industries, including sectors, such as Telecom, Power, Coal, Aviation, NBFC, Textile, Iron and Steel and disseminates the reports to operating staff for informed decision-making. Specific studies on Companies/ Groups as required are also conducted.
- RBI has allowed the Bank to participate in the parallel run process for Foundation Internal Ratings Based (FIRB) under the Advanced Approaches for Credit Risk.
- The CRM project for migration to FIRB is being implemented by the Bank with guidance from an external Consultant appointed for the purpose.
- The governance structure has been made more robust for effective implementation of the FIRB and new policies related to the same have been approved by the Risk Management Committee of the Board (RMCB).
- Models for estimation of Probability of Default (PD), Loss Given Default (LGD) and Exposure at Default (EAD) have been developed.
- Bank regularly conducts Stress Test on its Credit portfolio and Stress Scenarios are regularly updated in line with RBI guidelines, Industry best practices and changes in macro economic variables.
- Credit Risk Management Committee (CRMC) and Risk Management Committee of Board (RMCB) meetings were held regularly.

### Market Risk

Market Risk is the possibility of loss a Bank may suffer on account of changes in values of its trading portfolio, due to change in market variables, such as exchange rates, interest rates and equity price, among others.

### Mitigation measures

- The Bank's market risk management consists of identification and measurement of risks, control measures, monitoring and reporting systems.
- The Bank has Board approved policies pertaining to the said risks for Trading in Foreign Exchange, Derivatives, Interest Rate Securities, Equities and Mutual Fund. Market risks are controlled through various risk limits, such as Net Overnight Open Position, Modified Duration, Stop Loss, Management Action Trigger, Cut Loss Trigger, Concentration and Exposure Limits, among others as mentioned in the respective policies.

- Currently, market risk capital is computed under the Standardised Measurement Method (SMM). The Bank has submitted its Letter of Intent to the Reserve Bank of India to migrate to the Internal Models Approach (IMA) under the Advanced Approaches for market risk.
- IMA is a Value at Risk (VaR) based tool for monitoring of the Bank's trading portfolio. The VaR methodology is supplemented by conducting quarterly stress tests of the trading portfolio.
- The MRM project for migration to IMA is being implemented by the Bank with guidance from an external Consultant appointed for the purpose.
- SBI's Market Risk is monitored and reviewed by the Market Risk Management Committee (MRMC) and the Risk Management Committee of the Board (RMCB) which meet regularly.

### Operational Risk

Operational Risk is the risk of loss resulting from inadequate or failed internal processes, people and systems or from external events.

### Mitigation measures

- The main objectives of the Bank's Operational Risk Management are to continuously review systems and control mechanisms, create awareness of operational risk throughout the Bank, assign risk ownership, align risk management activities with business strategy and ensure compliance with regulatory requirements, which are the key elements of the Bank's Operational Risk Management Policy.
- Important policies, manuals and framework documents in line with RBI guidelines on Operational Risk Management Framework (ORMF) for migration to Advanced Measurement Approach (AMA) are in place.
- The Bank has already submitted its Letter of Intent (LOI) to migrate to the Advanced Measurement Approach (AMA) under the Advanced Approaches for Operational risk.
- The ORM project for migration to AMA is being implemented by the Bank with guidance from external Consultant appointed for the purpose.
- The Bank-level Operational Risk Management Committee (ORMC) reviews the operational risk profile of the Bank periodically and recommends suitable controls/ mitigations for managing operational risk in the Bank. Risk Management Committees at Operational unit and Business unit level are in place.

### Group Risk

Group Risk Management aims to put in place standardised risk management processes in Group entities. Group Risk Management Committee, a committee of executives, has been constituted under the chairmanship of the DMD and CCRO to oversee the management of risk functions across the Group entities.



### समूह जोखिम कम करने के उपाय

- ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम और चलनिधि जोखिम आदि के जोखिम-आधारित मानदंडों का तिमाही विश्लेषण समूह जोखिम प्रबंधन समिति/बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को प्रस्तुत किया जाता है।
- बड़े ऋणियों से संबंधित जोखिम और पूंजी बाजार जोखिम की सीमाएँ भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार समूह के लिए निर्धारित हैं। इसके अतिरिक्त, अप्रतिभूत जोखिम, भूमि और भवन तथा समूहों के भीतर जोखिम सीमाएँ बैंक द्वारा निर्धारित की गई हैं।
- समूह जोखिम पर एक स्वैच्छिक वार्षिक प्रकटीकरण बैंक के प्रकाशित प्रकटीकरणों में किया जाता है।
- समूह के आंतरिक पूंजी पर्याप्तता प्रक्रिया (ग्रुप आईकैप) दस्तावेज में समूह की इकाइयों द्वारा पता लगाए गए जोखिमों के आकलन, आंतरिक नियंत्रण और जोखिम कम करने के उपाय जोखिम सीमाओं सहित जहाँ उचित है और पूंजी आकलन सामान्य और दबाव की स्थितियों के लिए शामिल किए गए हैं। समूह की सभी इकाइयाँ गैर-बैंकिंग इकाइयों सहित आईकैप प्रक्रिया पूरी करती हैं और एक समूह आईकैप नीति एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए लागू की गई है।
- समूह जोखिम प्रबंधन कार्यों की देखरेख करने और विश्व-स्तरीय सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए बैंक ने हाल ही में समूह जोखिम प्रबंधन परियोजना प्रारंभ की है।

### उद्यम जोखिम

उद्यम जोखिम प्रबंधन का लक्ष्य चलनिधि जोखिम, ब्याज दर जोखिम और ऋण संकेंद्रीकरण जोखिम जैसे बड़े जोखिमों के प्रबंधन के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करना है। इससे अन्यो के साथ साथ आनलाइन परिचालन प्रभावित हो सकते हैं।

### उद्यम जोखिम कम करने के उपाय

- चलनिधि जोखिम, ब्याज दर जोखिम और ऋण संकेंद्रीकरण जोखिम जैसे स्तंभ I एवं स्तंभ II जोखिमों के अलावा पूंजी पर्याप्तता एवं सामान्य व तनावग्रस्त परिस्थितियों के अंतर्गत जोखिम प्रबंधन की समस्त प्रणाली की मूल्यांकन प्रक्रिया (आईसीएपी) लागू की गई है।
- व्यावसायिक उद्देश्यों के अनुरूप अपने कार्यों को युक्तिपरक कार्य बनाने के लिए बैंक द्वारा प्रारंभ की गई जोखिम प्रबंधन परियोजना के तहत बैंक ने उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा लागू किया है।

### सूचना सुरक्षा जोखिम

सूचना सुरक्षा जोखिम नियंत्रण का उद्देश्य कठोर सूचना सुरक्षा ढांचा लागू करना है क्योंकि सूचना के सुरक्षित न रहने पर सूचना की हानि हो सकती है या सूचना के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

### सूचना सुरक्षा जोखिम कम करने के उपाय

- बैंक ने एक मजबूत सूचना प्रौद्योगिकी नीति और सूचना प्रणाली सुरक्षा नीति कार्यान्वित की है जो सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं के अनुरूप है। इन नीतियों की समय समय पर समीक्षा की जाती है और इसे आने वाले खतरों का सामना करने के लिए काफी मजबूत बनाया गया है।
- सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्टाफ को और अधिक जागरूक बनाने के लिए नियमित सुरक्षा अभ्यास एवं कर्मचारी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए

जाते हैं। ग्लोबल आईटी सेक्टर, बेलापुर में व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन प्रणाली (बीसीएमएस) कार्यान्वित की गई है। एसबीआई अपने आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अनेक प्रकार के हमले और खतरों पर 24 X 7 X 365 नजर रखने के लिए अपना एक अलग सुरक्षा परिचालन केंद्र (एसओसी) स्थापित करने में भी सबसे आगे है।

- संकट से बचाव के अभ्यास व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन प्रणाली (बीसीएमएस) के तहत नियमित रूप से किए जाते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों की सुरक्षा के लिए व्यवसाय निरंतरता अभ्यास वित्त वर्ष के दौरान 19 जनवरी 2014 को किया गया। बैंक की महत्वपूर्ण सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियाँ इंटरनेशनल बीसीएमएस स्टैंडर्ड-आईएसओ 22301:2012 के अनुरूप हैं।

### आंतरिक नियंत्रण

बैंक में अंतर्निर्मित आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ मौजूद हैं और प्रत्येक स्तर के लिए सुस्पष्ट उत्तरदायित्व निर्धारित हैं। बैंक अपने निरीक्षण एवं लेखा-परीक्षा विभाग (आई एंड एम ए) के माध्यम से आंतरिक लेखा-परीक्षा करता है। बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति (एसीबी) आई एंड एम ए विभाग की कार्यप्रणाली पर निगरानी एवं नियंत्रण रखती है। निरीक्षण प्रणाली की आंतरिक लेखा-परीक्षा कार्य के माध्यम से जोखिम की पहचान, नियंत्रण और प्रबंधन करने में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और इसे कारपोरेट अभिशासन के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक माना गया है। बैंक मुख्यतया दो स्तरीय लेखा-परीक्षाएँ करता है-जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखा-परीक्षा (आरएफआईए) और प्रबंधन लेखा-परीक्षा। इनके माध्यम से आंतरिक लेखा-परीक्षा की विभिन्न अपेक्षाओं की पूर्ति की जाती है। बैंक की सभी लेखा इकाइयों की जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखा-परीक्षा की जाती है। बैंक की प्रबंधन लेखा-परीक्षा प्रशासनिक कार्यालयों की भी की जाती है और इसमें उनके कार्यों की गुणवत्ता के साथ साथ नीतियों और कार्यविधियों के अनुपालन की जांच भी की जाती है।

इसके अतिरिक्त, यह विभाग ऋण लेखा-परीक्षा, सूचना प्रणाली लेखा-परीक्षा (केंद्रीकृत सूचना प्रौद्योगिकी प्रतिष्ठानों और शाखाओं), मूल कार्यालय (होम ऑफिस) लेखा-परीक्षा (विदेश स्थित कार्यालयों की लेखा-परीक्षा) और व्यय लेखा-परीक्षा (प्रशासनिक कार्यालयों में) भी करता है तथा संगामी लेखा-परीक्षा (देश और विदेश में स्थित कार्यालयों) और मंडल लेखा-परीक्षा नीति एवं उसके कार्यान्वयन पर निगरानी भी रखता है। शाखाओं में अनियमितताओं के निराकरण के स्तर का सत्यापन करने के लिए कुछ चुनी हुई शाखाओं में अनुपालन की लेखा-परीक्षा भी की जाती है। 01.04.2013 से 31.03.2014 तक की अवधि के दौरान देश में स्थित 9,230 शाखाओं/बीपीआर इकाइयों की जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखा परीक्षा की गई।

### जोखिम केंद्रीकृत आंतरिक लेखा-परीक्षा

आईएण्डएमए विभाग आरएफआईए के माध्यम से लेखा-परीक्षा की हुई इकाइयों के संपूर्ण कार्यों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा करता है जो भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार जोखिम आधारित पर्यवेक्षण के लिए सहायक है। व्यवसाय प्रोफाइल और जोखिम वित्तीय संबद्धता के आधार पर सभी देशीय शाखाओं को तीन समूहों (समूह I, II एवं III) में अलग-अलग किया गया है। यद्यपि समूह-I वाली शाखाओं की लेखा-परीक्षा का प्रबंधन केंद्रीय लेखा-परीक्षा इकाई (सीयू) द्वारा किया जाता है, जबकि समूह-II। समूह-III की शाखाओं तथा व्यवसाय प्रक्रिया पुनर्विन्यास (बीपीआर) इकाइयों की लेखा-परीक्षा तेरह आंचलिक निरीक्षण कार्यालयों द्वारा संचालित की जाती है जिनमें प्रत्येक कार्यालयों में महाप्रबंधक प्रमुख अधिकारी होते हैं।



### Mitigation measures

- A quarterly analysis of risk-based parameters for Credit Risk, Market Risk, Operational Risk and Liquidity Risk, among others, is presented to Group Risk Management Committee/Risk Management Committee of the Board.
- Exposure limits for Large Borrower Exposure and Capital Market Exposure as per RBI have been adopted for the Group. In addition, limits for Unsecured Exposures, Real Estate and Intra-Group Exposures have been set by the Bank.
- A voluntary annual disclosure on Group Risk is part of the Bank's published Disclosures.
- The Group Internal Capital Adequacy Assessment Process (Group ICAAP) document includes an assessment of identified risks by Group entities, internal controls and mitigation measures, and capital assessment, under normal and stressed conditions. All Group entities, including Non-banking entities, carry out the ICAAP exercise and a Group ICAAP Policy is in place to ensure uniformity.
- To overhaul the Group Risk Management and adopt global best practices, the Bank has embarked upon a Group Risk Management Project recently.

### Enterprise Risk

Enterprise Risk Management aims to put in place a comprehensive framework to manage various risks. It encompasses Global best practices like Risk Appetite, Risk Aggregation and Risk-based Performance Management System.

### Mitigation measures

- For assessment of Pillar 1 risks and Pillar 2 risks, such as Liquidity Risk, Interest Rate Risk, Credit Concentration Risk, as well as adequacy of Capital and overall Risk Management practices under normal and stressed conditions, the Bank has comprehensive Internal Capital Adequacy Assessment Process (ICAAP) in place.
- As part of the Bank's Risk Management Project to transform its role into a Strategic function, aligned with Business Objectives, Bank has initiated the Enterprise Risk Management (ERM) module.

### Information Security risk

Information Security risk seeks to establish stringent information security structure to prevent data loss and threats.

### Mitigation measures

- The Bank has implemented a robust IT policy and Information System Security policy, which are in line with international best practices. These policies are reviewed periodically and suitably strengthened to address emerging threats.
- Regular security drills and employee awareness programmes are conducted to ensure security and

increase awareness. Business Continuity Management Systems (BCMS) have been implemented at the Bank's Global IT Centre, Belapur. SBI is a forerunner in setting up of an in-house Security Operations Centre (SOC) for 24 x 7 x 365 monitoring of various attacks and threats on its IT infrastructure, which was made operational recently.

- Disaster Recovery Drills are conducted regularly as part of the implementation of the Business Continuity Management System (BCMS). The Business Continuity Exercise for the IT Systems during the financial year was held on 19th January, 2014. Critical IT Systems of the Bank are compliant with the International BCMS Standard – ISO 22301:2012.

### Internal Controls

The Bank has in-built internal control systems with well-defined responsibilities at each level. It conducts internal audit through its Inspection & Management Audit Department. Audit Committee of the Board (ACB) exercises supervision and control over the functioning of the I & MA Department. The inspection system plays an important and critical role in identification, control and management of risks through the internal audit function, which is regarded as one of the most important components of Corporate Governance. The Bank carries out mainly two streams of audits – Risk Focused Internal Audit (RFIA) and Management Audit, covering different facets of Internal Audit requirement. The Bank's accounting units are subjected to RFIA. The Bank's Management Audit covers administrative offices and examines policies and procedures, besides quality of execution thereof.

Besides, the department conducts Credit Audit, Information Systems Audit (Centralised IT establishments & Branches), Home Office Audit (audit of foreign offices) and Expenditure Audit (at administrative offices) and oversee policy and implementation of Concurrent Audit (domestic and foreign offices) and Circle Audit. To verify the level of rectification of irregularities by branches, audit of compliance at select branches is also undertaken. During the period 01.04.2013 to 31.03.2014, 9,230 domestic branches/BPR entities were audited under the Risk Focused Internal Audit.

### Risk Focused Internal Audit

I&MA Dept undertakes a critical review of the entire operations of audited units through RFIA an adjunct to Risk Based Supervision as per RBI directives. The domestic branches have been broadly segregated into three groups (Group I, II & III) on the basis of business profile and risk exposures. While audit of Group I branches is administrated by the Central Audit Unit (CAU), audit of branches in Group II and III category and Business Process Re-engineering (BPR) entities are conducted by 13 Zonal Inspection Offices, each of which is headed by a General Manager.

### Management Audit

With the introduction of RFIA, Management Audit has been reoriented to focus on the effectiveness of risk management in the processes and the procedures followed in the Bank. Management Audit encompasses



### प्रबंधन लेखा-परीक्षा

आरएफआईए (लेखा-परीक्षा) की शुरुआत होने से, प्रबंधन लेखा-परीक्षा को पुनराभिमुख किया गया है जिससे बैंक में अनुपालन की जाने वाली प्रक्रियाओं एवं कार्यविधियों में जोखिम प्रबंधन की प्रभावकारिता पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। संपूर्ण प्रबंधन लेखा-परीक्षा में कारपोरेट केंद्र की संस्थापनाओं/मंडल स्थानीय प्रधान कार्यालयों/शीर्ष प्रशिक्षण संस्थानों, सहयोगी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की प्रबंधन लेखा-परीक्षा करना शामिल होता है। प्रबंधन लेखा-परीक्षा की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए इसकी अवधि तीन वर्ष में एक बार से घटाकर दो वर्ष में एक बार की गई।

### ऋण लेखा-परीक्षा

ऋण लेखा-परीक्षा का उद्देश्य प्रति वर्ष ₹10 करोड़ और उससे अधिक की वित्तीय संबद्धता वाले अलग-अलग बड़े वाणिज्यिक ऋणों की महत्वपूर्ण ढंग से जांच करते हुए बैंक के वाणिज्यिक ऋण संविभाग की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना है। ऋण लेखा-परीक्षा प्रणाली इकाई में ऋण (अग्रिम) संविभाग की गुणवत्ता के बारे में चेतावनी संकेतों के रूप में व्यवसाय इकाई के लिए प्रतिसूचना भी उपलब्ध कराती है और सुधारात्मक उपायों के बारे में सुझाव देती है। ऋण लेखा-परीक्षा में ₹5 करोड़ से अधिक के सभी अलग-अलग अग्रिमों की संस्वीकृति संवर्धन/नवीकरण के 6 महीने के अंदर संस्वीकृति प्रक्रिया की समीक्षा (ऋण समीक्षा कार्य पद्धति) भी की जाती है। दिनांक 01.04.2013 से 31.03.2014 की अवधि के दौरान 8,623 खातों को ऋण लेखा-परीक्षा ऑन-साइट के अध्वधीन रखा गया है।

### सूचना प्रणाली लेखा-परीक्षा

शाखा की आरएफआईए लेखा-परीक्षा के भाग के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से संबंधित जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए सभी शाखाओं को सूचना प्रणाली (आईएस) लेखा-परीक्षा के अध्वधीन रखा जा रहा है। केंद्रीकृत आईटी संस्थापनाओं की आईएस लेखा-परीक्षा योग्यता प्राप्त अधिकारियों के एक दल के द्वारा की जाती है। दिनांक 01.04.2013 से 31.03.2014 के दौरान 49 केंद्रीकृत आईटी संस्थापनाओं की सूचना प्रणाली (आईएस) लेखा-परीक्षाएं पूर्ण की गईं।

### विदेश स्थित कार्यालयों की लेखा-परीक्षा

दिनांक 01.04.2013 से 31.03.2014 की अवधि के दौरान, पांच शाखाओं में होम आफिस लेखा-परीक्षा, 5 प्रतिनिधि कार्यालयों/केंद्र हेड आफिसों में और 1 अनुषंगी/संयुक्त उद्यम में प्रबंधन लेखा-परीक्षा की गई।

### संगामी लेखा-परीक्षा

संगामी लेखा-परीक्षा प्रणाली सुदृढ़ आंतरिक लेखा कार्यों, प्रभावी नियंत्रणों की स्थापना करने और सतत आधार पर परिचालनों की निगरानी संगामी लेखा-परीक्षा प्रणाली की सतत आधार पर समीक्षा की जाती है जिससे कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित बैंक के अग्रिमों और अन्य जोखिम वित्तीय संबद्धता को शामिल किया जा सके; आई एण्ड एम ए विभाग शाखाओं और बीपीआर इकाइयों में संगामी लेखा-परीक्षा के संचालन हेतु प्रक्रिया, दिशा-निर्देश और प्रारूप निर्धारित करता है। वर्ष के दौरान, संगामी लेखा-परीक्षा प्रणाली को एक नया रूप दिया गया और इसमें एक वेब आधारित समाधान शुरू किया गया।

### मंडल लेखा-परीक्षा

मंडल लेखा-परीक्षा जो एक प्रत्यायोजित लेखा-परीक्षा है जिसमें निम्न जोखिम वाले क्षेत्र शामिल होते हैं और यह दो आरएफआईए के बीच संचालित की जाती है। इससे लेखा-परीक्षा की हुई इकाई के लिए आरएफआईए के लिए अच्छी तरह से तैयारी करना बेहतर हो जाता है। दिनांक 01.04.2013 से 31.03.2014 तक की अवधि के दौरान 9,069 इकाइयों की लेखा-परीक्षा मंडल लेखा परीक्षा द्वारा की गई।

### II. 3 सतर्कता

बैंक के सतर्कता प्रशासन का प्रमुख कार्य केवल गंभीर उल्लंघनों के मामलों में समुचित अनुशासनिक कार्रवाई करके नियमों एवं विनियमों का अनुपालन न किए जाने की जांच करना ही नहीं है, इसके साथ-साथ प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा करके ऐसे मामलों को रोकने के लिए विभिन्न उपाय सुझाना और उनका कार्यान्वयन कराना भी है जिससे नियमों एवं विनियमों को बेहतर ढंग से लागू कराया जा सके और अनियमितताओं में कमी आए।

सतर्कता की अवधारणा विगत वर्षों में केवल जांच-प्रक्रिया और दंड देने की कार्रवाई न रहकर 'कारपोरेट विकास के लिए सतर्कता' के रूप में उभरी है, दंडात्मक सतर्कता के स्थान पर अब सभी संबंधितों के सक्रिय सहयोग से 'निवारण और पूर्वोपायी सतर्कता' पर बल दिया जा रहा है। बैंक के कुछ प्रमुख निवारण उपायों का नीचे उल्लेख किया गया है :

- शाखाओं और बीपीआर इकाइयों में निवारक सतर्कता समिति (पीवीसी) का तिमाही अंतरालों पर आयोजन किया जा रहा है।
- विसल ब्लोअर स्क्रीम के तहत, हमारे स्टाफ सदस्य अनियमित और अनैतिक व्यवहार, यदि कोई हों, सक्षम प्राधिकारियों को सूचित कर सकते हैं, चाहे इसमें कोई सहकर्मी या कोई वरिष्ठ भी शामिल हों।
- धोखाधड़ी/शिकायत की संभावना वाली शाखाओं में अचानक जांच की जाती है। इन जांचों का प्रमुख उद्देश्य शाखा द्वारा प्रणालियों और कार्यविधियों का अनुपालन न करने के ऐसे मामलों का पता लगाना है जिनमें भविष्य में धोखाधड़ी हो सकती है। यदि रिपोर्ट में किन्हीं अनियमित व्यवहारों का उल्लेख होता है, तो उन्हें रोकने के लिए उचित उपाय किए जाते हैं।

31.03.2014 की स्थिति के अनुसार, अधिकारियों के 1,024 मामलों की सतर्कता की दृष्टि से जांच की गई। पिछले वित्त वर्ष में ऐसे मामलों की संख्या 1,160 थी।

### II.4 मानव संसाधन

बैंक आज भारत में सबसे पसंदीदा नियोक्ता और सर्वाधिक कर्मचारी-हितैषी संगठन है। मानव संसाधन संपरीक्षा और व्यापक मानव संसाधन प्रक्रियाओं के आधार पर निर्मित महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रबंधन कार्यनीतियों के आधार पर बैंककर्मियों से संवाद स्थापित करने और ध्यानपूर्वक उत्तराधिकार योजना द्वारा नेतृत्व क्षमता विकसित करने में सहायता मिलती है।

### एचआर पुरस्कार एवं सम्मान

- एचआर एक्सलेंस के लिए गोल्डन पीकॉक अवार्ड
- नवोन्मेषी एचआर व्यवहार के लिए वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस अवार्ड
- भर्ती में नवोन्मेषन के लिए वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस अवार्ड

प्रतिभा प्रबंधन को भी संगठन की प्रभावकारिता में उतना ही महत्वपूर्ण माना गया है। तदनुसार, हमारे बैंक का निरंतर प्रयास रहता है कि कार्यनीतिक व्यवसाय भागीदार के तौर पर मानव संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाया जाए।





Corporate Centre establishments / Circle Local Head Offices / Apex Training Institutions, Associate Banks and Regional Rural Banks (RRB) sponsored by the Bank. To enhance the effectiveness of Management Audit, periodicity has been reduced from the existing once in three years to two years.

#### Credit Audit

Credit Audit aims at achieving continuous improvement in the quality of Commercial Credit portfolio of the Bank through critically examining individual large commercial loans with exposures of ₹10 crores and above annually. The Credit Audit System also provides feedback to the business unit by way of warning signals about the quality of advance portfolio in the unit and suggests remedial measures. Credit Audit also carries out a review (Loan Review Mechanism) of all the pre-sanction and sanction process of all individual advances above ₹5 crores within 6 months of sanction / enhancement / renewal. During the period from 01.04.2013 to 31.03.2014, 8,623 accounts were subjected to on-site Credit Audit.

#### Information System Audit

All Branches are being subjected to Information System (IS) Audit to assess the IT related risks as part of RFIA of the branch. IS Audit of centralised IT establishments is carried out by a team of qualified officials. During the period from 01.04.2013 to 31.03.2014, IS audits of 49 centralised IT establishments were completed.

#### Foreign Offices Audit

During the period from 01.04.2013 to 31.03.2014, Home Office Audit was carried out at five branches, Management Audit at 05 Representative offices / Country Head Offices and 1 Subsidiaries / Joint Ventures.

#### Concurrent Audit System

Concurrent Audit System is essentially a control process, integral to the establishment of sound internal accounting functions, effective controls and overseeing of operations on a continuous basis. Concurrent Audit System is reviewed on an on-going basis in accordance with RBI directives, so as to cover the Bank's Advances and other risk exposures as prescribed by the regulatory authority. I&MA department prescribes the processes, guidelines and formats for the conduct of concurrent audit at branches and BPR entities. During the year, Concurrent Audit System has been revamped, along with the introduction of a web-based solution.

#### Circle Audit

Circle Audit, which is a delegated audit, covers low-risk areas, and is conducted between two RFIs. This enables auditee unit to be better prepared for the RFIA. During the period from 01.04.2013 to 31.03.2014, 9,069 units were audited by the Circle Audit Department.

### II. 3 Vigilance

The essential function of the Bank's Vigilance Administration is not only to check against non-compliance of rules and regulations by initiating suitable disciplinary action against serious transgressions, but also to devise and implement various preventive measures by reviewing the systems and processes to ensure higher effectiveness and least vulnerability.

The concept of vigilance as an investigative process and an exercise for punitive action has over time evolved to that of 'Vigilance for Corporate Growth', the emphasis getting shifted from punitive vigilance to 'Preventive and Proactive Vigilance' through an active participation of all concerned. Some of the Bank's important preventive measures comprise the following:

- Preventive Vigilance Committee (PVC) Meetings are being held at the branches and the BPR outfits at quarterly intervals.
- Under Whistle Blower Scheme, our staff members are expected to advise appropriate authorities about irregular and unethical practices, if any, being indulged in by colleagues and even seniors.
- Suo moto investigations are conducted at fraud/complaint prone branches. The primary aim of such investigations is to find out non-adherence to the systems and procedures by the branch, which may lead to perpetration of fraud in future. Suitable corrective measures are initiated to stop irregular practices, if any, brought out in the report.

As on 31.03.2014, 1,024 cases of officers were taken up for examination under the vigilance category, compared to 1,160 cases during the previous financial year.

### II. 4 Human Resources

The Bank has become an employer of choice in India and one of the most employee-friendly organisations today. HR audits and mammoth HR exercises now form critical strategies in change management to facilitate employee communication and develop a leadership pool by careful succession planning.

#### HR awards and accolades

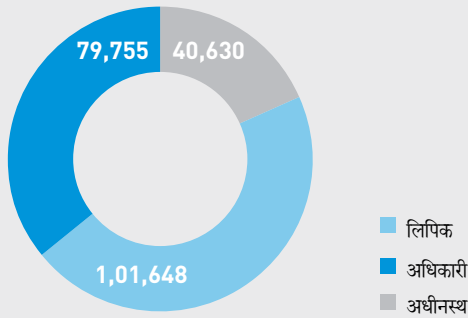
- Golden Peacock Award for HR excellence.
- World HRD Congress Award for Organisation with innovative HR Practices.
- World HRD Congress Award for innovation in Recruitment.

Talent management is considered as an equally important facet of an organisation's effectiveness. Accordingly, our Bank has been making a constant endeavour to improve the functioning of HR as a strategic business partner.



## प्रदर्श 24: कुल कर्मचारी (संख्या)

31.03.2014 को



कुल संख्या : 2,22,033

बैंक के स्थायी कर्मचारियों की कुल संख्या 31 मार्च 2014 को 2,22,033 है। इनमें 79,755 (35.92%) अधिकारी और 1,01,648 (45.78%) लिपिकीय कर्मचारी और शेष 40,630 (18.30%) अधीनस्थ कर्मचारी हैं।

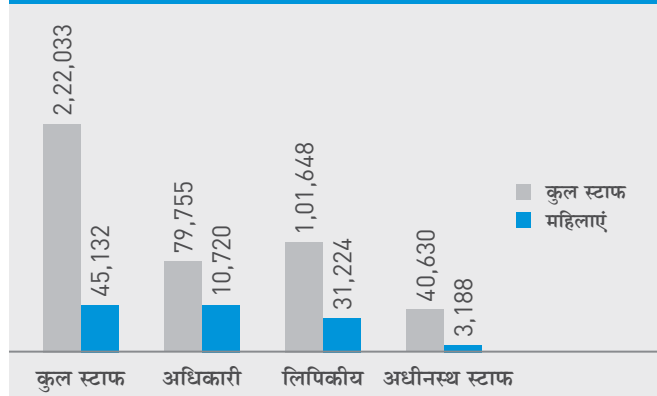
## प्रदर्श 25: स्टाफ संख्या में बढ़ोतरी-घटोतरी

दिनांक	अधिकारी	सहायक	अधीनस्थ कर्मचारी	कुल
31.03.2013 को	80,796	1,09,686	37,814	2,28,296
घटोतरी:	3,861	8,388	2,035	14,284
सेवानिवृत्ति/निकासी				
बढ़ोतरी-घटोतरी	1,426 (+)	1,426 (-)	-	-
(-) : लिपिकीय कर्मचारी से अधिकारी संवर्ग में पदोन्नति के कारण				
बढ़ोतरी: नई वृद्धि	1,394	1,776	4,851	8,021
31.03.2014 को	79,755	1,01,648	40,630	2,22,033

## कुल कर्मचारियों में महिला कर्मचारी:

इस समय, बैंक के कुल कर्मचारियों में महिला कर्मचारियों की संख्या 45,132 है, जो कुल कर्मचारी संख्या का 20% से अधिक है। विभिन्न संवर्ग में महिला कर्मचारियों की संख्या निम्नानुसार है:

## प्रदर्श 26: कुल कर्मचारियों में महिला कर्मचारी (संख्या)

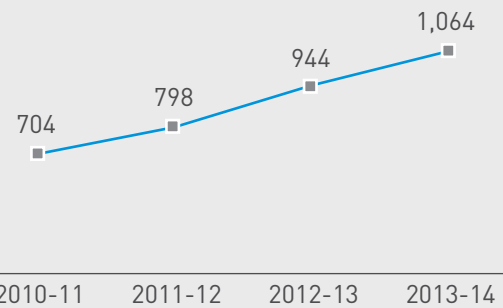


## बैंककर्मियों की उत्पादकता में सुधार

विगत 3/4 वर्षों में अधिकारी व सहायक श्रेणी में अगली-पीढ़ी के कर्मचारियों की बढ़े पैमाने पर भरती किए जाने के कारण शाखाओं में ग्राहक संपर्क और सेवाओं के प्रति स्टाफ में दूरगामी दृष्टिकोण परिवर्तन हुआ है। इससे उत्पादकता और कार्यकुशलता को बढ़ाने/बेहतर बनाने में भी काफी मदद मिली है। प्रति कर्मचारी व्यवसाय में 2010-11 से 2013-14 के दौरान वृद्धि हुई है जिसकी जानकारी नीचे दी गई है। प्रति कर्मचारी लाभ भी 2010-11 के स्तर ₹3.85 लाख से बढ़कर वर्ष 2012-13 में ₹6.45 लाख पर पहुंच गया। परंतु, प्रति कर्मचारी लाभ 2013-14 में घटकर ₹4.85 लाख रह गया। ऐसा मुख्यतया वर्ष के दौरान उच्चतर प्रावधान करने, उपरिव्यय तथा स्टाफ लागत में वृद्धि होने के कारण हुआ। बैंक की लाभप्रदता बढ़ाने के लिए सभी स्तरों पर लागत नियंत्रण उपाय/व्यवहार करने/अपनाने का पुनः आह्वान किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न लागत नियंत्रण व्यवहारों को अपनाकर बैंक की लाभप्रदता में सुधार लाने के लिए सभी स्तरों पर फिर से बल दिया गया।

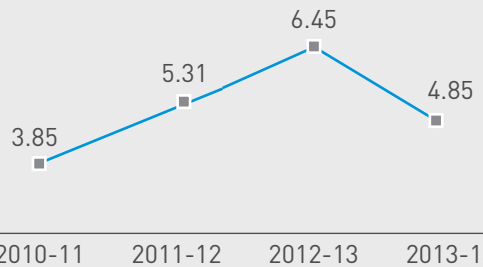
## प्रदर्श 27: स्टाफ उत्पादकता

(प्रति कर्मचारी व्यवसाय) (₹ लाख में)



## प्रदर्श 28: स्टाफ उत्पादकता

(प्रति कर्मचारी निवल लाभ) (₹ लाख में)

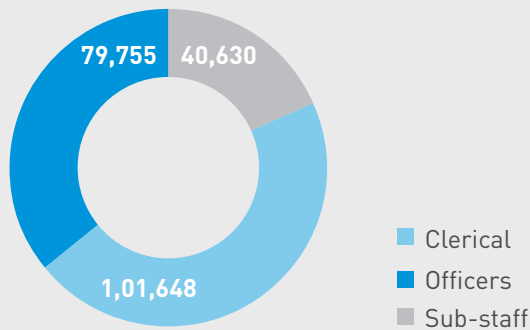


वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान 1,394 अधिकारियों (1,246 प्रोबेशनरी अधिकारियों और 148 विशेषज्ञों) तथा 1,776 लिपिकीय कर्मचारियों ने बैंक सेवा ग्रहण की।



### Exhibit 24: People Strength (Nos.)

As on 31.03.2014



**Total strength: 2,22,033**

The Bank has a total permanent staff strength of 2,22,033 on 31st March, 2014.

Out of this, 79,755 (35.92%) are officers, 1,01,648 (45.78%) are clerical staff and the remaining 40,630 (18.30%) are sub-staff.

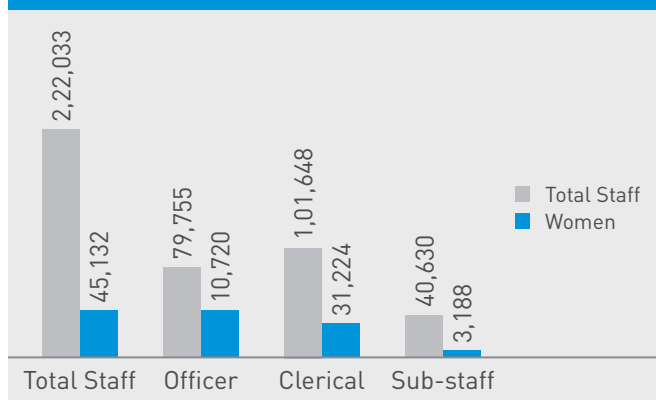
### Exhibit 25: Movement of Staff

	Officers	Assistants	Subordinate staff	Total
As on 31.3.2013	80,796	1,09,686	37,814	2,28,296
Less: Retirements / Attrition	3,861	8,388	2,035	14,284
Add /Less (-): Due to promotion of clerical staff to officers grade	1,426 (+)	1,426 (-)	-	-
Add: New Addition	1,394	1,776	4,851	8,021
As on 31.03.2014	79,755	1,01,648	40,630	2,22,033

### Women Employees in the Total Workforce:

At present, the strength of women employees in the total workforce of the Bank is 45,132 which constitutes more than 20% of the total staff strength. The composition of women employees in different cadre is as under:

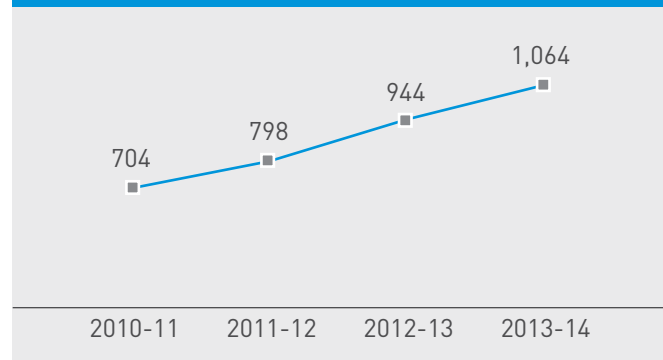
### Exhibit 26: Women Employees in the Total Workforce (Nos.)



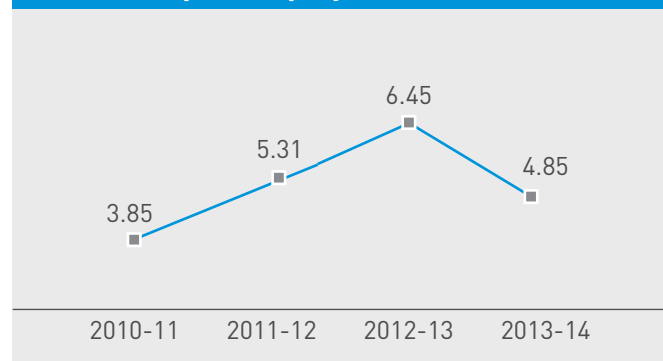
### Improvement in Employee Productivity

The large-scale recruitment of Gen-next employees in the Officers as well as in the Assistant grade over the last 3/4 years has not only brought about a far reaching attitudinal change among staff in their customer interface and services across the branches, it has also become a catalyst in enhancing/improving the productivity and efficiency of the employees, there by resulting in increasing growth in business and profitability for the Bank. The business per employee (BPE) has increased during the period from 2010-11 to 2013-14 as per data furnished below. In this connection, the profit per employee (PPE) has also increased from ₹3.85 lakhs in 2010-11 to ₹6.45 lakhs in 2012-13. However, the PPE has declined to ₹4.85 lakhs in 2013-14 primarily due to higher provisioning, increase in overheads and staff cost during the year. Further, various cost control measures / practices have been reiterated for adoption/compliance at all levels to improve the Bank's profitability.

### Exhibit 27: Staff Productivity (Business per Employee) (₹ in lakhs)



### Exhibit 28: Staff Productivity (Net Profit per Employee) (₹ in lakhs)



**A total of 1,394 Officers (1,246 Probationary Officers and 148 Specialists) and 1,776 Clerical staff joined the Bank during FY 2013-14.**



## औद्योगिक संबंध

संघों/महासंघों के साथ नियमित परामर्श बैठकें आयोजित की गईं जिससे विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों के परिवारों को समझकर सकारात्मक बातचीत के जरिये दूर किया जा सके। ये परामर्श बैठकें कारपोरेट केंद्र और मंडलों के स्तर पर की गईं। परिसंघों द्वारा उठाए गए विभिन्न विषयों पर गुणदोषों के आधार पर विचार करके उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

## कार्यस्थल पर महिलाओं की स्थिति:

कार्यस्थल पर महिलाओं को संरक्षण देने और यौन उत्पीड़न की शिकायतें रोकने और दूर करने के लिए तथा उनसे जुड़े या उनसे संबंधित मामलों के समाधान की बैंक की वर्तमान नीति में संसद द्वारा पारित अधिनियम की अपेक्षाओं के अनुसार संशोधित/परिवर्धित किया गया। बैंक कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को बिलकुल बरदाश्त नहीं करता है और महिलाएँ अपना कार्य आत्म-सम्मान और निडर भाव से कर सकें इसके लिए समुचित व्यवस्था लागू की गई है।

## प्रदर्श 29: वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों और उनके निपटाए जाने की स्थिति

दायर किए गए मामलों की कुल संख्या	निपटाए गए मामलों की कुल संख्या
30	20

## अन्य प्रयास

बैंक द्वारा स्टाफ परिलब्धियों में सुधार किया गया है, जैसे महिला कर्मचारियों तथा अकेले पुरुष (संतान और/या वृद्ध माता-पिता) कर्मचारियों के लिए देखभाल अवकाश का प्रावधान किया गया है।

बैंक ने वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए पदोन्नति नीतियों की व्यापक समीक्षा की है। इससे हम अपनी उत्तराधिकार योजना की आवश्यकताओं को पूरा कर पाएँगे और बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं पर बैंककर्मियों का पर्याप्त अनुभव सुनिश्चित कर पाएँगे। इन प्रयासों से बैंककर्मियों प्रेरित हुए हैं और उनकी उत्पादकता में वृद्धि हुई है। नियोक्ता-कर्मचारी संबंध भी सुदृढ़ हुए हैं।

## प्रदर्श 30: रोजगार में आरक्षण

श्रेणी	कुल	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी
अधिकारी	79,755	13,890 (17.41%)	5,645 (7.07%)	573 (0.71%)
सहायक	1,01,648	17,286 (17.00%)	8,755 (8.61%)	1801 (1.77%)
अधीनस्थ	40,630	11,568 (28.47%)	2,843 (7.00%)	236 (0.58%)
कुल	2,22,033	42,744 (19.25%)	17,243 (7.76%)	2610 (1.17%)

भारत सरकार के निदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अशक्त व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को बैंक आरक्षण देता है। आरक्षण नीति के मुद्दों पर कार्रवाई तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों के प्रभावी निवारण के लिए बैंक के सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों और कारपोरेट केन्द्र, मुंबई में संपर्क अधिकारी नामित किए गए हैं।

## II. 5 कार्यनीतिक प्रशिक्षण इकाई (एसटीयू)

हमारी प्रशिक्षण प्रणाली एसटीयू के समग्र पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में कार्य करती है तथा हमारे प्रशिक्षण तंत्र में 5 शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान और 47 ज्ञानार्जन केन्द्र हैं। स्टेट बैंक प्रबंधन संस्थान के नाम से छठा शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान राजारहाट, न्यूटाउन, कोलकाता में स्थापित किया जा रहा है।

## ज्ञानार्जन गतिविधियों को संचालित करने वाले सिद्धान्त

- प्रत्येक कर्मचारी वर्ष में कम से कम एक संस्थागत प्रशिक्षण अवश्य पूरा करे।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यवसाय यूनितों की कारपोरेट प्राथमिकताओं के अनुरूप आयोजित किए जाएँ।
- प्रत्येक कर्मचारी में स्व-ज्ञानार्जन प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया जाए।
- ऑनलाइन ज्ञानार्जन को बढ़ावा देने के लिए भूमिका-आधारित विषयों पर आधारित पाठ्यक्रम पूरे करने आवश्यक हैं और इस हेतु पुरस्कार एवं सम्मान दिया जाए।
- अपनी पुरस्कार एवं सम्मान योजना के अंतर्गत बैंक अपने कर्मचारियों को बाह्य संस्थाओं से विभिन्न पाठ्यक्रम पूरे करने हेतु प्रोत्साहित करे।

## उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

- 60% अधिकारियों और 68% अवार्ड स्टाफ सहित वर्ष 2013-14 के दौरान 2,34,763 से अधिक सहभागियों को प्रशिक्षित किया गया।
- परिचालन में प्रासंगिक 366 पाठ ई-लर्निंग पोर्टल में डाले गए।
- कर्मचारियों, विशेषकर फ्रंटलाइन स्टाफ को त्वरित जानकारी देने के उद्देश्य से अल्पावधि के (15-15 मिनट के) 219 ई-कैपसूल अपलोड किए गए।
- प्रायोगिक आधार पर मोबाइल पर अध्ययन सामग्री (मोबाइल हैंडसेट पर संक्षिप्त अध्ययन सामग्री) उपलब्ध करवाए गए।
- वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए उद्योग-विशेष संबंधी वीडियो व्याख्यानों की व्यवस्था की गई।
- आतिथ्य-सत्कार उद्योग द्वारा स्टाफ का प्रशिक्षण।
- कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता के बारे में सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण।

## II. 6 राजभाषा

राजभाषा के कार्यान्वयन हेतु कंप्यूटरों पर हिन्दी में कार्य करने के लिए स्टाफ-सदस्यों को निरंतर हिन्दी भाषा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

बैंक ने कारपोरेट और इंटरनेट साइटों की विषय-वस्तु को द्विभाषी किया है। बैंक के एचआरएमएस पोर्टल पर विभिन्न स्टाफ-मैनुअल हिन्दी में उपलब्ध करवाए गए हैं। ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक के एसएमई पोर्टल पर भी सामग्री हिन्दी में दी गई है। शाखाओं में स्थापित एलसीडी के माध्यम से विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के संबंध में हिन्दी में दी जा रही सूचनाओं से इनकी लोकप्रियता बढ़ी है। एटीएम पर हिन्दी में हिट्स में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

14 सितंबर 2013 को हिन्दी दिवस के अवसर पर गृहपत्रिका 'प्रयास' के लिए यह वर्ष बहुत बड़ी उपलब्धि का रहा है।



## Industrial Relations

Regular consultative meetings were held with the Associations/Unions as part of the constructive dialogue for understanding and addressing grievances of various categories of employees. These consultations are done both at Corporate Centre as also at Circles. Various issues raised by the Federations were examined on merits and necessary action was taken for its resolution.

### Status of Women at workplace:

The existing policy of the Bank providing for protection against Sexual Harassment of women at workplace and for the prevention and redressal of complaints of sexual harassment and for matters connected therewith or incidental thereto was revised / upgraded to incorporate the requirements as per the Act passed in Parliament. The Bank has a zero tolerance towards sexual harassment at workplaces and has put in place appropriate mechanism to ensure that women work with dignity and without fear.

### Exhibit 29: Complaints of Sexual Harassment of Women filed & disposed off during FY 2013-14

Total No. of cases filed	Total No. cases disposed off
30	20

### Other Initiatives

- The Bank has improved staff perquisites like provision of sabbatical leave for women and single men (with children and/or aged parents) employees
- The Bank has made a comprehensive review of promotion policies to take care of contemporary as well as future requirements. This will enable us to meet our succession planning needs by ensuring adequate exposure of officials to various aspects of Banking. These initiatives have motivated employees and improved their productivity, besides resulting in a healthy employer-employee relationship.

### Exhibit 30: Reservation in employment

Category	Total	SC	ST	PWD
Officers	79,755	13,890 (17.41%)	5,645 (7.07%)	573 (0.71%)
Assistants	1,01,648	17,286 (17.00%)	8,755 (8.61%)	1,801 (1.77%)
Sub-staff	40,630	11,568 (28.47%)	2,843 (7.00%)	236 (0.58%)
Total	2,22,033	42,744 (19.25%)	17,243 (7.76%)	2,610 (1.17%)

The Bank provides reservation to Scheduled Castes, Scheduled Tribes & Persons with Disabilities (PWDs) as per Government of India (GOI) directives. Liaison Officers have been designated at all Local Head Offices of the Bank and the Corporate Centre at Mumbai in order to deal with issues relating to reservation policy and effectively redress the grievances of the SC/ST employees.

## II. 5 Strategic Training Unit (STU)

Our training system functions under the overall supervision and guidance of STU and the training apparatus at present consists of 5 Apex training institutes and 47 Learning Centres. The sixth ATI, named the State Bank Institute of Management, is being set up at Rajarhat, New Town, Kolkata.

### Principles that drive learning activities

- All employees undergo at least one institutional training during a year.
- Training programmes are aligned with current corporate priorities of the Business Units.
- A culture of self-learning is inculcated in every employee.
- Active promotion of online learning includes mandatory role-based lessons supported by Rewards and Recognitions.
- Under its Reward and Recognition Scheme, the Bank also actively encourages its employees to pursue various study courses offered by external institutes.

### Highlights of achievements

- Trained more than 2,34,763 participants during 2013-14 covering 60% of Officials and 68% of award staff.
- Hosted 366 lessons, covering operationally relevant topics, in e-learning portal.
- Uploaded 219 short duration e-capsules (of 15 minutes each) for faster dissemination of knowledge among employees, especially frontline staff.
- Mobile nuggets (short study materials on mobile handsets) made available on pilot basis.
- Arranged video lectures on industry specific inputs for senior executives.
- Training for staff by hospitality industry.
- Trained all employees about gender sensitivity at workplace.

## II. 6 Official Language

Staff members are being continuously trained in Hindi language to work in Hindi on computers for the purpose of Official Language implementation.

The Bank has made the content of corporate and internet sites available bilingually. Various staff manuals have been provided in Hindi on HRMS portal of the Bank. For the convenience of the customers, the material on SME portal of the Bank has been provided in Hindi. Providing information on different products and services in Hindi through LCDs installed in the branches has increased their popularity. The ATM hits in Hindi is rapidly increasing too.

The In-House Hindi magazine 'PRAYAS' of our Bank has been accredited with a grand achievement this year, on the occasion of Hindi Day, on 14th September, 2013.



## प्रयास

‘प्रयास’ को ‘ख’ क्षेत्र में सर्वोत्तम गृहपत्रिका का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। भारत के माननीय राष्ट्रपति जी ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में बैंक को यह प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। आरबीआई की गृहपत्रिका प्रतियोगिता में ‘प्रयास’ को द्वितीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है तथा एसोसिएशन ऑफ बिजनेस कॉम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया (एबीसीआई) की ओर से बैंक को ‘भारतीय भाषा में प्रकाशन श्रेणी’ प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार दिया गया है।

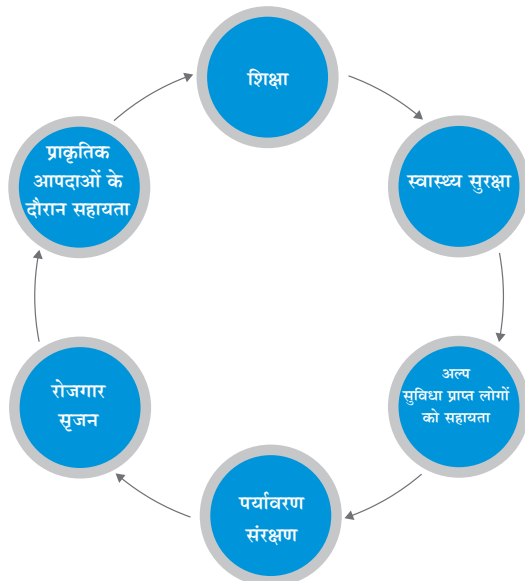


निःशक्त जनों के पुनर्वास के लिए परमार्थ ट्रस्ट ‘ओम क्रिएशन’ को सहायता

## II. 7 कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

हमारी कारपोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधियों से देश के हर कोने में लाखों गरीब और जरूरतमंद लोगों के जीवन लाभान्वित होते हैं। बैंक की व्यापक कारपोरेट सामाजिक दायित्व नीति है जिसे अगस्त 2011 में केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति ने अनुमोदित किया है। इसके अनुसार गत वर्ष के निवल लाभ का 1% अंश वर्ष भर की कारपोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधियों के खर्च हेतु निर्धारित किया जाता है।

### सीएसआर की प्रमुख गतिविधियां



हमारे कारपोरेट सामाजिक दायित्व की प्रमुख गतिविधियां :

- शिक्षा क्षेत्र में योगदान
- स्वास्थ्य-सुविधाओं में योगदान
- गरीब एवं अल्पसुविधा प्राप्त लोगों की सहायता
- पर्यावरण संरक्षण
- उद्यमी विकास कार्यक्रम
- बाढ़/सूखा आदि जैसे दैवी प्रकोपों के समय सहायता

### शिक्षा क्षेत्र में योगदान :

- स्कूली शिक्षा में योगदान और लाखों स्कूली बच्चों, विशेषकर अल्प-सुविधा प्राप्त बच्चों को गरमी से आराम दिलवाने के लिए बैंक ने देश के विभिन्न भागों में 14,000 स्कूलों में 1,40,000 बिजली के पंखे उपलब्ध करवाए।
- फर्नीचर, कंप्यूटर एवं शिक्षा संबंधी अन्य सहायक सामग्री प्रदान कर और शारीरिक रूप से अक्षम/कमजोर दृष्टि वाले बच्चों तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए बड़ी संख्या में स्कूल बसें/वाहन भेंट कर आधारभूत सुविधाओं में वृद्धि की गई।

### स्वास्थ्य-सुविधाओं में योगदान :

- बैंक ने वर्ष के दौरान ₹18.38 करोड़ की लागत के 210 चिकित्सा वाहन/एंबुलेंस भेंट किए।
- 90 केन्द्रों पर ₹8.87 करोड़ की लागत के चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करवाए गए।
- लाखों स्कूली बच्चों के लिए साफ एवं सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध करवाने के लिए बैंक ने स्कूलों में 30,000 से अधिक वाटर प्योरिफायर्स लगाए।

### दैवी प्रकोपों के समय सहायता:

वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक ने तीन राज्यों के मुख्यमंत्री राहत कोष में ₹6.00 करोड़ का योगदान किया।

### ग्रीन बैंकिंग:

- बैंक ने ऊर्जा संरक्षण के उपाय किए।
- एसबीआई ने सबसे अधिक सोलर एटीएम लगाई।
- ऊर्जा की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंक ने तीन राज्यों में पवन-चक्कियां लगाईं।
- देश में सभी जगह कागजविहीन बैंकिंग को बढ़ावा देकर कार्यान्वित किया जा रहा है।
- बेहतर विनिर्माण प्रक्रियाओं को अपनाकर ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए रियायती दर पर परियोजना-ऋण प्रदान किए जा रहे हैं।

### शोध एवं विकास निधि :


एशिया रिसर्च सेंटर के लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स में आरबीआई के साथ संयुक्त रूप से बैंक द्वारा संस्थापित चैयर के लिए बैंक हर वर्ष 100,000 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड का योगदान करता है। वर्ष 2013-14 के दौरान शोध एवं विकास निधि में हमारा योगदान ₹1.03 करोड़ रहा।



## PRAYAS

PRAYAS' was awarded as the best in-house magazine in 'B' region. The Bank was felicitated with the First prize at Vigyan Bhavan, New Delhi by the Hon. President of India. 'Prayas' also bagged Second Prize in RBI's In-House Hindi magazine competition and the Bank was conferred the Second Prize in the 'Indian Language Publication category' competition by the Association of Business Communicators of India (ABCI).

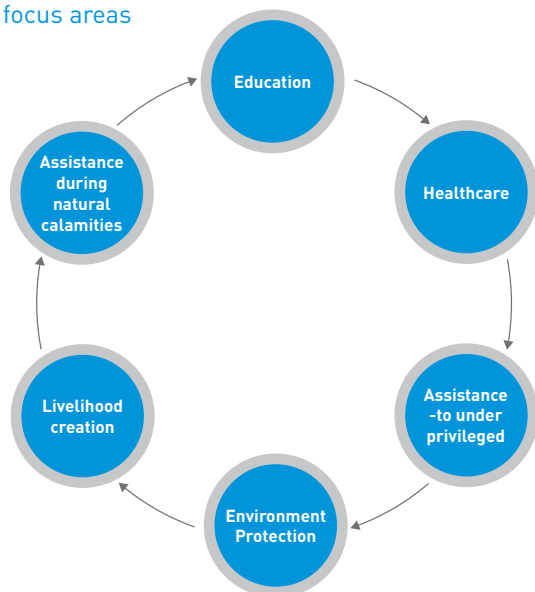


 Chairman donating gifts to special children under CSR activity

## II. 7. Corporate Social Responsibility (CSR)

Our CSR activity touches the lives of millions of poor and needy across the length and breadth of the country. The Bank has a comprehensive Corporate Social Responsibility (CSR) Policy, approved by the Executive Committee of the Central Board in August 2011 and earmarks 1% of the previous year's net profit as CSR spend budget for the year.

### CSR focus areas



### Focus areas of our CSR activities are:

- Supporting education.
- Supporting healthcare.
- Assistance to poor & underprivileged.
- Environment protection.
- Entrepreneur development programme.
- Assistance during natural calamities like floods/droughts etc.

### Supporting Education :

- To support school education and provide relief from heat to millions of school children specially the under privileged children, Bank has provided 1,40,000 electric fans to 14,000 schools across the country during 2013-14.
- Infrastructure support by way of furniture, computers and other educational accessories and donation of large number of school buses/vans to the physically/visually challenged children and children belonging to economically weaker section of society.

### Supporting Healthcare :

- Bank donated 210 medical vans/ambulances with an expenditure of ₹18.38 crores during the year.
- Medical equipment have been provided at 90 centres worth ₹8.87 crores.
- Bank installed more than 30,000 water purifiers in schools ensuring clean & safe drinking water for millions of school going children.

### Assistance during natural calamities:

During the current fiscal the Bank has donated ₹6.00 crores to the Chief Minister's Relief Fund of three states.

### Green Banking:

- Bank has adopted energy efficient measures.
- SBI is the largest deployer of solar ATMs.
- Bank has installed windmills in three states for its own energy needs.
- Paperless Banking is promoted and implemented across the country.
- Gives project loans at concessionary rate of interest to encourage reduction of green house gases by adopting efficient manufacturing practices.

### Research & Development Fund

The Bank makes an annual contribution of GBP 100,000 towards a Chair set up by the Bank jointly with RBI at the Asia Research Centre at London School of Economics. Our R&D Fund donations amounted to ₹1.03 crores during 2013-14.

**एसबीआई बाल कल्याण निधि :**

बैंक ने 1983 में एसबीआई बाल कल्याण निधि का ट्रस्ट के रूप में गठन किया। यह ट्रस्ट अल्पसुविधा प्राप्त बच्चों, जैसे अनाथ, निराश्रित, मानसिक/शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए कल्याणकारी कार्यों में जुटी संस्थाओं को अनुदान प्रदान करता है। इस निधि में बैंक के स्टाफ-सदस्य अपनी ओर से राशि जमा करते हैं और उस राशि के समान राशि बैंक इस आधारभूत निधि में जमा करता है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में इस निधि से 12 परियोजनाओं को ₹34.70 लाख की सहायता प्रदान की गई।

**सीएसआर पुरस्कार एवं सम्मान**

- बैंक को वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान सीएसआर उपलब्धियों के मामले में सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त हुए।
- सिंगापुर में सीएमओ एशिया द्वारा एशिया का उत्कृष्ट सीएसआर प्रैक्टिस अवार्ड, 2013
- दुबई में एशियन बीएफएसआई पुरस्कारों में 'बेस्ट सीएसआर प्रैक्टिसेस' पुरस्कार जीता

**अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार**

- बेहतरीन सीएसआर कार्यों के लिए आईपीई बीएफएसआई अवार्ड 2013
- बैंकिंग में नैतिक कंपनी के लिए इंडिया 'स मोस्ट ऐथिकल कंपनीज अवार्ड्स 2013
- 'बेहतरीन ग्रीन सेवा नवाचार' के लिए एशिया ग्रीन फ्यूचर लीडरशिप अवार्ड 2013
- बैंकिंग में उत्कृष्टता (पीएसयू) 2013 के लिए 'माई एफएम स्टार्स ऑफ द इंडस्ट्री अवार्ड'
- न्यूज इंक लीडिंग पीएसयू शाइनिंग अवार्ड 2013
- बेहतरीन सीएसआर कार्यों के लिए एबीपी न्यूज बीएफएसआई 2013 अवार्ड
- बेहतरी सीएसआर कार्य करने वाले संगठनों के लिए एबीपी न्यूज ग्लोबल सीएसआर एक्सिलेंस एंड लीडरशिप अवार्ड
- बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में बेहतरीन सीएसआर कार्यों के लिए ब्लू डार्ट - ग्लोबल सीएसआर एक्सिलेंस एंड लीडरशिप अवार्ड बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सीएसआर प्रथाओं के श्रेष्ठ उपयोग हेतु ब्ल्यू डार्ट-ग्लोबल सीएसआर एक्सिलेंस एण्ड लीडरशिप अवार्ड
- ग्लोबल सीएसआर एक्सिलेंस एंड लीडरशिप अवार्ड 2013.

**III. सहयोगी एवं अनुषंगी**

पांच सहयोगी बैंकों की 6,108 शाखाओं सहित स्टेट बैंक समूह 21,977 शाखाओं के नेटवर्क के साथ भारत के बैंकिंग उद्योग का सिरमौर है। अपनी विभिन्न अनुषंगियों के माध्यम से यह समूह बैंकिंग के अलावा भी सभी प्रकार की सेवाएं उपलब्ध करवाता है जिनमें जीवन बीमा, मर्चेन्ट बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, क्रेडिट कार्ड, फैक्ट्रिंग, सिक्योरिटी ट्रेडिंग, पेंशन फंड प्रबंधन, अभिरक्षा सेवाएं, साधारण बीमा (जीवन बीमा से इतर) और मुद्रा बाजार में प्राइमरी डीलरशिप सेवाएं शामिल हैं।

**सहयोगी बैंक**

मार्च 2014 के अंतिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार एसबीआई के पांच सहयोगी बैंकों का जमा राशियों में 5.48% तथा अग्रिमों में 5.88% मार्केट शेयर है।

**प्रदर्श 31: सहयोगी बैंकों की****उपलब्धियाँ (समग्र)**

(₹ करोड़ में)

	31.03.2014 को	31.03.2013 को	परिवर्तन (%)
कुल आस्तियां	5,18,255	5,04,556	2.72
कुल जमा राशियां	4,33,091	4,17,657	3.70
कुल अग्रिम	3,63,402	3,40,321	6.78
परिचालन लाभ	8,368	8,803	-4.94
निवल लाभ	2,777	3,678	-24.50
ऋण जमा अनुपात	83.91%	81.48%	243 bps
पूंजी पर्याप्तता अनुपात	11.20%	11.85%	-65 bps
सकल एनपीए	18,211	11,589	57.14
निवल एनपीए	10,719	6,143	74.48
ईक्विटी पर आय	9.77%	14.33%	-456 bps

**रैंकिंग-एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.****(एसबीआईकैप)**

- डीलॉजिक द्वारा प्रोजेक्ट फाइनेंस ऋणों के लिए नंबर 1 ग्लोबल मैनडेटेड लीड अरेंजर घोषित।
- थॉमसन - रायटर्स द्वारा नंबर 1 ग्लोबल प्रोजेक्ट फाइनेंस बुकरनर घोषित।
- प्राइम द्वारा वित्तीय वर्ष 2013 में कर्ज के निर्गमों की संख्या के आधार पर सार्वजनिक निर्गम संचालित करने के लिए नंबर 1 रैंक।

**वित्त वर्ष 2013-14 में एसबीआई लाइफ को प्राप्त अवार्ड**

- आउटलुक मनी द्वारा बेस्ट लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर 2013 (रनर-अप)।
- दि इकानामिक टाइम्स, ब्राण्ड ईक्विटी एण्ड नीलसन सर्वे द्वारा मोस्ट ट्रस्टेड प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस ब्राण्ड 2013।
- इलेक्ट्रॉनिक फण्ड ट्रांसफर के माध्यम से ग्राहकों से प्रीमियम संग्रहण करने, नकदी और सीधे नामे लेनदेन के लिए एशिया पेसिफिक क्वालिटी आर्गेनाइजेशन डिजिटल इनकलूजन स्कोच अवार्ड्स 2013 द्वारा ग्लोबल परफार्मेंस एक्सिलेंस अवार्ड 2013।





### SBI Children's Welfare Fund

The Bank constituted SBI Children's Welfare Fund as a Trust in 1983 which extends grants to institutions engaged in the welfare of underprivileged children like orphans, destitute, mentally/physically challenged, etc. The Corpus of the Fund is made up of contributions by staff members and matching contribution provided by the Bank. During the FY 2013-14, 12 projects were assisted with ₹34.70 lakhs.

### CSR awards and accolades

- The year FY 2013-14 witnessed the highest number of awards for the Bank in CSR achievements.
- Conferred Asia's Best CSR Practice Award, 2013 by CMO Asia in Singapore.
- Won an award for 'Best CSR Practices' at Asian BFSI Awards 2013 in Dubai.

### Other prominent awards conferred

- IPE BFSI Award 2013 for Best CSR Practices.
- India's Most Ethical Companies Awards 2013 for Ethical Company in Banking.
- Asia Green Future Leadership Award 2013 for 'Best Green Service Innovation'.
- My FM Stars of the Industry Award for excellence in Banking (PSU) 2013.
- News Ink Legend PSU Shining Award 2013.
- ABP News BFSI 2013 for Best CSR Practices Award.
- ABP News Global CSR Excellence & Leadership Award for Organisations with best CSR Practices.
- Blue Dart – Global CSR Excellence & Leadership Award for Best use of CSR Practices in Banking and Financial Sector.
- Global CSR Excellence & Leadership Award 2013.

## III. ASSOCIATES AND SUBSIDIARIES

The State Bank Group, with a network of 21,977 branches (including 6,108 branches of five Associate Banks) dominates India's banking industry. In addition to banking, the Group, through its various subsidiaries, provides a whole range of financial services, including Life Insurance, Merchant Banking, Mutual Funds, Credit Card, Factoring, Security trading, Pension Fund Management, Custodial Services, General Insurance (Non Life Insurance) and Primary Dealership in the Money Market.

### Associate Banks

The five Associate Banks of SBI had a market share of 5.48% in deposits and 5.88% in advances as on last Friday of March 2014.

### Exhibit 31: Performance Highlights of Associate Banks (Overall)

(₹ in crores)

	As on 31.03.2014	As on 31.03.2013	Change (%)
Total Assets	5,18,255	5,04,556	2.72
Aggregate Deposits	4,33,091	4,17,657	3.70
Total Advances	3,63,402	3,40,321	6.78
Operating Profit	8,368	8,803	-4.94
Net Profit	2,777	3,678	-24.50
Credit Deposit Ratio	83.91%	81.48%	243bps
Capital Adequacy Ratio	11.20%	11.85%	-65bps
Gross NPA	18,211	11,589	57.14
Net NPA	10,719	6,143	74.48
Return on equity	9.77%	14.33%	-456bps

### Rankings - SBI Capital Markets Limited (SBICAP)

- Ranked No. 1 Global Mandated Lead Arranger in Project Finance Loans by Dealogic.
- Ranked No. 1 Global Project Finance Bookrunner by Thomson- Reuters.
- Ranked No. 1 in the number of issues handled for the public issue of debt in FY 2013 by Prime.

### Awards bestowed on SBILIFE in FY 2013-14

- Best Life Insurance Provider 2013 (Runner Up) by Outlook Money.
- Most Trusted Private Life Insurance Brand 2013 by The Economic Times, Brand Equity and Nielsen Survey.
- Global Performance Excellence Award 2013 by Asia Pacific Quality Organisation Digital Inclusion Skoch Awards 2013 – Enabling partners to collect premium through Electronic Fund Transfer – Cash & Direct Debit.



## अनुषंगियों और संयुक्त उद्यमों संबंधी सूचना : देशीय बैंकिंग अनुषंगी

प्रदर्श 32: दिनांक 31.03.2014 को सहयोगी बैंकों की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)

क्र.	बैंक का नाम	एसबीआई का स्वामित्व अंश		कुल आस्तियाँ	कुल जमाराशियाँ	कुल अग्रिम	परिचालन लाभ	निवल लाभ	सीडी अनुपात	सीएआर %	सकल एनपीए %	निवल एनपीए %	ईक्विटी पर आय %
		राशि	%										
1	एसबीबीजे	676.12	75.07	90,877	72,953	65,333	1,695	732	89.56	11.55	4.18	2.76	12.85
2	एसबीएच	367.55	100.00	1,44,012	1,20,859	98,885	2,691	1,019	81.82	12.00	5.89	3.12	9.36
3	एसबीएम	628.63	90.00	73,976	61,087	50,891	1,164	274	83.31	11.08	5.54	3.29	5.57
4	एसबीपी	907.10*	100.00	1,04,105	89,485	77,811	1,448	448	86.95	10.38	4.83	3.17	4.95
5	एसबीटी	505.85*	78.90*	1,05,285	88,707	70,482	1,370	304	79.46	10.79	4.35	2.78	8.82

## प्रदर्श 33:

गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ

(₹ करोड़ में)

क्र.	अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (स्टेट बैंक का हित) /करोड़ रु.	स्वामित्व %	2013-14 में निवल लाभ (हानि)
1	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. (समेकित)	58.03	100	262.63
2	एसबीआई डीएफएचआई लि.	139.15	63.78	60.70
3	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्रा. लि.	2.00	100	0.33
4	एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.	0.10	100	1.65
5	एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्ज लि.	137.79	86.18	-56.7
6	एसबीआई पेंशन फंड प्रा. लि.	18.00	60	2.59

## प्रदर्श 34:

संयुक्त उद्यम

(₹ करोड़ में)

क्र.	अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (स्टेट बैंक का हित) /करोड़ रु.	स्वामित्व %	2013-14 में निवल लाभ (हानि)
1	एसबीआई फंडज मैनेजमेंट प्रा. लि.	31.50	63	155.77
2	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनैशनल) प्रा.लि. (यूएसडी)	50000 यूएस डॉलर	63	(0.46)
3	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज प्रा. लि.	471.00	60	293.10
4	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि.	740.00	74	740.10
5	एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्रा.लि.	52.00	65	0.21
6	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि.	129.50	74	(98.39)
7	सी-एज टेक्नॉलॉजीज लि.	4.9	49	163.8
8	जीई कैपिटल बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लि.	10.80	40	24.10
9	मैक्वारी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.	2.25	45	68,09,865 यूएस डॉलर
10	मैक्वारी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लि.	-	#	हानि 42,884 यूएस डॉलर
11	एसबीआई मैक्वारी इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.	18.57	45	7.84
12	एसबीआई मैक्वारी इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.	0.025	45	0.02
13	ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड-मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	2.30	50	2.72
14	ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कं. प्रा. लि.	0.01	50	0.00

# मैक्वारी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा.लि. की 100% अनुषंगी



## Information of Subsidiaries and Joint Ventures Domestic Banking Subsidiaries

**Exhibit 32:** The performance highlights of the Associate Banks as on 31.03.2014 are as under:

(₹ in crores)

S. No	Name of the Bank	SBI Share of ownership		Total Assets	Agg. Deposits	Total Advances	Op. Profit	Net Profit	CD Ratio	CAR %	Gross NPAs%	Net NPA %	Return on Equity %
		Amt.	%										
1	State Bank of Bikaner & Jaipur	676.12	75.07	90,877	72,953	65,333	1,695	732	89.56	11.55	4.18	2.76	12.85
2	State Bank of Hyderabad	367.55	100.00	1,44,012	1,20,859	98,885	2,691	1,019	81.82	12.00	5.89	3.12	9.36
3	State Bank of Mysore	628.63	90.00	73,976	61,087	50,891	1,164	274	83.31	11.08	5.54	3.29	5.57
4	State Bank of Patiala	907.10*	100.00	1,04,105	89,485	77,811	1,448	448	86.95	10.38	4.83	3.17	4.95
5	State Bank of Travancore	505.85*	78.90*	1,05,285	88,707	70,482	1,370	304	79.46	10.79	4.35	2.78	8.82

## Exhibit 33:

### Non Banking Subsidiaries

(₹ in crores)

S. No	Name of the Subsidiary Company	Ownership (State Bank interest) / Crores	% of Ownership	Net Profit (Losses) for the FY 2013-14
1	SBI Capital Markets Ltd. (Consolidated)	58.03	100	262.63
2	SBI DFHI Ltd.	139.15	63.78	60.70
3	SBI Payment Services Pvt. Ltd.	2.00	100	0.33
4	SBI Mutual Fund Trustee Company Pvt Ltd.	0.10	100	1.65
5	SBI Global Factors Ltd.	137.79	86.18	-56.7
6	SBI Pension Funds Pvt. Ltd.	18.00	60	2.59

## Exhibit 34:

### Joint Ventures

(₹ in crores)

S. No	Name of the Subsidiary Company	Ownership (State Bank interest) / Crores	% of Ownership	Net Profit (Losses) for the FY 2013-14
1	SBI Funds Management Pvt. Ltd.	31.50	63	155.77
2	SBI Funds Management (International) Pvt. Ltd.(USD)	USD 50000	63	(0.46)
3	SBI Cards & Payment Services Pvt. Ltd.	471.00	60	293.10
4	SBI Life Insurance Company Ltd.	740.00	74	740.10
5	SBI-SG Global Securities Services Pvt. Ltd.	52.00	65	0.21
6	SBI General Insurance Company Ltd.	129.50	74	(98.39)
7	C-Edge Technologies Ltd.	4.9	49	163.8
8	GE Capital Business Process Mgt. Services Pvt. Ltd.	10.80	40	24.10
9	Macquarie SBI Infrastructure Mgt. Pte. Ltd.	2.25	45	USD 68,09,865
10	Macquarie SBI Infrastructure Trustee Ltd.	-	#	LOSS USD42,884
11	SBI Macquarie Infrastructure Mgt. Pvt. Ltd.	18.57	45	7.84
12	SBI Macquarie Infrastructure Trustee Pvt. Ltd.	0.025	45	0.02
13	Oman India Joint Investment Fund-Mgt. Co Pvt. Ltd.	2.30	50	2.72
14	Oman India Joint Investment Fund-Trustee Co Pvt. Ltd.	0.01	50	0.00

# 100% Subsidiary of Macquarie SBI Infrastructure Mgt. Pte Ltd



## उत्तरदायित्व वक्तव्य

निदेशक बोर्ड एतद्वारा उल्लेख करता है कि :

- i. वार्षिक लेखे तैयार करते समय लागू लेखा मानकों का समुचित अनुपालन किया गया है और महत्वपूर्ण विचलनों की स्थिति में समुचित स्पष्टीकरण दिया गया है;
- ii. उन्होंने ऐसी लेखा नीतियों का चयन एवं निरंतर प्रयोग किया है और ऐसे निर्णय किए हैं तथा प्राक्कलन किए हैं, जो 31 मार्च 2014 को बैंक के कार्यकलाप और उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष हेतु बैंक के लाभ एवं हानि की सही एवं निष्पक्ष स्थिति दर्शाने के लिए पर्याप्त एवं विवेक सम्मत हैं;
- iii. उन्होंने बैंक की आस्तियों की सुरक्षा करने और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकार्ड रखने हेतु समुचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती है; और
- iv. उन्होंने वार्षिक लेखों को वर्तमान और भावी सतत अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किया है।

## आभार

वर्ष के दौरान सर्वश्री दिवाकर गुप्ता, प्रबंध निदेशक और श्री प्रतीप चौधरी, अध्यक्ष अधिवर्षिता आयु पूर्ण होने पर क्रमशः 31 जुलाई 2013 और 30 सितंबर 2013 को सेवानिवृत्त हो गए।

श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी भारत सरकार द्वारा धारा 19(घ) के अंतर्गत 29 अगस्त 2013 को निदेशक के रूप में नामित किए गए। श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य को धारा 19(ख) के अंतर्गत 2 अगस्त 2013 से प्रबंध निदेशक के रूप में और तत्पश्चात धारा 19(क) के अंतर्गत 7 अक्टूबर 2013 से अध्यक्ष के रूप में और श्री पी. प्रदीप कुमार को धारा 19(ख) के अंतर्गत 27.12.2013 से प्रबंध निदेशक के रूप में बोर्ड में नियुक्त किया गया।

निदेशक बोर्ड ने बोर्ड की चर्चाओं में पदमुक्त हुए निदेशकों श्री दिवाकर गुप्ता और श्री प्रतीप चौधरी द्वारा दिए गए योगदान की सराहना की है। साथ ही बोर्ड में निदेशकों के रूप में शामिल हुए श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य और श्री पी. प्रदीप कुमार का स्वागत किया है।

निदेशकों ने भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी, आईआरडीए और अन्य सरकारी एवं विनियामक एजेंसियों से प्राप्त मार्गदर्शन और सहयोग के लिए भी अपनी कृतज्ञता प्रकट की है।

निदेशकों ने सभी महत्वपूर्ण ग्राहकों, शेयरधारकों, बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं, शेयर बाजारों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों को भी उनके संरक्षण एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है और बैंक के कर्मचारियों की समर्पित एवं प्रतिबद्ध टीम की उन्होंने सराहना की है।

केन्द्रीय निदेशक बोर्ड के लिए  
और उनकी ओर से

दिनांक : 23 मई, 2014

अध्यक्ष



## RESPONSIBILITY STATEMENT

### The Board of Directors hereby states:

- i. that in the preparation of the annual accounts, the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures;
- ii. that they have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgements and estimates as are reasonable and prudent, so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Bank as on the 31st March, 2014, and of the profit and loss of the Bank for the year ended on that date;
- iii. that they have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Banking Regulation Act, 1949 and State Bank of India Act, 1955 for safeguarding the assets of the Bank and preventing and detecting frauds and other irregularities; and
- iv. that they have prepared the annual accounts on a going concern basis.

## ACKNOWLEDGEMENT

During the year, Sarvashri Diwakar Gupta, Managing Director and Shri Pratip Chaudhuri, Chairman, retired on attaining superannuation on 31st July & 30th September 2013, respectively.

Shri Tribhuwan Nath Chaturvedi was nominated as Director under section 19(d) by Government of India w.e.f. 29th August, 2013. Smt. Arundhati Bhattacharya was appointed as Managing Director under section 19(b) w.e.f. 2nd August, 2013 and thereafter, Chairman under section 19(a) w.e.f. 7th October 2013. Shri P. Pradeep Kumar was appointed as Managing Director under section 19 (b) w.e.f. 27.12.2013 on the Board.

The Directors place on record their appreciation of the contributions made by the respective outgoing Directors, namely, Shri Diwakar Gupta and Shri Pratip Chaudhuri to the deliberations of the Board. The Directors welcome the new Directors Shri Tribhuwan Nath Chaturvedi, Smt. Arundhati Bhattacharya and Shri P. Pradeep Kumar on the Board.

The Directors also express their gratitude for the guidance and co-operation received from the Government of India, RBI, SEBI, IRDA and other government and regulatory agencies.

The Directors also thank all the valued clients, shareholders, banks and financial institutions, stock exchanges, rating agencies and other stakeholders for their patronage and support, and take this opportunity to express their appreciation of the dedicated and committed team of employees of the Bank.

For and on behalf of the  
Central Board of Directors

Date : 23rd May, 2014

Chairman



## कारपोरेट अभिशासन

### अभिशासन कोड के प्रति बैंक का दृष्टिकोण

कारपोरेट अभिशासन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं का अक्षरशः अनुपालन करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक प्रतिबद्ध है। बैंक का मानना है कि उपयुक्त कारपोरेट अभिशासन का महत्व विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं के अनुपालन से अधिक होता है। उपयुक्त अभिशासन से व्यवसाय के प्रभावी प्रबंधन और नियंत्रण में सुविधा होती है जिससे बैंक व्यवसाय सदाचार का उच्च स्तर बनाए रख सकता है और अपने हितधारकों को इष्टतम परिणाम दे सकता है। संक्षेप में इसके उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- शेयरधारकों की पूंजी की सुरक्षा और उसमें वृद्धि करना।
- ग्राहकों, कर्मचारियों तथा समग्र समाज जैसे अन्य सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करना।
- संप्रेषण में पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित करना तथा सभी संबंधित पक्षों को संपूर्ण, सही एवं स्पष्ट सूचना उपलब्ध कराना।
- ग्राहक सेवा तथा निष्पादन संबंधी उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना तथा सभी स्तरों पर उत्कृष्टता हासिल करना।
- सर्वश्रेष्ठ गुणवत्तापूर्ण कारपोरेट नेतृत्व प्रदान करना जो दूसरों के लिए अनुकरणीय हो।

#### बैंक निम्नलिखित बातों के लिए प्रतिबद्ध है :

- यह सुनिश्चित करना कि बैंक का निदेशक बोर्ड नियमित बैठकें करे, व्यवसाय तथा कार्यों के मामले में प्रभावी नेतृत्व तथा व्यावहारिक-ज्ञान प्रदान करे तथा बैंक के निष्पादन की निगरानी करे।
- कार्यनीतिक नियंत्रण की रूपरेखा तय करना तथा इसकी प्रभावोत्पादकता की निरंतर समीक्षा करना।
- नीति विकास, कार्यान्वयन एवं समीक्षा, निर्णयन, निगरानी, नियंत्रण और रिपोर्टिंग के लिए सुस्पष्ट रूप से लिखित पारदर्शी प्रबंधन प्रक्रिया स्थापित करना।
- बोर्ड को यथावश्यक सभी प्रासंगिक सूचनाएँ, सलाह और संसाधन उपलब्ध कराना ताकि वह अपनी भूमिका का निर्वाह प्रभावी ढंग से कर सके।
- यह सुनिश्चित करना कि अध्यक्ष, कार्यपालक प्रबंधन के सभी पहलुओं के प्रति उत्तरदायी हों तथा बैंक के निष्पादन और बोर्ड द्वारा निर्धारित नीतियों के कार्यान्वयन के लिए बोर्ड के प्रति जवाबदेह हों। अध्यक्ष और निदेशक बोर्ड की भूमिका भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा इसमें किए गए सभी संबंधित संशोधनों से भी निर्देशित होती है।
- यह सुनिश्चित करना कि भारत सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य विनियामकों तथा बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी प्रयोज्य संविधियों, विनियमों

और अन्य कार्यविधियों, नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने और यदि कोई विचलन हो, तो उसकी सूचना बोर्ड को देने के लिए किसी वरिष्ठ कार्यपालक को बोर्ड के प्रति उत्तरदायी बनाया जाए।

शेयर बाजारों के साथ सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुसार बैंक ने उन मामलों को छोड़कर जहाँ खंड 49 के प्रावधान भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 तथा भारतीय रिजर्व बैंक/भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुरूप नहीं हैं, कारपोरेट अभिशासन के प्रावधानों का अनुपालन किया है। कारपोरेट अभिशासन के इन प्रावधानों के कार्यान्वयन पर एक रिपोर्ट नीचे प्रस्तुत की गई है।

#### केंद्रीय बोर्ड : भूमिका एवं संरचना

भारतीय स्टेट बैंक का गठन वर्ष 1955 में संसद द्वारा पारित एक अधिनियम अर्थात् भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 (अधिनियम) से हुआ। इस अधिनियम के अनुसार केंद्रीय निदेशक बोर्ड का गठन किया गया था।

बैंक का केंद्रीय बोर्ड अपने अधिकार भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम एवं विनियम 1955 के प्रावधानों से प्राप्त करता है और उन्हीं के अनुपालन में अपने कार्य करता है। अन्य बातों के साथ इसकी प्रमुख भूमिका में निम्नांकित शामिल हैं :

- बैंक के जोखिम प्रोफाइल पर नजर रखना;
- बैंक के व्यवसाय और नियंत्रण प्रणाली की सम्पूर्ण निगरानी;
- विशेषज्ञ प्रबंधन सुनिश्चित करना, और;
- बैंक के हितधारकों के लाभों में अधिकाधिक वृद्धि करना।

बोर्ड की अध्यक्षता भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (क) के अंतर्गत नियुक्त बैंक के अध्यक्ष द्वारा की जाती है। भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ख) के अंतर्गत चार प्रबंध निदेशक भी इस बोर्ड के सदस्य नियुक्त किए गए हैं। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पूर्णकालिक निदेशक हैं। 31 मार्च 2014 को बोर्ड में कुल बारह अन्य निदेशक थे जो निम्नानुसार हैं;

- धारा 19(ग) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित चार निदेशक,
- केंद्र सरकार द्वारा धारा 19(गक) के अंतर्गत नामित एक निदेशक,
- केंद्र सरकार द्वारा धारा 19 (गख) के अंतर्गत नामित एक निदेशक,
- केंद्र सरकार द्वारा धारा 19(घ) के अंतर्गत नामित चार निदेशक,
- केंद्र सरकार द्वारा धारा 19(ङ) के अंतर्गत नामित एक निदेशक (भारत सरकार का अधिकारी), और
- केंद्र सरकार द्वारा धारा 19(च) के अंतर्गत नामित (भारतीय रिजर्व बैंक का अधिकारी) एक निदेशक।



# CORPORATE GOVERNANCE

## THE BANK'S PHILOSOPHY ON CODE OF GOVERNANCE

State Bank of India is committed to the best practices in the area of Corporate Governance, in letter and in spirit. The Bank believes that good Corporate Governance is much more than complying with legal and regulatory requirements. Good governance facilitates effective management and control of business, enables the Bank to maintain a high level of business ethics and to optimise the value for all its stakeholders. The objectives can be summarised as:

- To protect and enhance shareholder value.
- To protect the interest of all other stakeholders such as customers, employees and society at large.
- To ensure transparency and integrity in communication and to make available full, accurate and clear information to all concerned.
- To ensure accountability for performance and customer service and to achieve excellence at all levels.
- To provide corporate leadership of the highest standard for others to emulate.

### The Bank is committed to:

- Ensuring that the Bank's Board of Directors meets regularly, provides effective leadership and insights in business and functional matters and monitors Bank's performance.
- Establishing a framework of strategic control and continuously reviewing its efficacy.
- Establishing clearly documented and transparent management processes for policy development, implementation and review, decision-making, monitoring, control and reporting.
- Providing free access to the Board to all relevant information, advices and resources as are necessary to enable it to carry out its role effectively.
- Ensuring that the Chairman has the responsibility for all aspects of executive management and is accountable to the Board for the ultimate performance of the Bank and implementation of the policies laid down by the Board. The role of the Chairman and the Board of Directors are also guided by the SBI Act, 1955 with all relevant amendments.
- Ensuring that a senior executive is made responsible in respect of compliance issues with all applicable statutes, regulations and other procedures, policies as

laid down by the GOI/RBI and other regulators and the Board, and reports deviations, if any.

The Bank has complied with the provisions of Corporate Governance as per Clause 49 of the Listing Agreement with the Stock Exchanges except where the provisions of Clause 49 are not in conformity with SBI Act, 1955 and the directives issued by RBI/GOI. A report on the implementation of these provisions of Corporate Governance in the Bank is furnished below.

### Central Board : Role and Composition

State Bank of India was formed in 1955 by an Act of the Parliament, i.e., The State Bank of India Act, 1955 (Act). A Central Board of Directors was constituted according to the Act.

The Bank's Central Board draws its powers from and carries out its functions in compliance with the provisions of SBI Act & Regulations 1955. Its major roles include, among others:

- Overseeing the risk profile of the Bank;
- Monitoring the integrity of its business and control mechanisms;
- Ensuring expert management, and;
- Maximising the interests of its stakeholders.

The Central Board is headed by the Chairman, appointed under Section 19(a) of SBI Act; four Managing Directors are also appointed members of the Board under Section 19(b) of SBI Act. The Chairman and Managing Directors are whole time Directors. As on 31st March, 2014, there were twelve other directors on the Board, as under :

- four directors, elected by the shareholders under Section 19(c),
- one director, nominated by the Central Government under Section 19(ca),
- one director, nominated by the Central Government under Section 19(cb),
- four directors, nominated by the Central Government under Section 19(d),
- one director (official from the Govt. of India), nominated by the Central Government under Section 19(e), and
- one director (official from the Reserve Bank of India), nominated by the Central Government under Section 19(f).



इस बोर्ड का गठन सूचीबद्धता व्यवस्था के खंड 49 में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप है। निदेशकों के बीच आपस में कोई संबंध नहीं है।

गैर-कार्यपालक निदेशकों का संक्षिप्त परिचय अनुलग्नक I में दिया गया है, विभिन्न बोर्डों/समितियों में सभी निदेशकों द्वारा धारित निदेशक पदों/सदस्यताओं का विवरण अनुलग्नक II में और बैंक में उनकी शेरधारिता का विवरण अनुलग्नक III में दिया गया है।

### केंद्रीय बोर्ड की बैठकें

वर्ष 2013-14 के दौरान आयोजित बोर्ड की बैठकों की तारीख और उनमें निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या : 12		
बैठकों की तारीख	: 18.04.2013, 23.05.2013, 21.06.2013, 16.07.2013, 12.08.2013, 30.09.2013, 30.10.2013, 13.11.2013, 30.12.2013, 31.01.2014, 14.02.2014, 03.03.2014	
श्री एच. जी. कान्द्रेक्टर, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (आईबी), श्री ए. कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (एनबी), श्री एस. विश्वनाथन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी), श्री एस. वेंकटाचलम, और श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक सभी बारह बैठकों में उपस्थित रहे।		
निदेशक का नाम	नामांकन/चयन के बाद/ कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उन बैठकों की संख्या जिनमें उपस्थित थे
श्री प्रतीप चौधरी, अध्यक्ष (30.09.2013 तक)	06	06
श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य		
(क) प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी (02.08.2013 से 06.10.2013 तक)	02	02
(ख) अध्यक्ष (07.10.2013 से)	06	06
श्री दिवाकर गुप्ता, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी (31.07.2013 तक)	04	04
श्री पी. प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सीबी) (27.12.2013 से)	04	04
श्री डी. सुंदरम्	12	08
श्री पार्थसारथी अय्यंगार	12	05
श्री थोमस मैथ्यू	12	11
श्री ज्योति भूषण महापात्र	12	11
श्री एस. के. मुखर्जी	12	11
डॉ. राजीव कुमार	12	07
श्री दीपक आई. अमिन	12	09
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी (29.08.2013 से)	07	04
श्री राजीव टकरू	12	05
डॉ. ऊर्जित आर. पटेल	12	04

### केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति

केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति (ईसीसीबी) का गठन भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 30 के अनुसार किया गया है। भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम (46 एवं 47) में प्रावधान है कि केन्द्रीय बोर्ड के सामान्य अथवा विशेष निदेशों के अधीन केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति केन्द्रीय बोर्ड की परिधि में आने वाले किसी भी मामले पर विचार कर सकती है। केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति में अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत नामित निदेशक (भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती) और भारत में जिस स्थान पर बैठक आयोजित की जा रही हो, उस स्थान पर सामान्य रूप से निवास कर रहे अथवा उस समय वहाँ उपस्थित सभी या कोई अन्य निदेशक शामिल होते हैं। केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति की एक बैठक प्रत्येक सप्ताह में आयोजित की जाती है। वर्ष के दौरान, 55 ईसीसीबी बैठकें आयोजित की गईं। एसबीआई विनियम 1955 के अनुसार निर्धारित अपेक्षाओं का सख्ती से अनुपालन किया गया।

### अन्य बोर्ड स्तरीय समितियाँ :

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम और सामान्य विनियम, 1955 के प्रावधानों तथा भारत सरकार/भारतीय रिज़र्व बैंक/सेबी के दिशा-निर्देशों के अनुसार केन्द्रीय बोर्ड ने बोर्ड स्तरीय आठ समितियाँ गठित की हैं। ये हैं : लेखा-परीक्षा समिति, जोखिम प्रबंधन समिति, शेरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति, बड़ी राशि (₹1 करोड़ तथा उससे अधिक राशि) की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति, ग्राहक सेवा समिति, प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति, बोर्ड की पारिश्रमिक समिति और वसूली निगरानी के लिए बोर्ड समिति। ये समितियाँ बोर्ड स्तरीय कार्यवाही में कारगर पेशेवराना सहयोग प्रदान करती हैं जिनमें प्रमुख क्षेत्र हैं - लेखा-परीक्षा और लेखा, जोखिम प्रबंधन, शेरधारकों/निवेशकों की शिकायतों का निवारण, धोखाधड़ी की समीक्षा और नियंत्रण, ग्राहक सेवा की समीक्षा एवं ग्राहकों की शिकायतों का निवारण, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, कार्यपालक निदेशकों को मानदेय का भुगतान और ऋण एवं अग्रिमों की वसूली की निगरानी। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आधार पर पूर्णकालिक





The composition of the Board complies with the provisions laid down in Clause 49 of the Listing Agreement. There is no inter-se relationship between Directors.

A brief resume of each of the Non-Executive Directors is presented in Annexure I. Particulars of the directorships/memberships held by all the Directors in various Boards/Committees are presented in Annexure II and the details of their shareholding in the Bank are mentioned in Annexure III.

### Meetings of the Central Board

#### Dates & Attendance of Directors at Board Meetings during 2013-14

**No. of Meetings held** : 12

**Dates of the Meetings** : 18.04.2013, 23.05.2013, 21.06.2013, 16.07.2013, 12.08.2013, 30.09.2013, 30.10.2013, 13.11.2013, 30.12.2013, 31.01.2014, 14.02.2014, 03.03.2014

Shri H. G. Contractor, MD & GE (IB), Shri A. Krishna Kumar, MD & GE (NB), Shri S. Vishvanathan, MD & GE (A&S), Shri S. Venkatachalam and Shri Harichandra Bahadur Singh, Directors attended all the twelve Meetings.

Name of the Director	No. of Meetings held after nomination/ election/ during incumbency	No. of Meetings attended
Shri Pratip Chaudhari, Chairman (upto 30.09.2013)	06	06
Smt. Arundhati Bhattacharya		
(a) Managing Director & Chief Financial Officer (w.e.f. 02.08.2013 and upto 06.10.2013)	02	02
(b) Chairman (w.e.f. 07.10.2013)	06	06
Shri Diwakar Gupta, Managing Director & Chief Financial Officer (upto 31.07.2013)	04	04
Shri P. Pradeep Kumar, MD & GE (CB) (w.e.f. 27.12.2013)	04	04
Shri D. Sundaram	12	08
Shri Parthasarathy Iyengar	12	05
Shri Thomas Mathew	12	11
Shri Jyoti Bhushan Mohapatra	12	11
Shri S.K. Mukherjee	12	11
Dr. Rajiv Kumar	12	07
Shri Deepak I. Amin	12	09
Shri Tribhuvan Nath Chaturvedi (w.e.f. 29.08.2013)	07	04
Shri Rajiv Takru	12	05
Dr. Urjit R. Patel	12	04

### Executive Committee of the Central Board

The Executive Committee of the Central Board (ECCB) is constituted in terms of Section 30 of the SBI Act, 1955. The State Bank of India General Regulations (46 & 47) provide that, subject to the general or special directions of the Central Board, ECCB may deal with any matter within the competence of the Central Board. ECCB consists of the Chairman, the Managing Directors, the Director nominated under Section 19(f) of the SBI Act (Reserve Bank of India nominee), and all or any of the other Directors who are normally residents or may for the time being be present at any place within India where the meeting is held. The ECCB meetings are held once every week. During the year, 55 ECCB meetings were held. The quorum requirements, as per SBI Regulations 1955, are complied with meticulously.

### Other Board Level Committees

In terms of the provisions of SBI Act and General Regulations, 1955 and Govt./RBI/SEBI guidelines, the Central Board

has constituted eight Board Level Committees viz. Audit Committee, Risk Management Committee, Shareholders'/ Investors' Grievance Committee, Special Committee of the Board for Monitoring of Large Value Frauds (₹1 crores and above), Customer Service Committee, IT Strategy Committee, Remuneration Committee & Board Committee to Monitor Recovery. These Committees provide effective professional support in the conduct of Board level business in key areas like Audit & Accounts, Risk Management, resolution of Shareholders'/ Investors' grievances, Fraud Review and Control, Review of customer service and redressal of customer grievances, Technology Management, Payment of Incentives to Executive Directors and Oversight on Recovery of Loans and Advances. While the Remuneration Committee approves, once in a year, payment of incentives to wholtime Directors, based on Govt. of India guidelines, the other Committees meet periodically, once in a quarter generally, to deliberate on policy issues and/or review domain performance, as per



निदेशकों को मानदेय के भुगतान का अनुमोदन देने हेतु पारिश्रमिक समिति की वर्ष में एक बार बैठक आयोजित होती है। अन्य समितियों की बैठकें केन्द्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित समीक्षा के कैलेंडर के आधार पर आवधिक रूप में, सामान्यतः तिमाही अंतराल पर नीतिगत मामलों और/या क्षेत्र-विशेष के निष्पादन की समीक्षा के लिए आयोजित की जाती हैं। इन समितियों द्वारा बैंक के शीर्ष कार्यपालकों की सेवाओं के साथ-साथ आवश्यकतानुसार बाहरी विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जाती हैं। इन समितियों की बैठकों में हुई चर्चा के कार्यविवरण और कार्यवाही की संक्षिप्त रिपोर्ट केन्द्रीय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की जाती है।

#### बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति

बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार कार्य करती है और सूचीकरण करार के खंड 49 के प्रावधानों का अनुपालन उस सीमा तक करती है जिससे कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों/विनिर्देशों का उल्लंघन न हो।

#### बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति के कार्य

- (क) बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति बैंक के समस्त लेखा-परीक्षा कार्य के परिचालन हेतु दिशानिर्देश देती है तथा उन पर नजर भी रखती है। यह समिति बैंक के सांविधिक लेखा-परीक्षकों की नियुक्ति भी करती है और समय-समय पर उनके निष्पादन की समीक्षा करती है।
- (ख) बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति बैंक की वित्तीय, जोखिम प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा लेखा-परीक्षा नीति और लेखांकन नीतियों/प्रणालियों की समीक्षा करती है ताकि अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।
- (ग) यह समिति बैंक में आंतरिक निरीक्षण/लेखा-परीक्षा कार्यप्रणाली, उसकी गुणवत्ता एवं अनुवर्तन की दृष्टि से प्रभावकारिता की समीक्षा करती है। यह समिति निम्नलिखित के अनुवर्तन पर विशेष ध्यान भी देती है :
  - अपने ग्राहक को जानिए – धन-शोधन निवारण (केवाईसी-

एएमएल) दिशानिर्देश;

- लेखांकन के प्रमुख क्षेत्र;
- खंड 49 और सेबी द्वारा समय-समय पर जारी अन्य दिशानिर्देशों का अनुपालन;
- घोष और जिलानी समिति की संस्तुतियों के कार्यान्वयन की वस्तु-स्थिति।

- (घ) यह बैंक के अनुपालन विभाग से रिपोर्टें प्राप्त करती है तथा उनकी समीक्षा करती है।
- (ङ) बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35 के अंतर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक की वार्षिक वित्तीय निरीक्षण रिपोर्ट और लांग फार्म लेखा-परीक्षा रिपोर्टों में उठाए गए सभी विषयों पर बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति अनुवर्ती कार्रवाई करती है। वार्षिक/तिमाही वित्तीय खातों एवं रिपोर्टों को अंतिम रूप देने से पूर्व यह समिति बाह्य लेखा परीक्षकों से विचार-विमर्श करती है। केन्द्रीय बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट एक औपचारिक 'ऑडिट चार्टर' अथवा 'टर्म्स ऑफ रेफरेंस' निर्धारित किया गया है जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है।

बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति में आठ सदस्य हैं, जिनमें से दो पूर्णकालिक निदेशक, दो सरकारी निदेशक (भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती) तथा चार गैर-सरकारी, गैर-कार्यपालक निदेशक हैं। बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति की बैठकों की अध्यक्षता गैर-कार्यपालक निदेशक द्वारा की जाती है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार इसके विधान तथा कोरम संबंधी अपेक्षाओं का सख्ती से अनुपालन किया जाता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार अपेक्षित आंतरिक नियंत्रण, प्रणालियों एवं कार्यविधियों तथा अन्य पहलुओं से जुड़े विभिन्न मामलों की समीक्षा के लिए वर्ष के दौरान बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति की दस बैठकें आयोजित की गईं।

### वर्ष 2013-14 के दौरान आयोजित बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति की बैठकों की तारीखें और उनमें निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या : 10

बैठकों की तारीखें : 17.04.2013, 22.05.2013, 19.07.2013, 10.08.2013, 23.10.2013, 12.11.2013, 27.12.2013, 13.02.2014, 03.03.2014, 18.03.2014

श्री एच. जी. कान्ट्रेक्टर, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (आईबी) और श्री एस. वेंकटाचलम, निदेशक सभी 10 बैठकों में उपस्थित रहे।

निदेशक का नाम	नामांकन/चयन के बाद/अवधि के दौरान बैठकों की संख्या	उन बैठकों की आयोजित संख्या जिनमें उपस्थित थे
श्री ए. कृष्णाकुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)	10	9
श्री एस. विश्वनाथन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी) – वैकल्पिक सदस्य	–	1
श्री डी. सुंदरम	10	8
श्री थॉमस मैथ्यू	10	9
डॉ. राजीव कुमार	10	6
श्री राजीव टकरू	10	1
डॉ. ऊर्जित आर. पटेल	10	7

आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार बैठकों का गठन और निर्धारित अपेक्षाओं का सख्ती से अनुपालन किया गया।

#### बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) ऋण जोखिम, बाजार जोखिम तथा परिचालन जोखिम संबंधी समन्वित जोखिम प्रबंधन नीति और कार्यनीति की निगरानी करने हेतु गठित की गई है। इस समिति के आठ सदस्य हैं और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक समिति के अध्यक्ष होते हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति की 31.05.2013, 18.09.2013, 12.12.2013, और 18.03.2014 को चार बैठकें आयोजित की गईं।



the calendar of reviews approved by the Central Board. The Committees also call external specialists, besides drawing upon the services of top executives from the Bank, as and when needed. The minutes and proceedings containing brief reports on the discussions held at the meetings of the Committees are placed before the Central Board.

### Audit Committee of the Board

The ACB functions as per RBI guidelines and complies with the provisions of Clause 49 of the Listing Agreement to the extent that they do not violate the directives/guidelines issued by RBI.

### Functions of ACB

- (a) ACB provides direction as also oversees the operation of the total audit function in the Bank. It also appoints Statutory Auditors of the Bank and reviews their performance from time to time.
- (b) ACB reviews the Bank's financial, Risk Management, IS Audit Policies and Accounting Policies/Systems of the Bank to ensure greater transparency.
- (c) ACB reviews the internal inspection/audit plan and functions in the Bank – the system, its quality and effectiveness in terms of follow-up. It also, especially, focuses on the follow up of:
  - KYC-AML guidelines;

- Major areas of housekeeping;
- Compliance of Clause 49 and other guidelines issued by SEBI from time to time;
- Status of implementation of Ghosh and Jilani Committee recommendations.

- (d) It obtains and reviews reports from the Compliance Department in the Bank.
- (e) ACB follows up on all the issues raised in RBI's Annual Financial Inspection Reports under Section 35 of the Banking Regulation Act, 1949 and Long Form Audit Reports of the Statutory Auditors and other Internal Audit Reports. It interacts with the external auditors before the finalisation of the annual/quarterly financial accounts and reports. A formal 'Audit Charter' or 'Terms of Reference' laid down by the Central Board, is in place and updated periodically.

The ACB has eight members of the Board of Directors, including two whole time Directors, two official Directors (nominees of GOI and RBI) and four non-official, non-executive Directors. Meetings of the ACB are chaired by a Non-Executive Director. During the year, ten meetings of the ACB were held to review the various matters connected with the internal control, systems and procedures and other aspects as required in terms of RBI guidelines.

### Dates of Meetings of ACB held & Attendance of Directors during 2013-14

**No. of Meetings held** : 10

**Dates of the Meetings** : 17.04.2013, 22.05.2013, 19.07.2013, 10.08.2013, 23.10.2013, 12.11.2013, 27.12.2013, 13.02.2014, 03.03.2014, 18.03.2014

Shri H. G. Contractor, MD & GE (IB) and Shri S. Venkatachalam, Director attended all the ten Meetings.

Name of the Director	No. of Meetings held after nomination / election / during tenure	No. of Meetings attended
Shri A. Krishna Kumar, Managing Director & GE (NB)	10	9
Shri S. Vishvanathan, Managing Director & GE (A&S) –Alternate Member	-	1
Shri D. Sundaram	10	8
Shri Thomas Mathew	10	9
Dr. Rajiv Kumar	10	6
Shri Rajiv Takru	10	1
Dr. Urjit R. Patel	10	7

The constitution and quorum requirements, as per RBI guidelines, are complied with meticulously.

### Risk Management Committee of the Board

The Risk Management Committee of the Board (RMCB) was constituted on 23rd March, 2014, to oversee the policy and strategy for integrated risk management relating to credit risk, market risk and operational risk. The Committee has, eight members and the Senior Managing Director is the Chairman of the Committee. During 2013-14 four meetings of the RMCB were held on 31.05.2013, 18.09.2013, 12.12.2013, and 18.03.2014.



### बोर्ड की शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति

शेयर बाजारों के सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुसरण में शेयरधारकों एवं निवेशकों से शेयर अंतरण, वार्षिक रिपोर्ट न मिलने, बांडों पर ब्याज/घोषित लाभांश न मिलने जैसी शिकायतों के निवारण हेतु बोर्ड की शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति (एसआईजीसीबी) गठन किया गया था। इस समिति के छह सदस्य होते हैं और एक गैर-कार्यपालक निदेशक इसके अध्यक्ष होते हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान समिति की 25.04.2013, 22.07.2013, 23.10.2013 और 03.02.2014 को चार बैठकें हुईं जिनमें शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई।

वर्ष के दौरान प्राप्त शेयरधारकों की शिकायतों की संख्या:	219
उन शिकायतों की संख्या, जिनका समाधान शून्य शेयरधारकों की संतुष्टि के अनुरूप नहीं किया गया:	शून्य
लंबित शिकायतों की संख्या:	शून्य
अनुपालन अधिकारी का नाम एवं पदनाम:	श्री आर. के. अग्रवाल महाप्रबंधक (अनुपालन)

### बड़ी राशि ( ₹1 करोड़ तथा अधिक ) की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति :

बड़ी राशि (₹1 करोड़ तथा अधिक) की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए विशेष समिति (एससीबीएमएफ) का गठन 29 मार्च 2014 को किया गया था। इस समिति का प्रमुख कार्य बड़ी राशि की धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी एवं समीक्षा करना है जिससे यह समिति प्रणालीगत खामियों, धोखाधड़ी के मामलों का पता लगाने एवं सूचित करने में देरी के कारणों का पता लगा सकेगी और सीबीआई/पुलिस जांच कार्रवाई पर निगरानी रख सकेगी तथा स्टाफ की जिम्मेदारी शीघ्र तय करते हुए धोखाधड़ी की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की प्रभावशाली ढंग से समीक्षा करते हुए उपयुक्त निवारक उपाय भी शुरू कर सकेगी। इस समिति के आठ सदस्य हैं और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक इसके अध्यक्ष हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान समिति की 13.06.2013, 20.08.2013, 03.12.2013 और 11.03.2014 को चार बैठकें हुईं।

### बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति

बैंक द्वारा प्रदत्त ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में उत्तरोत्तर सुधार लाने के उद्देश्य से बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी) का गठन किया गया था। इस समिति के आठ सदस्य हैं और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक इसके अध्यक्ष होते हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान समिति की 08.06.2013, 26.08.2013, 07.11.2013 और 03.02.2014 को चार बैठकें हुईं।

### बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति

बैंक की आईटी पहलों की प्रगति पर निगरानी रखने की दृष्टि से 26 अगस्त 2004 को बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति गठित की गई। इस समिति ने बैंक के प्रौद्योगिकी प्रमुख क्षेत्र में एक कार्यनीतिक भूमिका का निर्वाह किया है। इस समिति के छह सदस्य हैं और एक गैर-कार्यपालक निदेशक इसके अध्यक्ष हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान इस समिति की 06.06.2013, 16.08.2013, 21.11.2013 और 26.02.2014 को चार बैठकें हुईं।

### बोर्ड की पारिश्रमिक समिति

भारत सरकार द्वारा मार्च 2007 में सूचित योजना के अनुसार प्रोत्साहन के भुगतान के संबंध में बैंक के पूर्णकालिक निदेशकों के कार्यों का मूल्यांकन करने हेतु 22 मार्च 2007 को पारिश्रमिक समिति का गठन किया गया। इस समिति में चार सदस्य हैं जिनमें (1) सरकार द्वारा नामित निदेशक (2) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नामित निदेशक (3) दो अन्य गैर-कार्यपालक निदेशक।

### बोर्ड की वसूली निगरानी समिति

भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसार ऋणों एवं अग्रिमों की वसूली पर नजर रखने के लिए केन्द्रीय बोर्ड द्वारा 22 मार्च 2007 को हुई अपनी बैठक में बोर्ड की वसूली निगरानी समिति गठित की गई। समिति में छह सदस्य हैं जिनमें अध्यक्ष, चार प्रबंध निदेशक और सरकार के नामित निदेशक शामिल हैं। वर्ष के दौरान 17.07.2013, 05.11.2013, 15.02.2014 को इस समिति की तीन बैठकें हुईं जिनमें बैंक के अनर्जक आस्ति प्रबंधन की समीक्षा की गई।

### स्थानीय बोर्ड

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम एवं सामान्य विनियम 1955 के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक केन्द्र में जहाँ बैंक का स्थानीय प्रधान कार्यालय (एलएचओ) है, वहाँ स्थानीय बोर्ड/स्थानीय बोर्ड की समितियाँ कार्य कर रही हैं। केन्द्रीय बोर्ड द्वारा प्रत्यायोजित कार्य और विवेकाधिकारों का उपयोग स्थानीय बोर्डों द्वारा किया जाता है। 31 मार्च 2014 को दस स्थानीय प्रधान कार्यालयों में स्थानीय बोर्ड और शेष चार स्थानीय प्रधान कार्यालयों में स्थानीय बोर्ड की समितियाँ कार्यरत थीं। स्थानीय बोर्डों/स्थानीय बोर्डों की समितियों की बैठकों के कार्यविवरण और कार्यवाही केन्द्रीय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की जाती है।

### बैठक फीस

पूर्णकालिक निदेशकों को प्रदत्त पारिश्रमिक एवं बोर्ड/बोर्ड की समितियों की बैठकों में सहभागिता करने हेतु गैर-कार्यपालक निदेशकों को भुगतान की गई बैठक फीस भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित राशि के अनुरूप है। गैर-कार्यपालक निदेशकों को बोर्ड और/या इसकी समिति की बैठकों में सहभागिता करने हेतु बैठक फीस के अलावा कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है। वर्तमान में केन्द्रीय बोर्ड की बैठक में सहभागिता के लिए ₹10,000/- और अन्य बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों में सहभागिता के लिए ₹5,000/- बैठक फीस दी जाती है। तथापि, बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों तथा भारत सरकार/भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नामित निदेशकों को बैठक फीस का भुगतान नहीं किया जाता है। वर्ष 2013-14 के दौरान भुगतान की गई बैठक फीस का विवरण अनुलग्नक-IV में दिया गया है।

### बैंक की आचार संहिता का अनुपालन

बैंक के केन्द्रीय बोर्ड के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय की घोषणा अनुलग्नक-V में दी गई है। आचार संहिता बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है।



### Shareholders'/Investors' Grievance Committee of the Board

In pursuance of Clause 49 of the Listing Agreement with the Stock Exchanges, Shareholders'/Investors' Grievance Committee of the Board (SIGCB) was formed on 30th January, 2001, to look into the redressal of Shareholders' and Investors' complaints regarding transfer of shares, non-receipt of annual report, non-receipt of interest on bonds/declared dividends, etc. The Committee has, six members and is chaired by a Non-Executive Director. The Committee met four times during 2013-14, on 25.04.2013, 22.07.2013, 23.10.2013 and 03.02.2014 and reviewed the position of complaints.

Number of shareholders' complaints received during the year	219
Number of complaints not solved to the satisfaction of shareholders	NIL
Number of Pending Complaints	NIL
Name and designation of Compliance officer	Shri R. K. Agrawal General Manager (Compliance)

### Special Committee of the Board for Monitoring of Large Value Frauds (₹1 crore and above)

The Special Committee of the Board for monitoring of Large Value Frauds (₹1 crore and above) (SCBMF) was constituted on the 29th March, 2004, to monitor and review all large value frauds with a view to identifying systemic lacunae, if any, reasons for delay in detection and reporting, if any, monitoring progress of CBI/Police investigation, recovery position, ensuring that staff accountability exercise is completed quickly, reviewing the efficacy of remedial action taken to prevent recurrence of frauds and putting in place suitable preventive measures. The Committee has, eight members and the Senior Managing Director on the Committee is the Chairman. The Committee met four times during 2013-14, on 13.06.2013, 20.08.2013, 03.12.2013 and 11.03.2014.

### Customer Service Committee of the Board

The Customer Service Committee of the Board (CSCB) was constituted on 26th August, 2004, to bring about ongoing improvements in the quality of customer service provided by the Bank. The Committee has eight members and the Senior Managing Director on the Committee is the Chairman. During the year 2013-14, four meetings of the Committee were held on 08.06.2013, 26.08.2013, 07.11.2013 and 03.02.2014.

### IT Strategy Committee of the Board

With a view to tracking the progress of the Bank's IT initiatives, the Bank's Central Board constituted technology committee of the Board on 26th August, 2004

and renamed it as IT Strategy Committee of the Board w.e.f. 24th October, 2011. The Committee has played a strategic role in the Bank's technology domain. The Committee has six members and is chaired by a Non-Executive Director. The Committee met four times during 2013-14, on 06.06.2013, 16.08.2013, 21.11.2013 and 26.02.2014.

### Remuneration Committee of the Board

The Remuneration Committee was constituted on 22nd March, 2007, for evaluating the performance of Whole Time Directors of the Bank in connection with the payment of incentives, as per the scheme advised by the Government of India in March 2007. The Committee has four members consisting of (i) the Government Nominee Director, (ii) the RBI Nominee Director and (iii) two other Non-Executive Directors.

### Board Committee to Monitor Recovery

In terms of Govt. of India advices, a Board Committee to Monitor Recovery was constituted by the Central Board at its meeting held on 20th December, 2012, for oversight on Recovery of Loans and Advances. The Committee has six members consisting of Chairman, four Managing Directors and the Govt. Nominee Director. The Committee met three times during 2013-14, on 17.07.2013, 05.11.2013, 15.02.2014 and reviewed the NPA management of the Bank.

### Local Boards

In terms of the provisions of SBI Act and General Regulations 1955, at every centre where the Bank has a Local Head Office (LHO), Local Boards/Committees of Local Boards are functional. The Local Boards exercise such powers and perform such other functions and duties delegated to them by the Central Board. As on 31st March, 2014, Local Boards at Ten LHOs and Committees of the Local Boards at the remaining Four LHOs were functional. The minutes and proceedings of the meetings of Local Boards/Committees of Local Boards are placed before the Central Board.

### Sitting Fees

The remuneration of the whole-time Directors and the Sitting Fees paid to the Non-Executive Directors for attending the meetings of the Board/Committees of the Board are as prescribed by GOI from time to time. No remuneration, other than the Sitting Fees for attending Board and/or its Committee meetings, is paid to Non-Executive Directors. At present, Sitting Fees of ₹10,000/- is paid for attending the meetings of the Central Board and ₹5,000/- for attending the meetings of Other Board level Committees. Sitting fees are, however, not paid to the Chairman and Managing Directors of the Bank and GOI Nominee/RBI Nominee Directors. Details of Sitting fees paid during the year 2013-14 are placed in Annexure-IV.

### Compliance with Bank's Code of Conduct

The Directors on the Bank's Central Board and Senior Management have affirmed compliance with the Bank's



## वर्ष के दौरान गतिविधियां

निदेशकों को वर्तमान परिस्थितियों से अवगत करवाने के क्रम में बैंक ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित पहलें कीं :

- एक निदेशक ने मुंबई में सेंटर फॉर एडवांस्ड फायनैशियल रिसर्च एंड लर्निंग द्वारा 13 एवं 14 मई 2013 को गैर-कार्यपालक निदेशकों के लिए आयोजित सम्मेलन में सहभागिता की ।
- 16 नवंबर 2013 को नई दिल्ली में आईसीएआई द्वारा स्वतंत्र निदेशकों के लिए 'बैंकों में प्रभावी अभिशासन – स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका' विषय पर आयोजित पारस्परिक संवाद बैठक में भारत सरकार द्वारा नामित एक निदेशक ने सहभागिता की।

## वर्ष 2013-14 के दौरान अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों को प्रदत्त वेतन एवं भत्ते

	मूल वेतन	महंगाई भत्ता	प्रोत्साहन	अन्य बकाया	कुल पारिश्रमिक
<b>अध्यक्ष</b>					
श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य (07.10.2013 से 31.03.2014 तक) अध्यक्ष के रूप में	4,64,516.13	4,32,920.97	0.00		8,97,437.10
श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य (02.08.2013 से 6.10.2013 तक) प्रबंध निदेशक के रूप में	1,63,177.41	1,32,003.22	0.00		2,95,180.63
<b>कुल</b>	6,27,693.54	5,64,924.19	0.00		11,92,617.73
श्री प्रतीप चौधरी (भूतपूर्व अध्यक्ष) (01.04.2013 से 30.09.2013 तक)	480000.00	377600.00	600000.00		1457600.00
<b>प्रबंध निदेशक</b>					
श्री हेमंत जी. कान्टेक्टर (01.04.2013 से 31.03.2014 तक)	9,60,000.00	8,58,663.60	5,00,000.00		23,18,663.60
श्री ए. कृष्ण कुमार (01.04.2013 से 31.03.2014 तक)	9,60,000.00	8,58,663.60	5,00,000.00		23,18,663.60
श्री एस. विश्वनाथन (01.04.2013 से 31.03.2014 तक)	9,19,590.00	8,23,101.00	2,50,000.00		19,92,691.00
श्री पी. प्रदीप कुमार (27.12.2013 से 31.03.2014 तक)	2,38,677.42	2,14,809.68	0.00		4,53,487.10
श्री दिवाकर गुप्ता (भूतपूर्व प्रबंध निदेशक) (01.04.2013 से 31.07.2013 तक)	3,20,000.00	2,49,600.00	5,00,000.00		10,69,600.00

## वार्षिक महासभा में उपस्थिति

वर्ष 2012-13 की वार्षिक महासभा 21 जून 2013 को आयोजित की गई जिसमें 12 निदेशक उपस्थित थे। इनके नाम हैं: श्री प्रतीप चौधरी, श्री हेमंत जी. कान्टेक्टर, श्री दिवाकर गुप्ता, श्री ए. कृष्ण कुमार, श्री एस. विश्वनाथन, श्री ए. वेंकटाचलम, श्री डी. सुंदरम, श्री पार्थसारथी अय्यंगर, श्री थोमस मैथ्यू, श्री एस.के. मुखर्जी, श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह एवं श्री ज्योति भूषण महापात्र। बैंक के शेयरधारकों की वर्ष 2011-12 की वार्षिक महासभा 22 जून 2012 को और वर्ष 2010-11 की 20 जून 2011 को आयोजित की गई। ये तीनों वार्षिक महासभाएं, मुंबई में आयोजित की गईं और इन पिछली तीन वार्षिक महासभाओं में कोई विशेष संकल्प पारित नहीं किए गए।

## प्रकटीकरण

बैंक अपने प्रमोटर्स, निदेशकों या प्रबंधन, उनकी अनुषंगियों अथवा संबंधियों, आदि के साथ किसी भी ऐसे महत्वपूर्ण भौतिक लेनदेन से असंबद्ध रहा है जो बृहत्तर स्तर पर बैंक के हितों के प्रतिकूल हो सकते थे।

बैंक द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों अथवा सेबी अथवा पूंजी बाजार से संबंधित किसी अन्य सांविधिक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रयोज्य नियमों और विनियमों का पालन किया गया है। विगत तीन वर्षों के दौरान इनके द्वारा बैंक पर किसी भी प्रकार का दंड या आक्षेप नहीं लगाया गया है।

बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित विसल ब्लोअर नीति लागू की गई है और सभी स्टाफ सदस्यों की जानकारी के लिए इसे बैंक के स्टेट बैंक टाइम्स पर उपलब्ध कराया गया है। इससे सेवा नियमों के उल्लंघन में कर्मचारियों के किसी अनैतिक कृत्य व व्यवहार की सूचना दी जा सके। इसमें विसल ब्लोअर के हित/पहचान को संरक्षण देने का भी प्रावधान है।

बैंक ने स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीकरण करार के खंड 49 की सभी शर्तों को पूरा किया है बशर्ते कि खंड की अपेक्षाएं भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के प्रावधानों, उन प्रावधानों के अंतर्गत बनाए गए नियमों और विनियमों तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों या निर्देशों का अतिक्रमण नहीं कर रही हों।

निदेशक बोर्ड का गठन, लेखा-परीक्षा समिति का गठन और उसका कोरम, गैर-कार्यपालक निदेशकों को प्रतिपूर्ति, सांविधिक लेखा-परीक्षकों की नियुक्ति, पुनर्नियुक्ति और उनकी फीस के निर्धारण के संबंध में खण्ड 49 की सांविधिक अपेक्षाएं बैंक पर बाध्यकारी नहीं हैं क्योंकि भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियमावली और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों में इनके लिए अलग से प्रावधान है।



Code of Conduct for the financial year 2013-14. Declaration to this effect signed by the Chairman is placed in Annexure-V. The Code is posted on the Bank's website.

### Developments during the year

In an effort to keep the Directors contemporised, the Bank took the following initiatives during the year:

- (i) One Director participated in Conference of Non-Executive Directors on 13th and 14th May, 2013, organised by Centre for Advanced Financial Research and Learning (CAFRAL) at Mumbai.
- (ii) One Director nominated by Govt. of India, participated in an Interactive Meeting of Independent Directors on Effective Governance in Banks – Role of Independent Directors on 16th November, 2013 by ICAI at New Delhi.

### Salary and Allowances paid to the Chairman and Managing Directors in 2013-14

	Basic	DA	Incentives	Other Arrears	Total Remuneration
<b>Chairman</b>					
Smt. Arundhati Bhattacharya (07.10.2013 to 31.03.2014) as Chairman	4,64,516.13	4,32,920.97	0.00		8,97,437.10
Smt. Arundhati Bhattacharya (02.08.2013 to 06.10.2013) as Managing Director	1,63,177.41	1,32,003.22	0.00		2,95,180.63
<b>Total</b>	<b>6,27,693.54</b>	<b>5,64,924.19</b>	<b>0.00</b>		<b>11,92,617.73</b>
Shri Pratip Chaudhuri (Ex-Chairman) (01.04.2013 to 30.09.2013)	4,80,000.00	3,77,600.00	6,00,000.00		14,57,600.00
<b>Managing Director</b>					
Shri Hemant G Contractor (01.04.2013 to 31.03.2014)	9,60,000.00	8,58,663.60	5,00,000.00		23,18,663.60
Shri A Krishna Kumar (01.04.2013 to 31.03.2014)	9,60,000.00	8,58,663.60	5,00,000.00		23,18,663.60
Shri S Vishvanathan (01.04.2013 to 31.03.2014)	9,19,590.00	8,23,101.00	2,50,000.00		19,92,691.00
Shri P Pradeep Kumar (27.12.2013 to 31.03.2014)	2,38,677.42	2,14,809.68	0.00		4,53,487.10
Shri Diwakar Gupta (Ex-Managing Director) (01.04.2013 to 31.07.2013)	3,20,000.00	2,49,600.00	5,00,000.00		10,69,600.00

### Attendance at the Annual General Meeting

The last Annual General Meeting (AGM) for the year 2012-13, held on the 21st June, 2013, was attended by 12 Directors, viz., Shri Pratip Chaudhuri, Shri Hemant G. Contractor, Shri Diwakar Gupta, Shri A. Krishna Kumar, Shri S. Vishvanathan, S. Venkatachalam, Shri D. Sundaram, Shri Parthasarthy Iyengar, Shri Thomas Mathew, Shri S.K. Mukherjee, Shri Harichandra Bahadur Singh and Shri Jyoti Bhushan Mohapatra. AGM (2011-12) was held on 22nd June, 2012 and AGM (2010-11) was held on 20th June, 2011. All three AGMs were held in Mumbai and no Special resolutions were passed in the previous three AGMs.

### Disclosure

The Bank has not entered into any materially significant related party transactions with its Promoters, Directors, or Management, their subsidiaries or relatives, etc., that may have potential conflict with the interests of the Bank at large.

The Bank has complied with applicable rules and regulations prescribed by Stock Exchanges, SEBI, RBI or any other statutory authority relating to the capital markets. During the last three years, no penalties or strictures have been imposed by them on the Bank.

A Whistle Blower Policy has been put in place and displayed on "State Bank Times" for reporting any unethical practices or behaviour by employees in violation of their service rules, with a provision for protection of interest / identity of the whistleblower.

The Bank has complied in all respects with the requirements of Clause 49 of the Listing Agreement with the Stock Exchanges, to the extent that the requirements of the Clause do not violate the provisions of State Bank of India Act 1955, the rules and regulations made thereunder and guidelines or directives issued by the Reserve Bank of India.



शेयरधारकों के आवास पर अर्ध-वार्षिक वित्तीय निष्पादन तथा महत्वपूर्ण घटनाएं संक्षेप में प्रेषित करने को छोड़कर बैंक ने खण्ड 49 की सभी गैर-सांविधिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है। उपर्युक्त के संबंध में विस्तृत सूचना बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।

### संचार माध्यम

बैंक की यह दृढ़ मान्यता है कि सभी हितधारकों को बैंक के कार्यकलाप, निष्पादन और नए उत्पादों के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त होनी चाहिए। वर्ष 2013-14 के लिए बैंक के वार्षिक, अर्ध-वार्षिक और तिमाही परिणाम देश के सभी प्रमुख समाचार-पत्रों में प्रकाशित किए गए। इन परिणामों को बैंक की वेबसाइट (www.sbi.co.in और www.statebankofindia.com) पर भी प्रदर्शित किया गया। वार्षिक रिपोर्ट बैंक के सभी शेयरधारकों को भेजी जाती है। बैंक की वेबसाइट पर अन्य सामग्री के साथ-साथ बैंक द्वारा जारी समाचार, बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट तथा विभिन्न उत्पाद-प्रस्तावों का ब्योरा प्रदर्शित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष बैंक के वार्षिक एवं अर्ध-वार्षिक परिणामों की घोषणा के बाद उसी दिन पत्रकारों के साथ एक बैठक आयोजित की जाती है जिसमें बैंक के अध्यक्ष द्वारा एक प्रस्तुति तथा मीडिया द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए जाते हैं। इसके बाद एक और बैठक आयोजित की जाती है जिसमें अनेक निवेश विश्लेषकों को आमंत्रित किया जाता है और उनसे बैंक के कार्यनिष्पादन पर विस्तृत चर्चा की जाती है। तिमाही परिणामों की घोषणा के बाद प्रेस अधिसूचनाएं जारी की जाती हैं।

### शेयरधारकों के लिए सामान्य सूचना

शेयरधारकों की वार्षिक महासभा	:	दिनांक : 03.07.2014, समय : अपराह्न 3.00 बजे स्थान : वाई. बी. चव्हाण सभागृह, मुंबई
वित्तीय कैलेंडर	:	01.04.2013 से 31.03.2014
बहीबंदी की तारीख	:	31-05-2014 से 04.06.2014
₹15.00 प्रति शेयर की दर से अंतरिम लाभांश का भुगतान	:	02.04.2014
₹15.00 प्रति शेयर की दर से अंतिम लाभांश का भुगतान-भुगतान की तारीख	:	19.06.2014
इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन	:	भारतीय स्टेट बैंक के लाभांशों का भुगतान विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी किया जा रहा है।
शेयर बाजार जिनमें सूचीकरण किया गया है	:	मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, नई दिल्ली, चेन्नई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई। जीडीआर लंदन स्टॉक एक्सचेंज (एलएसई) में सूचीबद्ध हैं। लंदन शेयरबाजार (एलएसई) सहित सभी शेयर बाजारों को आज तक का सूचीकरण शुल्क अदा कर दिया गया है।
स्टॉक कोड/सीयूएसआईपी	:	स्टॉक कोड 500112 (बीएसई) एसबीआईएन (एनएसई) सीयूएसआईपी यूएस 856552203 (एलएसई)
शेयर हस्तांतरण व्यवस्था	:	भौतिक रूप के शेयरों की हस्तांतरण प्रक्रिया पूरी कर उन्हें निर्धारित समयावधि में शेयरधारकों को लौटाया जाता है। सूचीकरण करारों की शर्तों के अनुसार त्रैमासिक शेयर हस्तांतरण लेखा-परीक्षा तथा शेयर पूंजी लेखा-परीक्षा समाधान एक स्वतंत्र कंपनी सचिव द्वारा किया जाता है।
रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट का नाम तथा उनकी यूनिट का पता	:	मेसर्स डेटामेटिक्स फिनैशल सर्विसेस लिमिटेड प्लॉट बी-5, और पार्ट बी, क्रॉस लेन, एमआईडीसी, मरोल, अंधेरी (पूर्व), मुंबई- 400 093.
बोर्ड फोन नंबर	:	022-6671 2151 से 56 (पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक और अपराह्न 2 बजे से 4.30 बजे तक)
सीधे नंबर	:	022-6671 2198, 022-6671 2199, 022-6671 2201 से 6671 2203 तक
ई-मेल पता	:	sbi_eq@dfssl.com,
फैक्स	:	(022) 6671 2204
पत्र-व्यवहार के लिए पता	:	भारतीय स्टेट बैंक, शेयर एवं बांड विभाग, कारपोरेट केंद्र, 14 वीं मंजिल, स्टेट बैंक भवन, मादाम कामा रोड, नरीमन पॉइंट, मुंबई-400 021.
टेलीफोन	:	(022) 22740841 से 22740848
फैक्स	:	(022) 22855348
ई-मेल पता	:	gm.snb@sbi.co.in





Mandatory requirements of Clause 49 as to the composition of the Board of Directors, composition and quorum of the Audit Committee, Non-Executive Directors' compensation, the appointment, re-appointment of the Statutory auditors and fixation of their fees are not binding on the Bank, as separate provisions in the State Bank of India Act, SBI General Regulations and the Reserve Bank of India guidelines deal with the same.

The Bank has complied with all applicable non-mandatory requirements of Clause 49, except for sending half-yearly declaration of financial performance and summary of significant events to the households of shareholders, since detailed information on the same is posted on the website of the Bank.

### Means of Communication

The Bank strongly believes that all stakeholders should have access to complete information on its activities, performance and product initiatives. Annual, half-yearly and quarterly results of the Bank for the year 2013-14 were published in the leading newspapers of the country. The results were also displayed on the Bank's website (www.sbi.co.in and www.statebankofindia.com). The annual report is sent to all shareholders of the Bank. The Bank's website displays, inter alia, official news releases of the Bank, the Bank's Annual Report and Half-yearly report and details of various product offerings. Every year, after the annual and half-yearly results are declared, a Press meet is held on the same day, in which the Chairman makes a presentation and answers the queries of the media. This is followed by another meeting to which a number of investment analysts are invited. Details of the Bank's performance are discussed with the analysts in the meeting. After declaring quarterly results, press notifications are issued

### General Shareholder Information

The Annual General Meeting of the Shareholders	:	Date: 03.07.2014, Time 03.00 pm . Venue: Y. B. Chavan Auditorium, Mumbai
Financial Calendar	:	01.04.2013 to 31.03.2014
Period of Book Closure	:	31.05.2014 to 04.06.2014
Interim Dividend paid @ ₹15.00 per share	:	02.04.2014
Final Dividend @ ₹15.00 per share-payment date	:	19.06.2014
Electronic Clearing	:	Dividend on SBI shares is also being paid through various electronic modes
Listing on Stock Exchanges	:	Mumbai, Ahmedabad, Kolkata, New Delhi, Chennai and National Stock Exchange, Mumbai. GDRs listed on London Stock Exchange (LSE). Listing fees have been paid upto date to all Stock exchanges, including LSE
Stock Code/CUSIP	:	Stock Code 500112 (BSE) SBIN (NSE) CUSIP US 856552203 (LSE)
Share Transfer System	:	Share transfers in Physical form are processed and returned to the shareholders within stipulated time. Quarterly Share transfer audit and reconciliation of Share Capital audit in terms of the Listing Agreements are regularly carried out by an independent Company Secretary.
Registrar and Transfer Agent and their Unit Address	:	M/s Datamatics Financial Services Limited Plot B-5, and Part B, Cross Lane, MIDC, Marol, Andheri (E), Mumbai 400 093.
Board Phone numbers	:	022-6671 2151 to 56 (between 10 a.m. to 1.00 p.m. and 2 p.m. to 4.30 p.m.)
Direct Numbers	:	022-6671 2198, 022-667121 99, 022-6671 2201 to 6671 2203
E-mail address	:	sbi_eq@dfssl.com,
Fax	:	(022) 6671 2204
Address for Correspondence	:	State Bank of India Shares & Bonds Department, Corporate Centre, 14th Floor, State Bank Bhavan, Madam Cama Road, Nariman Point, Mumbai 400 021.
Telephones	:	(022) 22740841 to 22740848
Fax	:	(022) 22855348
E-mail Address	:	gm.snb@sbi.co.in

**वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान पूंजी संवर्धन**

वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान पूंजी संवर्धन करने पर बैंक ने खासतौर से ध्यान दिया। भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 5(2) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक और भारत सरकार के अनुमोदनों के अनुसार बैंक ने निम्नलिखित इक्विटी पूंजी जुटाई:

- (i) दिनांक 02.01.2014 को भारत सरकार को अधिमानी निर्गम के अंतर्गत प्रति शेयर ₹1,772.74 (एक हजार सात सौ बहत्तर रुपये और चौहत्तर पैसे) के प्रीमियम के साथ प्रति शेयर ₹1,782.74 (एक हजार सात सौ बयासी रुपये और चौहत्तर पैसे) के हिसाब से ₹1999,99,98,496.90 (एक हजार नौ सौ निन्यानवे करोड़ निन्यानवे लाख अट्टानवे हजार चार सौ छियानवे रुपये नब्बे पैसे मात्र) की कुल राशि के 1,12,18,685 ईक्विटी शेयर आबंटित किए गए। आबंटित किए गए शेयरों को सेबी (आईसीडीआर) विनियम, 2009 के विनियम 78(1) के अनुसार दिनांक 14 जनवरी 2017 तक अवरुद्ध अवधि के अंतर्गत रखा गया है।
- (ii) दिनांक 03.02.2014 को पात्र संस्थागत स्थानापन्न के अंतर्गत प्रति शेयर ₹1,555.00 के प्रीमियम के साथ प्रति शेयर ₹10/- के ₹1,565.00 के निर्गम मूल्य, जो सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार ₹1,629.35 की न्यूनतम दर पर 3.95% की बढ़ा दर से निकाला गया है, ₹8031,64,82,340 (रुपये आठ हजार इकतीस करोड़ चौंसठ लाख बयासी हजार तीन सौ चालीस रुपये मात्र) की कुल राशि के 5,13,20,436 इक्विटी शेयर आबंटित किए गए।

**बैंक की प्री एवं पोस्ट क्यूआईपी शेयरधारिता की स्थिति**

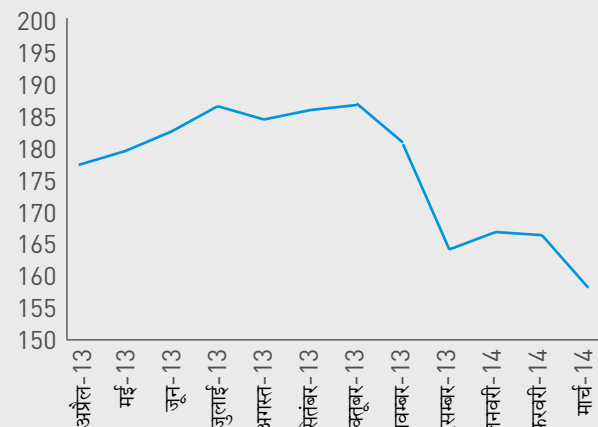
शेयरधारक की श्रेणी	प्री-क्यूआईपी	पोस्ट-क्यूआईपी
कुल बकाया शेयर	69,52,52,656	74,65,73,092
भारत सरकार की शेयरधारिता		
शेयरों की संख्या	43,74,59,825	43,74,59,825
प्रतिशत	62.92	58.60
जनता की शेयरधारिता का प्रतिशत	37.08	41.40

अधिमानी निर्गम और पात्र संस्थागत स्थानापन्न (क्यूआईपी) के अनुसार आबंटित इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध किया गया है और ट्रेडिंग के लिए शेयर बाजारों (बीएसई/एनएसई) द्वारा स्वीकार किया गया है। ईक्विटी संवर्धन के बाद (अधिमानी निर्गम/क्यूआईपी) के बाद ₹5,000 करोड़ की प्राधिकृत पूंजी की तुलना में बैंक की प्रदत्त पूंजी ₹746.57 करोड़ है।

हम यह भी बताना चाहते हैं कि बैंक ने निजी स्थानापन्न के रूप में 9.69% की वार्षिक आधार पर देय कूपन दर से दिनांक 02.01.2014 से ₹2,000 करोड़ की राशि के बेसल III अनुपालक टियर 2 बाण्ड निर्गमित और आबंटित किए हैं। ये बाण्ड 10 वर्ष की अवधि के लिए जारी किए गए हैं। इस लिखत पर केयर और आईसीआरए दोनों ने 'AAA' रेटिंग दी है।

**बकाया वैश्विक जमा रसीदें ( जीडीआर )**

बैंक के पास 31.03.2014 को 79,36,777 जीडीआर से संबंधित 1,58,73,554 शेयर थे ।

**वर्ष 2013-14 के दौरान जीडीआर धारिता में उतार-चढ़ाव ( शेयर लाख में )****दावारहित शेयर**

शेयरधारक की श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या	बकाया शेयर
वर्ष के आरंभ में उचंत खाते में पड़े दावारहित बकाया शेयरों और शेयरधारकों की कुल संख्या	1,064	25,292
वर्ष के दौरान दावारहित उचंत खाते से शेयर अंतरण के लिए जारीकर्ता से संपर्क करने वाले शेयरधारकों की संख्या	8	192
वर्ष के दौरान दावारहित उचंत खाते से जिन शेयरधारकों को शेयर अंतरित किए गए, उन शेयरधारकों की संख्या	8	192
वर्ष के अंत में उचंत खाते में पड़े दावारहित बकाया शेयरों और शेयरधारकों की कुल संख्या	1,056	25,100

**विगत वर्षों में लाभांश:** भारतीय स्टेट बैंक को अपने शेयरधारकों को पिछले कई वर्षों से निरंतर लाभांश का भुगतान करने का गौरव प्राप्त है।



## Capital Augmentation during FY 2013-14

Capital Augmentation was the key focus area for the Bank during FY 2013-14. Pursuant to the approvals from the Reserve Bank of India and the Government of India under Section 5(2) of the SBI Act, 1955, the Bank raised the undernoted equity capital:

- (i) Allotted 1,12,18,685 equity shares to Gol under Preferential Issue, on 02.01.2014, at an issue price of ₹1,782.74 (Rupees One Thousand Seven Hundred Eighty Two and Paise Seventy Four Only) per share, including premium of ₹1,772.74 (Rupees One Thousand Seven Hundred Seventy Two and Paise Seventy Four Only) per share aggregating ₹1999,99,98,496.90 (One Thousand Nine Hundred Ninety Nine Crores Ninety Nine Lakhs Ninety Eight Thousand Four Hundred Ninety Six and Paise Ninety Only). The shares so allotted, have been locked-in upto 14th January 2017, in terms of Regulation 78(1) of SEBI (ICDR) Regulations, 2009.
- (ii) Allotted 5,13,20,436 Equity Shares, on 03.02.2014 to eligible Qualified Institutional Buyers (QIBs) under Qualified Institutions Placement at an Issue Price of ₹1,565.00 per equity share of ₹10 each, including a premium of ₹1,555.00 per share, which is at a discount of 3.95% to the floor price of ₹1,629.35, as calculated in terms of the SEBI ICDR Regulations, aggregating to ₹8031,64,82,340 (Rupees Eight thousand thirty one crores sixty four lakhs eighty two thousand three hundred forty only).

### Pre & post-QIP shareholding pattern of the Bank

Category of shareholder	Pre-QIP	Post-QIP
Total shares outstanding	69,52,52,656	74,65,73,092
<b>Gol shareholding</b>		
Number of shares	43,74,59,825	43,74,59,825
Percentage	62.92	58.60
Public shareholding - Percentage	37.08	41.40

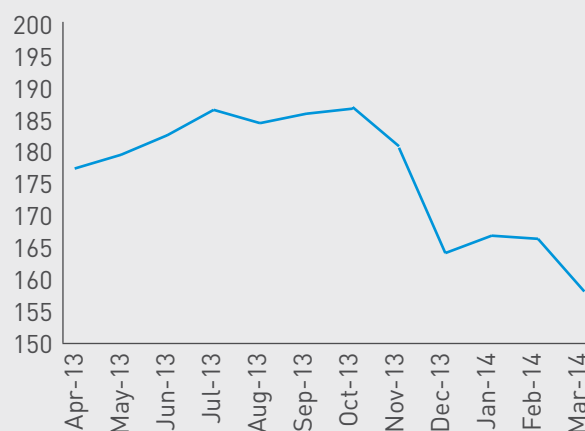
Equity shares allotted pursuant to the Preferential Issue and Qualified Institutions Placement (QIP) have been listed and admitted by the Stock Exchanges (BSE/NSE) for trading. Post equity augmentation (Preferential Issue/QIP), paid-up Capital of the Bank is ₹746.57 crores, as against the Authorised Capital of ₹5,000 crores.

We may also add that, the Bank has issued and allotted Basel III compliant Tier 2 bonds of ₹2,000 crores, issued for 120 months (10 year bullet), w.e.f. 02.01.2014, at an annually payable coupon of 9.69%, by way of private placement. The Instrument has been rated as 'AAA' by both CARE and ICRA.

### Outstanding Global Depository Receipts (GDR)

The Bank had 79,36,777 GDRs as on 31.03.2014 representing 1,58,73,554 shares.

### Movement in GDRs holdings during 2013-14 (Shares in lakhs)



### Unclaimed Shares

Category of shareholder	No. of Shareholders	Outstanding Shares
Aggregate number of shareholders and the outstanding shares lying in the Unclaimed Suspense account at the beginning of the year	1,064	25,292
Number of shareholders, who approached the Issuer for transfer of shares from the Unclaimed Suspense account during the year	8	192
Number of shareholders, to whom shares were transferred from the Unclaimed Suspense account during the year	8	192
Aggregate number of shareholders and the outstanding shares lying in the Unclaimed Suspense account at the end of the year	1,056	25,100

**Dividend History:** SBI has the distinction of making uninterrupted dividend payment to the shareholders for the last so many years.



## शेयर-कीमत में उतार-चढ़ाव

शेयर कीमत में उतार-चढ़ाव और बीएसई सेंसेक्स/एनएसई निफ्टी में उतार-चढ़ाव को निम्नलिखित तालिकाओं में प्रस्तुत किया गया है। बैंक के शेयरों का 31.03.2014 को बीएसई सेंसेक्स में बाजार पूंजीकरण भार 3.30% और एनएसई निफ्टी में 2.64% था।

## तालिका : बाजार मूल्य आंकड़े ( बंद होने के समय मूल्य )

माह	बीएसई		एनएसई		एलएसई ( जीडीआर )	
	उच्च	निम्न	उच्च	निम्न	उच्च	निम्न
अप्रैल-13	2,331.10	1,987.10	2,334.55	1,988.25	86.10	73.70
मई-13	2,424.60	2,047.70	2,419.35	2,046.75	87.82	72.32
जून-13	2,069.70	1,900.70	2,069.85	1,900.05	72.55	63.00
जुलाई-13	2,015.60	1,709.85	2,015.60	1,708.40	68.20	56.22
अगस्त-13	1,713.55	1,498.20	1,716.10	1,497.85	56.25	43.90
सितंबर-13	1,808.75	1,475.30	1,807.00	1,475.65	57.98	43.71
अक्टूबर-13	1,795.50	1,611.65	1,796.75	1,607.55	58.32	51.95
नवंबर-13	1,886.09	1,675.45	1,886.00	1,672.95	60.45	52.52
दिसंबर-13	1,889.20	1,718.95	1,890.85	1,718.30	61.55	55.30
जनवरी-14	1,765.30	1,517.55	1,765.05	1,516.60	57.15	48.56
फरवरी-14	1,532.70	1,473.40	1,533.25	1,475.10	49.34	47.66
मार्च-14	1,918.30	1,518.50	1,917.70	1,516.35	63.60	49.00

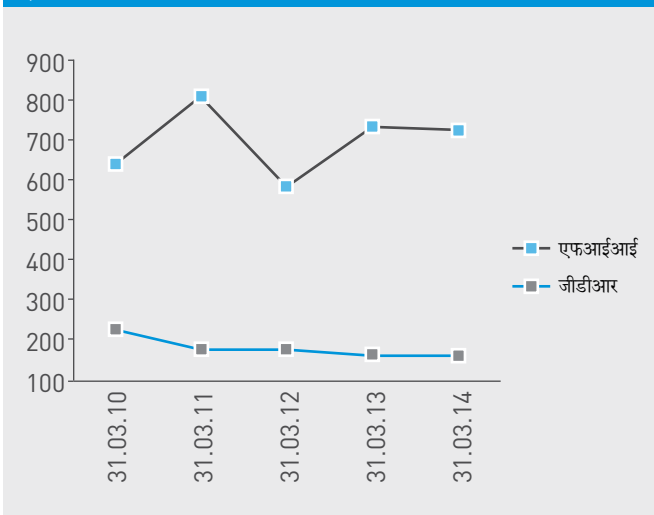
प्रति शेयर बही मूल्य : ₹1503.43

आर्थिक मूल्य वर्धित (ईवीए) : ₹4668 करोड़

## 31.03.2014 को शेयरधारिता का संवितरण

क्र. सं.	विवरण	कुल शेयरों का %
1	भारत के राष्ट्रपति	58.60
2	अनिवासी (विदेशी संस्थागत निवेशक/ विदेशी कारपोरेट निकाय/अनिवासी भारतीय/वैश्विक निक्षेपागार रसीदे)	12.04
3	म्यूचुअल फंड और यूटीआई	3.78
4	निजी कारपोरेट निकाय	2.87
5	बैंक/वित्तीय संस्थाएं/बीमा कंपनियाँ, आदि	16.79
6	निवासी व्यक्तियों सहित अन्य	5.92
	कुल	100.00

## पिछले 5 वर्षों के दौरान जीडीआर और एफआईआई में उतार-चढ़ाव ( शेयरों की संख्या लाख में )



## बैंक के दस शीर्ष शेयरधारक

क्र. सं.	नाम	कुल इक्विटी में शेयरों का %
1	भारत के राष्ट्रपति	58.60
2	भारतीय जीवन बीमा निगम - (वित्तीय संस्था)	14.99
3	दि बैंक आफ न्यूयार्क मेलन (हमारे जीडीआर के डिपॉजिटरी के रूप में)	2.13
4	एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड - (म्यूचुअल फंड)	1.65
5	स्केजेन कॉन-टिकी वर्डिप एपिरफांड (विदेशी संस्थागत निवेशक)	1.00
6	भारतीय साधारण बीमा निगम (वित्तीय संस्था)	0.63
7	आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड (म्यूचुअल फंड)	0.59
8	आबूधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (विदेशी संस्थागत निवेशक)	0.57
9	रिलायंस कैपिटल ट्रस्टी कं. लि. (म्यूचुअल फंड)	0.43
10	मॉर्गन स्टेनली एशिया (सिंगापुर) पीटीई (विदेशी संस्थागत निवेशक)	0.35



## Share Price Movement

The movement of the share price and the BSE Sensex/ NSE Nifty is presented in the following tables. The market capitalisation of the Bank's shares had a weightage of 3.30% in BSE Sensex and 2.64% in NSE Nifty as on 31.03.2014.

**Table: Market Price Data (Closing Values)**

Months	BSE		NSE		LSE (GDR)	
	High	Low	High	Low	High	Low
Apr-13	2,331.10	1,987.10	2,334.55	1,988.25	86.10	73.70
May-13	2,424.60	2,047.70	2,419.35	2,046.75	87.82	72.32
Jun-13	2,069.70	1,900.70	2,069.85	1,900.05	72.55	63.00
Jul-13	2,015.60	1,709.85	2,015.60	1,708.40	68.20	56.22
Aug-13	1,713.55	1,498.20	1,716.10	1,497.85	56.25	43.90
Sep-13	1,808.75	1,475.30	1,807.00	1,475.65	57.98	43.71
Oct-13	1,795.50	1,611.65	1,796.75	1,607.55	58.32	51.95
Nov-13	1,886.09	1,675.45	1,886.00	1,672.95	60.45	52.52
Dec-13	1,889.20	1,718.95	1,890.85	1,718.30	61.55	55.30
Jan-14	1,765.30	1,517.55	1,765.05	1,516.60	57.15	48.56
Feb-14	1,532.70	1,473.40	1,533.25	1,475.10	49.34	47.66
Mar-14	1,918.30	1,518.50	1,917.70	1,516.35	63.60	49.00

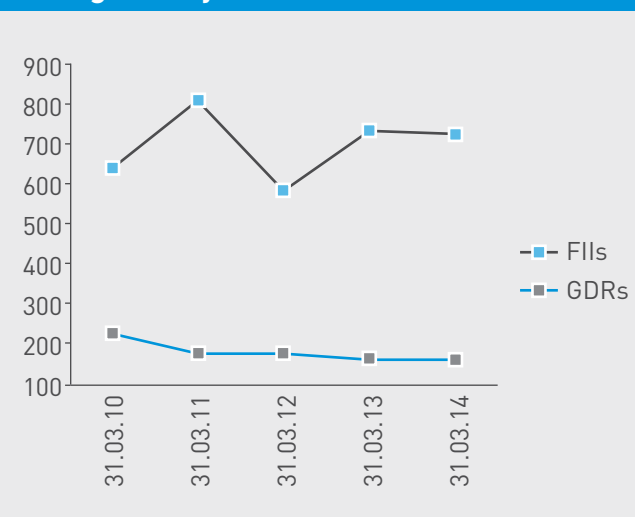
Book Value per Share ₹1,503.43

Economic Value Added (EVA): ₹4,668 crores

## Distribution of Shareholding as on 31.03.2014

Sr. No.	Description	% to Total
1	PRESIDENT OF INDIA	58.60
2	Non-residents (FIIs/OCBs/NRIs/GDRs)	12.04
3	Mutual Funds & UTI	3.78
4	Private Corporate Bodies	2.87
5	Banks/ FIs/ Insurance Cos., etc.	16.79
6	Others including resident Individuals	5.92
	Total	100.00

## Movement in GDRs & FII during last 5 years (No. of Shares in lakhs)



## Top Ten Shareholders

Sr. No.	Name	% of Shares in total Equity
1	PRESIDENT OF INDIA	58.60
2	LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA - (Financial Institutions)	14.99
3	THE BANK OF NEW YORK MELLON (as Depository to our GDR)	2.13
4	HDFC TRUSTEE COMPANY LIMITED (Mutual Fund)	1.65
5	SKAGEN KON-TIKI VERDIP APIRFOND (Foreign Institutional Investors)	1.00
6	GENERAL INSURANCE CORPORATION OF INDIA (Financial Institution)	0.63
7	ICICI PRUDENTIAL MUTUAL FUND (Mutual Fund)	0.59
8	ABU DHABI INVESTMENT AUTHORITY (Foreign Institutional Investors)	0.57
9	RELIANCE CAPITAL TRUSTEE CO. LTD (Mutual Fund)	0.43
10	MORGAN STANLEY ASIA (SINGAPORE) PTE. (Foreign Institutional Investors)	0.35



## अनुलग्नक I

दिनांक 31 मार्च 2014 को गैर-कार्यपालक निदेशकों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी

### श्री एस. वेंकटाचलम

(जन्म-तारीख: 8 नवंबर 1944)

श्री एस. वेंकटाचलम भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत 25 जून 2011 से तीन वर्ष के लिए शेयरधारकों द्वारा पुनः निर्वाचित निदेशक हैं। वे इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के फेलो-सदस्य हैं और सिटी ग्रुप एवं सिटी बैंक एनए इंडिया ऑर्गेनाइजेशन में 31 वर्षों से वरिष्ठ प्रबंधन संवर्ग में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं।

### श्री डी. सुंदरम

(जन्म-तारीख: 16 अप्रैल 1953)

श्री डी. सुंदरम भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत 25 जून 2011 से तीन वर्ष के लिए शेयरधारकों द्वारा पुनः निर्वाचित निदेशक हैं। वे टीवीएस कैपिटल फंड्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं। वे व्यावसायिक योग्यता प्राप्त एकाउंटेंट (एफआईसीडब्ल्यूए) हैं और वित्त तथा लेखांकन के क्षेत्र में बृहद् अनुभव रखते हैं। इन्होंने हिन्दुस्तान यूनीलीवर लि. समूह में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

### श्री पार्थसारथी अय्यंगार

(जन्म-तारीख: 2 जून 1961)

श्री पार्थसारथी अय्यंगार भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत 25 जून 2011 से तीन वर्ष के लिए शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित निदेशक हैं। श्री अय्यंगार यूएसए से इंजीनियरिंग तथा प्रबंधन (प्रबंधन सूचना प्रणाली) में स्नातकोत्तर डिग्रीधारक हैं। इन्हें यूएस और भारत में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 25 वर्ष से अधिक का अनुभव है। वे विश्वविख्यात सूचना प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं सलाहकार तथा गार्टनर के उपाध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित विश्लेषक हैं और संप्रति भारत में इसके क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

### श्री थॉमस मैथ्यू

(जन्म-तारीख: 20 फरवरी 1951)

श्री थॉमस मैथ्यू भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत 13 जनवरी 2013 से शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित निदेशक हैं। श्री मैथ्यू इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के फेलो-सदस्य हैं और उन्हें देशी एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सांविधिक/आंतरिक लेखा-परीक्षा का 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

### श्री ज्योति भूषण महापात्र

(जन्म-तारीख: 23 सितंबर 1957)

श्री ज्योति भूषण महापात्र भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (गक) के अंतर्गत 21 नवंबर 2011 से केंद्रीय सरकार द्वारा नामित वर्कमेन कर्मचारी निदेशक हैं।

### श्री एस. के. मुखर्जी

(जन्म-तारीख: 27 नवंबर 1955)

श्री एस. के. मुखर्जी, भारतीय स्टेट बैंक की धारा 19 (गख) के अंतर्गत 4 अक्टूबर 2012 से केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी निदेशक हैं।

### डॉ. राजीव कुमार

(जन्म-तारीख: 6 जुलाई 1951)

डॉ. राजीव कुमार, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (घ) के अंतर्गत 6 अगस्त 2012 से तीन वर्ष के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। डॉ. कुमार ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल डिग्रीधारक, एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री हैं और वे पहले फिक्की के महानिदेशक, आईसीआरआईआईआर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे हैं और वे एशियन डेवलपमेंट बैंक में भी काम कर चुके हैं। डॉ. कुमार संप्रति सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली में सीनियर फेलो हैं।

### श्री दीपक आई. अमिन

(जन्म-तारीख: 20 अप्रैल 1966)

श्री दीपक अमिन भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत 24 जनवरी 2012 से तीन वर्ष के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। श्री अमिन आईआईटी, मुंबई से कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में बी.टेक. उपाधि तथा यूएसए के रोड आइलैंड विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में एमएस डिग्री-प्राप्त हैं। श्री अमिन कोविलिक्स, इंक सीटल व भारत की अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर सलाहकार कंपनी (एमटेक आइएनसी द्वारा अधिगृहीत) के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे हैं। इससे पहले श्री अमिन वीजंगल, इंक, वेब सेवा सॉफ्टवेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे हैं जिसे स्ट्रीमसर्व, इंक ने अधिगृहीत किया था। श्री अमिन ने माइक्रोसाफ्ट में कई वर्षों तक माइक्रोसाफ्ट विंडोज नेटवर्किंग टीमों में लीड इंजीनियर के रूप में कार्य किया है। वे माइक्रोसाफ्ट, यूएसए में मूल इंटरनेट ब्राउजर टीम में वरिष्ठ इंजीनियर रहे हैं। श्री अमिन नोबल पुरस्कार विजेता डॉक्टर मुहम्मद यूनुस की टेक्नॉलॉजी एडवाइजरी बोर्ड ऑफ ग्रामीण फाउंडेशन में भी शामिल हैं जो विश्व की निर्धनतम महिलाओं के बेहतर वित्तीय समावेशन के लिए बृहद् वित्तीय एवं प्रौद्योगिकी संबंधी समाधान प्रदान करती है।



## ANNEXURE I

### Brief Resumes of the Non-Executive Directors on the Board as on 31st March, 2014

#### Shri S. Venkatachalam

(Date of Birth: 8th November, 1944)

Shri S. Venkatachalam is a Director re-elected by the Shareholders u/s 19(c) of SBI Act, w.e.f. 25th June, 2011, for three years. He is a fellow member of the Institute of Chartered Accountants of India and was employed with Citi Group and Citibank NA India Organisation in the Senior Management Cadre for a period of 31 years in various capacities.

#### Shri D. Sundaram

(Date of Birth: 16th April, 1953)

Shri D. Sundaram, is a Director re-elected by the Shareholders u/s 19(c) of SBI Act, w.e.f. 25th June, 2011, for a period of three years. He is the Vice Chairman and Managing Director of TVS Capital Funds Limited. He is a professionally qualified Accountant (FICWA) and carries rich experience in the area of Finance and Accounting. He has held many important positions in Hindustan Unilever Ltd. (HUL) group.

#### Shri Parthasarathy Iyengar

(Date of Birth: 2nd June, 1961)

Shri Parthasarathy Iyengar is a Director elected by the Shareholders u/s 19(c) of SBI Act, w.e.f. 25th June, 2011, for three years. Shri Iyengar holds Post graduate degrees in Engineering and Management (Management Information Systems) from USA. He has more than 25 years of experience in the field of Information Technology in US and India. He is Vice-President and Distinguished Analyst in Gartner, a world renowned IT research and advisory services entity and currently its Regional Research Director in India.

#### Shri Thomas Mathew

(Date of Birth: 20th February, 1951)

Shri Thomas Mathew is a Director elected by the Shareholders u/s 19(c) of SBI Act, w.e.f. 13th January, 2013. Shri Mathew is a Fellow Member of the Institute of Chartered Accountants and has experience of more than 35 years in statutory/internal audit of domestic and multinational companies.

#### Shri Jyoti Bhushan Mohapatra

(Date of Birth: 23rd September, 1957)

Shri Jyoti Bhushan Mohapatra is a Workmen Employee Director u/s 19(ca) of SBI Act, nominated by the Central Government, w.e.f. 21st November 2011.

#### Shri S.K. Mukherjee

(Date of Birth: 27th November, 1955)

Shri S.K. Mukherjee is an Officer Employee Director u/s 19(cb) of SBI Act, nominated by the Central Government, w.e.f. 4th October 2012.

#### Dr. Rajiv Kumar

(Date of Birth: 6th July, 1951)

Dr. Rajiv Kumar is a Director re-nominated by the Central Government u/s 19(d) of SBI Act, w.e.f. 6th August, 2012, for a period of three years. Dr. Kumar holds a D.Phil from Oxford University, and is a renowned Economist, with earlier stints in FICCI (Director General), ICRIER (Chief Executive Officer) and the with Asian Development Bank. Dr. Kumar is currently a Senior Fellow at the Centre for Policy Research, New Delhi.

#### Shri Deepak I. Amin

(Date of Birth: 20th April, 1966)

Shri Deepak I. Amin is a Director nominated by the Central Government u/s 19(d) of SBI Act, w.e.f. 24th January, 2012, for a period of three years. Shri Amin holds a B.Tech. degree in Computer Science from IIT Bombay and M.S. in Computer Science from University of Rhode Island, USA. Mr. Amin was the co-founder and CEO of Covelix, Inc, a Seattle and India based international software consulting firm (acquired by Emtec Inc) and the founder and CEO of vJungle, Inc, a web services software infrastructure Company, which was acquired by Streamserve, Inc. Shri Amin also worked at Microsoft for many years. Shri Amin is on the Technology Advisory Board of Grameen Foundation of Nobel Laureate Dr. Muhammad Yunus providing scalable financial and technology solutions for improving financial inclusion of the world's poorest women.

**श्री हरिचन्द्र बहादुर सिंह**

(जन्म-तारीख: 16 सितंबर 1963)

श्री हरिचन्द्र बहादुर सिंह भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत 24 सितंबर 2012 से तीन वर्ष के लिए केंद्रीय सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। श्री सिंह को कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और एसएमई व्यवसाय में अनुभव है। वे 24.12.2008 से 08.12.2010 के दौरान पंजाब एण्ड सिंध बैंक के निदेशक थे।

**श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी**

(जन्म-तारीख: 15 जनवरी 1959)

श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत 29 अगस्त 2013 से तीन वर्ष के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। श्री चतुर्वेदी पेशेवर चार्टर्ड एकाउंटेंट एवं टीएन चतुर्वेदी एंड कंपनी, चार्टर्ड एकाउंटेंट, नई दिल्ली के वरिष्ठ भागीदार हैं। उन्हें वित्त एवं लेखा, कराधान और कारपोरेट-विधि के क्षेत्र में व्यापक अनुभव तथा विशेषज्ञता है। श्री चतुर्वेदी (27 दिसंबर 2008 से 26 दिसंबर 2011 तक) तीन वर्ष के लिए पंजाब नैशनल बैंक के शेयरधारक निदेशक रह चुके हैं।

**श्री राजीव टकरु**

(जन्म-तारीख: 26 सितंबर 1955)

श्री राजीव टकरु भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ड) के अंतर्गत 4 फरवरी 2013 से केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। श्री राजीव टकरु वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव हैं।

**डॉ. ऊर्जित आर. पटेल**

(जन्म-तारीख: 28 अक्तूबर 1963)

डॉ. ऊर्जित आर. पटेल भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत 6 फरवरी 2013 से केंद्रीय सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। डॉ. ऊर्जित आर. पटेल भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर हैं।

**अनुलग्नक II**

31.03.2014 को बोर्ड-निदेशकों/बोर्ड स्तरीय समितियों के निदेशकों के संबंध में विवरण जो बैंक (I)/अन्य कंपनियों के सदस्य/अध्यक्ष हैं

क्र. सं.	निदेशक का नाम	व्यवसाय एवं पता	बोर्ड में नियुक्ति की तारीख	बैंक सहित कंपनियों की संख्या (विवरण अनुलग्नक II ए में दिया गया है)
1	श्रीमती अरुधती भट्टाचार्य	अध्यक्ष नं.5, डुनेडिन, जे.एम. मेहता मार्ग मुंबई-400 006	07.10.2013	अध्यक्ष : 14 निदेशक : 02
2	श्री हेमंत जी. कांट्रेक्टर	प्रबंध निदेशक एम-1, किन्नेलन टावर्स, 100ए, नेपियन सी रोड मुंबई-400 006	07.04.2011	निदेशक : 05 समिति सदस्य : 01
3	श्री ए. कृष्ण कुमार	प्रबंध निदेशक एम-2, किन्नेलन टावर्स, 100ए, नेपियन सी रोड, मुंबई-400 006	07.04.2011	निदेशक : 06 समिति सदस्य : 04
4.	श्री एस. विश्वनाथन	प्रबंध निदेशक सी-11, किन्नेलन टावर्स, 100ए, नेपियन सी रोड, मुंबई-400 006	09.10.2012	निदेशक : 16 समिति सदस्य : 06
5.	श्री पी. प्रदीप कुमार	प्रबंध निदेशक डी-8, किन्नेलन टावर्स, 100ए, नेपियन सी रोड, मुंबई-400 006	27.12.2013	निदेशक : 01 समिति सदस्य : 01
6.	श्री एस. वेंकटाचलम	सेवानिवृत्त बैंक कार्यपालक बिल्डिंग बी-1, फ्लैट 1-डी (प्रथम तल) हार्बर हाइट्स, एनए सावंत मार्ग, कोलाबा, मुंबई-400 005	25.06.2011	निदेशक : 04 समिति के अध्यक्ष : 02 समिति के सदस्य : 02





### Shri Harichandra Bahadur Singh

(Date of Birth: 16th September, 1963)

Shri Harichandra Bahadur Singh is a Director nominated by the Central Government u/s 19(d) of SBI Act, w.e.f. 24th September, 2012, for a period of three years. Shri Singh has exposure to Agriculture, Rural Economy and SME business. He was Director on Punjab & Sind Bank during the period 24.12.2008 to 08.12.2010.

### Shri Tribhuwan Nath Chaturvedi

(Date of Birth: 15th January, 1959)

Shri Tribhuwan Nath Chaturvedi is a Director nominated by the Central Government u/s 19(d) of the SBI Act, w.e.f. 29th August, 2013, for a period of three years. Shri Chaturvedi is a Practising Chartered Accountant and Senior Partner in T N Chaturvedi & Co., Chartered Accountants, New Delhi. Shri Chaturvedi has wide experience and expertise in the area of Finance & Accounts, Taxation and Corporate Laws. Shri Chaturvedi earlier served as Shareholder Director on the Board of Punjab National Bank for a period of three years (27th December, 2008 to 26th December, 2011).

### Shri Rajiv Takru

(Date of Birth: 26th September, 1955)

Shri Rajiv Takru is a Director u/s 19(e) of SBI Act, nominated by the Central Government, w.e.f. 4th February, 2013. Shri Rajiv Takru is Secretary, Financial Services, Ministry of Finance, Govt. of India.

### Dr. Urjit R. Patel

(Date of Birth: 28th October, 1963)

Dr. Urjit R. Patel is a Director u/s 19(f) of SBI Act, nominated by the Central Government, w.e.f. 6th February, 2013. Dr. Urjit R. Patel is Deputy Governor, Reserve Bank of India.

## ANNEXURE II

### Details of Memberships/Chairmanships held by the Directors on the Boards/Board-level Committees of the Bank @/ Other Companies as on 31.03.2014

S. No.	Name of Director	Occupation & Address	Appointed to Board since	Number of Companies including the Bank (Details given in Annexure II A)
1.	Smt. Arundhati Bhattacharya	Chairman No. 5, Dunedin, J.M. Mehta Road, Mumbai – 400 006	07.10.2013	Chairman : 14 Director : 02
2.	Shri Hemant G. Contractor	Managing Director M-1, Kinnellan Towers 100A, Napean Sea Road, Mumbai – 400 006	07.04.2011	Director : 05 Committee Member : 01
3.	Shri A. Krishna Kumar	Managing Director M-2, Kinnellan Towers 100A, Napean Sea Road, Mumbai – 400 006	07.04.2011	Director : 06 Committee Member : 04
4.	Shri S. Vishvanathan	Managing Director C-11, Kinnellan Towers 100A, Napean Sea Road, Mumbai – 400 006	09.10.2012	Director : 16 Committee Member : 06
5.	Shri P. Pradeep Kumar	Managing Director D-8, Kinnellan Towers 100A, Napean Sea Road, Mumbai – 400 006	27.12.2013	Director : 01 Committee Member : 01
6.	Shri S. Venkatachalam	Retired Bank Executive Building B-1, Flat 1-D (First Floor) Harbour Heights, NA Sawant Marg, Colaba Mumbai – 400 005	25.06.2011	Director : 04 Chairman of Committee : 02 Committee Member : 02



क्र. सं.	निदेशक का नाम	व्यवसाय एवं पता	बोर्ड में नियुक्ति की तारीख	बैंक सहित कंपनियों की संख्या ( विवरण अनुलग्नक II ए में दिया गया है )
7.	श्री डी. सुंदरम	उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक टीवीएस केपिटल फंड्स लिमिटेड, आईएल एण्ड एफएस फाइनेंशियल सेंटर, क्वाडरेंट बी, द्वितीय तल, बीकेसी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400 051	25.06.2011	निदेशक : 9 समिति के अध्यक्ष : 03 समिति के सदस्य : 01
8.	श्री पार्थसारथी अय्यंगार	क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक, गार्टनर इंडिया, 133 नेशनल सोसाइटी बनेर रोड, औंध, पुणे-411007	25.06.2011	निदेशक : 02
9.	श्री थॉमस मैथ्यू	परामर्शदाता ए 801, 96, वायवेरिया हिन्दुस्तान मिल्स कम्पाउंड, डा. साने गुरुजी मार्ग, सात रास्ता, महालक्ष्मी, मुंबई-400 011	13.01.2013	निदेशक : 01 समिति सदस्य : 02
10.	श्री ज्योति भूषण महापात्र वर्कमेन कर्मचारी निदेशक	विशेष सहायक भारतीय स्टेट बैंक कलेक्टोरेट कम्पाउन्ड कटक शाखा कटक-753 002	21.11.2011	निदेशक : 01
11.	श्री एस.के. मुखर्जी अधिकारी कर्मचारी निदेशक	उप प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक प्रशासनिक इकाई, भंगागढ़, गुवाहाटी-781 005	04.10.2012	निदेशक : 01
12.	डॉ. राजीव कुमार	अर्थशास्त्री सी-215 भूतल, सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली-110 017	06.08.2012	निदेशक : 01 समिति सदस्य : 02
13.	श्री दीपक आई. अमिन	परामर्शदाता सी-72, आइकोन, डीएलएफ फेज 5, गुडगांव-122 002	24.01.2012	निदेशक : 02
14.	श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह	कृषि एवं व्यवसाय आरआर कोठी, कैनाल रोड रायबरेली-229001 (उ.प्र.)	24.09.2012	निदेशक : 01 समिति सदस्य : 01
15.	श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी	द्वारा टी एन चतुर्वेदी एंड कंपनी, 406, चिरंजीव टॉवर, 43 नेहरू प्लेस नई दिल्ली-110019	29.08.2013	निदेशक : 01
16.	श्री राजीव टकरू भारत सरकार के नामिती	सचिव (वित्तीय सेवाएं) वित्त मंत्रालय, भारत सरकार (बैंकिंग प्रभाग), जीवन दीप बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001	04.02.2013	निदेशक : 05 समिति सदस्य : 01
17.	श्री ऊर्जित आर. पटेल भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती	उप गवर्नर भारतीय रिजर्व बैंक, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह रोड, मुंबई-400001	06.02.2013	निदेशक : 02 समिति सदस्य : 01

10 शेयर बाजार में सूचीकरण करार के खंड 49 के पैरा 1 (सी) (ii) का विधिवत अनुपालन करते हुए केवल लेखा-परीक्षा समिति और शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति की सदस्यताओं/अध्यक्षताओं को ही दर्शाया गया है।



S. No.	Name of Director	Occupation & Address	Appointed to Board since	Number of Companies including the Bank (Details given in Annexure II A)
7.	Shri D. Sundaram	Vice Chairman & Managing Director, TVS Capital Funds Ltd. IL&FS Financial Centre, Quadrant B, 2nd floor, BKC, Bandra (E), Mumbai – 400 051	25.06.2011	Director : 9 Chairman of Committee : 03 Committee Member : 01
8.	Shri Parthasarathy Iyengar	Regional Research Director Gartner India, 133 National Society, Baner Road, Aundh, Pune – 411 007	25.06.2011	Director : 02
9.	Shri Thomas Mathew	Consultant A 801, Vivaria Hindustan Mills Compound, Dr. Sane Guruji Marg, Saat Raasta, Mahalakshmi, Mumbai – 400 011	13.01.2013	Director : 01 Committee Member : 02
10.	Shri Jyoti Bhushan Mohapatra Workmen Employee Director	Special Assistant State Bank of India, Collectorate Compound, Cuttack Branch, Cuttack – 753 002	21.11.2011	Director : 01
11.	Shri S. K. Mukherjee Officer Employee Director	Dy. Manager, State Bank of India, Administrative Unit, Bhangagarh, Guwahati – 781 005	04.10.2012	Director : 01
12.	Dr. Rajiv Kumar	Economist, C-215 Ground Floor Sarvodaya Enclave, New Delhi – 110 017	06.08.2012	Director : 01 Committee Member : 02
13.	Shri Deepak I. Amin	Advisor C-72 ICON, DLF Phase 5 Gurgaon – 122 002	24.01.2012	Director : 02
14.	Shri Harichandra Bahadur Singh	Agriculture & Business RR Kothi, Canal Road, Raibareli – 229 001 (UP)	24.09.2012	Director : 01 Committee Member : 01
15.	Shri Tribhuvan Nath Chaturvedi	C/o. T.N. Chaturvedi & Co., 406, Chiranjiv Tower 43 Nehru Place, New Delhi – 110 019	29.08.2013	Director : 01
16.	Shri Rajiv Takru GOI Nominee	Secretary (Financial Services), Ministry of Finance, Government of India, (Banking Division), Jeevan Deep Bldg., Parliament Street, New Delhi – 110 001	04.02.2013	Director : 05 Committee Member : 01
17.	Dr. Urjit R. Patel Reserve Bank of India Nominee	Deputy Governor Reserve Bank of India, Central Office, Shaheed Bhagat Singh Road, Mumbai – 400 001	06.02.2013	Director : 02 Committee Member : 01

@ Only Memberships/Chairmanships of Audit Committee and Shareholders'/Investors' Grievance Committee are reckoned in due compliance with para I (C) (ii) Clause 49 of the Listing Agreement with Stock Exchange.

**अनुलग्नक II ए**

बैंक/ उन अन्य कंपनियों की कुल संख्या जिनमें 31.03.2014 को बोर्ड-निदेशक/बोर्ड स्तरीय समितियों के निदेशक सदस्य/अध्यक्ष हैं (a केवल लेखा-परीक्षा समिति एवं शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति की सदस्यताओं/अध्यक्षताओं को ही दर्शाया गया है)

**1. श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य**

क्र.सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	सदस्य/निदेशक/अध्यक्ष
1	भारतीय स्टेट बैंक	अध्यक्ष
2	स्टेट बैंक ऑफ पटियाला	अध्यक्ष
3	स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर	अध्यक्ष
4	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	अध्यक्ष
5	स्टेट बैंक ऑफ मैसूर	अध्यक्ष
6	स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर	अध्यक्ष
7	एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.	अध्यक्ष
8	एसबीआई पेंशन फंड्स प्रा. लि.	अध्यक्ष
9	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अध्यक्ष
10	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.	अध्यक्ष
11	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्रा. लिमिटेड	अध्यक्ष
12	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि.	अध्यक्ष
13	एसबीआई डीएफएचआई लि.	अध्यक्ष
14	एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेंट सर्विसेस प्रा. लि.	अध्यक्ष
15	भारतीय निर्यात-आयात बैंक	निदेशक
16	भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान	निदेशक

**2. श्री हेमंत जी. कान्देक्टर**

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	सदस्य/निदेशक/अध्यक्ष	समिति (यों) का/के नाम a
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति- सदस्य
2	भारतीय स्टेट बैंक (कनाडा)	निदेशक	-
3	नेपाल एसबीआई बैंक लि.	निदेशक	-
4	भारतीय स्टेट बैंक (मारीशस)	निदेशक	-
5	भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	निदेशक	-

**3. श्री ए. कृष्ण कुमार**

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति (यों) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य a
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति-सदस्य
2	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति- सदस्य
3	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेस प्राइवेट लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति- सदस्य
4	जीई कैपिटल बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सर्विसेस प्राइवेट लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति- सदस्य
5	एसबीआई कैप सिक््योरिटीज लि.	निदेशक	-
6	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि.	निदेशक	-



## ANNEXURE IIA

**Total Number of Memberships/Chairmanships held by the Directors on the Boards/Board-level Committees of the Bank@/Other Companies as on 31.03.2014**

(@Only Memberships/Chairmanships of Audit Committee and Shareholders'/Investors' Grievance Committee are reckoned)

### 1. Smt. Arundhati Bhattacharya

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Member/Director/Chairman
1	State Bank of India	Chairman
2	State Bank of Patiala	Chairman
3	State Bank of Bikaner & Jaipur	Chairman
4	State Bank of Hyderabad	Chairman
5	State Bank of Mysore	Chairman
6	State Bank of Travancore	Chairman
7	SBI Global Factors Ltd.	Chairman
8	SBI Pension Funds P. Ltd.	Chairman
9	SBI Life Insurance Company Ltd.	Chairman
10	SBI Capital Markets Ltd.	Chairman
11	SBI Funds Management P. Ltd.	Chairman
12	SBI General Insurance Company Ltd.	Chairman
13	SBIDFHI Ltd.	Chairman
14	SBI Cards & Payment Services P. Ltd.	Chairman
15	Export-Import Bank of India	Director
16	Indian Institute of Banking & Finance	Director

### 2. Shri Hemant G. Contractor

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Member/Director/Chairman	Name(s) of the Committee(s) @
1	State Bank of India	Managing Director	Audit Committee of the Board - Member
2	State Bank of India (Canada)	Director	-
3	Nepal SBI Bank Ltd.	Director	-
4	State Bank of India (Mauritius)	Director	-
5	State Bank of India (California)	Director	-

### 3. Shri A. Krishna Kumar

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member @
1	State Bank of India	Managing Director	Audit Committee of the Board - Member
2	SBI Life Insurance Company Ltd.	Director	Audit Committee of the Board - Member
3	SBI Cards & Payment Services P. Ltd	Director	Audit Committee of the Board - Member
4	GE Capital Business Process Management Services P. Ltd.	Director	Audit Committee of the Board - Member
5	SBICAP Securities Ltd.	Director	-
6	SBI General Insurance Company Ltd	Director	-



## 4. श्री एस. विश्वनाथन

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य in
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	शेयरधारक/बोर्ड की निवेशक शिकायत निवारण समिति - सदस्य
2	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति- सदस्य
3	एसबीआई कैप सिव्योरिटीज लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति- सदस्य
4	एसबीआई कैप्स वेंचर्स लि.	निदेशक	-
5	एसबीआई कैप यूके लिमिटेड	निदेशक	-
6	एसबीआई डीएफएचआई लि.	निदेशक	
7	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि.	निदेशक	
8	एसबीआई ग्लोबल फेक्टर्स लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति - सदस्य
9	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति - सदस्य
10	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्रा. लि.	निदेशक	
11	एसबीआई पेंशन फंड्स प्रा. लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति - सदस्य
12	स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर	निदेशक	
13	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	निदेशक	
14	स्टेट बैंक ऑफ मैसूर	निदेशक	
15	स्टेट बैंक ऑफ पटियाला	निदेशक	
16	स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर	निदेशक	

## 5. श्री पी. प्रदीप कुमार

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य in
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	बोर्ड की शेयरधारक/ निवेशक शिकायत निवारण समिति - सदस्य

## 6. श्री एस. वेंकटाचलम

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य in
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति- अध्यक्ष शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति- अध्यक्ष
2	ओरैकल फिनैश्ल सर्विसेस सॉफ्टवेयर लि.	अध्यक्ष	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति- सदस्य शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति- सदस्य
3	ईक्वीफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेस प्रा. लि.	निदेशक	-
4	कैनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि.	निदेशक	-



#### 4. Shri S. Vishvanathan

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Managing Director	Shareholders'/Investors' Grievance Committee of the Board- Member
2	SBI Capital Markets Ltd.	Director	Audit Committee of the Board-Member
3	SBI Cap Securities Ltd.	Director	Audit Committee of the Board - Member
4	SBI Cap Ventures Ltd.	Director	-
5	SBICAP UK Limited	Director	-
6	SBI DFHI Limited	Director	
7	SBI General Insurance Co. Ltd.	Director	
8	SBI Global Factors Ltd.	Director	Audit Committee of the Board - Member
9	SBI Life Insurance Company Ltd.	Director	Audit Committee of the Board - Member
10	SBI Funds Management P. Ltd	Director	
11	SBI Pension Funds P. Ltd.	Director	Audit Committee of the Board - Member
12	State Bank of Bikaner & Jaipur	Director	
13	State Bank of Hyderabad	Director	
14	State Bank of Mysore	Director	
15	State Bank of Patiala	Director	
16	State Bank of Travancore	Director	

#### 5. Shri P. Pradeep Kumar

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Managing Director	Shareholders'/Investors' Grievance Committee of the Board- Member

#### 6. Shri S.Venkatachalam

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	Audit Committee of the Board- Chairman Shareholders'/Investors' Grievance Committee - Chairman
2	Oracle Financial Services Software Ltd.	Chairman	Audit Committee of the Board -Member Shareholders'/Investors' Grievance Committee - Member
3	Equifax Credit Information Services P. Ltd.	Director	-
4	Canara Robecoo Asset Management Company Ltd.	Director	-



## 7. श्री डी. सुंदरम

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य ा
1	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति-अध्यक्ष
2	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति-सदस्य
3	टीवीएस कैपिटल फंड्स लि.	उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	-
4	टीवीएस इलेक्ट्रॉनिक्स लि.	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति-अध्यक्ष
5	ग्लैक्सो स्मिथ क्लाइन फार्मा	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति-अध्यक्ष
6	नाइन डाट नाइन मीडियावर्क्स प्रा. लि.	निदेशक	-
7	मेडफोर्ट हॉस्पिटल्स प्रा. लि.	निदेशक	-
8	मैक्सीविज्ञन लेज़र सेंटर प्रा. लि.	निदेशक	-
9	वैस्टलैंड लिमिटेड	निदेशक	-

## 8. श्री पार्थसारथी अय्यंगार

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य ा
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	-
2	इनफो टेक्नोलॉजी एडवाइजर (आई) प्रा. लि.	निदेशक	-

## 9. श्री थॉमस मैथ्यू

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य ा
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति-सदस्य शेयरधारक/ निवेशक शिकायत निवारण समिति- सदस्य

## 10. श्री ज्योति भूषण महापात्र

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य ा
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	-

## 11. श्री एस.के. मुखर्जी

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य ा
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	-

## 12. डॉ. राजीव कुमार

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य ा
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति-सदस्य शेयरधारक/ निवेशक शिकायत निवारण समिति- सदस्य





## 7. Shri D. Sundaram

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	SBI Capital Markets Ltd.	Director	Audit Committee of the Board- Chairman
2	State Bank of India	Director	Audit Committee of the Board – Member
3	TVS Capital Funds Ltd.	Vice Chairman & Managing Director	-
4	TVS Electronics Ltd.	Director	Audit Committee of the Board- Chairman
5	Glaxo Smith Kline Pharma	Director	Audit Committee of the Board- Chairman
6	Nine Dot Nine Mediaworx P.Ltd.	Director	-
7	Medfort Hospitals P.Ltd.	Director	-
8	Maxivision Laser Centre P. Ltd.	Director	-
9	Westland Limited	Director	-

## 8. Shri Parthasarathy Iyengar

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	-
2	Info Technology Advisor (I) P. Ltd.	Director	-

## 9. Shri Thomas Mathew

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	Audit Committee of the Board- Member Shareholders'/Investors' Grievance Committee - Member

## 10. Shri Jyoti Bhushan Mohapatra

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	-

## 11. Shri S.K.Mukherjee

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	-

## 12. Dr. Rajiv Kumar

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	Audit Committee of the Board- Member Shareholders'/Investors' Grievance Committee – Member



## 13. श्री दीपक आई. अमिन

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	-
2	रेडियन एडवाइजर्स प्रा. लि.	निदेशक	-

## 14. श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	शेयरधारक/निवेशक शिकायत निवारण समिति- सदस्य

## 15. श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	

## 16. श्री राजीव टकरु

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति-सदस्य
2	भारतीय रिज़र्व बैंक	निदेशक	-
3	भारतीय जीवन बीमा निगम	निदेशक	-
4	इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लि.	निदेशक	-
5	भारतीय निर्यात - आयात बैंक	निदेशक	-

## 17. डॉ. ऊर्जित आर. पटेल

क्र. सं.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	निदेशक	समिति ( यों ) का/के नाम अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय रिज़र्व बैंक	निदेशक	-
2	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति-सदस्य

## अनुलग्नक - III

## 31.03.2014 को बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों की शेयरधारिता का विवरण

क्र. सं.	निदेशक का नाम	शेयरों की संख्या
1	श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य	200
2	श्री हेमंत जी. कॉन्ट्रेक्टर	446
3	श्री ए. कृष्ण कुमार	69
4	श्री एस. विश्वनाथन	704
5	श्री पी. प्रदीप कुमार	325
6	श्री एस. वेंकटाचलम	500
7	श्री डी. सुंदरम	2640
8	श्री पार्थसारथी अय्यंगार	500
9	श्री थॉमस मैथ्यू	500
10	श्री ज्योति भूषण महापात्र	60
11	श्री एस.के. मुखर्जी	80
12	डॉ. राजीव कुमार	निरंक
13	श्री दीपक आई अमिन	निरंक
14	श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह	निरंक



### 13. Shri Deepak I. Amin

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	-
2	Radian Advisors P. Ltd.	Director	-

### 14. Shri Harichandra Bahadur Singh

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	Shareholders'/Investors' Grievance Committee - Member

### 15. Shri Tribhuwan Nath Chaturvedi

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	-

### 16. Shri Rajiv Takru

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	State Bank of India	Director	Audit Committee of the Board-Member
2	Reserve Bank of India	Director	-
3	Life Insurance Corporation of India	Director	-
4	Indian Infrastructure Finance Company Ltd	Director	-
5	Export Import Bank of India	Director	-

### 17. Dr. Urjit R. Patel

S. No.	Name of the Company/Name of the Concern/Society	Director	Name(s) of the Committee(s) Chairman/Member@
1	Reserve Bank of India	Director	-
2	State Bank of India	Director	Audit Committee of the Board -Member

## ANNEXURE III

### Details of shareholding as on 31.03.2014 of the Directors on the Bank's Central Board

S. No.	Name of Director	No. of Shares
1.	Smt. Arundhati Bhattacharya	200
2.	Shri Hemant G. Contractor	446
3.	Shri A. Krishna Kumar	69
4.	Shri S. Vishvanathan	704
5.	Shri P. Pradeep Kumar	325
6.	Shri S. Venkatachalam	500
7.	Shri D. Sundaram	2640
8.	Shri Parthasarathy Iyengar	500
9.	Shri Thomas Mathew	500
10.	Shri Jyoti Bhushan Mohapatra	60
11.	Shri S.K. Mukherjee	80
12.	Dr. Rajiv Kumar	Nil
13.	Shri Deepak Ishwarbhai Amin	Nil
14.	Shri Harichandra Bahadur Singh	Nil



क्र. सं.	निदेशक का नाम	शेयरों की संख्या
15	श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी	200
16	श्री गुरदयाल सिंह संधु	निरंक
17	डॉ. ऊर्जित आर. पटेल	निरंक

#### अनुलग्नक – IV

वर्ष 2013-14 के दौरान केंद्रीय बोर्ड एवं बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों में उपस्थित होने के लिए निदेशकों को भुगतान की गई बैठक फीस का विवरण

क्र. सं.	निदेशक का नाम	केंद्रीय बोर्ड की बैठकें (₹)	अन्य बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकें (₹)	कुल (₹)
1	श्री एस. वेंकटाचलम	1,20,000	3,95,000	5,15,000
2	श्री डी. सुंदरम	80,000	2,35,000	3,15,000
3	श्री पार्थसारथी अय्यंगार	50,000	40,000	90,000
4	श्री थॉमस मैथ्यू	1,10,000	3,05,000	4,15,000
5	श्री ज्योति बी. महापात्रा	1,10,000	60,000	1,70,000
6	श्री एस. के. मुखर्जी	1,10,000	65,000	1,75,000
7	डॉ. राजीव कुमार	70,000	45,000	1,15,000
8	श्री दीपक आई. अमिन	90,000	1,65,000	2,55,000
9	श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह	1,20,000	1,60,000	2,80,000
10	श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी	40,000	10,000	50,000

#### अनुलग्नक – V

##### घोषणा

बैंक की आचार संहिता ( 2013-14 ) के अनुपालन की पुष्टि

मैं घोषणा करती हूँ कि बोर्ड के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2013-14 की बैंक की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

अरुंधती भट्टाचार्य  
अध्यक्ष

दिनांक: 12 अप्रैल 2014



S. No.	Name of Director	No. of Shares
15.	Shri Tribhuwan Nath Chaturvedi	200
16.	Shri Rajiv Takru	Nil
17.	Dr. Urjit R. Patel	Nil

## ANNEXURE IV

Details of Sitting Fees paid to Directors for attending Meetings of the Central Board and Board-Level Committees during 2013-14

S. No.	Name of Director	Meetings of Central Board (₹)	Meetings of Other Board Level Committees (₹)	Total (₹)
1	Shri S. Venkatachalam	1,20,000	3,95,000	5,15,000
2	Shri D. Sundaram	80,000	2,35,000	3,15,000
3	Shri Parthasarathy Iyengar	50,000	40,000	90,000
4	Shri Thomas Mathew	1,10,000	3,05,000	4,15,000
5	Shri Jyoti B. Mohapatra	1,10,000	60,000	1,70,000
6	Shri S.K. Mukherjee	1,10,000	65,000	1,75,000
7	Dr. Rajiv Kumar	70,000	45,000	1,15,000
8	Shri Deepak I. Amin	90,000	1,65,000	2,55,000
9	Shri Harichandra Bahadur Singh	1,20,000	1,60,000	2,80,000
10	Shri Tribhuwan Nath Chatutvedi	40,000	10,000	50,000

## ANNEXURE V

### Declaration

#### Affirmation of Compliance with The Bank's Code of Conduct (2013-14)

I declare that all Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Bank's Code of Conduct for the Financial Year 2013-14.

Date: 12th April, 2014

**Arundhati Bhattacharya**

Chairman



एस. वेंकटराम एंड कं.  
सनदी लेखाकार

## कारपोरेट अभिशासन संबंधी लेखा-परीक्षकों का प्रमाणपत्र

शेयरधारक  
भारतीय स्टेट बैंक

हमने 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय स्टेट बैंक ('इस बैंक') द्वारा कारपोरेट अभिशासन की उन शर्तों के अनुपालन की जांच की है, जो भारत में शेयर-बाजारों के साथ बैंक के सूचीकरण-करार के खंड 49 में निर्धारित की गई है।

कारपोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन वर्ग की है। हमारी जांच भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी कारपोरेट अभिशासन के प्रमाणन संबंधी मार्गदर्शी नोट के अनुसार की गई है और यह कारपोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु बैंक द्वारा अपनाई गई कार्यविधियों तथा उनके कार्यान्वयन तक ही सीमित थी। यह न तो लेखा-परीक्षा है और न ही बैंक के वित्तीय विवरणों पर अभिमत की अभिव्यक्ति है।

हमारी राय में और जहाँ तक हमें जानकारी है, उसके अनुसार एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि बैंक ने उपर्युक्त सूचीकरण-करार में निर्धारित कारपोरेट अभिशासन की शर्तों का, सभी महत्वपूर्ण बातों का समावेश करते हुए अनुपालन किया है।

हम सूचित करते हैं कि शेयरधारक/निवेशक शिकायत-निवारण समिति द्वारा रखे गए अभिलेखों के अनुसार, बैंक के विरुद्ध कोई भी निवेशक-शिकायत एक माह से अधिक अवधि के लिए लंबित नहीं है।

हम यह भी सूचित करते हैं कि यह अनुपालन न तो बैंक की भावी व्यवहार्यता के संबंध में आश्वासन है, न ही उस कुशलता अथवा प्रभावकारिता से संबंधित है, जिसके द्वारा प्रबंधन वर्ग ने बैंक के कारोबार का संचालन किया है।

कृते एस. वेंकटराम एंड कं.  
सनदी लेखाकार

(जी. नारायणस्वामी)  
भागीदार सदस्यता सं. 002161  
फर्म पंजीकरण सं. 004656एस

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 23 मई 2014

S. VENKATRAM & CO.  
Chartered Accountants

## AUDITORS' CERTIFICATE ON CORPORATE GOVERNANCE

To the Shareholders of  
State Bank of India

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by STATE BANK OF INDIA ("the Bank"), for the year ended 31st March, 2014, as stipulated in Clause 49 of the Listing Agreement of the Bank with the Stock Exchanges in India.

The compliance of the conditions of Corporate Governance is the responsibility of the Management. Our examination was carried out in accordance with the Guidance Note on Certification of Corporate Governance, issued by the Institute of Chartered Accountants of India, and was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Bank for ensuring the compliance of the conditions of Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion on the financial statements of the Bank.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, we certify that the Bank has, in all material aspects, complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in the above mentioned Listing Agreement.

We state that no investor grievance is pending for a period exceeding one month against the Bank as per the records maintained by the Shareholders'/Investors' Grievance Committee.

We further state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Bank nor the efficiency or effectiveness with which the Management has conducted the affairs of the Bank.

For S.Venkatram & Co.,  
Chartered Accountants

(G. Narayanaswamy)  
Partner M.No.002161  
FRN No. 004656 S

Place: Kolkata  
Date: 23rd May 2014



# भारतीय स्टेट बैंक / STATE BANK OF INDIA

संक्षिप्त तुलन-पत्र 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार

## ABRIDGED BALANCE SHEET as on 31st March, 2014

₹ लाख में / in lakhs

	31.03.2014 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.03.2013 (Previous Year)
<b>पूंजी और देयताएं / CAPITAL AND LIABILITIES</b>		
<b>पूंजी/ Capital</b>	746,57	684,03
<b>आरक्षितियां और अधिशेष/ Reserves &amp; Surplus</b>		
कानूनी आरक्षितियां / Statutory Reserves	43810,33	40470,71
पूंजी आरक्षितियां / Capital Reserve	1744,01	1527,26
शेयर प्रीमियम/ Share Premium	41444,69	31501,20
राजस्व एवं अन्य आरक्षितियां / Revenue and Other Reserves	30536,33	24700,14
लाभ और हानि खाते की शेष राशि Balance in Profit and Loss Account	32	34
	<b>117535,68</b>	<b>98199,65</b>
<b>जमाराशियां / Deposits</b>		
मांग जमाराशियां / Demand Deposits	113232,47	112680,27
बचत बैंक जमाराशियां / Savings Bank Deposits	485167,94	426383,12
सावधि जमाराशियां / Term Deposits	796008,10	663676,18
	<b>1394408,51</b>	<b>1202739,57</b>
<b>उधार राशियां / Borrowings</b>		
<b>भारत में उधार-राशियां / Borrowing in India</b>		
(क) भारतीय रिज़र्व बैंक से / (a) from Reserve Bank of India	12200,00	14476,16
(ख) अन्य बैंकों से / (b) from Other Banks	1121,44	5648,85
(ग) अन्य संस्थाओं और अधिकरणों से / (c) from other institutions and agencies	8280,19	4894,40
(घ) पूंजीगत लिखतें / (d) Capital Instruments	38836,40	36836,40
<b>भारत के बाहर से उधार-राशियां / Borrowings outside India</b>		
(क) भारत के बाहर से उधार-राशियाँ और पुनर्वित्त (a) Borrowings and Refinance outside India	118948,16	103934,10
(ख) पूंजीगत लिखतें / (b) Capital Instruments	3744,69	3392,81
	<b>183130,88</b>	<b>169182,72</b>
<b>अन्य देयताएं और प्रावधान / Other Liabilities and Provisions</b>		
संदेय बिल / Bills payable	19165,70	19686,48
अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल) / Inter-office adjustments (Net)	1502,58	16384,12
उपचित ब्याज / Interest accrued	15772,87	13333,47
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान / Provision towards Standard Assets	6575,43	5289,58
आस्थगित कर देयताएं (निवल) / Deferred Tax Liabilities (Net)	2837,83	628,92
अन्य / Others	50558,55	40082,73
	<b>96412,96</b>	<b>95405,30</b>
<b>कुल पूंजी और देयताएं / Total Capital and Liabilities</b>	<b>1792234,60</b>	<b>1566211,27</b>



₹ लाख में / in lakhs

	31.03.2014 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.03.2013 (Previous Year)
<b>आस्तियां / ASSETS</b>		
नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक में जमाराशियां Cash and balances with Reserve Bank of India	84955,66	65830,41
बैंकों में जमाराशियां और मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धनराशि Balances with Banks and money at call and short notice		
भारत में बैंकों में जमाराशियां / Balances with Banks in India	14208,58	3666,65
भारत में मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धनराशि Money at call and short notice in India	3650,00	7173,00
भारत के बाहर जमाराशियां/ Balances outside India	29735,39	38150,10
	<b>47593,97</b>	<b>48989,75</b>
<b>निवेश / Investments</b>		
<b>भारत में / In India</b>		
(क) सरकारी प्रतिभूतियां / (a) Government Securities	308198,81	269260,22
(ख) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां / (b) Other approved securities	-	-
(ग) शेयर / (c) Shares	3009,16	3865,81
(घ) डिबेंचर और बांड / (d) Debentures and Bonds	26424,81	18892,87
(ङ) अनुषंगियां और / या संयुक्त उद्यम (e) Subsidiaries and/ or Joint Ventures	6153,70	5465,13
(च) अन्य / (f) Others	30262,07	32508,88
भारत के बाहर / Outside India	24259,64	20884,59
	<b>398308,19</b>	<b>350877,50</b>
<b>अग्रिम / Advances</b>		
<b>भारत में / In India</b>		
(क) खरीदे गए और बट्टाकृत बिल (a) Bills purchased and discounted	55238,94	58170,26
(ख) कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर संदेय ऋण (b) Cash credits, overdrafts and loans repayable on demand	442465,36	406943,90
(ग) सावधि ऋण / (c) Term loans	500180,03	413094,77
	997884,33	878208,93
भारत के बाहर/ Outside India	211944,39	167407,62
	<b>1209828,72</b>	<b>1045616,55</b>
	8002,16	7005,02
<b>अचल आस्तियां / Fixed assets</b>		
<b>अन्य आस्तियां / Other assets</b>		
अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल) / Inter-office adjustments (Net)	-	-
उपचित ब्याज / Interest accrued	13908,12	12090,68
अग्रिम संदत्त कर / स्रोत पर कटौती Tax paid in advance/ deducted at source	11880,51	5333,67
आस्थगित कर आस्तियां (निवल) / Deferred Tax Assets (Net)	-	-
दावों की संतुष्टि में प्राप्त गैर-बैंकिंग आस्तियां Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	4,26	4,26
अन्य / Others	17753,01	30463,43
	<b>43545,90</b>	<b>47892,04</b>
	<b>1792234,60</b>	<b>1566211,27</b>
<b>कुल आस्तियां / Total Assets</b>		
<b>आकस्मिक देयताएं / Contingent Liabilities</b>		
ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए बैंक के विरुद्ध दावे Claims against the Bank not acknowledged as debts	13568,57	6194,60
बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की बाबत दायित्व Liability on account of outstanding forward exchange contracts	573861,68	471913,16
ग्राहकों की ओर से दी गई प्रत्याभूतियां Guarantees given on behalf of constituents	175202,24	172909,91
प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन और अन्य बाध्यताएं Acceptances, endorsements and other obligations	125106,50	126672,57
अन्य मदें जिनके लिए बैंक समाश्रित रूप से बाध्य है। Other items for which the Bank is contingently liable	129590,96	148683,83
	<b>1017329,95</b>	<b>926374,07</b>
	74028,42	66639,54
<b>संग्रहण के लिए बिल / Bills for Collection</b>		





# भारतीय स्टेट बैंक / STATE BANK OF INDIA

संक्षिप्त लाभ और हानि खाता 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

## ABRIDGED PROFIT AND LOSS ACCOUNT for the year ended 31st March, 2014

	₹ लाख में / in lakhs	
	31.03.2014 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.03.2013 (Previous Year)
<b>आय / INCOME</b>		
<b>अर्जित आय / Interest Earned</b>		
अग्रिमों / बिलों पर / On advances/ bills	102484,10	90537,10
विनिधानों पर / On investments	31941,87	27198,63
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमाराशियों और अन्य अंतर-बैंक निधियों पर ब्याज On balances with RBI and other inter-bank funds	409,31	545,14
अन्य / Others	1515,52	1374,23
	<b>136350,80</b>	<b>119655,10</b>
<b>अन्य आय / Other Income</b>		
कमीशन, विनिमय और दलाली Commission, exchange and brokerage	12611,30	11483,72
विनिधानों के विक्रय पर निवल लाभ Net profit/ (loss) on sale of investments	2279,40	1101,92
भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों के विक्रय पर निवल लाभ / (हानि) Net profit/ (loss) on sale of land, buildings and other assets	(38,64)	(32,72)
विनिमय लेनदेन पर निवल लाभ / (हानि) Net profit/ (loss) on exchange transactions	1895,28	1583,08
भारत में / भारत के बाहर स्थित अनुषंगियों / कंपनियों तथा / अथवा संयुक्त उद्यमों से लाभांश आदि के रूप में आय / Income by way of dividends, etc., from subsidiaries/ companies and/ or joint ventures abroad/ in India	496,86	715,51
विविध आय / Miscellaneous Income	1308,72	1185,33
	<b>18552,92</b>	<b>16036,84</b>
<b>कुल आय / Total Income</b>	<b>154903,72</b>	<b>135691,94</b>
<b>व्यय / EXPENDITURE</b>		
<b>व्यय किया गया ब्याज / Interest Expended</b>		
जमाराशियों पर / On deposits	77885,71	67464,55
भा. रि. बैंक / अंतर-बैंक उधार राशियों पर / On RBI / Inter-bank borrowings	5150,79	4124,11
अन्य / Others	4032,13	3737,14
	<b>87068,63</b>	<b>75325,80</b>
<b>प्रचालन व्यय / Operating Expenses</b>		
कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान / Payments to and provisions for employees	22504,28	18380,90
भाटक कर और रोशनी / Rent, taxes and lighting	2958,82	2438,84
मुद्रण और लेखन सामग्री / Printing and stationery	344,85	297,02
विज्ञापन और प्रचार / Advertisement and publicity	278,26	384,35



₹ लाख में / in lakhs

	31.03.2014 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.03.2013 (Previous Year)
बैंक की संपत्ति पर मूल्यहास / Depreciation on Bank's Property	1333,94	1139,61
निदेशकों की फीस, भत्ते और व्यय Directors' fees, allowances and expenses	1,09	73
लेखा-परीक्षकों की फीस, भत्ते और व्यय (शाखा लेखा-परीक्षकों सहित) Auditors' fees and expenses (including branch auditors)	168,34	124,63
विधि प्रभार / Law charges	192,55	133,91
डाक महसूल, तार और टेलीफोन आदि Postages, Telegrams, Telephones, etc.	673,51	515,64
मरम्मत और अनुरक्षण / Repairs and maintenance	434,00	393,53
बीमा / Insurance	1468,44	1200,72
अन्य / Others	5367,77	4274,54
	<b>35725,85</b>	<b>29284,42</b>
प्रावधान और समाश्रित / Provisions and contingencies		
विनिधानों पर मूल्यहास के लिए प्रावधान Provision for depreciation on Investments	563,25	(961,29)
अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान Provision towards non performing assets	14223,57	11367,79
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान Provision towards standard assets	1260,69	749,61
अन्य (आय-कर को छोड़कर) / Others (excluding income taxes)	(112,16)	(25,28)
	<b>15935,35</b>	<b>11130,83</b>
<b>कुल व्यय एवं प्रावधान / Total Expenses and Provisions</b>	<b>138729,83</b>	<b>115741,05</b>
<b>कर पूर्व लाभ / Profit before tax</b>	<b>16173,89</b>	<b>19950,89</b>
<b>कर / Tax</b>		
चालू कर / Current Tax	4227,47	5953,88
आस्थगित कर / Deferred Tax	1055,25	(107,97)
	<b>5282,72</b>	<b>5845,91</b>
<b>कर पश्चात लाभ / Profit after tax</b>	<b>10891,17</b>	<b>14104,98</b>
<b>अग्रनीत लाभ / Profit brought forward</b>	<b>34</b>	<b>34</b>
<b>कुल / Total</b>	<b>10891,51</b>	<b>14105,32</b>
विनियोजन / Appropriations		
कानूनी आरक्षिती को अंतरण / Transfer to Statutory Reserve	3339,62	4417,86
अन्य आरक्षिती को अंतरण / Transfer to Other Reserves	5013,40	6472,43
वर्ष के दौरान प्रदत्त पिछले वर्ष के लिए लाभांश / Dividend for the previous year paid during the year	,1	-
चालू वर्ष के लिए लाभांश / Dividend for the current year (including interim dividend and tax on dividend)	2538,16	3214,69
तुलनपत्र में आगे ले जाया गया / Balance carried forward to Balance Sheet	32	34
<b>कुल / Total</b>	<b>10891,51</b>	<b>14105,32</b>



संक्षिप्त तुलनपत्र और लाभ एवं हानि खाते की महत्वपूर्ण लेखा नीति 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरणों की महत्वपूर्ण लेखा नीति से ली गई है।

क) पैरा 7.1 देशीय परिचालनों के संबंध में मूल्यहास की दरें और मूल्यहास प्रभारित करने की पद्धति निम्नानुसार है :

क्रम सं.	अचल आस्तियों का ब्योरा	मूल्यहास प्रभारित करने की पद्धति	मूल्यहास/परिशोधन दर
1	कंप्यूटर और एटीएम	सीधी लाइन पद्धति	33.33% प्रतिवर्ष
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो हार्डवेयर का अभिन्न भाग होते हैं।	सीधी लाइन पद्धति	33.33% प्रतिवर्ष
3	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो हार्डवेयर का अभिन्न भाग नहीं होते हैं।	-	अधिग्रहण के वर्ष में 100% मूल्यहास
4	31 मार्च 2001 तक वित्तीय पट्टे पर दी गई आस्तियां	सीधी लाइन पद्धति	कंपनी अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित की गई दर से
5	अन्य अचल आस्तियां	घटता मूल्य पद्धति	आयकर नियम, 1962 के अंतर्गत निर्धारित की गई दर से

ख) पैरा 14.3 बैंक के डेबिट कार्ड धारकों से संबंधित रिवार्ड अंकों के लिए प्रावधान बीमांकिक अनुमानों के आधार पर किया जा रहा है।

**SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICY FOR ABRIDGED BALANCE SHEET AND PROFIT & LOSS ACCOUNT DRAWN FROM SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICY FORMING PART OF AUDITED FINANCIAL STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2014**

**a) Para 7.1 The rates of depreciation and method of charging depreciation in respect of domestic operations are as under:**

Sr. No.	Description of fixed assets	Method of charging depreciation	Depreciation / amortisation rate
1	Computers & ATM	Straight Line Method	33.33% every year
2	Computer software forming an integral part of hardware	Straight Line Method	33.33% every year
3	Computer Software which does not form an integral part of hardware	-	100% depreciated in the year of acquisition
4	Assets given on financial lease upto 31st March, 2001	Straight Line Method	At the rate prescribed under the Companies Act,
5	Other fixed assets	Written down value method	At the rate prescribed under the Income-tax Rules, 1962

**b) Para 14.3 Provision for reward points in relation to the debit card holders of the Bank is being provided for on actuarial estimates.**



संक्षिप्त तुलनपत्र और लाभ एवं हानि खाते से संबंधित टिप्पणियां 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियों से ली गई है।

**क) टिप्पणियां 18.8 - अनुसूची 18 का पैरा 16 : 'लेखा से संबंधित टिप्पणियां'**

संग्रहणीय राशियों के संबंध में अनुमानित हानि के प्रति पूर्ववर्ती वर्षों में चिह्नित किए गए प्रावधानों की राशि में से ₹2,056.26 करोड़ की प्रावधान राशि का उपयोग करना'

**ख) टिप्पणियां 18.8 - अनुसूची 18 का पैरा 18:**

अनर्जक आस्तियों के लिए विशिष्ट प्रावधान करने हेतु ₹750 करोड़ की प्रति चक्रीय प्रावधान सुरक्षित राशि का उपयोग करना।

**ग) टिप्पणियां 18.8 - अनुसूची 18 का पैरा 19:**

पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि के कारण आस्थगित कर देयता का सृजन करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा परिपत्र क्रमांक डीबीओडी नं.बीपी.बीसी.77/21.04.018/2013-14 दिनांक 20 दिसंबर 2013 के तहत बैंक को दी गई छूट के अनुसार राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधि खाते में ₹1525.13 करोड़ की राशि दिखाने के संबंध में।

इसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार  
**कृते एस. वेंकटराम एण्ड कं.**  
सनदी लेखाकार

(ए. कृष्ण कुमार)  
प्रबंध निदेशक एवं  
समूह कार्यपालक (आईबी)

(जी. नारायणस्वामी)  
भागीदार  
सदस्यता सं. 002161  
फर्म पंजीकरण सं. 004656 S

स्थान : कोलकाता  
दिनांक : 23.05.2014

## संक्षिप्त लेखों से संबंधित लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति,  
भारत के राष्ट्रपति

हमने 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का संलग्न संक्षिप्त तुलन-पत्र और इसके साथ संलग्न इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के संक्षिप्त लाभ एवं हानि खाते की जांच की है।

ये संक्षिप्त वित्तीय विवरण वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की संसूचना एफ क्र. 7/116/2012-बीओए के अनुसार तैयार किए गए हैं और बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के अनुसार तैयार किए गए 31 मार्च 2014 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बैंक के वित्तीय विवरणों पर आधारित हैं तथा भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत इसी तिथि की 13 अन्य संयुक्त लेखा-परीक्षकों की रिपोर्टों के साथ-साथ हमारी रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं जो इसके साथ संलग्न हैं।

इसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार  
**कृते एस. वेंकटराम एण्ड कं.**  
सनदी लेखाकार

(जी. नारायणस्वामी)  
भागीदार  
सदस्यता सं. 002161  
फर्म पंजीकरण सं. 004656 S

स्थान : कोलकाता  
दिनांक : 23.05.2014



**NOTES ON ABRIDGED BALANCE SHEET AND PROFIT & LOSS ACCOUNT DRAWN FROM NOTES ON ACCOUNTS, FORMING PART OF AUDITED FINANCIAL STATEMENT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2014**

**a) Notes 18.8 – para 16 of Schedule 18: ‘Notes to Accounts’**

Utilization of provisions amounting to ₹ 2,056.26 crores from provisions earmarked in the earlier years towards estimated loss in collectible amounts.

**b) Notes 18.8 – para 18 of Schedule 18:**

Utilization of counter cyclical provisioning buffer amounting to ₹750 crores towards making specific provisions for Non-Performing Assets.

**c) Notes 18.8 – para 19 of Schedule 18:**

Regarding charge of ₹1,525.13 crores to Revenue and Other Reserves in accordance with the dispensation granted by Reserve Bank of India to the Bank vide Circular number DBOD. No.BP.BC.77/21.04.018/2013-14 dated 20th December 2013 for creation of Deferred Tax Liability on account of Special Reserve created u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961 during the earlier years.

**FOR S. VENKATRAM & CO.**  
Chartered Accountants

**(A Krishna Kumar)**  
Managing Director &  
Group Executive (IB)

Place : Kolkata  
Date : 23.05.2014

**(G. Narayanaswamy)**  
Partner  
Membership No.002161  
Firm Registration No.:004656 S

**AUDITORS' REPORT ON ABRIDGED ACCOUNTS**

To,  
The President of India

We have examined the attached abridged Balance Sheet of State Bank of India (“the Bank”) as at 31st March, 2014 and the related abridged Profit and Loss Account for the year ended on that date annexed thereto.

These abridged financial statements have been prepared by the Bank pursuant to advice of Ministry of Finance, Government of India vide F.No.7/116/2012-BOA and are based on the financial statements of the Bank for the year ended 31st March, 2014 prepared in accordance with the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949 and is covered by our report alongwith 13 other joint auditors of even date to the President of India which is attached herewith.

In terms of our report of even date  
**FOR S. VENKATRAM & CO.**  
Chartered Accountants

**(G. Narayanaswamy)**  
Partner  
Membership No.002161  
Firm Registration No.:004656 S

Place : Kolkata  
Date : 23.05.2014



# स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति

भारत के राष्ट्रपति,

## वित्तीय विवरणियों पर रिपोर्ट

1. हमने भारतीय स्टेट बैंक की 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार वित्तीय विवरणियों जिनमें 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष का तुलनपत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और हानि खाते तथा नकदी प्रवाह विवरण एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश तथा अन्य विवरणात्मक सूचना की लेखा-परीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित के लेखे शामिल हैं:

- केन्द्रीय कार्यालय, 14 स्थानीय प्रधान कार्यालय, विश्व बाजार समूह, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय समूह, कारपोरेट लेखा समूह (केन्द्रीय), मध्य-कारपोरेट समूह (केन्द्रीय), तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह (केन्द्रीय), और 42 (बयालीस) शाखाओं के, जिनकी लेखापरीक्षा हमने की है;
- 8252 भारतीय शाखाएं, जिनकी लेखा-परीक्षा शाखा लेखा-परीक्षकों ने की तथा
- विदेश स्थित 54 शाखाएं जिसकी लेखापरीक्षा स्थानीय लेखापरीक्षकों ने की।

हमारे एवं अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखाओं को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक को दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप बैंक द्वारा चुना गया। तुलनपत्र एवं लाभ हानि खाते में 8355 भारतीय शाखाओं एवं अन्य लेखांकन इकाइयों की विवरणियां भी शामिल हैं जिनकी लेखा परीक्षा नहीं हुई है। इन अलेखापरीक्षित शाखाओं का हिस्सा अग्रिमों में 4.66%, जमा राशियों में 18.75%, ब्याज आय में 5.73% तथा ब्याज व्यय में 18.28% है।

## वित्तीय विवरणियों हेतु प्रबंधन वर्ग का दायित्व

2. भारतीय रिजर्व बैंक की अपेक्षाओं एवं बैंककारी विनियमन अधिनियम - 1949 के प्रावधानों, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा समाविष्ट लेखा - नीतियों एवं परंपराओं, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखाकरण एवं लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों, जो बैंक की वित्तीय स्थिति का सटीक और सही चित्र प्रस्तुत करते हैं, को तैयार करने की जिम्मेदारी बैंक-प्रबंधन की है। इस जिम्मेदारी के अंतर्गत वित्तीय विवरणियों की तैयारी से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों का निर्माण, कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण भी शामिल है जो धोखाधड़ी या त्रुटिवश किसी भी प्रकार के वस्तुगत गलत बयानी से मुक्त है। इन जोखिमों के आकलन में प्रबंधन ने ऐसे आंतरिक नियंत्रणों का कार्यान्वयन

# INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To

The President of India,

## REPORT ON THE FINANCIAL STATEMENTS

1. We have audited the accompanying financial statements of State Bank of India ("the Bank") as at 31st March, 2014, which comprises the Balance Sheet as at 31st March, 2014, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. Incorporated in these financial statements are the returns of

- The Central Offices, 14 Local Head Offices, Global Market Group, International Business Group, Corporate Accounts Group (Central), Mid-Corporate Group (Central), Stressed Assets Management Group (Central) and 42 branches audited by us;
- 8252 Indian Branches audited by other auditors;
- 54 Foreign Branches audited by the local auditors.

The branches audited by us and those audited by other auditors have been selected by the Bank in accordance with the guidelines issued to the Bank by the Reserve Bank of India. Also incorporated in the Balance Sheet and the Profit and Loss Account are the returns from 8355 Indian Branches and other accounting units which have not been subjected to audit. These unaudited branches account for 4.66% of advances, 18.75% of deposits, 5.73% of interest income and 18.28% of interest expenses.

## MANAGEMENT'S RESPONSIBILITY FOR THE FINANCIAL STATEMENTS

2. The Bank's management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Bank in accordance with the requirements of the Reserve Bank of India, the provisions of the Banking Regulation Act, 1949, the State Bank of India Act, 1955 and recognised accounting policies and practices, including the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). This responsibility of the management includes the design, implementation and maintenance of internal controls and risk management systems relevant to the preparation of the financial statements that are free from material misstatement,



किया है जो वित्तीय विवरणियों को तैयार करने एवं परिकल्पित प्रक्रियाओं जो परिस्थितियों के अनुरूप है, से संबंधित है ताकि बैंक के सभी कार्यकलापों से संबंधित आंतरिक नियंत्रण प्रभावी हो।

### लेखा-परीक्षकों का दायित्व

3. हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणियों पर अपनी लेखा परीक्षा पर आधारित अभिमत देने की है। हमने अपनी लेखा-परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा-परीक्षा मानकों के अनुसार पूरी की है। इन मानकों के अंतर्गत यह अपेक्षा की जाती है कि हम अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का पालन करें और अपनी लेखा-परीक्षा की योजना इस प्रकार बनाएं एवं निष्पादित करें ताकि हम समुचित रूप से इस बारे में आश्वस्त हो जाएं कि वित्तीय विवरणों में कोई वस्तुगत गलत विवरण नहीं दिए गए हैं।
4. लेखापरीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत राशियों और प्रकटीकरणों के संबंध में लेखांकन साक्ष्य प्राप्त करने के लिए की जाने वाली निष्पादन प्रक्रियाएँ शामिल हैं। जाँच के लिए चुनी गई पद्धतियाँ लेखापरीक्षक के विवेक, वित्तीय विवरणियों में धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाली किसी भी वस्तुगत गलत बयानों के जोखिम के आकलन पर आधारित होती हैं। इन जोखिम आकलनों की जांच करते समय लेखापरीक्षक बैंक के वित्तीय विवरणियों को तैयार करने से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों को संज्ञान में लेता है ताकि इन परिस्थितियों के लिए समुचित लेखा पद्धति बनाई जा सके लेकिन इसका उद्देश्य संस्था के आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावशीलता के बारे में किसी भी प्रकार का अभिमत देना नहीं है। लेखा परीक्षा के अंतर्गत प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा-सिद्धांतों तथा प्रमुख आकलनों की जांच तथा समग्र वित्तीय विवरण की प्रस्तुति की जांच भी की जाती है।
5. हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त किया गया लेखा-साक्ष्य हमारे लेखा परीक्षा अभिमत को आधार प्रदान करने लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त है।

### अभिमत

6. हमारे अभिमत में, बैंक की बहियों में दर्शाए गए एवं जहां तक हमें जानकारी है तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार :
  - i) महत्वपूर्ण लेखा नीतियों एवं तत्संबंधी लेखा-टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने पर तुलनपत्र पूर्ण एवं सही हैं, जिसमें समस्त आवश्यक जानकारी शामिल है तथा उसे इस प्रकार तैयार किया गया है कि वह 31 मार्च 2014 को भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखा सिद्धांतों के अनुरूप बैंक के कामकाज का सही और सटीक चित्र दर्शाता है;
  - ii) महत्वपूर्ण लेखा नीतियों एवं तत्संबंधी लेखा-टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने पर लाभ एवं हानि खाता भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए

whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the management has implemented such internal controls that are relevant to the preparation of the financial statements and designed procedures that are appropriate in the circumstances so that the internal control with regard to all the activities of the Bank is effective.

### AUDITOR'S RESPONSIBILITY

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the entity's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
5. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

### OPINION

6. In our opinion, as shown by books of the Bank, and to the best of our information and according to the explanations given to us:
  - (i) the Balance Sheet, read with the significant accounting policies and the notes thereon is a full and fair Balance Sheet containing all the necessary particulars, is properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of state of affairs of the Bank as at 31st March 2014 in conformity with accounting principles generally accepted in India;
  - (ii) the Profit and Loss Account, read with the significant accounting policies and the notes



गए लेखा सिद्धांतों के अनुरूप, चालू वर्ष के लाभ का सही शेष दर्शाता है; तथा

- iii) नकदी प्रवाह विवरण इसी तिथि को समाप्त वर्ष के नकदी प्रवाह का सही एवं सटीक चित्र प्रस्तुत करता है।

### ध्यानाकर्षण

7. हम अनुसूची 18 के टिप्पणी 18.8, लेखा-टिप्पणियों की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहेंगे:

(क) पैरा-16: पिछले वर्षों के दौरान निश्चित किए गए प्रावधान में से ₹ 2,056.26 करोड़ के प्रावधानों के उपयोग से संबंधित।

(ख) पैरा-18: ₹750 करोड़ के प्रति चक्रीय प्रावधान अनर्जक आस्तियों के लिए निश्चित प्रावधान के उपयोग से संबंधित।

(ग) पैरा-19: भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार आयकर अधिनियम की धारा 36(1)(viii) के अंतर्गत सृजित आस्थगित कर देयता के सृजन के लिए राजस्व एवं अन्य निधियों में ₹1,525.13 करोड़ दिखाने से संबंधित।

उपर्युक्त विषयों के संदर्भ में हमारे विचार किन्हीं शर्तों पर आधारित नहीं हैं।

### अन्य विधिक एवं विनियामक

#### अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

8. तुलनपत्र और लाभ एवं हानि खाता बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के क्रमशः 'क' और 'ख' फार्मों में तैयार किए गए हैं और ये भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा उसके अंतर्गत बने विनियमों के उपबंधों के अनुसार अपेक्षित जानकारी देते हैं।
9. उपर्युक्त पैराग्राफ 1 से 5 की सीमाओं के अध्यक्षीन और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की अपेक्षाओं के अनुरूप एवं तत्संबंधी अपेक्षित प्रकटन की सीमाओं के अंतर्गत रहते हुए हम निम्नानुसार अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं, कि :
- क) हमने जहाँ भी कोई जानकारी और स्पष्टीकरण माँगा है, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन से हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक था, हमें वह जानकारी और स्पष्टीकरण दिया गया है और हमने उसे संतोषजनक पाया है।
- ख) हमारी जानकारी में आए बैंक के लेनदेन बैंक के अधिकार-क्षेत्र में ही हैं।
- ग) बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणियाँ हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य से उचित पाई गई हैं।
10. हमारे अभिमत के अनुसार, तुलनपत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण लागू लेखा मानकों के अनुरूप है।

thereon shows a true balance of profit, in conformity with accounting principles generally accepted in India, for the year covered by the account; and

- (iii) the Cash Flow Statement gives a true and fair view of the cash flows for the year ended on that date.

### EMPHASIS OF MATTER

7. We draw attention to Notes 18.8 of Schedule 18: 'Notes to Accounts regarding:

(a) para 16: regarding utilisation of specific provisions of ₹2,056.26 crores made in earlier years;

(b) para 18: utilization of counter cyclical provisioning buffer amounting to ₹750 crores towards specific provision for Non-Performing Assets;

(c) para 19: charge of ₹1,525.13 crores to Revenue and Other Reserves for creation of Deferred Tax Liability on Special Reserve created u/s 36(1)(viii) of Income Tax Act, as per RBI guidelines.

Our opinion is not qualified in respect of the above stated matters.

### REPORT ON OTHER LEGAL AND REGULATORY REQUIREMENTS

8. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in Forms "A" and "B" respectively of the Third Schedule to the Banking Regulation Act 1949, these give information as required to be given by virtue of the provisions of the State Bank of India Act, 1955 and regulations there under.
9. Subject to limitations of the audit indicated in paragraphs 1 to 5 above and as required by the State Bank of India Act, 1955, and subject also to the limitations of disclosure required there in, we report that:
- a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory.
- b) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.
- c) The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit.
10. In our opinion, the Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement comply with the applicable accounting standards.





**कृते एस वेंकटराम एंड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **S Venkatram & Co.**  
Chartered Accountants

**जी नारायण स्वामी**

भागीदार : स.सं.: 002161  
फर्म पंजी. सं. : 004656 एस  
**G Narayanaswamy**  
Partner : M.No. 002161  
Firm Regn. No.004656 S

**कृते एस. एन. नंदा एंड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **S N Nanda & Co.**  
Chartered Accountants

**एस. एन. नंदा**

भागीदार: सं.: 005909  
फर्म पंजी. सं. 000685 N  
**S N Nanda**  
Partner : M.No. 005909  
Firm Regn. No.000685 N

**कृते प्रकाश एंड संतोष**

सनदी लेखाकार  
For **Prakash & Santosh**  
Chartered Accountants

**अरुण कुमार**

भागीदार : स.सं. 087378  
फर्म पंजी. सं.: 000454 सी  
**Arun Kumar**  
Partner : M No.087378  
Firm Regn. No.000454 C

**कृते ऐड एण्ड एसोसिएट्स**

सनदी लेखाकार  
For **Add & Associates**  
Chartered Accountants

**एस दे बंद्योपाध्याय**

भागीदार: सं.स. 064055  
फर्म पंजी. सं. 30806 ई  
**S Dey Bandopadhyay**  
Partner: M.No. 064055  
Firm Regn. No.308064 E

**कृते मेहरा गोयल एण्ड कंपनी**

सनदी लेखाकार  
For **Mehra Goel & Co.**  
Chartered Accountants

**आर के मेहरा**

भागीदार: स.सं. 006102  
फर्म पंजी. सं. 000369 एन  
**R K Mehra**  
Partner: M.No.006102  
Firm Regn. No.000369 N

**कृते सिंधी एंड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **Singhi & Co.**  
Chartered Accountants

**राजीव सिंधी**

भागीदार: स.सं. 053518  
फर्म पंजी. सं.: 302049 ई  
**Rajiv Singhi**  
Partner : M.No.053518  
Firm Regn. No.302049 E

**कृते श्रीराममूर्ति एंड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **Sriramamurthy & Co.**  
Chartered Accountants

**डी प्रसन्नकुमार**

भागीदार. स.सं. 023999  
फर्म पंजी. सं. 003032 एस  
**D Prasanna Kumar**  
Partner : M.No.023999  
Firm Regn. No.003032 S

**कृते धमीजा सुखीजा एण्ड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **Dhamija Sukhija & Co.**  
Chartered Accountants

**के.एम. सुखीजा**

भागीदार. स.सं. 016942  
फर्म पंजी. सं. 000369 एन  
**K M Sukhija**  
Partner: M.No.016942  
Firm Regn. No.000369 N

**कृते वी. पी. आदित्य एण्ड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **V P Aditya & Co.**  
Chartered Accountants

**वी पी आदित्य**

भागीदार. स.सं. 006387  
फर्म पंजी. सं.000542 सी  
**V P Aditya**  
Partner : M No.006387  
Firm Regn. No.000542 C

**कृते एस आर आर के शर्मा एसोसिएट्स**

सनदी लेखाकार  
For **SRRK Sharma Associates**  
Chartered Accountants

**एस आर आर के शर्मा**

भागीदार. स.सं. 016304  
फर्म पंजी. सं. 003790 एस  
**S R R K Sharma**  
Partner : M No.016304  
Firm Regn. No. 003790 S

**कृते एससीएम एसोसिएट्स**

सनदी लेखाकार  
For **SCM Associates**  
Chartered Accountants

**पी. के. बाल**

भागीदार. स.सं. 055147  
फर्म पंजी. सं. 314173 ई  
**P K Bal**  
Partner : M.No. 055147  
Firm Regn. No. 314173 E

**कृते टी आर चड्ढा एंड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **T R Chadha & Co.**  
Chartered Accountants

**विकास कुमार**

भागीदार: स.सं. 075363  
फर्म पंजी. सं.006711 एन  
**Vikas Kumar**  
Partner : M.No. 075363  
Firm Regn. No.006711 N

**कृते के बी शर्मा एंड कं.**

सनदी लेखाकार  
For **K B Sharma & Co.**  
Chartered Accountants

**हेमंत शर्मा**

भागीदार: स.सं. 503080  
फर्म पंजी. सं. 002318 एन  
**Hemant Sharma**  
Partner : M No.503080  
Firm Regn. No. 002318 N

**कृते एस जयकिशन**

सनदी लेखाकार  
For **S Jaykishan**  
Chartered Accountants

**सुनिर्मल चटर्जी**

भागीदार: स.सं. 017361  
फर्म पंजी. सं. 309005 ई  
**Sunirmal Chatterjee**  
Partner : M.No. 017361  
Firm Regn. No.309005 E

स्थान : कोलकाता  
दिनांक : 23 मई 2014

Place : Kolkata  
Date : 23rd May 2014



# भारतीय स्टेट बैंक / STATE BANK OF INDIA

संक्षिप्त तुलन पत्र (समेकित) 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार

## ABRIDGED BALANCE SHEET (CONSOLIDATED) as on 31st March, 2014

	₹ लाख में / in lakhs	
	31.03.2014 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.03.2013 (Previous Year)
<b>पूंजी एवं देयताएँ / CAPITAL AND LIABILITIES</b>		
<b>पूंजी / Capital</b>	746,57	684,03
<b>आरक्षितियां और अधिशेष / Reserves &amp; Surplus</b>		
कानूनी आरक्षितियां / Statutory Reserves	52885,09	48821,44
पूंजी आरक्षितियां / Capital Reserves	2500,49	2213,07
शेयर प्रीमियम / Share Premium	41444,69	31501,20
राजस्व एवं अन्य आरक्षितियां / Revenue and Other Reserves	47761,32	40390,74
लाभ और हानि खाते की शेष राशि / Balance in Profit and Loss Account	2032,37	1422,54
<b>आधे से कम हिस्सेदारी / Minority Interest</b>	4909,15	4253,86
<b>जमाराशियां / Deposits</b>		
मांग जमाराशियां / Demand Deposits	140945,84	135995,46
बचत बैंक जमाराशियां / Savings Bank Deposits	600847,76	527129,94
सावधि जमाराशियां / Term Deposits	1097058,76	964277,21
<b>उधार राशियां / Borrowings</b>		
<b>भारत में उधार-राशियां / Borrowings in India</b>		
(क) भारतीय रिज़र्व बैंक से / (a) from Reserve Bank of India	17292,63	16415,66
(ख) अन्य बैंकों से / (b) from other Banks	2662,80	8434,78
(ग) अन्य संस्थाओं और अधिकरणों से / (c) from other institutions and agencies	26481,13	17642,04
(घ) नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत (आईपीडीआई)		
(d) Innovative Perpetual Debt Instruments(IPDI)	3890,00	3890,00
(इ) गौण ऋण एवं बांड / (e) Subordinated Debts & Bonds	46961,61	45009,61
<b>भारत के बाहर से उधार-राशियां / Borrowings outside India</b>	126471,54	112331,11
<b>अन्य दायित्व और प्रावधान / Other Liabilities and Provisions</b>		
संदेय बिल / Bills payable	23548,36	24393,64
अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल) / Inter Office adjustments (net)	2290,43	16384,12
उपचित ब्याज / Interest accrued	20597,45	17778,02
आस्थागत कर देयताएँ (निवल) / Deferred Tax Liabilities (net)	3398,98	719,10
बीमा व्यवसाय के पॉलिसीधारकों से संबंधित देयताएँ Liabilities relating to Policyholders in Insurance Business	56846,16	50216,61
अन्य (इसमें प्रावधान सम्मिलित है) / Others (including provisions)	74408,48	63204,39
<b>कुल पूंजी और देयताएँ / Total Capital and Liabilities</b>	<b>2395981,61</b>	<b>2133108,57</b>



₹ लाख में / in lakhs

	31.03.2014 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.03.2013 (Previous Year)
<b>आस्तियां / ASSETS</b>		
<b>नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक में जमा राशियां</b>		
<b>Cash and Balances with Reserve Bank of India</b>	114095,60	89574,03
<b>बैंकों में जमा राशियों और मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धनराशि</b>		
<b>Balance with Banks and money at call &amp; short notice</b>		
भारत में जमा राशियाँ / Balances with Banks in India	16657,02	6759,79
भारत में मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धनराशि / Money at call and short notice in India	4235,80	7911,72
भारत के बाहर जमा राशियां / Balances outside India	32172,92	40982,19
<b>निवेश / Investments</b>		
<b>भारत में / In India</b>		
(क) सरकारी प्रतिभूतियां / (a) Government Securities	436289,67	391862,08
(ख) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां / (b) Other Approved Securities	3759,92	2871,57
(ग) शेयर / (c) Shares	26319,05	24444,09
(घ) डिबेंचर और बांड / (d) Debentures and Bonds	40786,63	30162,06
(ङ) सहयोगी / (e) Associates	1967,25	1572,38
(च) अन्य / (f) Others	44817,69	46895,93
भारत के बाहर / Outside India	24852,88	21535,31
<b>अग्रिम / Advances</b>		
<b>भारत में / In India</b>		
(क) खरीदे गए और बट्टाकृत बिल / (a) Bills purchased and discounted	68964,21	71533,73
(ख) कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर संदेय ऋण		
(b) Cash Credits, Overdrafts and Loans Repayable on demand	600361,63	554135,18
(ग) सावधि ऋण / (c) Term Loans	686932,95	590321,65
भारत के बाहर / Outside India	222017,90	176617,47
<b>अचल आस्तियां / Fixed assets</b>	10559,78	9369,93
<b>अन्य आस्तियां / Other assets</b>		
अंतर कार्यालय समायोजन (निवल) / Inter Office adjustments (net)	1349,06	1335,14
उपचित ब्याज / Interest accrued	19447,21	16750,55
अग्रिम संदत्त कर / स्रोत पर कटौती		
Tax paid in advance / tax deducted at source	13857,90	7246,74
दावों की संतुष्टि में प्राप्त गैर-बैंकिंग आस्तियां		
Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	25,86	29,59
आस्थागत कर आस्तियां (निवल) / Deferred tax assets (net)	425,59	594,29
अन्य / Others	26085,09	40603,15
<b>कुल आस्तियां / Total Assets</b>	<b>2395981,61</b>	<b>2133108,57</b>
<b>आकस्मिक देयताएं / Contingent Liabilities</b>		
<b>ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए समूह के विरुद्ध दावे</b>		
Claims against the group not acknowledged as debts	15987,93	8866,77
बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की बाबत दायित्व		
Liability on account of outstanding forward exchange contracts	669552,27	548862,17
ग्राहकों की ओर से दी गई प्रत्याभूतियां		
Guarantees given on behalf of constituents	204940,82	198613,00
प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन और अन्य बाध्यताएं		
Acceptances, endorsements and other obligations	149365,06	149889,00
अन्य मदें जिनके लिए समूह का समाश्रित दायित्व		
Other items for which the group is contingently liable	132719,60	150252,82
<b>कुल समाश्रित दायित्व / Total Contingent Liabilities</b>	<b>1172565,68</b>	<b>1056483,76</b>
<b>संग्रहण के लिए बिल / Bills for Collection</b>	<b>90196,99</b>	<b>80201,67</b>



# भारतीय स्टेट बैंक / STATE BANK OF INDIA

## संक्षिप्त लाभ और हानि खाता (समेकित)

### ABRIDGED PROFIT AND LOSS ACCOUNT (CONSOLIDATED)

31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए for the year ended 31st March, 2014

₹ लाख में / in lakhs

	31.03.2014 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.03.2013 (Previous Year)
<b>आय / INCOME</b>		
<b>अर्जित आय / Interest Earned</b>		
अग्रिमों / बिलों पर / On advances / bills	141382,60	126442,18
विनिधानों पर / On Investments	44855,68	38701,23
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमाराशियों और अन्य अंतर-बैंक निधियों पर ब्याज On balances with RBI and other inter-bank funds	1144,71	1338,70
अन्य / Others	1679,44	1494,03
<b>अन्य आय / Other Income</b>		
कमीशन, विनिमय और दलाली Commission, exchange and brokerage	15086,60	13861,89
विनिधानों के विक्रय पर निवल लाभ Net Profit on sale of Investment	4254,27	2861,83
भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों के विक्रय पर निवल लाभ Net Profit on sale of land, building and other assets	[46,24]	[40,54]
विनिमय संव्यवहारों पर निवल लाभ / Net Profit on exchange transactions	2297,23	1902,59
भारत/विदेश (स्थित संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश) Dividends from Associates in India / abroad	2,29	12,87
विविध आय / Miscellaneous income	16287,98	13985,05
<b>कुल आय / Total Income</b>	<b>226944,56</b>	<b>200559,83</b>
<b>व्यय / EXPENDITURE</b>		
<b>दिया गया ब्याज / Interest Expended</b>		
जमा राशियों पर / On deposits	109113,09	96302,49
भा.रि.बैंक/अंतर-बैंक उधार राशियों पर / On RBI / Inter-bank borrowings	6126,95	4736,60
अन्य / Others	6239,00	5778,82
<b>प्रचालन व्यय / Operating Expenses</b>		
कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान Payments to and provisions for employees	29868,36	24401,09
भाटक, कर और रोशनी / Rent, taxes and lighting	3940,37	3252,70
मुद्रण और लेखन सामग्री / Printing & stationery	471,13	419,34
विज्ञापन और प्रचार / Advertisement and publicity	609,54	643,67
समूह की संपत्ति पर मूल्यह्रास / Depreciation on group's property	1942,43	1577,49
निदेशकों की फीस भत्ते और व्यय Directors' fees, allowances and expenses	6,55	7,56
लेखा-परीक्षकों की फीस एवं व्यय (शाखा लेखा-परीक्षकों सहित) Auditors' fees and expenses (including branch auditors)	253,76	186,76



₹ लाख में / in lakhs

	31.03.2014 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.03.2014 (Current Year)	31.03.2013 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.03.2013 (Previous Year)
विधि प्रभार / Law charges	315,86	248,84
डाक महसूल, तार और टेलीफोन आदि Postages, Telegrams, Telephones, etc.	869,16	682,64
मरम्मत और अनुरक्षण / Repairs and maintenance	591,76	530,13
बीमा / Insurance	1981,24	1596,69
अन्य / Others	22518,58	19272,89
<b>प्रावधान और समाश्रित / Provisions and contingencies</b>		
विनिधानों पर मूल्यहास के लिए प्रावधान Provision for depreciation on Investment	876,27	(950,12)
अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान Provision towards non performing assets	18337,30	14906,56
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान / Provision towards standard assets	1568,87	1090,71
अन्य (आय-कर को छोड़कर) / Others (excluding income taxes)	[11,20]	[6,84]
<b>कुल व्यय एवं प्रावधान / Total Expenses and Provisions</b>	<b>205619,02</b>	<b>174678,02</b>
<b>कर पूर्व लाभ/ (हानि) / Profit / (Loss) before tax</b>	<b>21325,54</b>	<b>25881,81</b>
चालू कर / Current Tax	5662,41	8259,91
आस्थागत कर / Deferred Tax	1173,66	(701,09)
<b>कर पश्चात लाभ/(हानि) सहयोगियों के लाभ में हिस्से और आधे से कम हिस्सेदारी के लिए समायोजन से पूर्व / Profit/(Loss) after tax (before adjustment for Share in Profit of Associates and Minority Interest)</b>	<b>14489,47</b>	<b>18322,99</b>
जोड़े: सहयोगियों के लाभ में हिस्सा / Add: Share in Profit of Associates	317,73	231,68
घटाए: आधे से कम हिस्सेदारी / Less: Minority Interest	633,43	638,44
<b>समूह का निवल लाभ / Net Profit for the Group</b>	<b>14173,77</b>	<b>17916,23</b>
अग्रणीत शेष / Balance Brought forward	1422,54	892,74
<b>विनियोजन के लिए उपलब्ध राशि / Amount available for Appropriation</b>	<b>15596,31</b>	<b>18808,97</b>
<b>विनियोजन / APPROPRIATIONS</b>		
कानूनी आरक्षितियों को अंतरण / Transfer to Statutory Reserves	4097,28	5371,44
अन्य आरक्षितियों को अंतरण / Transfer to Other Reserves	6849,73	8695,53
लाभांश और लाभांश पर कर को अंतरण Transfer to Dividend and Tax on Dividend	2616,93	3319,46
तुलनपत्र में आगे ले जाया गया शेष Balance carried over to Balance Sheet	2032,37	1422,54
<b>कुल / Total</b>	<b>15596,31</b>	<b>18808,97</b>



संक्षिप्त समेकित तलुन-पत्र और लाभ एवं हानि खाते की टिप्पणियां 31 मार्च 2014 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरणों की लेखा टिप्पणियों से ली गई हैं।

## अनुसूची 18

### टिप्पणी क्र. 7 : अनर्जक आस्तियों के लिए विशिष्ट प्रावधान

वर्ष के दौरान, भारतीय स्टेट बैंक ने पिछले वर्षों (वर्ष 2011-12 और 2012-2013) के दौरान किए गए ₹2056.26 करोड़ की विशिष्ट प्रावधान राशि का उपयोग किया है। इस राशि का प्रावधान ऐसे अग्रियों की वसूलनीय राशि के अनुमानित हानि के लिए कतिपय अनर्जक देशीय अग्रियों के संबंध में किया गया था।

### टिप्पणी क्र. 9 : प्रति चक्रीय सुरक्षा राशि

‘अस्थायी प्रावधान/प्रति चक्रीय प्रावधान सुरक्षा राशि का उपयोग’ से संबंधित भा.रि.बैंक ने परिपत्र क्र. डीबीओडी नं. बीपी 95/21.04.48/2013-14 दिनांक 7 फरवरी 2014 के अनुसार, बैंकों को 31 मार्च 2013 की स्थिति के अनुसार उनके द्वारा प्रावधान की गई प्रति चक्रीय प्रावधान सुरक्षा राशि (सीसीपीबी) के 33 प्रतिशत भाग तक का उपयोग करने की अनुमति प्रदान की है जिससे वे बैंक के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार अनर्जक आस्तियों (एनपीए) के लिए विशिष्ट प्रावधान कर सके। तदनुसार, भारतीय स्टेट बैंक ने बोर्ड अनुमोदित नीति और बोर्ड के अनुमोदन के अनुसार एनपीए के लिए विशिष्ट प्रावधान करने हेतु (₹1,132 करोड़ की अधिकतम अनुमत सीमा, अर्थात् ₹3,430 करोड़ की राशि जो 31 मार्च 2013 को शेष थी, के 30 प्रतिशत की तुलना में) ₹750 करोड़ की सीसीपीबी राशि का उपयोग किया।

### टिप्पणी क्र. 11 : धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत विशेष आरक्षित निधि से संबंधित आस्थगित कर देयता

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत बनाई गई विशेष आरक्षित निधि से संबंधित आस्थगित कर देयता के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक ने परिपत्र क्रमांक डीबीओडी क्र. बीपी. बीसी.77/21.04.018/2013-14 दिनांक 20 दिसंबर 2013 के अनुसार सूचित किया है कि एक विवेकीय मामले के रूप में, विशेष आरक्षित निधि के संबंध में एक आस्थगित कर देयता (डीटीएल) सृजित की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, उसने बैंकों को अनुमत किया है कि वे आरक्षित निधि से संबंधित डीटीएल के लिए प्रावधान की गई राशि का समायोजन करें और वर्ष 2013-14 से बनाई गई विशेष आरक्षित निधि से संबंधित प्रावधान राशि को लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित की जानी चाहिए। तदनुसार, 31 मार्च 2013 को ₹6,039.30 के विशेष आरक्षित निधि से संबंधित डीटीएल का सृजन करने के लिए आरक्षित निधियों से ₹2,052.76 करोड़ की राशि का समायोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष के लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत बनाई गई विशेष आरक्षित निधि से संबंधित डीटीएल का सृजन करने के लिए ₹488.30 करोड़ की राशि को लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया गया है।

इसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार  
**कृते एस. वेंकटराम एण्ड कं.**  
सनदी लेखाकार

( ए. कृष्ण कुमार )

प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (आईबी)

( जी. नारायणस्वामी )

भागीदार

सदस्यता सं. 002161

फर्म पंजीकरण सं. : 004656 S

स्थान : कोलकाता

दिनांक: 23.05.2014



NOTES ON CONSOLIDATED ABRIDGED BALANCE SHEET AND PROFIT & LOSS ACCOUNT DRAWN FROM NOTES ON ACCOUNTS FORMING PART OF AUDITED FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2014

SCHEDULE 18

**Note No. 7: Specific Provision for NPAs**

During the year, SBI has utilized the specific provisions of ₹2,056.26 crores made during previous years (2011-12 and 2012-13) against certain non performing domestic advances to provide for estimated loss in the collectible amounts of such advances.

**Note No. 9: Counter Cyclical Buffer**

RBI vide Circular No. DBOD.No.BP.95/21.04.048/2013-14 dated 7th February, 2014 on 'Utilisation of Floating Provisions/ Counter Cyclical Provisioning Buffer' has allowed the banks, to utilise up to 33 per cent of Counter Cyclical Provisioning Buffer (CCPB) held by them as on 31st March, 2013, for making specific provisions for Non-Performing Assets (NPAs) as per the policy approved by the Bank's Board of Directors. Accordingly, SBI has utilized the CCPB of ₹750 crores (as against the maximum permissible limit of ₹1,132 crores i.e.33% of ₹3,430 crores, the balance as on 31st March, 2013) for making specific provision for NPAs, in accordance with the board approved policy and approval of the Board.

**Note No. 11: Deferred Tax Liability on Special Reserve u/s 36(1)(viii)**

RBI vide Circular No. DBOD.No.BP.BC.77/21.04.018/2013-14 dated December 20, 2013 on 'Deferred Tax Liability on Special Reserve created under Section 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961, has advised that, as a matter of prudence, Deferred Tax Liability (DTL) should be created on Special Reserve. Further, it has allowed the banks to adjust the provision for DTL on Special Reserve as at March 31, 2013 against the Reserves and the provision for DTL on Special Reserve created from the year 2013-14 should be charged to the profit and loss account. Accordingly, an amount of ₹2,052.76 crores has been adjusted from the reserves for creation of DTL on Special Reserve of ₹6,039.30 crores as on 31st March, 2013. Further an amount of ₹488.30 crores has been charged to Profit and Loss Account for creation of DTL on Special Reserve u/s 36(1) (viii) of the Income Tax Act, 1961 for the year.

In terms of our report of even date

**FOR S.VENKATRAM & CO.**

**Chartered Accountants**

**(A Krishna Kumar)**

MD & GE (Int'l Bkg)

**(G. Narayanaswamy)**

**Partner**

**Membership No. 002161**

**Firm Registration No.: 004656 S**

Place : Kolkata

Date : 23.05.2014



## समेकित संक्षिप्त लेखों से संबंधित लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति,

केन्द्रीय बोर्ड  
भारतीय स्टेट बैंक

हमने 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ('बैंक'), इसकी अनुषंगियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों ('समूह') का संलग्न संक्षिप्त समेकित तुलन-पत्र और इसके साथ संलग्न इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के संबंधित संक्षिप्त समेकित लाभ एवं हानि खाते की जांच की है।

ये संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरण, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की संसूचना एफ क्र.7/116/2012 बीओए के अनुसार तैयार किए गए हैं और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा निर्धारित लेखा मानक 21- "समेकित वित्तीय विवरण", लेखा मानक 23 - "समेकित वित्तीय विवरणों में सहयोगियों में निवेश से संबंधित लेखा" और लेखा मानक 27 - "संयुक्त उद्यमों में हित संबंधी वित्तीय रिपोर्टिंग की अपेक्षा तथा भारतीय रिजर्व बैंक की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किए गए 31 मार्च 2014 को समाप्त हुए वर्ष के लिए समूह के वित्तीय विवरणों पर आधारित हैं और बैंक के निदेशक बोर्ड को प्रस्तुत इसी तिथि की हमारी रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं जो इसके साथ संलग्न हैं।

**कृते एस. वेंकटराम एंड कं.**  
सनदी लेखाकार

**( जी. नारायणस्वामी )**  
भागीदार

स्थान : कोलकाता  
दिनांक : 23 मई 2014

सदस्यता सं. 002161  
फर्म पंजीकरण सं.004656 एस

## AUDITORS' REPORT ON CONSOLIDATED ABRIDGED ACCOUNTS

To,

The Board of Directors  
State Bank of India

We have examined the attached abridged Consolidated Balance Sheet of State Bank of India ('the Bank'), its subsidiaries, associates and joint ventures ("the Group") as at 31st March, 2014 and the related abridged Consolidated Profit and Loss Account for the year ended on that date annexed thereto.

These abridged Consolidated financial statements have been prepared by the Bank pursuant to advice of Ministry of Finance, Government of India vide F.No. 7/116/2012-BOA and are based on the financial statements of the group for the year ended 31st March, 2014 prepared in accordance with the requirement of the Accounting Standard 21 - "Consolidated Financial Statements", Accounting Standard 23 - "Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements" and Accounting Standard 27 - "Financial Reporting of Interest in Joint Ventures" prescribed by the Institute of Chartered Accountants of India and the requirements of Reserve Bank of India and is covered by our report of even date to the Board of Directors of the Bank which is attached herewith.

**FOR S.VENKATRAM & CO.**  
Chartered Accountants

**(G. Narayanaswamy)**  
Partner

Place : Kolkata  
Date : 23.05.2014

**Membership No.002161**  
**Firm Registration No.: 004656 S**





## स्वतंत्र लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट

प्रति,  
निदेशक बोर्ड,  
भारतीय स्टेट बैंक,  
कारपोरेट केंद्र,  
स्टेट बैंक भवन,  
मुंबई

- हमने भारतीय स्टेट बैंक (इस बैंक) और इसकी अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों (इस समूह) के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा की है जिनमें 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार समेकित तुलन-पत्र और इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के समेकित लाभ एवं हानि खाता और समेकित नकदी प्रवाह विवरण तथा महत्वपूर्ण लेखा-नीतियों का सारांश और अन्य विवरणात्मक सूचना शामिल है।
- इन समेकित वित्तीय विवरणों में समाविष्ट हैं: (क) 14 (चौदह) संयुक्त लेखा-परीक्षकों (हमारे सहित) द्वारा लेखा-परीक्षा किए गए बैंक के लेखा-परीक्षित खाते जो 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार ₹17,92,235 करोड़ की कुल आस्तियों, इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के ₹1,54,904 करोड़ की कुल आय, ₹10,891 करोड़ का लाभ और ₹17,729 करोड़ की राशि का निवल नकदी प्रवाह दर्शाते हैं; (ख) अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षित 28 (अट्ठाईस) अनुषंगियां, 8 (आठ) संयुक्त उद्यम और 21 (इक्कीस) सहयोगियों के लेखा-परीक्षित खाते, इनके वित्तीय विवरण 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार ₹6,15,868 करोड़ की कुल आस्तियों में समूह का अंश, इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए ₹74,376 करोड़ की कुल आय में समूह का अंश, ₹2905 करोड़ की राशि के निवल नकदी प्रवाहों में समूह का अंश ₹310 करोड़ के सहयोगियों के लाभ में से समूह के अंश को दर्शाते हैं; (ग) 1(एक) अनुषंगी और 1(एक) सहयोगी के अलेखा-परीक्षित खाते। इनके वित्तीय विवरण 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार ₹3,360 करोड़ की कुल आस्तियां, इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए ₹553 करोड़ की राशि का निवल नकदी बहिर्वाह और ₹8 करोड़ के सहयोगियों के लाभ में से समूह के अंश को दर्शाते हैं। समूह की इकाइयां जिनके वित्तीय विवरण समेकित वित्तीय विवरणों में समाविष्ट किए गए हैं, अनुसूची 18- लेखा टिप्पणियां; में सूचीबद्ध है – जो समूह के समेकित वित्तीय विवरणों का भाग है।

## INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,  
The Board of Directors,  
State Bank of India,  
Corporate Centre,  
State Bank Bhavan,  
Mumbai

- We have audited the accompanying Consolidated Financial Statements of State Bank of India (the "Bank") and its Subsidiaries, Joint Ventures and Associates (the "Group") which comprise the Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2014, the Consolidated Profit and Loss Account and the Consolidated Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.
- Incorporated in these consolidated financial statements are the: (a) audited accounts of the Bank audited by 14 (fourteen) Joint Auditors including us which reflect total assets of ₹17,92,235 crores as at 31st March, 2014, total revenue of ₹1,54,904 crores, profits of ₹10,891 crores and net cash inflows amounting to ₹17,729 crores for the year then ended; (b) Audited accounts of 28 (twenty eight) Subsidiaries, 8 (eight) Joint Ventures and 21 (twenty one) Associates audited by other auditors whose financial statements reflects the Group's share in total assets of ₹6,15,868 crores as at 31st March, 2014, the Group's share in total revenue of ₹74,376 crores, the Group's share in net cash inflows amounting to ₹2,905 crores, and the Group's share in profit from associates of ₹310 crores for the year then ended; (c) Unaudited accounts of 1 (one) Subsidiary and 1 (one) Associate whose financial statements reflect total assets of ₹3,360 crores as at 31st March, 2014, total revenue of ₹129 crores, net cash outflows amounting to ₹553 crores and the Group's share in profit from associates of ₹8 crores for the year then ended. The entities of the Group whose Financial Statements are included in the Consolidated Financial Statements are listed in Schedule 18 - Notes to Accounts - which forms part of the Consolidated Financial Statements of the Group.



- हमने इसकी अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा नहीं की है। ये वित्तीय विवरण हमें प्रस्तुत किए गए हैं और जहां तक इसका अन्य इकाइयों के संबंध में शामिल की गई राशि से संबंध है, हमारी राय केवल अन्य लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।
- हमने 1(एक) अनुषंगी और 1(एक) सहयोगी के अलेखा-परीक्षित वित्तीय विवरणों पर विश्वास किया है जिन्हें प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों के आधार पर समेकित किया गया है।

### वित्तीय विवरणों के प्रति प्रबंधन की जिम्मेदारी

- इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक का प्रबंधन वर्ग जिम्मेदार है जो भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 21-“समेकित वित्तीय विवरण”, लेखा मानक 23 – “समेकित वित्तीय विवरण” में सहयोगियों में निवेश से संबंधित लेखा और लेखा मानक 27 “संयुक्त उद्यमों में हित संबंधी वित्तीय रिपोर्टिंग की अपेक्षा, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और भारत में सामान्यतः स्वीकृत अन्य लेखा सिद्धांतों की अपेक्षाओं के अनुसार बैंक की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह की एक सही एवं उचित स्थिति प्रस्तुत करते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन की इस जिम्मेदारी में इस समूह के वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की अभिकल्पना, कार्यान्वयन और अनुपालन शामिल है जो एक सही एवं उचित स्थिति को प्रस्तुत करती है और विषय-वस्तु संबंधी गलत विवरणों से मुक्त है जो चाहे धोखाधड़ी या गलती के कारण आ गए हों। उन जोखिमों का आकलन करने में इस समूह की अलग-अलग इकाइयों के प्रबंधन ने ऐसे आंतरिक नियंत्रणों को कार्यान्वित किया है जो वित्तीय विवरणों को तैयार करने और अभिकल्पित कार्यविधि जो परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है, से संबंधित है जिससे आकलन इस समूह के सभी कार्यकलापों से संबंधित आंतरिक नियंत्रण प्रभावी हो।

### लेखा-परीक्षकों की जिम्मेदारी

- हमारी जिम्मेदारी, अपने लेखा-परीक्षा कार्य के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपना अभिमत प्रस्तुत करना है। हमने अपना लेखा-परीक्षा कार्य भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा-परीक्षा-मानकों के आधार पर किया है। इन मानकों के अंतर्गत यह अपेक्षा की जाती है कि

- We did not audit the financial statements of its Subsidiaries, Joint Ventures and Associates. These financial statements have been furnished to us, and our opinion, insofar as it relates to the amounts included in respect of other entities, is based solely on the report of the other auditors.
- We have relied on the unaudited financial statements of 1 (one) subsidiary and 1 (one) associate, which have been consolidated on the basis of management certified financial statements.

### MANAGEMENT'S RESPONSIBILITY FOR THE FINANCIAL STATEMENTS

- The Management of State Bank of India is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Bank in accordance with the requirements of the Accounting Standard 21 – “Consolidated Financial Statements”, Accounting Standard 23 – “Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements” and Accounting Standard 27 – “Financial Reporting of Interest in Joint Ventures” issued by the Institute of Chartered Accountants of India, the requirements of Reserve Bank of India, the State Bank of India Act 1955 and other accounting principles generally accepted in India. This responsibility of the management of State Bank of India includes the design, implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentation of the financial statements of the Group that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the managements of the individual entities of the Group have implemented such internal controls that are relevant to the preparation of the financial statements and designed procedures that are appropriate in the circumstances so that the internal control with regard to all the activities of the Group are effective.

### AUDITOR'S RESPONSIBILITY

- Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and



हम अपनी लेखा-परीक्षा की योजना इस प्रकार बनाएं और उसे इस प्रकार निष्पादित करें, जिससे हम समुचित रूप से इस बारे में आश्वस्त हो जाएं कि वित्तीय विवरणों में विषय-वस्तु संबंधी कोई गलत विवरण नहीं दिए गए हैं।

7. लेखा-परीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत राशियों और प्रकटीकरणों के समर्थन में दिए गए साक्ष्य की परीक्षण आधार पर जांच की जाती है। जांच के लिए चुनी गई पद्धतियों लेखा परीक्षक के विवेक, वित्तीय विवरणों में धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाली किसी भी वस्तुगत गलत बयानी के जोखिम के आकलन पर आधारित होती है। इन जोखिम आकलनों की जांच करते समय लेखा-परीक्षक इस समूह की तैयारी से संबंधित आंतरिक नियंत्रण पर विचार करता है जिससे ऐसी लेखा-परीक्षा कार्यविधियों की अभिकल्पना की जा सके जो परिस्थितियों के लिए उचित हो परंतु समूह के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावकारिता पर राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं। लेखा-परीक्षा के अंतर्गत समूह की इकाइयों के प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा-नीतियों तथा लेखा आकलनों के औचित्य तथा समग्र वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति की भी जांच की जाती है।
8. हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त है और हमारी लेखा परीक्षा अभिमत के लिए एक समुचित आधार प्रदान करता है।
9. भारतीय स्टेट बैंक की अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों/सहयोगियों के वित्तीय विवरणों से संबंधित लेखा-परीक्षा रिपोर्ट/प्रबंधन प्रमाणपत्र हमें अग्रेषित किए गए हैं और हमारे द्वारा समझे गए ढंग से हमारी रिपोर्ट तैयार करते समय उन्हें देखा गया है तथा हमारा अभिमत केवल अन्य लेखा-परीक्षकों की रिपोर्टों/प्रबंधन प्रमाणपत्रों पर आधारित है।

### अभिमत

10. यहां ऊपर पैरा 1 से 9 में दर्शाई गई सीमाओं के अध्येधीन, अपनी लेखा-परीक्षा और अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के अलग-अलग वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट, एक अनुषंगी और एक सहयोगी के अलेखा-परीक्षित वित्तीय विवरणों और अन्य वित्तीय जानकारी पर विचार करने पर, हमारी राय और हमारी श्रेष्ठ जानकारी के आधार पर तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार संलग्न समेकित वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करता है;
- (क) 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार समूह की स्थिति के संबंध में समेकित तुलन-पत्र;

perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

7. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Group's preparation in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Group's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the management of the entities of the Group, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
8. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.
9. The Audit Reports/Management Certifications on the financial statements of the Subsidiaries/Joint Ventures/Associates of State Bank of India have been forwarded to us and dealt with in preparing our report in the manner considered by us and our opinion is based solely on the reports of the other auditors/management certificates.

### OPINION

10. Subject to the limitations as indicated in Para 1 to 9 herein above, based on our audit and on consideration of the reports of other auditors on separate financial statements of Subsidiaries, Joint Ventures and Associates, the unaudited financial statements and the other financial information of a subsidiary and an associate, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the attached Consolidated Financial Statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
  - (a) in the case of the Consolidated Balance Sheet, of the state of affairs of the Group as at 31st March, 2014;



- (ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए समूह के समेकित लाभ एवं हानि खाते में समेकित लाभ के संबंध में; और
- (ग) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए समूह के नकदी प्रवाह के समेकित नकदी प्रवाह विवरण के संबंध में।

- (b) in the case of the Consolidated Profit and Loss Account, of the consolidated profit of the Group for the year ended on that date; and
- (c) in the case of the Consolidated Cash Flow Statement, of the cash flows of the Group for the year ended on that date.

### ध्यानाकर्षण

11. निम्नलिखित के संबंध में हम आपका ध्यान अनुसूची 18: 'लेखा टिप्पणियों' की ओर आकर्षित करते हैं;
- (क) पैरा-7: पूर्ववर्ती वर्षों में किए गए ₹2,056.26 करोड़ की विशिष्ट प्रावधान राशि का उपयोग करना;
- (ख) पैरा-9: अनर्जक आस्तियों के लिए विशिष्ट प्रावधान के संबंध में ₹750 करोड़ की राशि के प्रति चक्रीय प्रावधान सुरक्षित राशि का उपयोग करना;
- (ग) पैरा-11: भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार, आय कर अधिनियम की धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष प्रावधान राशि के संबंध में आस्थगित कर देयता के सृजन हेतु राजस्व और अन्य आरक्षित खाते में ₹2,052.76 करोड़ की राशि दिखाना।

उपर्युक्त मामलों के संबंध में हमारा अभिमत किन्हीं शर्तों पर आधारित नहीं है।

कृते एस. वेंकटराम एण्ड कं.  
सनदी लेखाकार

(जी. नारायणस्वामी)  
भागीदार

स्थान : कोलकाता  
दिनांक : 23.05.2014

सदस्यता सं. 002161  
फर्म पंजीकरण सं. 004656 एस

### EMPHASIS OF MATTER

11. We draw attention to Schedule 18: 'Notes to Accounts' regarding:
- (a) Para 7: utilisation of specific provisions of ₹2,056.26 crores made in earlier years;
- (b) Para 9: utilization of counter cyclical provisioning buffer amounting to ₹750 crores towards specific provision for Non-Performing Assets;
- (c) Para 11: charge of ₹2,052.76 crores to Revenue and Other Reserves for creation of Deferred Tax Liability on Special Reserve created u/s 36(1)(viii) of Income Tax Act, as per RBI guidelines.

Our opinion is not qualified in respect of the above stated matters.

FOR S.VENKATRAM & CO.  
Chartered Accountants

(G. Narayanaswamy)  
Partner

Place : Kolkata  
Date : 23.05.2014

Membership No.002161  
Firm Regn. No. 004656 S

# भारतीय स्टेट बैंक प्रॉक्सी फार्म

फोलियो क्र.: .....

डी.पी./ग्राहक आई.डी.क्र.....

मैं/हम, .....

.....निवासी.....

बैंक के कारपोरेट केन्द्र में शेयरधारकों के रजिस्टर में दर्ज भारतीय स्टेट बैंक के .....

शेयर / शेयरों का धारक हूँ / शेयरों के धारक है और एतद्वारा .....

.....निवासी .....को (या उसकी

अनुपस्थिति में .....निवासी..... को)

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की .....में दिनांक .....

को, और उसके किसी स्थगन के बाद होने वाली सभा में मेरे / हमारे लिए और मेरी / हमारी तरफ से मत देने हेतु अपने प्रॉक्सी के रूप में नियुक्त

करता / करती हूँ / करते हैं।

दिनांकित ..... के .....

दिवस को

15 पैसे  
रसीदी  
टिकट

यदि प्रॉक्सी का लिखत एकल शेयरधारक के मामले में उसके द्वारा अथवा लिखित रूप में यथाविधि प्राधिकृत उसके मुख्तार (अटर्नी) द्वारा हस्ताक्षरित न हो अथवा संयुक्त धारक के मामले में रजिस्टर में दर्ज प्रथम शेयरधारक द्वारा हस्ताक्षरित या उसके मुख्तार द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत न हो अथवा किसी कंपनी के मामले में उसकी सामान्य सील के अंतर्गत निष्पादित न किया गया हो अथवा लिखित रूप में यथाविधि प्राधिकृत मुख्तार द्वारा हस्ताक्षरित न हो, तो वह वैध नहीं होगा।

यदि कोई शेयरधारक किसी भी कारणवश अपना नाम न लिख सकता हो, तथा यदि उस पर (प्रॉक्सी पत्र) उसके अंगूठे का निशान है जिसे किसी न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, जस्टिस ऑफ द पीस, रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेन्सेस ने अथवा किसी अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा भारतीय स्टेट बैंक के किसी अधिकारी ने अधिप्रमाणित किया हो, तो प्रॉक्सी का वह लिखत यथेष्ट रूप में हस्ताक्षरित माना जाएगा।

यदि प्रॉक्सी कंपनी द्वारा नियुक्त न हो, तो वह भारतीय स्टेट बैंक के केन्द्रीय बोर्ड का निदेशक/स्थानीय बेर्ड का सदस्य/ भारतीय स्टेट बैंक का ऐसा शेयरधारक होना चाहिए, जो भारतीय स्टेट बैंक का अधिकारी या कर्मचारी न हो।

यदि प्रॉक्सी पत्र यथाविधि स्थापित न हो और उसे मुख्तारनामे या अन्य प्राधिकार पत्र (यदि कोई हो) जिसके अंतर्गत उसे हस्ताक्षरित किया गया हो अथवा किसी नोटरी पब्लिक अथवा न्यायाधीश द्वारा प्रमाणित उस अधिकार पत्र अथवा प्राधिकार पत्र की एक प्रति, कारपोरेट केन्द्र में या इसके स्थान पर अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक द्वारा समय-समय पर नामित अन्य कार्यालय में सभा के लिए नियत तिथि के स्पष्टतः 7 दिन पूर्व जमा न किया जाए, तो वह (प्रॉक्सी पत्र) वैध नहीं होगा। (यदि मुख्तारनामा पहले से बैंक के पास पंजीकृत है, तो मुख्तारनामा या अन्य मुख्तारनामे के फोलियो क्रमांक और पंजीकरण क्रमांक का भी उल्लेख किया जाए)।

भारतीय स्टेट बैंक, शेयर एवं बाण्ड विभाग, कारपोरेट केन्द्र, स्टेट बैंक भवन, मादाम कामा रोड, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021 को प्रॉक्सी फार्म मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार पत्र स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

# STATE BANK OF INDIA

## Proxy Form

Folio No.: .....

DP/Client-ID No. ....

I/We .....

resident of ..... being (a) shareholder(s) of the State Bank of India holding (No.) ..... shares on the Register of shareholders at the Corporate Centre

of the Bank do here by appoint .....

resident of ..... (or failing him/her ..... resident of .....) as my/our proxy to vote for me/us and on my/our behalf at a

meeting of the shareholders of the State Bank of India to be held at .....

on the ..... day of ..... and

at any adjournment thereof.

Dated this ..... day of .....

15 paise  
Revenue  
Stamp

No instrument of proxy shall be valid unless in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing, or in the case of joint holders, it is signed by the shareholders first named in the Register or his attorney duly authorized in writing, or in the case of a Company, it is executed under its common seal, if any, or signed by its attorney duly authorized in writing.

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who is, for any reason, unable to write his name, if his mark is affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Justice of the Peace, Registrar or Sub-Registrar of Assurances, or other Government Gazetted Officer or an Officer of the State Bank of India.

A proxy, unless appointed by a Company, should be a Director of the Central Board/Member of the Local Board/Shareholder of the State Bank of India, other than an officer or employee of the State Bank of India.

No Proxy shall be valid unless it is duly stamped and unless it, together with the power of attorney or other authority (If any) under which it is signed, or a copy of that power of attorney or authority certified by a Notary Public or a Magistrate, is deposited with the Corporate Centre or other office designated from time to time by the Chairman or Managing Director in this behalf, not less than 7 clear days before the date fixed for the meeting. (In case a power of attorney is already registered with the Bank, the Folio No. and Registration No. of the power of attorney be also mentioned).

State Bank of India, Shares & Bonds Dept., Corporate Centre, State Bank Bhavan, Madam Cama Road, Nariman Point, Mumbai - 400 021 is authorised to accept the proxy form, power of attorney or other authority.

**भारतीय स्टेट बैंक**  
**शेयरधारकों की वार्षिक महासभा**  
**उपस्थिति पर्ची**

दिनांक:

फोलियो क्र:

डी.पी. / ग्राहक आई. डी. क्र:

शेयरधारक का पूरा नाम: .....

(शेयर प्रमाणपत्र पर लिखे / डी.पी. के रिकार्ड के अनुसार)

पंजीकृत पता: .....

..... पिन

कुल धारित शेयरों की संख्या:

शेयर प्रमाणपत्र क्रमांक, मतपत्र द्वारा

मतदान के मामले में:  से  तक

क्या विनियम 31\* के अनुसार मत देने का अधिकार है: हाँ / नहीं

यदि हाँ, तो मतों की संख्या जिनके लिए वह अधिकृत है (मतपत्र द्वारा मतदान के मामले में):

हस्ताक्षर अनुप्रमाणित (शेयरधारक के हस्ताक्षर)

शेयरधारक के तौर पर व्यक्तिगत रूप में							
प्रॉक्सी के रूप में							
विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में							
योग							

नाम:

पदनाम:

सील / मोहर:

नोट:

- i) भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधकों/प्रभाग प्रबंधकों को (जिनके हस्ताक्षर सर्कुलेट किए गए हैं), उस शाखा में खाता रखने वाले शेयरधारकों द्वारा शेयरधारक होने का समुचित साक्ष्य प्रस्तुत करने पर, उनके हस्ताक्षर अनुप्रमाणित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।
- ii) यदि शेयरधारक भारतीय स्टेट बैंक के अलावा किसी अन्य बैंक का खाताधारी है, तो उसके हस्ताक्षरों का अनुप्रमाणन उस बैंक के शाखा प्रबंधक शाखा की मोहर/स्टाम्प के साथ अनुप्रमाणित कर सकते हैं।
- iii) वैकल्पिक रूप में, शेयरधारक अपने हस्ताक्षर नोटरी या प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट द्वारा अनुप्रमाणित करवाएं।
- iv) शेयरधारकों के हस्ताक्षर सभा स्थल पर भारतीय स्टेट बैंक के निर्दिष्ट अधिकारियों से भी अनुप्रमाणित करवाए जा सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपनी पहचान का कोई संतोषप्रद प्रमाण जैसे - पासपोर्ट, फोटो वाला ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान कार्ड या इसी प्रकार का अन्य कोई स्वीकार्य प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

# STATE BANK OF INDIA

## ANNUAL GENERAL MEETING OF SHAREHOLDERS

### ATTENDANCE SLIP

Date:

Folio No:

DP/Client-ID No.:

Full Name of the Shareholder:.....

(as appearing on share certificate/recorded with DP)

Registered address: .....

..... PIN

Total number of Shares held:

Share Certificate Nos.,

(in case of physical holding) From  To

Whether having voting rights in terms of Regulation 31\* Yes / No

If yes number of votes to which he/she is entitled, in case of Poll by ballot.

In person as a shareholder	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
As a proxy	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
As a duly authorised representative	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
<b>TOTAL</b>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>

Signature Attested

(Signature of Shareholder)

Name:

Designation:

Seal/Stamp:

Note:

- i) The Branch Managers/Managers of Divisions of the branches of the State Bank of India (whose signatures are circulated) are authorized to attest the signature of the shareholders, on production of suitable evidence of his/her shareholding to the branch where the shareholders may be maintaining account.
- ii) If the shareholder maintains account with a Bank other than State Bank of India, the signature may be attested by the Branch Manager of that Bank, affixing the branch seal/stamp to evidence the attestation.
- iii) Alternatively, the shareholder may have his/her signature attested by a Notary or a first class Magistrate.
- iv) The signature of shareholders can also be got attested at the venue of the Meeting by the designated officers of the State Bank of India, on production of satisfactory evidence of his/her identification such as Passport/ Driving Licence with photograph, Voters Identity Card or such other similar acceptable evidence.



## शेयरधारक (कों) के उपयोग के लिए

मेसर्स डेटामेटिक्स फिनेंशियल सर्विसेज लि.,  
यूनिट : भारतीय स्टेट बैंक  
प्लॉट नं. बी-5, पार्ट बी, क्रॉस लेन,  
एमआईडीसी, अंधेरी (पूर्व)  
मुंबई - 400093

टेली. नं. 022-66712198/2199/2202

निवेशक द्वारा क्रेडिट क्लियरिंग व्यवस्था के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में  
भुगतान प्राप्त करने का विकल्प देने के लिए

1. निवेशक का नाम (i) \_\_\_\_\_  
(ii) \_\_\_\_\_  
(iii) \_\_\_\_\_

2. वर्तमान पता \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

पिन: \_\_\_\_\_

टेली. नं. और मोबाइल नं. \_\_\_\_\_

ई-मेल पता: \_\_\_\_\_

(भविष्य में पत्राचार और ई-वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए)

3. फोलियो नं.: \_\_\_\_\_ (केवल कागज रूप में धारित शेयरों के मामले में)

4. पीएफ सूचकांक: \_\_\_\_\_

(केवल एसबीआई के उन कर्मचारियों द्वारा भरे जाने के लिए जिनके पास एसबीआई के शेयर हैं)

5. बैंक खाते का ब्योरा

क. बैंक का नाम : \_\_\_\_\_

ख. शाखा का नाम : \_\_\_\_\_

(पूरा पता)

पिन : \_\_\_\_\_

- ग. बैंक और शाखा का 9 अंकों का एमआईसीआर कोड

--	--	--	--	--	--	--	--	--

(जैसे बैंक द्वारा जारी एमआईसीआर चेक में दिया गया है)

- घ. खाते का प्रकार : \_\_\_\_\_

(बचत बैंक खाता (कोड 10) या चालू खाता (कोड 11) या कैश क्रेडिट (कोड 13))

- ड. खाता सं. (जैसे चेकबुक में दी गई है। कृपया एक कोरा "रद्द" चेक या उसकी फोटो प्रति संलग्न करें)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

में एतद्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर दिया गया ब्योरा ठीक और पूरा है। यदि अपूर्ण या गलत जानकारी के कारण लेनदेन में विलंब होता है या यह पूरा नहीं हो पाता है तो भारतीय स्टेट बैंक जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान:

दिनांक :

(प्रथम धारक के हस्ताक्षर)

- द्रष्टव्य: 1. इलेक्ट्रॉनिक (डीमैट) रूप में शेयरधारिता वाले शेयरधारक (कों) से अनुरोध है कि वे ऊपर दिया गया समस्त ब्योरा अपने डीपीआईडी/क्लाइंट आईडी के साथ अपने डिजिटल पार्टिसिपेंट (डीपी) को सूचित कर दें।  
2. शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे कागज रूप में धारित शेयरों को डीमैट खाते में लाने के लिए विकल्प दें।  
3. शेयरधारकों/बांडधारकों से अनुरोध है कि वे नामांकन सुविधा का लाभा उठाएँ।  
4. नवीनतम जानकारी के लिए [www.sbi.co.in](http://www.sbi.co.in) कारपोरेट अभिशासन/शेयरधारक सूचना देखें।



# फार्म 'क'

(देखें विनियम 16क का उप-विनियम (1))

## नामांकन फार्म

(अकेले या संयुक्त रूप से आवेदन करने वाले व्यक्ति द्वारा प्रत्येक फोलियो के लिए अलग नामांकन फार्म भरा जाए)

मैं/हम..... (1) और .....  
... (1) और ..... (1) जिनका भारतीय स्टेट बैंक का शेयर धारक फोलियो नंबर ..... है. (2) नामांकन करना चाहता हूँ/चाहती हूँ/चाहते हैं। एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्ति को एतद्द्वारा नामांकित करता हूँ/करती हूँ/करते हैं जिसे/जिन्हें उपर्युक्त फोलियो नं. के तहत धारित शेयरों के समस्त अंतरण अधिकार और/या देय राशियाँ मेरी मृत्यु/सभी संयुक्त धारकों की मृत्यु होने पर प्राप्त होंगे/होंगी।

नामिती का नाम और पता

नाम (3) : .....

पता (4) : .....

जन्म तिथि\* : .....

(\*नामिती के अवयस्क होने के मामले में दी जाए)

\*\* नामिती अवयस्क है जिसके अभिभावक निम्नलिखित हैं :

नाम (5) : .....

और पता .....

(\*यदि लागू न हो तो काट दें)

शेयरधारक का हस्ताक्षर .....

(प्रथम/अकेला धारक)

नाम : .....

पता : .....

दिनांक : .....

शेयरधारक का हस्ताक्षर (द्वितीय धारक) .....

नाम : .....

पता : .....

दिनांक : .....

शेयरधारक का हस्ताक्षर (तृतीय धारक) .....

नाम : .....

पता : .....

दिनांक : .....

दो साक्षियों का नाम, हस्ताक्षर और पता

प्रथम साक्षी का हस्ताक्षर .....

नाम : .....

पता : .....

दिनांक : .....

द्वितीय साक्षी का हस्ताक्षर .....

नाम : .....

पता : .....

दिनांक : .....

(1) शेयरधारक (कों) का/के नाम

(2) फोलियो नं.

(3) नामिती का पूरा नाम स्पष्ट अक्षरों में

(4) नामिती का पूरा स्थायी पता

(5) अवयस्क के अभिभावक का नाम और पता

# Form 'A'

(See sub-regulation (1) of regulation 16A)

## Nomination form

(Separate nomination form should be submitted for each folio by individual applying singly or jointly)

I/We.....(1) and .....  
(1) and .....(1) the holders of shares under Folio number .....(2) of State Bank of India wish to make a nomination and do hereby nominate the following person in whom all rights of transfer and / or amount payable in respect of the shares held under the aforesaid Folio No. shall vest in the event of my death / death of all joint holders.

Name and address of nominee

Name (3) .....

Address(4) : .....

Date of birth\* :.....

[\*To be furnished in case the nominee is a minor]

\*\*The Nominee is a minor whose guardian is :

Name (5).....

And Address .....

(\*\* To be deleted if not applicable)

Signature of shareholder .....

(First/sole holder)

Name.....

Address.....

Date.....

Signature of shareholder (second holder) .....

Name.....

Address.....

Date.....

Signature of shareholder (third holder).....

Name.....

Address.....

Date.....

Name, signature and address of two witnesses

Signature of first witness .....

Name.....

Address.....

Date.....

Signature of second witness.....

Name.....

Address.....

Date.....

(1) Name of shareholder(s).

(2) Folio No.

(3) Full name of nominee in capital letters.

(4) Complete permanent address of nominee.

(5) Name and address of guardian of minor.





## पुरस्कार एवं सम्मान

## AWARDS AND ACCOLADES



- ‘प्रयास’ को ‘ख’ क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका का पुरस्कार प्राप्त हुआ। फोटो में भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के कर-कमलों से बैंक के तत्कालीन उप प्रबंध निदेशक एवं कारपोरेट विकास अधिकारी, श्री बी. वी. चौबल पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं।  
PRAYAS was awarded as the best in - house magazine in ‘B’ region.  
Seen in the picture is Hon. President of India, Shri Pranab Mukherjee handing over the award to Mr. B. V. Chaubal, then DMD & CDO.



- कारपोरेट सामाजिक दायित्व के लिए सम्मान एवं पुरस्कार  
Honours and Awards for Corporate Social Responsibility



- भारतीय बैंक संघ (आईबीए) से बैंक को वर्ष 2013 के सर्वश्रेष्ठ टेक्नॉलाजी बैंक का सम्मान प्राप्त हुआ।  
The Bank has been recognised by IBA as ‘Best Technology Bank of the Year 2013’.



- मानव संसाधन में उत्कृष्टता के लिए गोल्डन पीकाक अवार्ड।  
Golden Peacock Award for HR excellence

# सामाजिक योगदान

## SOCIAL COMMITMENTS



बंगलुरु में एम्बुलेंस भेंट  
Ambulance donation at Bengaluru



टाटा मेडिकल सेन्टर, कोलकाता को पीईटी स्कैनर भेंट  
Donation of PET scanner to TATA Medical Centre, Kolkata



रामकृष्ण मिशन, कोलकाता को भेंट  
Donation to Ramkrishna Mission at Kolkata



मुंबई में विशिष्ट सबल बच्चों के लिए सहायता  
Supporting differently abled Children at Mumbai





हमारे आरसेटी के माध्यम से कर्नाटक राज्य में शारीरिक रूप से निःशक्त व्यक्तियों के लिए निपुणता विकास कार्यक्रम आयोजित करने हेतु ईनेबिल इंडिया (एनजीओ) के साथ बैंक ने एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।  
An MoU was signed with Enable India (NGO) for imparting skill development programme for physically challenged persons in the state of Karnataka through our RSETIs



मानसिक रूप से निःशक्त बच्चों के लिए, कोटापेट, हैदराबाद में स्थित मानस स्पेशल स्कूल को स्कूल वैन भेंट की गई।  
Donation of school bus to Manasa Special School for Mentally Challenged, Kothapet, Hyderabad



अध्यक्ष महोदय द्वारा केरल के एक स्कूल को कंप्यूटर भेंट किए गए।  
Donation of Computers to a school in Kerala at the hands of Chairman.



भारतीय स्टेट बैंक की विशेषीकृत सूक्ष्म वित्त शाखा द्वारा एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी धारावी में महिला सशक्तीकरण  
SBI's Specialized Micro Finance Branch (SMFB) at Dharavi, the biggest slum settlement in Asia, focuses on empowerment of women.

# ग्रामीण-महानगरीय सभी शाखाओं को नई साज-सज्जा THE NEW LOOK - RURAL TO METRO



जयथल ग्रामीण शाखा, उज्जैन, मध्य प्रदेश  
Jaithal Village Branch,  
Ujjain, Madhya Pradesh



नेपीयन सी रोड मुंबई, महाराष्ट्र  
Nepean Sea Road,  
Mumbai, Maharashtra



अध्यक्ष महोदया द्वारा अखिल महिलाकर्मि  
शाखा, चंडीगढ़ का शुभारंभ  
Chairman lighting the lamp to  
inaugurate All Women Employee  
Branch at Chandigarh



शेयरधारकों की 21 जून 2013 को  
संपन्न वार्षिक महासभा का एक दृश्य  
View of the Annual General  
Meeting of Shareholders on  
21st June, 2013

# जीवन में खुशियां लाए... Spreading Happiness...



[www.sbi.co.in](http://www.sbi.co.in)



एसबीआई कप सिंगापुर में अच्छी क्रिकेट का पर्याय बन चुका है।  
SBI Cup has become synonymous with good cricketing in Singapore.



प्रख्यात लेडी गोडीवा का विशाल पुतला एक वर्ष पहले ओलंपिक खेलों के लिए लंदन से कावेंटरी (यू.के.) में लाया गया था। इस अवसर पर हमारी स्थानीय शाखा द्वारा प्रायोजित समारोह का एक चित्र।  
The return of the gigantic mannequin of Lady Godiva, a historical figure, to Coventry (U.K.) from London, where it was carried for Olympics one year back, was celebrated with great fanfare and sponsored by our local branch.



बैंक द्वारा चेन्नई में प्रायोजित पिकेथॉन के सहभागी।  
Participants of PINKATHON at Chennai, sponsored by the Bank.



चेयरमेन्स क्लब के नवीनतम पुरस्कार विजेता। यह एसबीआई के श्रेष्ठ उपलब्धियां अर्जित करने वालों का एक अद्वितीय क्लब है।  
Latest Awardees of the Chairman's Club, an exclusive club of high performers of SBI



## स्टेट बैंक भवन

कारपोरेट केंद्र,  
मादाम कामा मार्ग, मुंबई,  
महाराष्ट्र - 400021

## State Bank Bhavan

Corporate Centre,  
Madame Cama Marg, Mumbai,  
Maharashtra - 400021

Follow us on :



theofficialsbi



statebankofindiaofficial

FORM 'A'

1	Name of the Company	STATE BANK OF INDIA
2	Annual Financial statements for the year ended	March 31, 2014
3	Type of Audit observation	<p><b>Emphasis of Matter</b></p> <p>1. We draw attention to Notes 18.8 of Schedule 18: 'Notes to Accounts regarding:</p> <p>(a) para 16: regarding utilisation of specific provisions of Rs 2056.26 crores made in earlier years;</p> <p>(b) para 18: utilization of counter cyclical provisioning buffer amounting to Rs. 750 crores towards specific provision for Non-Performing Assets;</p> <p>(c) para 19: charge of Rs.1,525.13 crores to Revenue and Other Reserves for creation of Deferred Tax Liability on Special Reserve created u/s 36(1)(viii) of Income Tax Act, as per RBI guidelines.</p> <p>Our opinion is not qualified in respect of the above stated matters.</p>
4	Frequency of observation	Nil
5	Arundhati Bhattacharya Chairman	<i>A. Bhattacharya</i>
	R K Saraf Dy. Managing Director & CFO	<i>R. Saraf</i>
	G Narayanaswamy M/s S Venkatram & Co., Chennai (Consolidating Auditors)	<i>G. Narayanaswamy</i>
	S Venkatachalam Chairman, Audit Committee of the Board	<i>S Venkatachalam</i>

Place : Kolkata

Date : 23<sup>rd</sup> May 2014

